

PUBLISHED BY AUTHORITE

सं० 71

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 12, 1983 (भाघ 23, 1904)

No. 7]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 12, 1983 (MAGHA 23, 1904)

इस भाग में भिन्न पृब्ध संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग नंकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्र ह और यहालेखा गरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भार्रत सरकार के तंलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 दिसम्बर 1982

सं० ए० 19014/9/79-प्रशाo-I- -वैज्ञानिक ग्रौद्योगिक ग्रनुसंधान परिषद् में परीक्षा नियतक के पद पर नियुक्ति हेत् उनका चयन हो जाने के परिणाम स्वरूप डा० रवि पी० भाटिया को जो शैक्षिक ग्रनुसंधान की राष्ट्रीय परिषद में स्थायां लेक्चरर तथा इस समय संघ लो ह सेवा भ्रायोग मे भ्रवर सचिव के पद पर प्रतिनियाक्त पर है, 30 दिसम्बर, 1982 के अपराह्न से संघ लोक सेवा अध्योग कार्यालय से कार्यभार मुक्त किया गया है।

दिनांक 11 जनवरी 1983

सं० ए० 35014/2/80-प्रशाo-II ---सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायंग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय मे किनष्ठ लेखा अधिकारी श्री एम० पी० साथुर को 12-1-1983 से 🗸 8-2-1983 तक भ्रडतालीस दिन की भ्रविध के लिए प्रथवा ग्रागामी प्रादेशो तक, जो भी पहने हो, श्रायोग के कार्यालय में लेखा भ्रधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते है। 1 -456 GI/82

सं० पी० 1783/प्रशा० II -- उनका नियंत्रक महालेखा परीक्षक कार्यालय नई दिल्ली में प्रशासनिक ग्रधिकारी (निरीक्षण) के पद पर चयन हो जाने के परिणाम स्वरूप महालेखाकार कार्यालय उड़ीसा में लेखा अधिकारी तथा सं० प्रति संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिधियुक्ति पर लेखा अधिकारी श्री वी० रामचन्द्रन की लेवाएं 11-1-1983 (ग्रपराह्न) से नियंत्रक महालेखा परीक्षक के कार्यालय को उनके ग्र० शा० पत्र सं० 7459/सी० ई० तथा प्रशा०/14-82 दिनांक 27 दिसम्बर, 1982 की शर्तों के म्रनुसार सौंपी जाती हैं।

> य० रा० गांधी श्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिलगे, दिलांक 11 जनवरी 1983

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा $^{-1}$ I—सचिव, संघ लोक सेवा श्रयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के निम्नलिखित भ्रधिकारियों का 12-1-1983 से 28-2-1983 तक भ्रथवा , श्रागामी श्रादेशों तक, जो भो पहले हो, संघ लोक सेक्ना 👵

(2623)

के काय्रलिय में सेखा अधिकारी के संबंध बाह्य पर पर तब प आधार पर कीर्य करने के लिए नियक्त N कर हैं।— कम सं नाम तथा ध्रिपदनाम

1. श्री बीठ सीठ काजला, ग्रनुभाग ग्राधुकारी (केठ सठ सठ संवर्ग)।

2. श्री ऐक के ० शर्मा, श्रनुभाग । श्रिधिकारी (के० स० से० रूँ संवर्ग)।

> य० रा० गार्धः श्रवर सचिव (प्रमा०) कृते सचिव संघ लोक सेवा भ्रायोग

मई दिस्ली, विनांक 7 जनवरी 1983

सं० ए० 31013/2/82-प्रधा०-2---प्रध्यक्ष, संध लोक सेवा द्यायोग एतद्बारा श्री प्रदीप मेहता को 1-5-1982 से संध लोक सेवा द्यायोग के कार्यालय में इंजीनियर के पद पर जस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> य० रा० गांधी भवर सचिव (प्र०) इस्ते भ्रष्टमक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 विसम्बर 1982

सं० ए० 32014/2/80-प्रणा० II — इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिक्षिस्चना दिनांक 22-9-1982 के अनुऋम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्दारा संघ लोक सेवा आयोग एतद्दारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को 1-12-1982 से 28-2-983 तक की अविधि के लिये, ग्रामचा आयामी आदेशों तक, भी भी पहले हो, सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं :—

- 1. श्री एस० पी० वंसल।
- 2. श्री बी० ग्रार० गुप्ता।
- 3. श्री एस० सी० मस्ताना।

सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर सर्वश्री एस० पी० बंसल, बी० श्रार० गुप्ता श्रीर एस० सी० मस्ताना की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थं श्राधार पर श्रीर इससे उनको उक्त ग्रेड में वरिष्ठता श्रथवा विलयन का कोई हक प्राप्त नहीं होगा।

> आई० सी० कम्बोज अनुभाग अधिकारी कृते शब्यक, संव लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय ,सतकेतः श्रामोगः,

नई दिल्ली, दिमांक 6 जनवरी 1983

द्विधि सं० 2/13/82-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री सुरजीत सिंह, स्थाई सहायक केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग को स्थानापन्न रूप से दिनांक 17-12-82 से 16-3-83 तक या श्रगले श्रादेश तक जो भी पहले हो, तदर्थ श्रनुभाग श्रीधकारी रु० 650 (710)-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

सं० 2/13/82-प्रणासन—केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री जगदीण चन्द्र कपूर, स्थाई सहायक केन्द्रीय} सतर्कता भायोग को स्थानापन्न रूप से विनांक 20-12-82 से 28-1-1983 तक या ग्रगले भादेश नक, जो भी पहले हो तदर्थ अनुभाग ग्राधकारी रु० 650 (710)-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के बेतन मान में नियुक्त करते हैं।

सं० 2/13/82-प्रशासन—केद्रीय सतर्कता प्रायुक्त एतद्द्वारा श्री पी० एम० पिल्ले, स्थाई सहायक, केन्द्रीय सतर्कता धायोग को स्थानापन्न रूप से दिनांक 18-11-82 से 15-2-83 तक या अगले भादेश तक जो भी पहले हो, तदर्थ प्रनुभाग प्रधिकारी रु० 650 (710)-30-740-35-810 ई० बो० 35-880-40-1000ई० बी०-40-1200 के बतनमान में-नियुक्त करते हैं।

कृष्ण साल मस्होता ग्रवर सचिव इते केन्द्रीय सतकंता ग्रायुक्त

गृह मंत्रालय

महानिदेशाक्षय केम्द्रीय रिजर्व पुलिस नई दिल्ली-110003, दिनोक 18 जनवरी 1983

सं० ग्रो० दो० 1776/83 स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर ग्रमरेन्द्र नारायण साही को श्रस्थायी रूप से ग्रागामी भादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजंब पुलिस बल में जी०डी०ओ०ग्रेड II(डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 6 जनवरी 1983 पूर्वाह्र से डाक्टरी परीक्षण ठीक पायें जाने की शतें परनियुक्त करते हैं।

सं भो दो 1756/82-स्थापना महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्बे पुलिस बल ने डाक्टर विजय कुमार डागड को 26 नवम्बर 1982 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहल हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर तथर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० भ्रो० दो 1762/82-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर टी० दिवाकर जैयन्ता को 2 जनवरी 1983 के पूर्वाक्क से केवल तीन माह के लिये भ्रथमा उस पर पद नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारी तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ग्रो० दो 1775/83-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर नवल किशोर को श्रस्थायी रूप से ग्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० भ्रो० ग्रेड- (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पव पर 4 जनवरी 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० श्री० दो 1777/83-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर जी० कचनाकरन को 30 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमित्र नियुक्ति होने तक इन में जो भी पहले उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रीधकारी के पद पर तवर्ष रूप से नियक्त किया है।

ए० के० सूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-3, दिनांक 14 जनवरी 1983

सं० ई०-16012(1)/4/82-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर श्री एस० सी० टण्डन श्राई० पी० एस० (राजस्थान 1952) ने 6 जनवरी 1983 के अपराह्म से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली के महा-निरीक्षक (मुख्यालय) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नईदिल्ली-110011,दिनांक 22 जनवरी, 1983

सं० 10/16/82-प्रणा०-1—राष्ट्रपति निम्नलिखित प्रिधिकारियों को नई दिल्ली में, भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में उनके नामों के सामने दिशत तारीख से एक वर्ष से श्रनधिक श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार परर्भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो पूर्णतः श्रस्थायी श्रौ तदर्थ आधार पर अनुसंधान श्रधिकारी (सामाजिक श्रध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:——

करुसं० भ्रधिकारीकानाम नियुक्तिकी तारीख

श्री सी० चक्रवर्ती . 24 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्म)
 श्रीमती सुमन पराशर . 24 नवम्बर, 1982 (पूर्वाङ्म)
 श्री राजेन्द्र प्रसाद . 30 नवम्बर, 1982 (पूर्वाङ्क्म)

 उपरोक्त तीनों प्रधिकारियों का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

> पी० पदमनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 12 फरवरी 1983

सं. 23/3/82-सी. पी. आई. —िवसम्बर, 1982 में आंद्योगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार यर्ष 1960=100) नवम्बर, 1982 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 497 (चार सी सत्तानवें) रहा। दिसम्बर, 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 604 (छः सी चार) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निद्योक, श्रम म्यूरो

कार्यालय, भारतीय लोक परीक्षा तया लेखा विभाग महालेखाकार जम्मू काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 17 जनवरी 1983

सं० प्रशा०-1/218-ए०---महालेखाकार ने 14-1-1983 (पूर्वाह्म) से प्रभावी प्रगले ग्रावेश होने तक एक स्थाई ग्रनुभाग प्रधिकारी श्री मोहन लाल चकू को रुपये 840-40-1000-४० रो०-40-1200 के वेतनमान में (स्थानापन्न धारिता में) लेखा ग्रधिकारी के रूप में प्रोन्नत किया है।

मुहमस्य शफी उप महालेखाकार(प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० प्रशासन-11/जी०-राजपस, मिधसूजना/778— महालेखाकार-1 राजस्थान ने निम्नलिखित प्रवर अनुभाग प्रधिकारियों को पदीश्रत करके उनके आगे दिये दिनांक से अग्रतर भादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थापना -पन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है:---

1. श्री गुरू चरण सिंह तरवाल

. 30-11-82(¶°)

2. श्री मुकूट बिहारी कासट

31-12-82(पू०)

मधन सिंह शेखावत वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

उद्योग मंद्रालय

भ्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1983

सं० ए०-19018(194)/75-प्रज्ञा० (राज०)—-राष्ट्रपति, श्री ए० बंदोपाध्याय उपनिदेशक (वैज्ञुत), विकास ग्राबुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली को 28-6-82 से 16-9-82 तक की अवधि के लिए उसी हार्थालय में तदर्थ आधार पर निदेशक, ब्रेड-II (वैद्युत), नियुक्त करते है।

2. श्री ए० बन्दोपाध्याय ने निदेशक, ग्रेड-II (वैद्युत) के रूप में नियुक्त होने पर 28-6-82 पूर्वाह्न को उसी कार्यालय में इस पद का कार्यभार संभाग लिया ना ग्रीर कार्यावधि समाप्त होने पर उर्स कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (वैद्युत) पद का कार्यभार 16-9-82 शपराह्म को छोड दिया ।

सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० ई०-II (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के ग्रिधिसूचना सं० ई०-II(7) मे श्रेणी 2 नायट्रेट-मिश्रण के ग्रधीन "कोलेक्स-1 तथा डायनेक्य-3" दिराक 31-12-82 के स्थान पर "31-12-1983" प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 19 जनवरी 1983

स० प-6/247/(415)/63—निदेशक निरीक्षण (धातु) बर्णपुर के कार्यालय मे स्थायी निरीक्षण ग्रिधिकारी (धातु रपायन) श्री ग्रार० एन० दास गुप्ता को दिनाक 24-12-1982 के पूर्वाह्न से उप निदेशक निरीक्षण (धातु) दुर्गापुर के लार्यालय मे सहायक निदेशक निरीक्षण (धानु रसायन) ग्रेडIII (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धातु रसायन शाखा) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर पदोन्नत किया जाता है।

श्री दास गुप्ता ने दिनांक 23-12-1982 के श्रपराह्न से सहायक निरीक्षण श्रधिकारी धातु ज्यायन का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 24-12-82 के पूर्वाह्न से महायक निदेशक निरीक्षण (धातु रमायन) का पदभार संभाल लिया है।

दिनांक 20 जनवरी 1983

सं प्र-17011/215/83-प्र०-6—महानिदणक पूर्ति तथा निपटान ने निदेशक निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री दलीप सेकर बनर्जी को उसी कार्यालय में 1 जनवरी 1983 (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेश दिए जाने तक तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (वस्त्र) के पद पर नियुक्त किया है।

> एस० एल० कपूर उप्िनिदेशक (प्रशासन) क्रते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (इस्पान विभाग) लोहा और इस्पात नियवण

कलकत्ता-20, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० स्था०-12(41)/82(.)—-म्रिधवार्षिकी की म्रायु प्राप्त होने के फलस्वरूप श्री ज्योति रजन चक्रवर्ती, सहायक लोहा भ्रौर इस्पात नियन्नक ने दिनाक 31 दिसम्बर 1982 के म्रपराह्न से भ्रपना कार्यभार त्याग दिया है।

सुभाष चन्द्र मजुमदार संयुक्त लोहा ग्रौर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलफत्ता-700016, दिनांक 20 जनवरी 1983

सं० 538डी/ए-19012(3 एच० एन०)/82-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री एच० तस्कर को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, ग्रस्थाई क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 26-11-82 के पूर्वाह्न से, पदोन्नति पर, नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 548डी/ए-19012(3-एस० बी०)/82-19बी०— श्री सौरेन विश्वास, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-310-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान मे, ग्रस्थाई क्षमता मे, ग्रागामी प्रादेण होने तक 26-11-82 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 588डी (ए-19012 (3 बी० के० जी०)/82-19वी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरिष्ठ तकनीकी पहायक (रसायन) श्री बी० के० गुहा को न्सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-35-880-40-1 के वेतनमान मे, ग्रस्थाई क्षमता मे श्रागामी ग्रादेश होने तक, 26-11-82 के पूर्वाह्न मे, पदोन्नति पर, नियुक्त किया जा रहा है।

दिनाक 21 जनवरी 1983

स० 496वी/ए-19012(ए० सी० ए० श्रो०-एस० एस० श्रार०)/19ए०—श्री एस० सुब्बा राव, लागत लेखाकार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सहायक लागत लेखा श्रिधकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थाना-

पन्न क्षमता में, आगानी अन्देश होने तदा 16-11-82 के पूर्वाह्न से, पदोन्नति पर निय्क्त किया जा रहा है।

सं० 505बी/ए०-19012(एम० स्रार० जी०)/80-19ए०—श्री एम० स्रार० गोपाल कृष्ण को भण्डार प्रधिकारी के रूप मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतर,मान मे, स्रस्थाई क्षमता मे, स्रागमी स्रादेश होने तक 9-12-1982 के स्रष्टराह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 517बी/ए०-19012 (उ-टी० बी० पी०)/82-19बी०—श्री तिमिर बरण पाल, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रौ०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, ग्रस्थाई ध्मता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 26-11-82 के पूर्वाह्न से पदोव्रति पर नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

त्चना ग्रोर प्रसारण मंदालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनाक 15 जनवरी 1983

सं० 6/35/57-इस्टेट-1---मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, श्री एम० एत० गंगाधर, स्थायी कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 10 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश के जारी होने तक श्री एम० एम० वैद्य, मुख्य कैमरामैन के दिनाक 30 नवम्बर, 1982 (श्रपराह्न) से सेवा-निवृत्त होने की स्थिति मे उनके स्थान पर, वहीं कार्यालय में स्थाना-पन्न मुख्य कैमरामैन के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जनवरी 1983

स० ए०-20012/8/73-इस्टेट-1—सघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों से मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एम० पी० सिन्हा को फिल्म प्रभाग, वम्बई में ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनाक 24 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, समा-चार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनाक 19 जनवरी 1983

सं० 3/4/62-ई० एस० टी०-1—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, एतद् द्वारा श्री एन० एन० राव, स्थायी वैमरा-मैन को फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 13 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्व से अगला आदेश जारी होने तक कैमरामैन (कार्ट्न फिल्म यूनिट) के पद पर नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

एन० एन० शर्ना प्रशासकीय स्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

रणस्थ्य नवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 5 जनवरी 1983

स० ए० 19012/6/82-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेण उन श्री पी० सी० का को 1 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्न से ग्रागाभी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भण्डार, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति णतों पर लेखा ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनाक 21 जनवरी 1983

स० ए० 19012/21/79-एस० म्राई०—सेवा निवर्तन की ग्रायु के हो जाने पर, सरकारी चिकित्सा भण्डार, हैदराबाद के महायर्क डिपो प्रवन्धक श्री जी० कुन्हीकृष्ण 30 नवम्बर, 1982 के ग्रपराह्म से नरकारी सेवा से निवृत हो गये है।

स० ए०-19012/7/81-प्टोर-1—सेवा निवर्तन की भ्रायु हो जाने पर सर्गरी चिकत्सा सामग्री भण्डार, वस्वई के सहायक डिपो मैनेजर श्री पी० ए० सावन्त 30 नवस्वर, 1981 भ्रायाह्न से सरकारी नेवा से निवृत (रिटायर) हो गये हैं।

रमेश चन्द्र' उपनिदेशक प्रशापन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनाक 5 जनवरी 1983

स० ए० 19018/35/82-एम० (एफ० एड एल०)— डा० बी० गोपालकृष्णन् का त्याग पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 10 नितम्बर, 1982 के अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पर्ण्डिचेरो से विष्ट अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यक्षार छोड दिया है।

> पी० एन० ठाकुर उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 18 जनवरी 1983

सं० ए०-6—9/70-प्रशासन-1 (पार्ट-3)/ई० पी० ग्राई० —-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एफ० सी० मेहरू, सहायक विद्युत ग्रिभियन्ता, केन्द्रीय श्रनुसंधान सस्थान, कसौली को ग्रपना त्यागपव, जिसे 15 जनवरी, 1983 से स्वीकार कर लिया गया था, वापिस लेने की ग्रनुमित दे दी है।

सं० ए० 12025/11/81-एम० टी० श्राई०/प्रणा०-1/टी० बी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० चन्द्रशेखर को 15 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलीर में एक्सरे इंजीनियर के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिह, उपनिवेशक प्रशासन, (ई० ऐ) जी०)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1983

सं० ए० 22013/1/81-के० स० स्वा० यो०-1-डा० (श्रीमती) येणी सरकार का केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, श्रहमदाबाद को बदली हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 18 नवम्बर, 1982 श्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के श्रधीन होम्योपैथिक फिजीशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 22 नवम्बर, 1982 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, श्रहमदाबाद के श्रधीन होम्योपैथिक फिजीशियन के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

टी० एस० राव, उपनिदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० पी० ए०/79(4)/80-म्रार०-ПП---नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री वैद्यनाथन कृष्णमूर्ति, सहायक सुरक्षा ग्रधिकारी (एस० जी०) को सुरक्षा ग्रधिकारी (650-960 रुपये) पद पर कार्य करने हेतु इस म्रनुसंधान केन्द्र में 24-11-1982 (पूर्वाह्म) से 24-12-1982 (म्रपराह्म) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-श्रार०- — नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री जयंत विश्वनाथ नाइक, सहायक को सहायक कार्मिक श्रधिकारी (650-960 रुपये) पद पर कार्य करने हेतु इस श्रनुसंधान केन्द्र में 29-11-1982 (पूर्वाह्र) से 1-1-1983 (श्रपराह्म) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79 (4)/80-आर०-III.— नियत्तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्रा बीर बहादुर सिंह, सहायक सुरक्षा अधिकार। (एस० जी०) की सुरक्षा अधिकार। (650-960 रुपये) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 2-11-1982 (पूर्वाह्न) से 12-12-1982 (श्रपराह्न) तक की यमयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 7 जनवरी 1983

सं० पी० ए०/79 (2)/81-म्रार०-Ш:—श्रं। नरूठे-तिल्ल परमेश्वरन गणेगन, सहायक कार्मिक श्रिषकार्। ने तारापुर परमाणु बिजर्म। घर, तारापुर से स्थानाम्सरित होने पर 28 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्न को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी का पदभार संभाल लिया।

दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० पो० ए०/34 (2)/80-प्रार०-III---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्रा वैद्यनाथन कृष्णमूर्ति, स्थायी सहायक सुरक्षा श्रधिकारी भा० प० अ० केन्द्र को सुरक्षा श्रधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 1-1-1983 (पूर्वाह्र) से श्रिप्रम आदिशों तक नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

कय भीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 25 नवम्बर 1982

मं० ऋ० भ० नि०/23/4/82-स्थापना/34936—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक ऋय अधिकारी श्री पी० बालसुअमनियम् की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी ऋय सहायक श्री बी० सी० चन्द्रन को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 13-10-1982 (पूर्वाह्म) से 12-11-82 (प्रपराह्म) सक के लिये तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से महायक ऋय अधिकारी नियुक्त स्था है।

सं० कि० भ० नि०/23/5/80-स्थापना/34932--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने सहायक भंडार प्रधिकारो श्री पी० वी० प्रभाकरन् की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी भंडारी श्री गोपी बन्द गुप्ता को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में [4-5-1982 (पूर्वाह्म) से 11-6-1982 (प्रपराह्म) तक के लिये तदर्थ श्राधार पर इसी निवेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 13 जनवरी 1983

सं० ऋ० भ० नि०/41/1/83-प्रशा०/1424-परमाणु कर्जा विभाग के ऋय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने सहायक ऋय प्रधिकारी श्री सी० जे० मूलचंदानी की ऋय प्रधिकारी के रूप में तदर्थ श्राधार पर पदोन्नति हो जाने पर स्थायी ऋय सहायक श्री रंगनाथ कृष्णा प्रय्यर की रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 17-11-82 (पूर्वाह्र) से 24-12-82 (श्रपराह्र) तक के लिये तदर्थ श्राधार पर इसी निवेशालय मे स्थानापन्न रूप से महायक ऋय श्रिधकारी नियक्त किया है।

दिसांक 18 जनवर। 1983

सं० ही० पी० एस०/2/1 (16)/82-प्रशा०/2015— हम निदेशालय की ताराख 10 सितम्बर, 1982 की प्रधि-मूचना के प्रागे परमाण ऊर्जा विभाग के क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सह यक श्रीपा० एच० सावंत को रूपये 650—30—740—35—810—द० रो०— 35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतनमान में इसी निदेशालय में 9 दिसम्बर, 1982 (ग्रपराह्म) तक के लिए तवर्ष श्राधार पर स्थानापक रूप से ग्रीर 10 दिसम्बर 1982 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए नियमित रूप में सहायक क्रय श्रधिवारी नियुवत विद्या है।

> के० पी० जोसफ प्रशासनिक भ्रधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना प्रणुशक्ति, दिनांक 20 जनवरी 1983

सं० रा० प० वि० प०/04627/1 (424)/82/प्रशा०/स्थ०/45--परमाणु ऊर्जा विभाग, राजस्थान परमाणु किजली-घर से श्रां के० एम० दामोदरन, वैज्ञानिक प्रिधकारी इंजा-नियर ग्रेड एस० बी० दिनांक 31-12-1982 के श्रपराह्म में ग्रिधविषता पर स्त्रा निवृत्त हो गए।

वी० पी० नाईक प्रशासन ग्रीधकारी (स्थापका) इते मुख्य परियोजना ग्रीभयन्ता

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनाक 15 जनवरी 1983

मं० प० खा० प्र0-1/38/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एसद्द्वारा श्री एन० गोपाला कृष्णामाचार्युलु को परमाणु खनिज प्रभाग भे 11 जनवरी, 1983 के श्रपराह्म से श्रगले श्रादेश तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/श्रभियन्ता ग्रेड "एम० बी०" निय्कत करते हैं।

टी० डी० धाडगे वरिष्ठ प्रभासन व लेखा श्रधिकारी

नारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे-421594, दिनांक 18 जनव,र्रः 1983

सं ता पर बि पर/2/1022/71—मुख्य अधीक्षक, नारापुर परमाणु बिजलीबर, परमाणु ऊर्जा विभाग, इसी बिजलीबर में स्थाया वैज्ञानिक सहायक बी" श्रीर स्थानापस वैज्ञानिक श्रीधकारं।/श्राभियंता 'एस० बी०' श्री पी० तंगवेलु

का सेवा से स्यागपत दिनाक 14 दिसम्बर, 1982 अपराह्म से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

श्रादेश

सं० ता० प० बि० घ०/प्रशा०/सं० श्रीर प०/59 (212)/82—जबिक तारापुर परमाणु बिजलीघर मे सहायक् सुरक्षा श्रिष्ठकारी श्री भाई० पी० राजन ने दिनांक 4 श्रीर 5 श्रगस्त, 1982 के परलग्नक सहित दिनांक 2 श्रगस्त, 1982 से 3 श्रगस्त, 1982 तक के लिए श्राकस्मिक श्रवकाण के लिए श्रावेदन किया था;

श्रौर जबिक स्वीकृत किए गए उपरोक्त श्राकस्मिक अवकाश की समाप्ति पर श्री राजन ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया;

ग्रीर जबकि दिनांक 12 श्रगस्त, 1982 की श्री राजन के स्थायी पते (जैसा उनकी सेवा पुस्तक में दर्ज है) पर एक पत्न भेजकर उनको दिनांक 31 श्रगस्त, 1982 से पूर्व कार्यभार ग्रहण करने का निदेश दिया गया;

श्रीर जबिक श्री राजन ने श्रपनी लगातार श्रनुपस्थिति के संबंध में कोई संतोषजनक आरण नही दिया श्रीर उन्हें इस कार्यालय के ज्ञापन संवताव पव बिव घव/प्रशाव/संव श्रीर पव/59 (212)/82, दिनोक 25 श्रक्तूबर, 1982 के द्वारा केन्द्रीय नागरिक मेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रपीक्ष) नियमावली, 1965 के नियम 14 के श्रन्तर्गत जांच श्रायोजित किये जाने के प्रस्ताव से श्रवगत कराया गया। उनको यह निदेश भी दिया गया कि उपरोक्त ज्ञापन की प्राप्ति के दस दिनों के भीतर बचाय में श्रपना लिखित बयान दें श्रीर यह भी बसाएं कि वे स्वयं उपस्थित होकर कुछ कहना चाहते हैं श्रथवा नही;

ग्रीं जबिक बचाव में ग्रपना लिखित बयान देने या यह सूचित करने, कि वे स्वयं उपस्थित होकर कुछ वहना चाहते हैं ग्रथवा नहीं, श्री राजन ने कोई परवाह नहीं की;

भीर जबिक श्री राजन को रिजस्टर्ड डाक पावती देय द्वारा समसंख्यक ज्ञापन दिनाव 9 विसम्बर, 1982 भेजकर उन्हे दिनांक 24 दिसम्बर, 1982 से पूर्व प्रधोहस्ता-क्षरी को बचाव मे श्रपना लिखित बयान देने का दूसरा श्रवसर दिया गया किन्तु डाक कार्यालय क्षारा उपरोक्त ज्ञापन को इस टिप्पणी के साथ श्रविमरित लीटा दिया गया कि पाने वाला भारत से बाहर है;

और जबिक श्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि श्री राजन को श्रपना बचाव करने के लिए उचित श्रीप न्यायोक्ति श्रवमर दिए गए जिनका लाभ उठाने में वे श्रसफ्ल रहे,

ग्रौर जबकि श्रधोहस्साक्षरी संतुष्ट है कि केन्द्रीय नागरिक सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण ग्रौर श्रपील) नियमावली, 1965 के प्रावधानों के अनुसार जांच आयोजित विया जाना य्दित-युक्त तौर पर साध्य नहीं है;

तः अब इस मामले मे बेन्द्र य तागरिं हेट ए' (हर्गी-का-ण, नियंत्रण और रूपील) नियमादली, 1965 के तिरम 19 (II) के अन्तर्गत विगेद कार्यीवधि अपनाते हुए अंद केन्द्र य नागरिंग सेवाएं (वर्गीगरण, नियमण और हर्पाल) नियमावला, 1965 के नियम 12 के राथ पटित परमण ऊर्जा विमाग की आधमुचना संव 22 (1)/68-प्रणाट-II, दिनाक 7 जुलाई, 1979 के उनुसार प्रदत्त शामित्यों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरा आदेश देते हैं कि श्री आई० पी० राजन, स्हायन मुरक्षा अधिनार को राव दिन प्रभाव से सेवा से निष्कासित किया जाए।

श्र. राजन को एतद्द्वारा सूचित विया जात है वि वे वे इस प्रादेश के विरुद्ध मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीयर से अप ल दर सकते हैं। यदि वे इस आदेश के विरुद्ध अप।ल करना चाहते हैं ते उन्हे ऐसा 45 दिने क अवधि के भातर करना चाहिए।

> सी० शंकर मुख्य प्रशासनिक ग्रधिकारी

ठाणे-201504, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं०-टो ए पी एस/1/34(1)/76-आर(खंड-II)—मृख्य-प्रश्नीक्षकः, तारापुर परमाणु बिजलं घर, परमण्णु कर्जा विभाग, तारापुर परमाणु बिजलं घर मे वैज्ञानिक सहायक 'सीं' श्रो सि ० एवं० चौधर' को इस बिजलाघर मे ग्रस्थायी क्षमता में दिनाक 1 फरवरा, 1982 को पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक के लिए वैज्ञानिक श्रिधिदारो/श्रिभियंतः ग्रेड 'एस० बीं०' के रूप में नियुक्त करते हैं।

> डा० पा० कुलकर्णी प्रशासनिक ग्राधकारी-III

तागर विमानन मंत्रालय भारत भौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ला-3, दिनांक 18 जनदरी 1983

सं० ई० (1) 00910—डा० ड ० के० त्यागा, सहायवा मौसम विज्ञाना, भारत मौसम विज्ञान विभाग, ना त्यागपत्न दिलाक 27-12-1982 (पूर्वाह्न) में स्व स्ता वर स्थि। गया है।

> के० मृडर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मोराम विज्ञान के महारिदेशका

नई बेंदल्ल -3, दिनांद 22 जनवरी 1983

सं० ए० 32013 (मौ० वि० उ० म० ति०)/1/
30-स्था० । जाष्ट्रपति द्वारा श्रां नृतम दान, तिदेशवा,
भारा नाता विज्ञान त्या या देश हसः (भाग मे दिनांका)
18-11-1932 ता पागम आदेशों तता मौगग विज्ञान के
उपमहानिदेशा, के पद पर स्थानायन्न रूप से नियुक्त विकार ता

एस० के० दास मौसम विज्ञान के अपर गहातिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० 1/106/83-स्था० —ितदेश संवार सेवा के महा-निदेशक एनद्दार: महान शाखा के तकनीकी सहायक, श्री पा० ग्रार० गुप्ता को स्थानीय व्यवस्था के रूप मे तदर्थ ग्राधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 15-11-82 से 24-12-82 तक की ग्रावधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक ग्राभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/121/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेश र एतद्द्वारा आवती शाखा के तकनीकी सहायक. श्री एम० न्यार० जोशा को स्थानीय व्यवस्था के रूप मे तदर्थ आधार पर अल्पकालिक श्वित स्थान एर 17-12-82 रे 29-1-83 तक की अवधि के लिए उस। शाखा मे स्थान पन्न रूप से सहाय. अभियंता नियुक्त वरते हैं।

> एच० एल० मलहे.त्ना उप निदेशक (प्रशा०) **कृते म**हानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परोक्षा निर्देशालय मीमा शुल्क एवं केन्द्राय उत्पादन श्रुत्य नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1983

सं० 1/83—-श्र णल० 'स० ग्ररोड़ा ने, जो पहले केन्द्राय उत्पादन शुल्य स्पाहतिलय, वानपुर में विष्ठि प्रधाक्षक के पद पर तैनात थे, वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 6-12-82 के श्रादेश सं० 207/82 (फा० सं० 32012/8/82 प्रणा०-II) के श्रनुसार सोमा शुल्क, उत्पादन शुल्क और स्वर्ण नियंवण, श्रर्प ल श्रधिकरण का दिल्ला स्थिन न्यायप ठ मे किन्छि विभाग य प्रतिनिधि ग्रुप "क" के रूप में स्थानान्तरण होने पर दिनांक 24-12-1982 के (पूर्वाह्म) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा विदेशात्य, सामा शुल्य व केन्द्राय उत्पादन गुल के इन्हर्गत उक्त पद का परिभार संभाल लिया है।

स० 3/83 -श्र ब० के० गह ने, जो पहले सांख्यिक। एव क्रासूचन निदेशालय सीमा व वेप्ट्रंय उप्टन शत्व, नया इत्ल ने विष्ठि अनुसंधान १ धिनार, हे पद पर कार्यरन थे, विक्त मंत्रालय, राजस्य विभाग के दिनाव 6 दिसम्बर, 1982 के म्रादेश मं० 207/82 (फा० सं० ए० 32012/8/82-प्रभा०-II) के म्रनुसार निरीक्षण एव लेखा निदेशालय, सीमाशुन्क व केन्द्रीय उत्पादन शुरुक मे स्थानान्तरित हो जाने पर, दिनाक 1-1-83 से सहायक निदेशक (निरीक्षण) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

बी० सी० रस्तोगी निरोक्षण निवेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी, 1983

संग 33/2/80-ई० सी०-9—निर्माण महानिवेशक, महर्ष संग लोक सेवा ग्रायोग के एक नामित श्री के० पी० सक्सेना की नियुक्त सहायक वास्तुयिद के ग्रस्थार्य पद पर के० लो० नि० विभाग मे रूपये 650/- प्रतिमाह वेतन पर रूपये 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200/- के वेतनमान में (सामान्य भन्तों सहित) दिनांक 1-1-83 से सामान्य नियम एवम् शतौं पर करते हैं। वह पहले हो तदर्थ ग्राधार पर सहायक वास्तुविद के नाते दिनांक 22-3-82 से कार्यरत हैं शौर उनका वेतन पहले हो रूपये 810/- रू० प्रतिमाह निर्धारत किया जा चुका है, जो कि वह निरन्तर ग्रहण करते रहेगे।

2. श्रो सक्सेना को दिनांक 1-1-83 से 2 वर्ष की भवधि के लिए परिविक्षा पर रखा गया है।

> ए० के० नारंग प्रकासन उपनिदेशक

विधि, स्याय तथा कम्पनी कार्य नंत्रालय

(कम्बनी कार्य विमाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्टार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर चोट्पारा प्रोपर्टी प्राईवेट निमिटेड के विषय में।

कोर्च।न, दिनांक 5 जनवर।, 1983

सं० 1777 लिक्वि०/560(3)/83—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर चोटुपारा प्रोपर्टीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर श्रीपती इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 जनवरी, 1983

स० 2358/लिक्यि०/560 (3)/400/83—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर श्रीपित इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर जौहर कार्माशयल एण्ड जनरल गुड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 जनवरी, 1983

सं० 2460/लिक्वि०/560 (3)/324/83---कम्पनी प्रधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनु-सरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर जौहर कार्माशयल एण्ड जनरल गुड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा धौर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 भौर कान्गो इलेक्ट्रिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 जनवरी, 1983

सं० 3304/लिक्वि०/560 (3)/396/83—कम्पनी श्रिष्ठिन्यम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनु-सरण मे एतद्ग्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन मास के श्रवसान पर कान्गो इलैंद्रिक्ल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिणत न किया अया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 भ्रौर महाराजा ट्रैवल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे ।

कोचीन, दिनांक 11 जनवरी, 1983

म० 2596/लिक्वि०/560 (3)/433/83—कम्पनी श्रिधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन मास के श्रवसान पर महाराजा ट्रेविल्स प्राईवेट लि-मिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> के० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स सतीण चिट फण्ड श्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 18 जनवरी, 1983

सं० 13804/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स सतीण चिट फण्ड प्राईवेट लिभिटेड का नाम धाज र्जिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स जी० एल० टेक्स-टाइल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 18 जनवरी, 1983

सं० 631/15600/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एत्रद्बारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स जी० एस० टैक्स-टाइल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी घ्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स कॉसमॉस शिपिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 19 जनवरी, 1983

सं० 638/20757/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्म कॉसमॉम शिपिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं एलिगैण्ट काफ्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 19 जनवरी, 1983

सं० 630/20790/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनदुइारा मूजना दो जातो है कि एनिप्रैण्ट काफ्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजम्टर से काट दिया गया है ग्रर्कैर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स सिमा श्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनौंक 19 जनवरी, 1983

सं० 633/12363/560 (5) — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रमुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि मैंसर्स सिमा प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं कला निर्यात प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 19 जनवरी, 1983

मं० 634/15682/560 (3)—कम्पनी प्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्इारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर कला निर्मात प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिमित न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएंगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएंगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स हिना एक्जीबिटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 19 जनवरी, 1983

सं० 637/20360/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स हिना एक्जीविटर्स प्राईवेट लिमिटेंड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त जपनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स हंजर सिनेमा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 19 जनवरी, 1983

मं० 639/20813/560 (5)—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एनद्बारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स हंजर सिनेमा प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं कर्नाड एण्ड बेलारी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनाक 19 जनवरी, 1983

सं॰ 640/2778/560 (3)---कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर कर्नाड एण्ड बेलारी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> श्रोम प्रकाण जैन, कम्पनियो का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

प्ररूप आईं. टी. एत्. एस . -----

अवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के समीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैज, नई दिल्ली

नई दिल्ल), दिनाक 8 दिसम्बर, 1982

स 2 भाई ०ए०सो०/एक्यू० 1/एस०ग्रार० 3/5-82/217---श्रत. मुझे नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के भ्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मूख्य 25,000/- दे० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फुषि भूमि है तथा जो गाय बिजवामन तहसील, महरोली, नई दिल्लो म स्थित है (श्रौर इसस उपाबढ़ श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिश्वित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीवक हप से की पत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण] सं हुई किसी आय की बावत उक्त आधि-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के ६न्तरफ के वाबित्व में कमी करने या उक्षसे बचने में सुविधा के लिए: भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित उ— (1) श्रो धार सिंह सुपुत्र ग्राशाराम निवासी किशन गढ़ महरौला, नई दिल्लो ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० यमीन फामस प्रा० लि० 8/3 आसफग्रलो रोड, नई दिल्लो के निदेशक बी० के पोपली क्षारा

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति की वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकारण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गमा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 2 बोघा और 8 बिस्वाराम न० 48 किला न० 25 गांव बिजवासन तहसील महरौसी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह् सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रौज 1 नई दिल्ली 110002

नारीख 8-12~1982 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस्.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रैंज, 1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर 1982 सं2 ग्राई०ए०सी०/क्यू०/1 एस०ग्रार० 3/5-82-240, प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, मंपिल, जिसका छित्र बाजार मूल्य 25,000/ का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खान पुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूत्री में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ला में भारताय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मंहुई किसो आय की बाबत खकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के किए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनायं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, छिपाने में श्रीबधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियां, अर्थात् :--

(1) श्रा बलदेय राम,
बदन मुपुत्रगण श्रा बिहारी लाल,
साबंदी सुपुत्री श्रा बिहारी लाल,
श्रामती रामी देवी विधवा पत्नी श्रा बिहारी लाल,
निवासी ग्राम खानपुर, तहसील-महरीली,
नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो एस० एस० दुगल सुपुत्र श्री राम सिंह दुगल, निवासी बी०-1/277, जनकपुर।, नई दिल्ला।

(भ्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

कृपि भूमि तादादो 2 बिघे श्रौर 2 बिस्वे, खसरा नं० 468 मिन, ग्राम-खानपुर, तहसील-महरीली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रौज 1 नई दिल्ला110002

तारीष : 8-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०*3*/5-82/ 241, श्रतः मुझे नरेन्द्र सिह,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

भौर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खान पुर, तहसील महरौलं, मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्लं। मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ताइ प्रतिभात ते अधिक है और अंतरक (अन्तारकों) और अन्तारित (अन्तारितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बदलेय राम, बदन मुपुत्रगण श्री बिहार। लाल, साबत। सुपुत्री श्री बिहारी लाल, श्रीमती रामो देव। विधवा पत्नी श्री बिहारी लाल, निवासा—-ग्राम-खानपुर, तहसील—-महरौला, नई दिल्ला ।

(अन्तर ह)

(2) श्रा एस० एस० दुगन सृपुत्र श्रा राम सिंह दुगल, निवास)——बा-1/277 जनकपुरः, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरितः)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्साक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृत्पि भूमि तादादा 2 बिषे श्रीर 2 विस्वे, खनरा न० 474 मिन, ग्राम—-खानपुर, तहसाल—महराला, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैज 1 नई दिल्ला 110002

तारीख . 8--12--1982 मोहर: प्ररूप माई • ही • एन • एन • ---

त्रायकर ध**धिवियम,** 1961 (1961 का 43) मी धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर, 1982

निर्देश संब्झाई०ए०सो०/एक्यू०/1 एस० ग्रार० 3/5-82/242, ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयें ते अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-खानपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ।ई है भोर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उकत अन्तरण हैं लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) खनरण से हुई जिला आय को बाबत उक्त धाक्षित्यण के अधीर ४० इन के शन्तरक के दायित्व ये कर्मा अरत या उत्तर बचने में सुविधा के जिए अं। या
- (ख) ऐसे किसी आय ए किसी धन या भ्रन्य आक्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर श्रीश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिश्चित्यम, या धन इस प्रधित्यम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

ग्रतः अत्र, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरुण मं, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्राचीन, निम्नलिक व्यक्तियों, अर्थीत।——

(1) श्रो बादलेय, बदन सुपुत्रगण श्री बिहार्र लाल, साबतो सुपुत्रो बिहारी लाल, श्रीमतो रामो देवो बिघवा पत्नो श्री बिहारी लाल, निवासी ग्राम खानपुर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रो एस०एस० दुगल सुपुत्र श्री राम सिंह दुगल, निवासो-त्रो-1/277 जनकपुरी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

स्वत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासेष :---

- (क) इन सूच्ना के राज्या में अकाशन की तारी ख से 45 दिन की सर्वाध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पृष् सूचना की तामीन से 30 दिन की धवित जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूबना के राजपत में प्रकाशन की ताराध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पम्पत्ति में हित बढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पाम निधित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इन प्रमुका शब्दों और पदों का, बा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 'हैं, बही धर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे 5 बिस्वे, खसरा नं० 467/ 2, ग्राम खानपुर, सहसाल महरौला, न्नई दिल्ला।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज 1 नई दिल्ला-110002

तारोख: 8-12-1982

प्ररूप आर्ड टी एन एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

म्रजन रैज 1 नई दिल्ली

गई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू०1/एस०प्रार०3/5-82/243, ग्रत. मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रूठ से अधिक है

ग्रीर जिसका स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अतरक (अतरका) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात —— . (1) श्रा बंदलेय राम, सुपुत्रगण श्र बिहार। लाल, सार्बतो सुपुत्र। श्रा बिहारा लाल, श्रीमती रामो देवी विधवा पत्नो श्रा बिहारी लाल, निवासी-ग्राम-खानपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० दुगल सुपुत्र श्री राम सिह दुगल, निवासी - बी०-1/277 जनकपुरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि नादादी 2 बिघे श्रीर 2 बिस्वे, खसरा नं० 468 मिन, ग्राम खानपुर, तहसील, महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1 नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज । नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०/I/एम० आर० 3/5~82/244, भ्रतः सुक्षे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कर्या गया है), की बारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राद्धिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० छृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबख़ श्रंनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिश्वा यधिक है श्रीर अन्तरित (श्रन्तरितों) श्रीर अन्तरितों (श्रन्तरितों) के शिज ऐ। अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकत कि निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथान नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी स्नाय या किसी धन या श्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर स्नधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्नधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जन्मालनाथं स्नतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण ना पा ना पा नाचा जाना चाहिए था डिपाने में, सुविधा के लिए,

अतः अभ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- 3--456 GI/82

- (1) श्रा बदलेय राम, बदन सुपुत्रगण बिहारी लाल, सार्बता सुपुत्री बिहारी लाल, श्रामतो रामो देवी विधवा पत्नी श्री बिहारी लाल, निवासी ग्राम खानपुर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रा एस० एस० दुगल सुपुत्र श्री राम सिंह दुगल, निवासी बो॰-1/277 जनकपुरी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका समास्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित्र या तासम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में ने किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मर्केंगे।

हपक्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्ठभाष 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रष्ठभाष में दिया गया है।

मनुसूची

हृषि भिम तादादो 2 विघे 2 विम्वे, खमरा नं० 475 मिन, यान बानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज I, नई दिल्ली 110002

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I नई दिल्लो

नई दिल्लो, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं अप्रई०ए०सो ०/एक्यू०/1/एस०भ्रार० 3/5-82/245---भतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

श्रीर जिसको सं० ्रिय भूमि है तथा जो ग्राम खातपुर, सहसील महरौला, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपान्बद श्रनुसूना में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकक्ती ग्रीधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रावरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रधीन ताराख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के . वायित्व मो कमी करने या उससे अचरे मों सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम एए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था जियाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिस्ति व्यक्तियों, अर्धातः :-- (1) मा वदिका राम, बदन सुपुत्रगण श्रा बिहारा लाल, बंत सुपुत्रा बिहारा लाल, श्रामते रामो देवा विधया पत्नी श्रा बिहारी लाल, निवासी, ग्राम खानपुर, नई दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एस० दुगल सुपुत्र श्री राम सिंह दुगल, निजासी बा-1/277 जनकपुरी, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्परटीकरण:—इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादादा 2 विघे 2 विस्वे, खसरा नं० 475, मिन, प्राप्त खानपुर, नहुसाल महरौला, नई दिल्ली ।

> तरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी पहासक भागतर श्राय्क्त (निर्रक्षण) श्रजन रेंज I नई दिल्ला-110002

ताराख : 8-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) π ग्रर्जन रेज I, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

सं० ग्राई०ए०सो०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/5-82/246, ग्रात मुझे, नरेन्द्र सिह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जितको स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इपने उपाबद्ध मनुभूची मे और पूर्ण रूप से विणिन है), रिजस्ट्राक्त ग्रिधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीवरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (श्रामान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिख्त उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किमी बाद का जन्त, उन्न अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरस्तयों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर बिधनियम, 1957 '1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा १०० क के अन्तरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा १६०-ए जी उत्तरा (1) को अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियो, अर्थातु :--

- (1) श्री बदलेय राम, बदन सुपुत्र बिहारी लाल, सार्वती सुपुत्री बिहारो लाल, श्रीमती रामा देवी विधवा पत्नी श्री बिहारी लाल, निवासी खानपुर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० एस० दुगल सुपुंत श्री राम सिह दुगल, निवासी बी०/1/277 जनकपुरा, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिता)

का यह मूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सराप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्ति स्वान्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीजर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध दिल्ली जन्य ज्यक्ति इवारा अभिहस्ताक्ष्णी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि तादादा 2 विघे 2 बिस्वे, खसरा नं० 474, मिन, ग्राम खानपुर, नहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रार्यंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज I, नई दिल्ली 110002

तारीख 8-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्ज रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०म्रार०3/5-82/247---मतः मुझे नरेन्द्र भिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खालपुर महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से बाँणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया:—

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्ते अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- श्र) बदलेय राम, बदन सुपुत्रगण बिहारी लाल, सार्वती सुपुत्री बिहारी लाल, श्रीमती रामो देवी पत्नी स्व० श्री बिहारी लाल, निवासी-ग्राम खानपुर, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्रो एस०एस० द्रुगल सुपुत्र श्री राम सिंह द्रुगल, निवासी बी-1/277 जनकपुरो, नई दिल्लो । (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें शयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाद 2 बिघे 2 बिग्ने खप्तरा नं० 468 मिन (0-12), 469 मिन (0-6), 474 मिन (0-12), ग्रीर 475 मिन, (0-12), ग्राम खानपुर, तहर्माल महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रिधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ला-110002

नारीख: 8-12-1982

भोहर:

प्रस्थ आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 दिसम्बर, 1982 स०ग्राई०ए०सी०न०/एक्यू०/1/एस ०ग्रार० 3/5-82/ 257—ग्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सुल्तान पुर दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूचो मे ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ला मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए।

(1) श्रीमती लूपा प्रधान एवं कुमारी सरिता प्रधान, लिल (22), बीधा हाउम रोड़, बम्बई-39

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी राधिका दत्त, 13-बी, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्थिक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

कृषि भूमि माप 7 बिघा खसरा नं० 177/1 एव 178/1 में से, गाव सुल्तान पुर दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

नारीख . 8-12-1982 मोहर: शरूप आई.टी.एन.एस. -----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०√1/एस० श्रार० 3/5-82/ 259-श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव खानपुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को प्यों तत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उदत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बलायती राम घई पुत्र रामलाल घई निवासी ए~14/5, राना प्रताप बाग, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) सगर फैंमिली ट्रस्ट ए/35ए, मायापुरी इन्डस्ट्रियल एरिया फेस-1, नई दिल्ली द्वारा इमके ट्रस्टी सुरेण सागर, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डाक्त संपर्शिको अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी कावित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ मकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

कृषि भूमि माप 4 बीघा श्रीर 16 बिस्या खसरा नं० 312, गांव खानपुर नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-1982

प्रस्ति जाई है। एने एस - -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भाई०ए०सीं०/एक्यू०/1/एस०न्नार०-3/5-82/ 260---म्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

प्राप्त प्राप्त प्राप्त पर्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्र

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह बिल्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निजित में वास्तविक कप य कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय मा किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती बिशन देवी पत्नी श्री कण्तान सिह निवासी गाव देवली, तहसील महगौली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा जैन पत्नी श्री सुरेण जैन, निवासी मी-29, पंचसील इन्क्लेव, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि संपरित के जर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अमिश या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्वनित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि माप 2 बीघा 19 बिस्वा, खसरा नं० 270/ 1, 270/2 गांव खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप भाई० टी • एस • एस • ----

म्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू० 1/एस०ग्रार०-3/5-82/261--- प्रतः भुक्ते, नरेन्द्र सिंह,

शायकर भिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उन्स भिर्मित्यम' कहा नवा है), की घारा 269-ख के भिर्मित सलम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है, और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव खान पुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित प्राजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिक्त में, ऐने दृश्यमान प्रतिक्त के, ऐने दृश्यमान प्रतिक्त का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित प्रतेश्व से उक्त अन्तरण दिखित में शक्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी फरने था श्रतसे बचने में सुविधा के लिये; और/धा
- (ख) ऐसी किया आय या कियी घन या अग्य आहितयों भो, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

सतः अव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के ब्रभीन निम्नलिकित व्यक्तियों मुर्थात् ६——

(1) श्री कप्तान सिंह, चन्दन सिंह, राय सिंह एवं रतन सिंह सभी पुत्र श्री राम मेहर एवं श्रीमती शानो तथा श्रीमती शीला दोनो पुत्रिया श्री राम मेहर सभी निवासी गांव देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) सुरेश जैन, पुत्न श्री ल० शेर सिंह जैन निवासी भी-29 पंचशील इक्लेब, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्बन के चिए कार्यवाहियां करता है।

उपत, सम्पति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आखेप:--

- (क) इस सुबार के राज्यज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्तंबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबा
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पन्ठोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबंहीगा, जो उस अध्याय में विया संया है।

नगसची

कृषि भूमि माप-7 वीघा ग्रौर 16 बिस्वा खसरा नं० 270/2, 276/3, 277/3, 280/2, 280/3, 270/1, 305, 306, 307 गांव खान पुर. तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

भूक्ष आहें. टी. एत्. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं ० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/म्राई०एस०मार०-3/5/82/ 265—म्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव छेरा मंडी तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्त्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्स्ण श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित आजार मूल्य से कम के श्रथपान श्रिकल के लिए शन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे श्रथमान प्रतिकत का पन्दद प्रतिशत अधिक है प्रौर पन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नकितित चहेंच्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिकल, निम्नकितित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी भाय की बाबतः जन्त अधिनियम के भधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/याँ
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी घरमा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रिश्तिनयम 1922 (1922 का 11) या उन्त अखिनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रभौजनार्थ अन्ति हारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या छिपाने में ग्रिका क लिए;

अतः यदः, उत्तर अधिनियम को प्रास्य 269-म के श्रनु-सरण में, में, उत्तर अधिनियम की बारा 289-भ की उपधारा (1) के श्रधीन, तिस्निलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:— 4—456 GI/82 (1) श्री जिले राम, सालक राम सुपुन्नगण श्री मारत सिंह फलू पत्नी भारत सिंह, निवासी गांव ढेरा मंडी, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्रीमती जयवती श्रीवास्तव पत्नी श्री यु० श्रीवास्तन, निवासी ए-47, न्यू फैंड कालोनी, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति क्षारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
 के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत भ्रिज्ञित्वम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं ग्रयं होगा जो उस भण्याय में दियागा है !

ग्रनुसूची

कृषि भूमि, माप 4 बीथा तथा 19 बिस्वा, मुस्तातली नं॰ 91 किला नं॰ 8 (4-16) 26 (0-2) 9 मीन (0-1) गांव, डैरा मंडी, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-12-1982

प्रकप भाई। टी। एन। एस०----

म्रोमकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की वारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/आई०/एस० झार०-3/5-82/266---आतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

बायकर यधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ब्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 26 1-ख है। पंथीन रजम प्राधि कारी की, यह विश्वास करने का सारग है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर्वे संयक्षिक है भीर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो गांव छेरा मंडी तहसील, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद **धनु**सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य में कप के बुश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवानुवीत नम्पर्सि का ष्ठितः बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे बुश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से मिलक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिनो (अन्तरितियों) के **बीच** ऐसे धरतरण के लिए तम पामा गया प्रतिपन्न, निम्नलिखित

(क) प्रश्नरण से हुई हिना आप को बाबन उनन प्रणि-नियम के अधीर कर देने के प्रश्नरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या

उद्देश्य से उक्त शन्तरम निवात में माइनविक क्य से समित

न¶िसवा″नमा है:----

(छ) ऐसी किनो पाप या किनो बन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाता चाहिए था, छिपाने में कृषिधा के लिए;

भनः श्रव, उपत आधिनियम की भारा 269-ग के मनु-रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-भारा (1) के अभीम, निम्मसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जिले राम सैलेक राम सुपुत्त गण भरत सिंह, फसू पत्नी स्वर्गीय भरत सिंह, निवासी गांव डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० पी० सिन्हा सुपुत्र स्वर्गीय श्रो०पी० सिन्हा निवासी 2 श्रारा गार्डन शेख पुरा, शेलू रोड, पटना बिहार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निर्वित में किए जा सकेंगे।

स्वस्त्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदो का, जो उक्त झिक्ष-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्य होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

वनुस्वी

कृषि भूमि माप :—4 बीघा तथा 19 बिस्वा मुस्तातली नं॰ 91 किला नं०-9 गांव डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नद्दे दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-12-1982

प्रारूप आई^{*}.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1 नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000%- क. से अधिक हैं

श्रीर जिनकों सं के कृषि भूमि हैं तथा जो हरा मंडी तहसील,
महरौली, नई बिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के
वार्यालय, नई बिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982
को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च हेय से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुर्फ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीत, निकालियात व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री जिले राम, मालक राम सुपुत श्री भारत सिंह, फलू पत्नी स्व० भारत सिंह, निवासी गांव डेरा मंडी, नई दिल्ली

(प्रन्तरक)

(2) रेणुका सिन्हा परनी श्री एस॰ पी॰ सिन्हा, निवासी श्रारा गार्डन, सलाखपुरा, बले रोड, पटना बिहार,

(भन्तरिती)

को यह सूचना चार्रो काएके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंधी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अधी होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि मीप 4 बोगा तथा 18 बिस्वा मुस्तातली नं॰ 91 किला नं॰ 13 (4-8), 10 मीन (0-10) गांव डेरा मंडी, तहसील, महरौली, नई विरुक्तो ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1, नई बिल्ली 110002

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

भागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागु 269-मृ (1) के भूभीन सुभान

भारत बुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं अप्राई०ए०सी०/एक्यू० 1/एस०आर० 3/5-82/268----अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात उपत अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव देवली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धिम के लिए; औद्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

.(1) श्री भगवत बिहारी माथुर, पुष्न बांके बिहारी, माथुर, 1 महाराजा लाल लेन, सिविल लाइन, दिल्ली,

(प्रन्तरक)

(2) सरवंश सेठी श्रीर जितन्दर सेठी, सुपुत्रगण श्री राम लाल, निवासी, 6 न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संप्रित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधु बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गुया है।

अन<u>ु</u>सुची

कृषि भूमि माप 1 बीघा, खसरा नं० 579 गांव, देवली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह्
सक्षम ग्रधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण
ग्रजनरोंज 1, नई दिल्ली-110002

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुवरण वो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उन्धान (1) को अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीस् ६——

तारीख: 8-12-1982

प्रकथ वार्षे ही एन् , यस . -----

भायकर् अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 विसम्बर 1982

सं० ग्राई०ए०सी० /एक्यू० 1/एस०झार० 3/5-82/269---थतः, मुझे नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उकत , अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० कृषि भृमि है तथा जो गांव देवली, नई दिल्ल। में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, जिम्निलिसित उद्देष्य से उस्त अन्तरण कि सिंदत में वास्यविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में बूविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर दिश्विकम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना आहिए था, जियाने को सिवध के लिए;

भतः अब, उत्वत अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तितयों, वर्धातः— श्री मगवन्त बिहारी मायुर,
 पुत्र श्री बांके बिहारी मायुर,
 निवासी, 1 महाराजा लाल लैन,
 सिविल लाइन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री करतार सिंह श्रीर श्रोमप्रकाश पुत्र जग लाल गांव देवली, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

मोक्ट्रः 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० श्राई०ए०सि॰/एक्यू०1/एस०श्रार०-3/5-82/270---श्रतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य। में पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ला में रिजर्स्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रो राम फल सुपुष्त श्री देवकरन, निधासी, प्राम सुल्तानपुर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 पहलाद सिंह सुपुत्र श्रा देवकरन, निवासी ग्राम सुस्तान पुर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाद 8 बिघे और 3 बिस्थे, खसरा, नं० 508(4-16), 517(3-7), स्थापित ग्राम सुस्तानपुर, तहसील, महरौलो, नई दिस्ली।

नरेन्द्र सिह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज 1 नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 विसम्बर 1982

सं श्राई ०ए०सी ०/एन्यू ०/1 एस० आर० 3/5-82/271---मतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुल्तानपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकत्ती ग्रधिकारी के नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, ग्रील, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के पायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण मों, मीं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की वनधीरा (1) को अभीग, निम्निमिक्त स्थानसर्थों, मधीत् ∴--- (1) श्री राम फल पुत्र श्री देव करण निवासी सुरुतानपुर-नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री पहलाद भिहस्पुत्र श्री देव करन, निवासी-ग्राम स्लानपुर महरीली, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रमुक्त एज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ज़िष भूमि तादाद 9 बिघे और 12 बिस्वे, खसरा नं॰ 515 (4-16) 516 (4-16), ग्राम सुल्तानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

सारी**य**: 15--12--82.

महिर् 🗓

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक '8 दिसम्बर, 1982 सं० श्राई०ए०सी०/1/एस०श्रार०/3/5-82/272----अतः मुझें, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुस्तानपुर, महरौली, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वे क्स संपृत्ति के उप्तित्त नाजार सूस्य से कह के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुभ्ने यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उपित्त बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) जीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्स जन्सरण कि बित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की सायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आग वा किसी धन वा अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्मीसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री राम फल श्री देवकरन, निवासी ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)

2 श्री पहलाद सुपुत्र श्री देवकरन, निवासी ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

मन्त् ची

फ़ृषि भूमि तादादी 7 बिघे 7 बिस्बे, खसरा न० 503/ 1(1-12), 507 (5-15), स्थापित ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई धिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०म्रार०-III/5-82/273---भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—श्राया नगर, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

- (1) श्री राजन मुपुत श्री रतन सिंह, निवासी ग्राम—श्राया नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) नौरंग कोमिशियल कम्पनी प्रा० लि०, 219, वितरंत्रन एवेन्यू, कलकत्ता, द्वारा जसपाल सिंह । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल माप 3 बीघा श्रौर 12 बिस्वा खसरा नं 1835, ग्राम—श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आईं, टो. एन. एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I नई धिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं आई ०ए०सी०/एक्यू०/I-एस०आर० III/5-82/274--

श्रतः मुझो, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- सः अधिक **ह**ै ग्रौर जिपकी सं० ऋषि भृमि है तथा जो ग्राम--श्राया नगर, तहसील महरौली, में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में भारत य रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तार्रख मई, 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचन में सृविधा के लिए; अरि/या
- (स) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जारा था, छिपाने मा सदिधा के लिए;

(1) श्री राजन सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी ग्राम—श्राया नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)

(2) नौरंग कोमांग्रियल कम्पनी प्रा० लि०, 219, वितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता, द्वारा जसपाल सिंह, । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा आहे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 4 बीघा श्रौर 16 बिस्वा, खसरा नं० 1836, ग्राम—श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्लो में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निर्देक्षण ग्रजैन रेंज-^I, दिल्ली, नई दिल्ली, 110002

अतः अव, उपत शिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज [[], नई दिल्ली नई बिल्ली बिनाक, 8 दिसम्बर 1982

स० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/I एस०ग्रार०--III/5-82/275-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—ग्राया नगर, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजन सुपुत्र,
 श्री रतन सिंह,
 निवासी ग्राम—ग्राया नगर, तहसील—महरौर्ला,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) नौरग कांमिशियल कम्पनी प्रा० लि०, 219 चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता, द्वारा जसपाल सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि, माप 4 बीधा श्रौर 16 बिस्वा, खसरा न० 1913, ग्राम—-श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली मे स्थित है।

> नरेन्द्र सिह्
> भक्षम[प्राधिकारी
> भहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 8-12-1982 मोहर . प्रकृप आदै. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एख्यू०-1/एस० ध्रार०-3/ 5-82/276---श्रतः मुझे नरिन्द्र सिंह ध्रायकर श्रिधिनियम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव डेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रुर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और गंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उण्भारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भ्रम)त पुत्र मोली निवासी डेरा मण्डी, नई विल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री राजीव सपरा पुत्र कृष्ण किशोर सपरा निवासी बी-4/31, सफदरजंग इन्क्लेथ, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि में म्राधा हिस्सा जिसकी माप—18 बीघा भीर 4 बिस्वा एम नं० 84, किला नं० 11/1 (2-18), 9 (2-3), 10 (4-16), एम नं० 85 किला नं० 14 मिन (3-11), 15 (4-16) गांव डेरा मण्डी, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम स्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें-1, विरुली, नई दिल्ली।

तारीख: 8-12-82

मो2र :

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० धाई० िए सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-II1/ 5-82/277—धतः मुझे धरेन्द्र सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982 को

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री श्रमृत सुपुत्र श्री मोती निवासी ग्राम श्रेरा मण्डी, नई दिल्ली।

(मन्सरक)

(2) श्री क्रुष्ण कियोर सपरा सुपुत्र श्री दौलत राम सपरा, निवासी बी-4/31, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं जूर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि का ग्राधा हिस्सा जिसकी माप 18 बीघा ग्रीर 4 बिस्या एम० नं० 84 किल्ला नं० 11/1 (2-18), 9 (2-3), 10 (4-15), एम० नं० 85, किल्ला नं० 14 मिन (3-11), 15 (4-16) ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, विल्ली, नर्ष दिल्ली

तारीख: 8-12-1982

- मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 विसम्बर 1982 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 5-82/288—श्रतः मुझे, नरिन्द्र सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव जोना पुर नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .~~ (1) श्री बेव करन किशन लाल ग्रीर शाम लाल सुपुत्रगण रिखिया, फूल बती पन्नी रिखिया ग्राफ जोना पुर, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरक)

(2) एम० एल० बडैरा पुत्न श्राई० डी० बडेरा निवासी सनलाइट बिस्डिंग श्रासफ श्रली गेड, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निलित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

मनुसूची

4/4 कृषि भूमि माप 3 बीघा और 5 बिस्या मुस्तातिल नं० 82, किला नं० 9/1 (3-0), 2/1 मिन (0.5), गांव जोना पुर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम मधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिरुली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 59-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रांव जोना पुर, हिसील महलौली गांव, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीष रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982 को

हो पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान गित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्र (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री जसवन्त, बिशराम श्रीर शारदा राम सुपुत्रगण श्री गोविन्दा मित्रासी गांव जोता प्रनई विल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एल० बडेरा पुत्र ग्राई० डी० बडेरा निवासी सनलाइट विल्डिंग, ग्रासफ अली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि माप 6 बीघा ग्रौर 8 बिस्वा एम० नं० 82, किला नं० 9/2 (1-12), 10 (5-10), 2/2 (0-6) गांव जोना पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेग्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर, 1982

निर्देण सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-3/ 5-82/294—-अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन्न ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982 को

को पूर्नोक्त संपृत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ज की उपधार्य (1) के नधीन निम्निलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती दया कौर पत्नी श्री जसवन्न सिंह श्रपने श्रवयस्क पुत्रों श्री नरिन्द्र सिंह एवं बीरेन्द्र सिंह के स्वाभायवक ग्रिभभावक द्वारा कटानों ले० कर्नल दया सिंह निवासी गोविन्द सदन नर्ड दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री कावल सिंह मुपुत श्री इन्द्र सिंह निवासी ए-125 नीतिबाग नई दिल्ली तथा भरे सिंह पुर, तहसील फिल्लौर, जिला जलंधर (पंजाब) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्सूची

कृषि भूमि माप 10 बीघा श्रीर 1 बिसवा एम न० 32, किला नं० 18 (4-16), 22 (5-5) गांव जोना पूर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिली

तारीख: 8-12-1983

प्रारूप बाइ टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० प्राई० ए० सी $\circ/1/$ एस० ग्रार $\circ-3/5-82/293$ —श्रतः मुझे नरिन्द्र सिंह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव जोना पुर, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1982 को

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एएयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रतित का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल सं, ऐसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

- (1) श्रीमती दया कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह निवासी गोविन्द सदन, गदई पुर, नई दिल्ली अपने श्रवयस्क पुत्नों नरिन्द्र सिंह एवु एवं रिरेन्द्र सिंह के स्वा-भाविक श्रिभभावक द्वारा लै० कर्नल दया सिंह निवासी गोविन्द सदन, गदई पुर नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री दीदार सिंह पुत्र काबल सिंह निवासी ए-125 नीतिबाग नई दिल्ली तथा भरसिंह पुर तहसील फिलौर, जिला जलंधर (पंजाब)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यपाहियां गुरू कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप:--'

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धै 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि माप 8 बीधा ग्रौर 6 बिसवा, एम नं० 32 किला नं० 19 (5-10) 23/1 (2-16) गांव जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरिन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहिंग श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बिल्ली, नई दिल्ली

क्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थीत् ⊏—

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक ही

झौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता झिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के झिधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (का) अन्तरण से शुर्द किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती उर्मिला देवी परनी श्री घमन लाल, निवासी ए-1/4, वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पद्मावती एस्टेट्स प्रा० लि०, सी-4, मेन मार्किट, वसन्त बिहार, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुत्त्वी

कृषि भूमि, माप 14 बीघा ग्रीर 8 बिस्सा, खसरा नं०-43/4, (4-12), 43/15 (2-0), 43/6 (3-4), 43/17 (4-12), ग्राम बिजवासन, नहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेम्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीखा: 8-12-1982

प्रकप बाइं. डी. एन. एवा.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांत 8 दिसम्बर, 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० मार०-3/ 5-82/314—मत मुझे, नरेन्द्र सिह

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, तहसील महरौली, नई बिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिश्चिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजितित उद्वर्षण से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उन्ते अधिनियम की भारा 269-ग के अवसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमतीं उर्मिला देवी पत्नी श्री चमन लाल नि^{चासी}
 नं० ए-1/4, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।
 (धन्तरक)
- (2) मैं पद्मावती इस्टेट्स प्रा० लिं , सी-4, मेन मार्केट, बसन्त विहार, नई दिल्ली, हर्टज एजेन्सी प्रा० लिं , म्रात्मा राम इस्टेट्स प्रा० लिं , श्री बगेशर नाथ चढ़ा सुपुत्र स्व० श्री माशा नन्द चढ़ा, श्रीमती कान्ता चढ़ा पत्नी श्री बगेशर नाथ चढ़ा प्रमाकर चढ़ा सुपुत्र श्री वगेशर नाथ चढ़ा प्रमाकर चढ़ा सुपुत्र श्री हर्ष चढ़ा, चमन लाल सोइ सुपुत्र स्व० राजा राम, श्री सुनिल कुमार सोई सुपुत्र श्री चमन लाला सोई, विरेन्द्र नाथ कोरा श्रीर इन्दर मोहन धवन, सुपुत्र स्व० श्री मनोहर लाल धवन सभी निवासी बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सर्वंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गवा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 79, मिन (1-10), 79/14 (1-6), 79/7 (1-6), 79/4 (1-6), 43/24 (1-6) 43/1 मिन (1-6), 8 बीचे ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर प्रायुत (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 8-12-1982

मोहर .

प्रकप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1982
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
5-82/313—अत: मुझे, निरन्द्र सिंह
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-घ के अधीन स्थम् प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य
25,000/-रा. से अधिक हैं

'श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव विजवासन, तहसील, महरौरी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि- कारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 82 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरित्यों) के कीच एसे अन्तर्ण के सिए तम् पाया गया प्रति- फस, निम्नलिखित उड्डिय से उक्त अन्तरण कि कित में बास्तिवक कप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयुकी वाबत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अडि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्यं आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) श्रीमती द्रॉमला वेबी परनी श्री अमन लाल' निवासी नं॰ ए-1/4, वसन्स विद्वार, नई दिल्ली (ध्रन्तरक)
- (2) श्री भाल्मा राम एस्टेट प्रा० लि० सी-4, मेन मार्किट, वसन्त विहार, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थनु के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

सक्तु सुम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

कृषि भूमि खसरा नं० 43/24 (2-3) 43/25 (4-7) 43/17 (3-10), 43/16 (3-4), 43/15 (1-4), टोटल एरिया 14 बीधा 8 बिसवा, गांव बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरिन्वर सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रययुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

जतः जब उक्त आधानसम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आहू" ती. एन . एस . ------जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3 5-82/315—यतः मुझे, नरिन्द्र सिंह

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ज के ग्रामीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मिक है

भौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक स निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— भोहरः। 1. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी श्री चमन लाल निवासी $\nabla \phi - 1/4$, वसन्त विद्वार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स हेरज एजेन्सीस प्रा० लि० सी०-4 मेन मार्किट, वसन्त विहार, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर तृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि माप-23 बीघा छौर 11 निवासी खसरा नं 189/2 (6--0), 79/17 मिन (2--2), 79/14 मिन (33-3) 79/7, बिन (2--8), 79/6 (1--15) 79/4 (2--9), 79/5(4--16) 43/24(0--9), 43/25(0--9), गांव बिजवासन सहसील महरौली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-1/2-1982

मोह्रर:

अरूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर मरिभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० मार०-3/ 5-82/331---यत मुझे, नरिन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो समालका तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख — मई 1982

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **अभिनियुन, के ब्भीन कर देने के अन्तरक के** वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, सक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :---

- श्री पृहलाच सिह, फतह सिह पुत्र बलवेष सिह (2/ 9 वां हिस्सा) एवं सूरत सिह दसक पुत्र श्री मथुद्र्या (1/3 हिस्सा) गांव रजोकरी नई विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री धर्मपाल मरोडा पुत्र श्री नाथू राम निवासी 56, माङल टाऊन, गुड़गांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिकत ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप-5/9 तथा कृषि भूमि में हिस्सा जिसका माप 12 बीधा ग्रीर 12 बिस्वा प्लाट नं0—21 किला नं0 8(4—16, 9) 4—16, 10/2) (3—0) गांव समालका तहसील महरौली।

नरेन्द्र सिह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 दिसम्बर 1982
निर्देश स० ध्राई० ए० सी०/एक्प्०/ध्राई०/एस० ग्रार० 3/5-82/341—-यतः मुझे, नरिन्द्र सिंह
बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी स० कृपि भूमि है तथा जो गांव समालका तह० महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो गांव समालका तह । महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अनुतरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:

मतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिस व्यक्तियों, स्थित् :——

- 1 श्रीमिती मुधा घोष निवासी गाव समालका, (तेह० महरौली) नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री केवल सिंह, एच० -25, कनाट मर्कस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बंध और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

कृषि भूमि माप 6 बीघा 4 बिस्वा खसरा नं० 161/1 (1-12), 17/2(4-12) गांव समालका तेह्र० मह्रौली, नई दिल्ली।

नरिन्द्र सिंह् सक्षम श्रिधकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 15-12-1982

प्ररूप आर्द, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/प्राई / एस० प्रार० 3/5-82/342—-यतः मुझे, नरेन्त सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवातू 'उन्दु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव समालका तह० महरौली , दिल्ली में स्थित है ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्कद्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से विभित्त नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्रीमती सुधा घोष, निवासी गाव समालका तह० महरौली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री केवल सिंह, एच-25, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (श्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित, के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि भाप 1 बीजा 1 बिस्वा केएच नं 15/2 गांब समालका तह० महरौली, नई दिल्ली।

> निरिन्द्र सिंह संक्षम मधिकारी सहायक मायकर माबुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 15-12-1982

मोहर्.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-- /----

नासभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/प्राई० /एस० प्रार०3/5-82/200—यतः मुझे, नरिन्द्र सिंह
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पत्रवान् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षण शिक्षिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्प्रीद्धाजिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/६९ए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० यू/21 के एच० नं० 183/132 है तथा जो गांव युसफ सराय, ग्रीन पार्क एक्टेसन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राथीन, तारीख गई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत प्रक्षिक है घोर भन्तरफ (धन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निर्नालाखन उद्देश्य से उनन प्रस्तरण लिखित में वास्त-विक सब से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय की बायत उसता अधि-नियम के संजीत कर देने के अन्तरफ के वास्तर में कमी करने या उससे बचने में सविधा के किए; सोर,'या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सिन्धुरण रानी पत्नी श्री संत पाल निवासी 153, गली हलवाइयन, पहाड़ गज, नई दिल्ली तथा 2 श्रीमती शन्ता रानी पत्नी श्री सोम नाथ निवासी 68, नाईवाड़ा, गुरूबारा रोड, करोल बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स युनाइटिड -प्रौप्रटी नं०-5, मैटकाफ द्वारा, इसके भागीदार श्री ग्ररूण श्रीवास्तव सपुत्र किशन गोपाल निवासी 5 मैटकाफ रोड़, सिविल लाइन, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अभ्य स्थित द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपरित में हितवर्थ किसी बन्य व्यक्ति इवारा मभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्थावतीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्यो

प्लाट नं० य/21 खसरा नं० 183/132 माप 550 वर्ग गज। गांव युसफ सराय, ग्रीन पार्क, एक्टेंसन, नई दिल्ली ।

नरिन्द्र सिह् मक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रज-l, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-12-1982

मोहरः

प्रकप आहु . टी. एन्. एस . ------

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निर्काश)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/श्राई० एस० श्रार०-3/5-82/202----यतः मुझे नरिन्द्र सिह

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्म् 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एम०-138 है तथा जो ग्रैटर कलाण, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थानन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया '—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. श्रीमती राज साहनी पत्नी श्री एच० एस० साहनी निवासी बी०/78, ग्रैटर कलाश , नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बिशन चन्त्रा गुप्ता सपुत्र श्री हरी राम गुप्ता, इ-4, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि सा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवभि, को भी जनभि, बाद में समाप्त होती हो, भी भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर संपृत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निवित में किए वा सकांगे।

स्वक्षाकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और वर्षों का, वो उक्त अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होता, वो उस अध्याय में विया गवा है।

-

निमित प्लाट 509 धर्ग गज एम०/138, ग्रैटर कैलाश नई दिल्ली।

निरन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख :ू 15-12-82

प्ररूप बाई ., टी. एन. एस. -----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/श्राई/एस० श्रार०3/5-82/ 205---ग्रतः मुझे, नरिन्द्र सिंह

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं के प्रेसिंग के कार्राण के कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं के प्रेसिंग कि की संव्वलाक नंव 14-ए ह, प्लाट नंव 37, उन्त्यू-ए, करोलबाग, में है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 82

(1908 का 16) क श्रधान दिनाक मह, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती कोमला रामा स्वामी 14-ए/37, डब्ल्यू० इ० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री बमबंत सिंह, लखबीर सिंह, सुरिन्द सिंह, 24-ए/37, डब्ल्यू० इ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किर्माट व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

क्लाक नं० 14-ए, प्लाट नं० 37, डबल्यू इ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली माप 160.8 वर्ग गज ढाई मंजिला नियमित

> नरिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 15 दिसम्बर 1982

मोहरः

प्ररूप नार्दः दी. एम. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज- \mathbf{I}_r नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एनयू०/श्राई/एस० श्रार०-3/5-82/208—-श्रत मुझे, नरिन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० 1/4 भाग है, जो चतुर्थ प्लाट न० 5, ब्लाक न० एम, कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुम्ची में पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) को अधीन. निम्निगिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री भ्रमर सिंह सपुत्र श्री स० सज्जन सिहं निवासी 6/52, पजाबी बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैंस० राम प्रस्था बिलंडरज (पी०) लिमिटेड, 4/4 ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली द्वारा इसके निर्देशक ग्रजीत सिह (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सुकोंगे।

स्पत्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त किंपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लाट न० 5, ब्लाक एम, माप .500 वर्ग गज (बराबर 125 वर्ग गज) ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

> नरिन्द्र सिह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-^I, नई दिल्ली-110002

दिनाक: 15 दिसम्बर 1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-[]] नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/फ्राइ/एस० श्रार० 3/5-82/209—ग्रतः मुझे, नरिन्द्र सिह

आयुक् र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा स अधिक है

श्रीर जिसकी स० 1/4 शेयर प्लाट न० 5, ब्लाक एम, ग्रेटर कैलाश-1 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 82

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत गे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269 ग कं, अरसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---

(1) गुरदीप सिंह सपुत्र स० सज्जन सिंह, निवासी 6/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(म्रन्तरक)

(2) मैंस० राम प्रस्था बिलडरज (प्रा० लि०),

4/4 ग्रासफ ग्रली रोड़,

नई दिल्ली द्वारा इसमें निर्देशक ग्रजीत सिंह
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपीत्त के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हा।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/4 शेयर प्लाट नं० 5 ब्लाक एम, माप 500 वर्ग गज (बराबर है के 125 वर्ग गज) ग्रेटर कैलाश $^{-1}$, नई दिल्ली ।

र्नारन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी -सहायक भ्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, नई दिल्ली:-110002

दिनांक : 15 दिसम्बर 1982

मोरहः

সভ্য প্রার্থ হীত চ্পত ইয়ত-----

भायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/श्राइ/एस० श्रार०/3-5/82/210—श्रतः मुझे, नरिन्द्र सिंह
श्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अश्रीन सक्षम वाक्षिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- उपये से अधिक है
और जिस की सं० चौथा हिस्सा प्लाट नं० 5 ब्लाक एम ग्रेटर कैलाश-1
है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में
पूर्व रूप से विणित है), रजिट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908
का 16, के श्रधीन दिनांक मई, 82

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 (1) श्री श्रजीत सिंह सपुत्र स० सज्जन सिंह निवासी 6/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैस० राम प्रस्था बिलडरर्ज (प्रा० लि०), 4/4 ग्रासुफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली द्वारा इसके निर्देशक ग्रजीत सिह (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उर्व सन्यत्ति के पत्री के नम्बरत में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इम सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भनींध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भनींब, जो भी भनींध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य स्थितित द्वारा, प्रवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

1/4 श्रविभाजित शेयर प्लाट नं०-5 ब्लाक एम, माप 500 वर्ग गज (बराबर् 125 वर्ग गज से) ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली

नरिन्दर सिह

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I नई दिल्ली-110002

सतः सन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख व्यक्तियों अर्थात् :--

दिनांक: 15 दिसम्बर 1982

श्रुरूप बाह्र . टी. एन. एस. ------

भायकः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीत् सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक यू०/ग्राई० एस० ग्रार०-3/ 5-82/211—श्रतः मुझे, नरिन्द्र सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-ए. में विधिक है

श्रीर जिसकी सं 1/4 श्रिभभाजित हिस्सा प्लाट नं 5, ब्लाक एम माप 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 82 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के स्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनोंक्त संगत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को पूर्व , अने स्थमान प्रतिफल को पूर्व , उसके स्थमान प्रतिफल को पूर्व , उसके स्थमान प्रतिफल को पूर्व । अने स्थित है और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गूर्या प्रति-फल निम्नलिवित उद्वेश्य से उसत अन्तरण है लिए तय पाया गूर्या प्रति-फल की स्थित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण ने हुई जिल्ली जाय की बाबत सकत अधि-गियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बाबित्व में उत्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीह/का
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त विधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री बलवन्त सिंह सुपुत्र स० सज्जन सिंह निवासी 5/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. मैस० राम प्रस्था बिल्डर्ज, प्रा० लि०
 4/4, भ्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली
 द्वारा इसके निदेशक श्रजीत सिह

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

1/4 ग्रिभिभाजित हिस्सा प्लाट नं० 5, ब्लाक एम० माप 500 वर्ग गज (बराबर 125 वर्ग गज के) ग्रेटर केलागः; नहिं दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-12-82

मोहर 🕹

प्ररूप आह्⁴. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० एस०न्नार०-3/5-82/ 219---श्रतः सुझे, नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 26, निजामुद्दीन ईस्ट है तथा जो नई दिल्ली-7 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबत प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एंसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए त्या पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उब्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त आधि-नियम के अधीग कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री बी० जी० रात्र,
 26, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद नईम, मोहम्मद, श्रनिस, मोहम्मद नसीम, 4992, कूचा रहमान, चांदनी चौक, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके ेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। एया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 26, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली-7 क्षेत्र जी० एफ० : 2344 वर्ग फुट । एफ० एफ० : 1744 वर्ग फुट । बरसाती 475.43 वर्ग फुट ।

> नरन्द्रि सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त अयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य्०/म्राई एस०म्रार०-3/ 5-82/221—म्रतः मुझे निरन्द्र सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव प्लाट नव के-20, (पुराना नव 9-ए), हरी नगर, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनाक

को पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (का) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9 --456GI/

 श्री प्रमर नाथ दत्ता सुपुत्त श्री महेता सुख दयाल निवासी महरोली, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरकः)

2 श्री महताब सिह मुपुत चौ० सूरत सिह निवासी न० 41, सूरत सिह बिल्डिंग, यूसुफ सराय, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्गत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अन्स्ची

डलाट न० के-20, (पुराना न० 9-ए), हरी नगर, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली-16 160 वर्ग गज (खमरा न० 4 का भाग)

> निरिन्द्र गिह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख 15-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० /म्राई०एस०म्रार०-3/ 5-82/227--म्प्रतः मुझे, नरिन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई-143-ए है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधानयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसरा बचने में सविधा के लिए, और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अधकार आधानिएम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैस० भाटिया ग्रपारमेन्ट्स, यूनिट न० 2, द्वारा इसके भागीदार, सर्वश्री एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, ए० के० भाटिया, एस० के० भाटिया, एस० के० भाटिया, निवासी डब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री डी० के० डे, सुपुत्न स्वं० डा० बी० बी० डे तथा श्रीमती सुशीला डे पत्नी श्री डी० के० डे निवासी 59, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्रो० न० ई-143-ए का 1/6, स्रिभभाजित हिस्सा ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तथा पहली भजिल के दो बैड रूम जिनके साथ ही दो बाय रूम एक ड्राइगरूम, डाईनिंग रूम, एक रसोई घर बान कोनी नथा मर्वेन्ट क्वार्टर।

> नरिन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख 15-12-1982 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-1,

नई दिल्ल दिना ह 15 दिनम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सः०/एक्यू०-आई०/एस०आर०-3/5-82/ 231—म्रतः मुझे नरिन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी ट्रो, गह जिस्तास करने गा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० एए-166 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसके जपावड़ मनुसूर्च, में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्स्ट्रायर्ती अधिकार के वायोत्य नई दिल्ल में रिजर्स्ट्रावरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 । 16) के ग्रधंन दिनांक मई, 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो जार मूक्ते यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उपा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गण है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (र्स) ऐसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269 म हे अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की एपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यवितयो, अर्थात् — श्रामता उर्वशा जैन, पन्नी श्रो राकेश जैन, निवासो ई/482, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ला-48

(ग्रन्तरक)

2. श्रामतः लेखा सोना पत्ना श्रा कुलदोप कुमार, सोनी नजदाक श्र एन० जा० ग्ररोड़ा, ए/101/13, वजारपुर ग्रोद्योगिय क्षेत्र, दिल्ला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:— उसम प्रयुक्त शब्दा और पदों का; जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्मत्ति न० १/-166, ग्रेटर कैन श्व-2, नई दिल्लो-48 क्षेत्र फेल :--300 वर्ग गर

> नरिन्द्र सिह सक्षम प्रधिकारी गहाय र प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंग-1, नई दिल्ली-110002

तारोख: 15-12-1982

मोहर

प्ररूप आई टी एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्तायां लय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1

नई दिल्ला, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश म० प्राई० ए० सा०/एक्यू०-आई/एस०फ्रा२०-3/5-82/ 233—म्रत मुझे निरन्द्र सिहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इगम इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिमका स० प्लाट न० 7 है, तथा जा ब्लाक एम, ५नाट सर्कम, नई किला में एचन है (ग्रोर इसके उपायद्ध अनुसूर्च में श्रौर तो पूर्ण का म बणिन है) विस्ट्रीति श्रधिनारी के कार्याच्य नई दिल्ला में जिस्ट्रावरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अवान दिनाह मई, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अतिरिती की गई है और मुक्ते यहिविश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्षत सम्पत्ति की उिचत वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अतरको) और अव-रिती (अतिरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दश्य स उक्त अतरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दाने के अतरक कें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिया के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मे, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — श्री नरेन्स चन्द ककारिया सुपुत्र श्री लाली लभु राम ककारिया, निवासः 8 जैन, मदिर रोड, नई दिल्ली तथा श्री स्रमरित कुमार ताकारिया सुपुत्र स्वै० लाला लभु राम दाकारिया, पता 8, जैन, मदिर नई दिल्ली द्वारा उनकी स्राम मुख्तार श्रीमती सुनीता कालारिया, पतन नरेशचन्द कालारिया,

(भ्रन्तरक)

2 4समं श्रोरियन्टल वी० तथा फर० ५० प्रा० लि० उनके निदेशक, श्रा चरन जात सिंह

(अन्तरिता) ्

क्षा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 15 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी अन्य र्याक्त द्वारा अक्षेहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण. -- इसमा प्रायुक्त शब्दी और पदों का, जा अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

िलाट न० 7, ब्लाद न० एम, कशाट सर्कम, नई दिल्ला। जांक एफ० 2247 96 वर्ग फाट। फस्ट० एफ० 2300 13 वर्ग फाट। सैंकिन्ड एफ० 1480.46 वर्ग फाट।

> निरन्द्र सिह सक्षम याधकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, नर्ष दिल्ली-110002

नारंख 15-19-1982 नाहर

प्रक्प बाइं.टी.एन.एड.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I,

नई दिल्लं।, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सः०/एक्यू०-ा/एस०ग्रार०-3/5-82/ 234—श्रतः मुझे नरिन्द्र सिह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सोप नं० 1, डो० एल० एफ० कमरशियल सेन्टर, ग्रेटर कैलाग-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रा- कर्ता ग्रिश्च हो के कार्यालय नई दिल्ली में रिजर्स्ट्र करण श्रीध- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवंग दिनाक मई, 1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) आर अंतरिती अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रामती प्रभा सुखान पत्नी श्रा श्रार० के० सुखान निवासा यी-31, कैलाग अपार्टमेन्ट्स, कैलाश कालोना, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रामती कंवलजात कौर पत्ना डा० कवरज त सिंह गुजराल निवास। एस/51 ए, पंचशाल पार्क, नई दिल्ला-17 (अन्त्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

शाप नं 1 डो० एल० कर्माशयल सेन्टर ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ल.-48, इतक. माप हे 384.78 वर्ग फाट (जितमें दोवारों को भोटाई था शामिल है)।

> नरिन्द्र सिह सक्षम मधिकार। सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ल -110002

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप आई .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--I

नई दिल्ला, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०-।/एस०ग्रार०-3/5-82/ 235---ग्रतः मुझे नरन्द्रिसिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह गिरवास करने का कारण है कि स्थातर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको सं० बो-1/43 है, तथा जो मालव य नगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध क्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारों के नार्यालय नई दिल्ला में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के स्रधान मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नंपत्ति का उचित्र काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी.धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया 'था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-त्र की उत्पारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रांमतः सुशालः मल्हन, कावितः पुरा, सावितः धीगरा, सितन्द्र कुमार पुरा, मदन मोहनं लाल पुरा, विमला मेहता, अमृतलात पुरा, श्रोम कुमार पुरा, मार्फत अटानी प्राणनाथ मल्हन, सुपुत सन्त राम मल्हन निवसः वो-1/42, मार्फवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रा विश्व बन्धु समी, स्पुत श्रा भवान। सहाय शर्मी, द्वारा न्यू मैन एण्ड ब.०, व्लाक नं० 90, ानट सर्कस, नई दिल्ला। । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रायास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्त्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अश्रहस्ताथरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

प्रोतर्थी, नं व - 1/43, सासवाय सगर, नई दिल्ल माप 200 पर्ग गर ।

नरिन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहाय रु ग्रियकार अविकास (निर्राक्षण) अर्जन रोज 1, नई दिल्ला 110002

तार *च:15-12-1982* मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०ग्रार०-3/5-82/ 237-----ग्रतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2/9ए है, तथा जो जंगपुरा, बी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय ण किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री हजारी मल सुपुत्र श्री भाजिता मल निवासी 2/90, जंगपुरा, बी, नई दिल्ली श्रव, तनकपुर, जिला नैनीताल यू०पी०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा ग्रानन्द पत्नी श्री मदन लाल निवासी 1/2, जंगपुरा, बी, नई दिल्खी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त र्जाधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुर, बी

सम्पत्ति नं० 2/9ए, जंगपुरा बी, नई दिल्ली सरकार द्वारा निर्मित सम्पत्ति 100 वर्ग गज ।

निरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख:15-12-1982 मोहर: प्ररूप आई टी एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I.

नई दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश म० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/एस०श्रार०-3/5-82/ 301—श्रत मझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० सिगल रटोरी है, तथा जो नाई वार्ल गली, न० 18 करोत बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप स वांणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सुधीन दिनाक मर्ट 1982

को पूर्वों कर सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कन सपिन का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उन्दर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए।

अत अब जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उठत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियिन व्यक्तियों, अर्थात —

 श्री जगराम प्रमाद, ए-6, हौज खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री बिहारी गरन,
 1/1, फीज राड, नई वल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सिगन स्टोरी हाउस नियमित माप 333 वर्ग गज, नाई वाली गतीन० 18 करोत बाग नई दिल्ली (उपरोक्त मकान का प्राधा बिना वटा हुम्रा हिस्सा)।

> नरेन्द्र सिह सक्षम स्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-ा, नई दिल्ली

तारीख, 15-12-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

and the property of the second section of the second section of the second second section of the second section is a second section of the second section of the second section sectio

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--1

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेण सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/एम०श्रार०-3/5-82/ 310---ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० जैंड-25 पर डाई मंजिला मकान, हौज खास. एंक्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिम्नत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, दिशाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री केहर सिह, परनी दनकौर जैड-25, होज खास, एक्लेब, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री केमिश चन्द जैन, कौशल नन्द जैन, कैलोमचन्द जैन, निवासी 2919, सलतेम घाईया, किनारी बाजार, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी आक्षंय :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० जैंड-25, ढाई मंजिला मकान, हौज खास, एंक्लेब, नई दिल्ली, माप 1 250 वर्ग गज।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम श्रीधकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेंन रेंज , नई दिल्ली

नारीख:15-12-1982

मीहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेज-I,

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 19782

निदेश र्स० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०आर०-3/5-82/ 329---- अत: मुझे निरन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार-547 है, तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमें अचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

1. श्रीमती मधु सुपुत्री बुधर ठाकुर पत्नी दिल बहादुर निवासी ई-45, प्रित बिहार, दिल्ली द्वारा ग्राटारनी रमेश कुमार साहनी ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री ग्रोमप्रकाश कोहली सुपुत्र श्री कुन्दनलाल कोहली निवासी ग्रार-547, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रापर्टी नं० ग्रार-547, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली माप-200 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली-110002

त्यतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं., मै, उन्न अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अपीन, निक्नीलिखिन व्यक्तिया, अर्थात :—

तारीख: 15-12-1982

प्रारूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I,

नई विल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982 निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०ग्रार०-3/5/82/-330--अतः मुझे नरिन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 11533, पर प्लाट नं० 62 है, जो तथा ब्लाक नं० 8-ए अब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्स संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अच, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीतः :-- श्री वी० एन० कोहली सुपुत्र स्व० श्रार० एस० बाल मुकुन्द कोहली, निवासी
 गेलफ लिंक, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण ग्रानन्द सुपुत्र श्री सदा नन्द निवासी 17/5, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हितबद्देध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अम्सूची

प्रो० नं० 11533 पर प्लाट नं० 62, ब्लाक नं० 8-ए, माप 162.5 वर्ग गज (3 बीक्वा) खसरा नं० 1158/761, डब्स्यू०ई० ए० करोल बाग, नई विल्ली ।

> नरिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I,विरुक्षी, नई विरुती-110002

तारीख:15-12-1982 मोहर :

प्ररूप **नाइं. टी. एन्. एस.-----**भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के घन्नीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-। नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982 निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-ग्राई/एस०ग्रार०-3/5-82/ 332—ग्रतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पित, जिसका छिषत बाजार मूस्य 25.000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-273, ग्रेटर कैलाग पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं अ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी घन या ग्रन्य भास्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री सुभाष मित्र जैरथ,
 सी-86, बिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 स्हलेश कुमारी भौर कुमारी मानणा सिंह (नाबालिग), सी-59, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जा के संबंध में की ई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वंदी अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, प्रो॰ नं॰ ई-273, ग्रेटर कलाश पार्ट-2, नई विल्ली ।

नरिन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली-110002

तारीख 15-12-1982 मोहर : प्रकृष पाई० ही • एन • एष • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आर। 269क (1) से अधीन सूचना मारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-।

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1982

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार०-3/5-82/ 343—श्रतः मझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 3ए/9, डब्ल्यू ०६०ए० (सत नगर), करोल बाग, नहिंदिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई. 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिजित में जाम्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी प्राय की बाबन, ठक्त भ्रधिक नियद के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने मा उससे सचने में सुविज्ञा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घरण धारिकयों की जिन्हें भारतीय धायकर पिंछनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त खिलियम, या धन-कर घिंचित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उनन अधिनियम की सारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री राम लाल बतरा सुपुत्त स्व० श्री इन्द्रभान बतरा निवासी 2/5, मिस्त्री नगर, शिवाजी पार्क, रोड नं० 5, बम्बई ध्रू अटार्नी दिवान सिंह सुपुत्त स्वर्गीय श्री खुशीराम निवासी 8ए/5, एन० पी० एन० क्वार्टर्स न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाणवती पत्नी स्वर्गीय श्री रोणन लाल तथा यणपाल चावला सुपुत्र स्वर्गीय श्री रोणन लाल दोनो निवासी 3ए/9, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन गं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सबना के राजपण में प्रवाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर एक्त स्थापर मम्पन्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति दवारा अभोहम्नाक्षरी के पाम जिस्ति में किए जा सकेन।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति न० उए/9, डब्ल्यू०ई०ए० (सन नगर), कराल बाग, नई दिल्ली। क्षेत्रफल 77 वर्ग गज

> नरिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 नर्ड दिल्ली-110002

तारीख 15-12-1982 मोहर : प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.----

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष(1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982 निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-श्राई०/एस०ग्रार०-3/ 5-82/344----ग्रतः मुझे नरिन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-1/68 है तथा जो लाजपत नगर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मई, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-श्रत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

नत अन उनत निधिनयम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के नधीन निधनुनिधित व्यक्तिसमों, नथीत्

- (1) स० सन्तोख सिंह दुझा,
 41, हेमकुंत कालोनी, नई दिल्ली।
 - (2) सुरेन्द्र सिंह, डी-761, मंदिर मार्ग, नई दिल्ली ।
 - (3) स० वजीर सिंह, जी-1/557, श्ररमापुर एस्टेट, कानपुर (यू०पी०) (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रीमप्रकाश चाबडा.
 - 27, कृष्णा मार्किट, लाजपत नगर, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिसी)

की यह सूचना चारी करके पृथाँकत सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्फन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बर्वीच, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्याचतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त घटनों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृधीं होगा जो उस् क्ष्याय में विया क्या है।

नन्स्यो

पी॰ नं॰ सी-1/68, लाजपत नगर, मई दिल्ली माप 100 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम ग्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख: 15-12-1982

गोहर:

प्ररूप आद्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली: नई दिल्ली:- दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/आई/एस० श्रार० 3/5-

82/349--श्रत मुझे नरिन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिल कः मंख्या धार-215 है तथा जो ग्रेटर कैलाग नई दिल्ली में स्थित हैं) फ्राँर इससे उनाबद्ध सनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्राहर्ता स्रधिकारः में, जार्यालय

मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 82 की

- 'को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/या
 - (स) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तिया, अर्थात :---

(1) श्रामती रामसखी देवी तथा श्रा श्रहोक कुमार बंसल निवासी आर-215 ग्रेटर कैलाभ-1, नई दिल्ला।

(अल्लार ह)

(2) श्रीमता इंदिरा श्रानन्द, श्रामता रितु भेहरा श्रीमता पुनम भर्मात श्रीर श्रीमता कामना भंडारी मभी निवास। एस-139 पचर्माल पार्क नई दिल्ला

(ग्रन्तिरत))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आओप .--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति य्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अधिहम्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउड फ्लोर ग्रार-215, ग्रेटर कैलाण पार्ट-।, नई दिल्ली माप 1365 वग फीट (लगभग) ।

> नजन्द सिह नक्षम प्राधिनारी सप्टायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्राप्तेन रेज-I नई (दल्लं,-110002

दिनाकः : 15 दिसम्बर 1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याराय, महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्लः नई दिल्ला, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ब्राई० ए० मा०/एक्यू०/प्राई/एस० ब्रार० 3/5-82/350--ब्रत मुझे निरन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

योग जिसका लेख्या सी-1/67 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ला में स्थित हैं (ग्रांग इपसे उपलब्ध प्रमुख्या में पूर्व रूप से वर्णित हैं) र्जिन्ड्रा हर्ना अधिकार। के कार्यालय नई दिल्ला में भारतीय र्जिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई 82 की

को पूर्वोक्त लम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप में किया नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए,

ात्र जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रः संसोख सिह दुधा

 41, हेम कृत कालं।नः नई दिल्ल ,

 सठ मुरिन्दर सिह हुआ-इं:-761 मंदिर मार्ग,
 नई दिल्लाः, सठ जसवार सिह, जं -1/557, अरमपुर
 अमरपुर स्टेट कानपुर, उत्तर प्रदेण ।

 (अन्तरक)
- (2) श्री परवेश छावड़ा सपुत्र दिवान चढ छ।वड़ा, सं:-2, सराय रोहिल्ला, सुभद्री कालीने , श्रील्ड रोहतक रोड दिल्ला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए / कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहनाक्षरी के पाम लिसित में किए जा मर्कोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

प्रा० न० स-1/67, लाजपत नगर नई दिल्लं, माप 100 वर्ग गज।

> निरन्द्र सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I, नर्ष्ट दिल्ला-110002

दिनाक 15 दिसम्बर 1982 मोहर

प्रकृप बाह'. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धीरा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षण)

ग्रर्जन रेंज-। नई दिल्ली

नई दिल्लं।, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/आई/एस० आर०-3/5-82/353—आतः मुझे, नरिन्द्र

ग्रायकर ग्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिपे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पिछितियम' कहा गया है), की उत्तर 269-व ग्रिक्षां सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिस की सं० प्लाट नं० ए-289 है तथा जो स्रोखला इंड० एरिया, फैस-I, नई दिल्लो में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूच. में पूर्व रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्जों में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीम दिनांक मई, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी विज्ञी आग या कि मी का या अप आहि को जिन्हें भारतीय आग-नार अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने के स्विधा के लिए;

(1) मैस० इंटर कोनटिनेटल एक्सपोर्ट कोप० द्वारा इसके भागादार श्रीमता सनेह ग्रोबराय तथा श्रीमता नीना कोहला, इ-195, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-1, नई दिल्ली।

(गन्तरक)

(2) मैंस, टोनं। इल्क्ट्रोनिक प्रा० लि० द्वारा इसके निदशक श्रीमिती सनेह श्रोबराय तथा नीना कहिला, 24, डा० डा० ए० मार्किट गुलमोहर पाक, र्इ दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वीक्त समिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है

उक्त मम्पित्त के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः--इसमें प्रय्वत शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्रापर्टी नं \circ ख्लाट ए-289 श्रोखला इन्डस् ट्रियल एरिया फेस- \mathbf{I} नई दिल्ली, $\mathbf{5}18.4$ वर्गगज

निरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-। नई दिल्लं! 110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .——
10—456 GI/82

दिनांक: 15 दिसम्बर 1982

मोहर 🗓

प्रकृषः बाइं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I नई विरुट्ध

नई विल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सं।०/एक्यू०/धाई/एस० धार० 3/5-82/354—अतः मुझे, नरिन्द्र सिंह

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः शव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के विभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमता वसंती देवी द्वारा उसके आटरनी श्री गुरवियाल सिंह 1548, मैन पहाड़ गंज, नई दिल्ली ।

(ऋन्तरक)

(2) श्रा अवतार सिंह, सपुत अर्जन दास निवासी सी नं० 2, पूसा रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

प्लाट नं० -1, ब्लाक नं० 8, उब्ल्यू ई० ए० करोल बाग, नई दिल्लो । माप 280 वर्ग गज

> नरिन्द्र सिह् सक्षमक्रुंग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I नई दिस्ती: -110002

्दिनांक ृैं: 15 दिसम्बर 1982

प्ररूप काइंटी. एन. एस. -----

भायकर ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभूता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० एच एस/12/है, तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित र) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के ध्रम्परक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के मुधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती सन्तोष एस० पी० सिष्ठ, निवासी ए/७, भैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

- 2 (1) श्री मधन लाल
 - (2) सुरिन्दर कुमार,
 - (3) बाल किशन
 - (4) चमन लाल,
 - (5) दर्शना चोपड़ा, मार्फत श्रनुपमा स्वीटी, एच-एस/12, कैलाश कालोनी, नई दिस्लं।। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां सुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पृक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सूकों गे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदत जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सरसंची

एच०एस/12, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 195 वर्ग गज, ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्स

तारीख : 15-12-1982

प्रकृप बाइ टी एन् एस : ******

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मधीन सुचना

भारत बर्क्स्

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज-1, ब्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 16 दिसम्बर 1982 निदेश स० पी० स्रार० नं० 2209-एकवं.० 23-1/82-83---श्रत मुझे स्रार० श्रार० शाह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवार जिसे विद्यास कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का काउण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उवित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनका स० सर्वे न० 341, पैका प्लाट न० 11-ए, तथा जो पुजारा प्लीट घोरी न० 1, भिक्तनगर, सोसायटी के सामने स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण कप से वाजन है) रिजस्ट्रकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मही 1982

को पूर्वीकत सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिटिजन के लिए निर्मारत का गई है जीर सुमें यह विद्यान कर का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्मद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अनि ित्यो) को दीच एसे करारण वां लिए तज पाना गना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिजित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उनते अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उन्ते अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अधितः :--- श्री उमेद भाई मगन लाल रैयानाका टावर के नजदीक, राजकोट ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती मनीषा वेन, दिनेश कुमार सोरिडया, पुजारा प्लोट, शेरी न० 1, भक्तिनगर सोसायटी के सामने, बाकड के नजदीक, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कारके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के भवन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्र-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर जकत स्थावर संपरित में हितवव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण — इसमें प्रमुक्त शक्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्वी

जमीन श्रीर मकान जिलका क्षेत्रफल 243 वर्ग यार्ड हैं जो सर्वे न० 341 मिक्तिनगर नजदीक पुजारा शेरी न० 1, पर स्थित है तथा पत्र रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्राकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 2816 में 1982 है ।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्र**हमदा**बाद

तारीख 16-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक द्यायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-1, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1982 सं० पी० श्रार० नं० 2210-एक्वी **2**3-1/82-83— श्रतः मुझे श्रार० श्रार० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का बाग्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार कर 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसक सं० सर्वे सं० पुराना 823 श्रीर तथा 367 पैका 6 एकर 4 गंठा है तथा जो मुजफो पूर्वाध साम में स्थित है (श्रीर इसमें उताबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में विकास है) रजिस्ट्राकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भूज में रजिस्ट्राकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिधीन 17-5-82

को पूर्वेक्ट संपित्त के उचित याजार मून्य से कह के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूबिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्रागर्जीमाई धनजीभाई तीलक सूर्यकान्त प्रागर्जी भाई तीलका, गांव नारनपुर तासुक~भुज। (प्रन्तरक)
- श्रा प्रवानचन्द्र कानजीभाई नानीखाखण, तालुका मांडवी जिला भुजा।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धीय, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुवारा;
- (च) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मीलकत जिसका सब रजिस्ट्रीर भुज रजिस्ट्रीकर्सा रजिस्ट्रेशन नं० 4235/17-5-82 है।

> स्रार० ग्रार० गाह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-12-82

प्रकप बाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-२ (1) के स्वीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २५०-स है अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रु. से अधिक है

श्रीर जिनका सं० सर्वे नं० 132 श्रीर ब्लाक नं० 134 है। तथा जो गाव श्रसलाली, जिला श्रहमवाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्स्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, श्रहमदाबाद. मे रिजर्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, 14-5-82,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक स्पत्त उभित्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क न्यए; डॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ---मोहरः भोडका ड्रम एण्ड अलाइड इन्डस्ट्रं। रिजस्ट्रेड माफिस 90/92, सर्राफ देवर्ज। स्ट्रं।ट, बोम्बे-31

(धन्तरक)

2. श्री भीम सानी सालोग्नाम गोयल की ग्रीर से फुल मुख्तयार ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन ग्राफ इण्डिया लिमिटेड महान्मा गांधी रोड, सिकन्दराबाद (ग्रान्ध्र प्रदेश) (ग्रन्तरिती)

का यह सुपना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 16955 वर्ग यार्ड है जो गाव ग्रसलामी, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रकर्ता विका-खत नं० 7166/ 14-5-82 है।

> श्रारं० ग्रारं० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 23-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 विसम्बर 1982 सं∘ पी० ग्रार० नं० 2212 एक्की० 23-1/82-83---अतः मुझे ग्रार० ग्रार० ग्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० मर्वे नं० 111/1, गांव सोला है तथा जो जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 ता 16) के ग्राधीन 12-5-82,

को पूर्वो कर सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर (रिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उपत अधिनियम के अधीन कार दोने के लग्तरक के दायित्य में कमी करमें या जससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (क) एंसी किया जाय या किसी धन या अन्य हाभित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। जिल्लान में गरित्रश के किय;

1. श्रा श्राशाभाई श्रम्बालाल पटेल और श्रन्य श्री किश्नो धाम, गांव सोला, तालुका दसकोई।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दामोदर दास मोहनलाल 23 स्वीतल सीसायटें गुलबारका टेकरा, ऑम्बामार्ड, श्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृश्नोंकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विश्व बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वी अस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत् सूचमा के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब ने 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त काम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5700 वर्ग वार्ड है जो गांव सोला जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 7038/12-5-82 श्रीर 7260 /17-5-82 है।

> श्रार० श्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद ।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अधिकतयों, अर्थात् :---

तारीख: 23-12-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-I, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनाक 24 दिसम्बर 1982 स०पो० म्रार०नं० 2213 एक्वी० 23//82-83---

यतः मुझे ग्रार० ग्रार० शाह, या कर प्रतिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उत्तर प्रधिनियन' कता गया है), की धारा 269-ख के ग्रजान प्रश्नि प्रविकार को, यर जिल्लान करने का कारण है के स्थान संगत्ति, जिसका उचित्त बा गर मूल्य 25,00)/- २० से

ग्रीर जिसका सं० एफ० पो० नं० 970/3 टा० पो० एस 3, 1/3 सेर है तया जो पालड़ो, ग्रहमदाबाद में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन, 13-5-82,

को पूर्वोक्त संरत्ति, के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे या पिश्वास करने का कारण है कि यथाप्यां का संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह कि प्रीति में प्रधिक है और प्रात्क (अन्तरको) और प्रक्तिती (जन्तरिया) वाच ऐस्प्रस्तरित (जन्तरिया) वाच ऐस्प्रस्तरित के लिए तय पाया गया प्रति- क्ल निमालि बित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में वास्तिक एवं कि स्वा तही जिस्ताया है.~

- (क) अन्तरण पहुई किसी आय ना बाबत त्रक्त आध-नियम के अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्व म कमा करते : उनसे बच े दिक्का तिलए, घोर/पा
- (ख) ऐसी किनी प्राय ना किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्चिनियम, या अनकर प्रश्चिनियम, या अनकर प्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्शरती डारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रामता प्रत्यतावेन रिश्मकान्त नागरी रोड सो० जी० रोड, स्रोलिसक्रोज, स्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रा ममीर बाल्भोकि रश्मिकान्त नागरी का श्रोर से कर्ता रश्मिकान्त ग्रार नागरी, सेठ, सी० जी० रोड, श्रोलिसक्रीज, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त मन्यति के अर्जन के ाम्यन्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना रे स्वार ने प्रतापत की त रोख रे कर दिन की प्रवर्ण या तत्यम्बन्दी व्यक्तियो पर पुत्रना की तामील से 30 दिन की प्रवाब, जो भी प्रवाब कार्य समाप्त होती हो, के भीतर प्रवानत स्वान्त रे में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची?

1/2 शेर मकान मे जिसका कुल क्षेत्रफल 2700 वर्ग मीटर है, जो पालडी श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 7108/13-5-82 है।

> न्नार० म्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद ।

तारीख 24-12-82 मोहर: प्ररूप. आर्ध. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 23-1/82-83 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 विसम्बर, 1983

निदंग सं० पी० ग्रार० नं० 2214:—-ग्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 654-12, 6-55-2, 658, 661, 668, 669-1-2, 610, 6-11 6-12/1, 2, 3, है। तथा जो टी० पी० एस० 1, एफ० पी० 100 पैफी म्रहमदाबाद 701, 720, 1, 3, 4 में स्थित है (म्रोर इसे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 12-5-82,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए:

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 11--45601/82

- मैंसर्स मनीलाल लक्ष्मीचन्द बोरा एण्ड ब्रदर्म 205, सन्त सुफाराम रोड, लोखण्ड बजार,बोम्बे-9। (श्रन्तरक)
- ग्रम्बीकानगर को० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमैन-श्री चन्द्रकान्त एम पटेल, 50, हुरसिंध चेम्बर्स, ग्राश्रमरोड, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---.

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 16285-15 वर्ग मीटर है जो मोडय जिला महमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार महमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 7082, 7078, 7077, 7081, 7086, 7087/12-5-82 है।

> श्रार० ग्रार० णाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- श्रहमदाबाद

तारीख: 24-12-82

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज 23-1/82-83 ध्रहमदाबाद ध्रहमदाबाद दिनोक 23 दिसम्बर, 1982

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2215:—श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वें० नं० 654-1-2, 655 से 658, 661, 668, 669-1-2, 6-10-6-11 है। तथा जो 672-1-2-3, 685, 686, 688, 690, 696, 699, 2-3-4-5 श्रोठव में स्थित है? श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 12-5-82.

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिचित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैंसर्स मनीलाल लक्ष्मीचन्द वोरा ग्राँर ग्रन्थ 209, सन्त तुकाराम रोड, लोखण्ड बजार, बम्बई-400002 (ग्रन्तरक)
- 2. बेलापार्क भोठव को० भ्रो० हा० सोसायटी निमिटेड चेयरमैन-श्रो बी० डी० पटेल, 50, हरसिध चेम्बर्स, भाश्रमरोड, भ्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां सुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पाक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 14947.85 वर्ग यार्ड है। जो ग्रोटब ग्रहमदाबाद में स्थित है जिसका टी० पी० एस 1, एफ० पी० नं० 100 पर स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 7084/12-5-82 है।

श्रार० ग्रार० गाह, नक्षम प्राधिकारी, ,सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद

तारीख: 23-12-82

प्ररूप बाई .टी . एन् . एस . -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 23-1/82-83

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर, 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2216, ग्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है), की घारा 269-ख के अधीन मञ्जम प्राधिकारी की गाउ विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे० नं० 403, पैंफी श्रीर सर्वे० नं० 405 पैंफी है। तथा जो सब फ्लोट नं० 27, बोडफदेव, जिला-ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रंजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15-5-82,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त-संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के-लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) त्सा ग्राम प्राप या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर श्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, वा वन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन चिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्रीमती नरलीकाबेन गौतमभाई शाह छीपा पटेल पाकॅ, नवरपुगरा, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मती निर्मलकुपरा पी० बाला गांव वाबाली याड़, (वाया बोयड़) जिला भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्प्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के धीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षत्रफल 593 वर्ग यार्ड है, (बांघ फामसे साथ) जो बोडफदेव, जिला-ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत नं० 6984/11-5-82 है।

> ग्रार० ग्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 23-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 23-1/82-83 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद रिनांक 23 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2217:— ग्रतः मुझे ग्रार.ग्रार० शाह०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे० न० 82 ग्रौर 83, टी० पी० एस 15, फी एस० पी० नं० 71 है। तथा जो वाडज ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 7-5-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया नया है:--

- (क) प्रन्तरण से ह**ई किसी भाय की बाबन, उक्न** पश्चिमयम के **प्रधीन** कर देने के भ्रग्तरक क लिल्व में कमी करने या अससे बचने मे पुविधा ेत्तर; बौर√या
- (ब) ऐसी किए आय या किमी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपान में सुविधा के लिए।

श्चन. ग्राप्त, उक्त मिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री तीभोवनदास नागरदास बाबेला 71, ग्रााद सोसायटी वस्त्रापुर, ग्राबायाडी, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती चन्द्राबेन रवीन्द्र भाई दया शंकर ब्यास गांव-डेडकटी तालुका-सावरकुन्दला, जोला—भाव-नगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के िनए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—-इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षत्रफल 200 वर्ग यार्ड है जो टी पी० एस 15, वाडज ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 6925 7-5-82 है।

> म्रार० ग्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-[23-1/32-83 अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर, 1982

निदेश स० पी० आर० न० 2218, अतः मुझे आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी में एपा पी 255, सब प्लाट नं 3-1/18 अनदीपाइडं है। तथा जा टी पी एम 3, शेंखपुर, खानपुर, उफे नवरंगपुरा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजर्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908) का 16) के श्रावीन,

को पूर्वोक्त सम्पन्ति क उचित बाजार मृत्य ६ कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और उत्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्त्रण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की भागत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किमी जाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना अवन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयान्यार्थ अलारिनी बनास प्रवट रहीं किया गया था या किए जाना नाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम क्षां भारा 269-य की उपधारा (1) में अधीन, निम्निकिष्टिम व्यक्तियों, मधीन :—

- 1. श्री अनुभाई रतनलाल गज्जर और अन्य मीडाखली रेल्ब आसीगेफ नजदीक, श्रोलिसबीज, श्रहमदाबाद (अन्तरक)
- 2. श्रो कान्तीलाल मनीलाल परीख श्रीर श्रन्य 1-स्तित-कुज, सोमायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीनार उक्त स्थावर राजितन मों हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का., जो उक्त अधिनियम, को अध्याय १०)-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ प्लाट जिसका क्षेत्रपत 121.66 वर्ग यार्ड है जिसका टी० पी० एस 3, एफ० पी० न० 255, सब प्लाट नं० 3, पैफी जा नवरंगपुरा उर्फ भोखपुर खानपुर श्रह्मदाबाद में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार श्रह्मदाबाद -रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखन नं० 7763/28-6~82 है।

श्रार० प्राग्व शाह, मझन प्राधिकारी, महायकज श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख : 22**-12-8**2

_ --- =

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज. 23-1/82-83 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2219:— श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं सर्वे नं 87-1 स्रोर 87-2 पैकी टी पी एस 19 एफ पी 188 है। तथा जो सब प्लाट नं 1, प्रेम नगर, स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा स्रिधकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रिध- नियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 18-5-82, को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा २, त्रिय, ऑर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मुरेन्द्र नारनदास चौहान मोतीलाल पटेल ग्रस्पताल के पीछे मंगलदास टाउन हाल के नजदीक, ग्रालीस ब्रीज, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. उज्बल अपार्टमेंटस विकास मण्डल चेयरमैन श्री र्लाका हिमाशु सैयद सैकटरी,श्री पंकज कुमार सी चीकसी उज्बल अपार्टमेंन्टस, डा० राधाकिशन, मार्ग, नवरंग पूरा, अमबाबाडी, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1178 वर्ग यार्ड है जो प्रेमनगर टी. पी० एस० 19 अहमदाबाद में स्थित है तथा गत्र रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्त्ता विकीखन न० 7315, 7311 श्रीर 7302/18+5-82 है।

ग्रार० प्राट० साहै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-12-82

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 23-1/82-83 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर, 1982

निदश सं० पी० ग्रार० 2220:— ग्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- र. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 307-1 टी० पी० एस

20 है। तथा जो फलैंट नं० 1, धरेबिहार को० ग्रा० सा०
सो० वस्त्रापुर, पांजरापोल, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा
श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिध
नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29-5-82,
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान श्रितफल से, ऐसे दृश्यमान श्रीतफल का
पन्न्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातु:--- 1. श्री इन्द्रजीत गंगाराम बुटानी 32 स्रोठव इन्डस्ट्रीज एस्टेट, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के॰ एल॰ वाउ, फ्लैट नं॰ 1, धरिबहार को॰ आ॰ हा॰ सोसायटी, लिमिटेड वस्त्रापुर, पांजरापोल, शहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रलैट नं० 1 जिसका क्षेत्रल 90 वर्ग यार्ड है जो धेरबिहार को० भ्रो० रा० सोसायटी, पांजरापोल नजदीक, भ्राबाबाड़ी, भ्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 7230 29-5-82 है।

> श्रार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 भ्रहमदाबाद।

तारीख: 22-12-82

प्रका नाह ा पूर एत .-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 23-1/82-83 ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निदश सं० पी० म्रार० नं० 2221: ए०सी०क्यू-23-1/82-83—म्रत: मुझे, म्रार० म्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० 309, टी० पी० एस० 29 है। तथा जो वाड़ज, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-5-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापुर्कोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसने बचने मे स्विधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य वास्तिवों को, जिन्हें भारतीक आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उल्ला अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धास 269-ग के अमृत्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 259-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बचुभाई पुजाभाई कडीया, दाडीग्रामकी पोल, कालुपुर, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुभाप सिंह ग्रपार्टमेंट श्रसोसियेशन प्रमुख-मुकेश मेथीराज परमार पाठक सोसायटी, सरदार पटेल कोलोनी रोड, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हो।

उनत सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाहत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारोड से 45 दिन के भीतर उकल स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध कि कि निया कि व्याप के पास विविध्त में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 938 वर्ग मीटर है जो वाङज ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत न० 76843/27-5-82 है।

> श्चार० श्चार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुदा (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद।

तारीख: 22-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अक्ष्मदासाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2222-23-ा/82-83——अतः मुझे, आर० आर० भाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 329 पैकी टी० पी० एस० 25, एफ० पी० 515 है तथा जो खोखरा महेमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित है (और इसर्स उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गावा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :——
12—456GI/82

(1) श्री धीरजलाल फुलचंद तंबोली नखतेम्बर प्लाट, राधापल्लम मंदिर के सामने, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चंद्र पोपटलाल आचार्य जेयरमैन अहमदाबाद एन्यूकेशन पिंकनक ट्रस्ट इम्लोयी को अो हा सोसायटी लिमिटेड के शिष् एन के पटेल एक्वोकेट 66, शांति सदन एस्टेट दीनबार टावर के सामने, मीरजापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) ६स सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्कारण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन की बोडी का क्षेत्रफल 2019 वर्ग मीटर है जो खोखरा महेमदाबाद अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 7676/ में 1982 है।

> आऱ० आर० घाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहम दाबाद

दिनांक: 22-12-1982

बीहर:

प्रारूप आह दी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-23-I/82-83 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनाक 22 दिसम्बर, 1982

निदेश स० पी० आर० न० 2223—अत मुझे, आर० आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उधित बाजार मून्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० मर्बे न० 262-1 पैकी सर्वे न० 220 पैकी 221 पैकी है तथा जो घोडासर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20 मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफ न के मिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विदेशस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफ ल से, एसे दर्यमान प्रतिफ ल के पन्नाइ प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ न, निम्नीचित्र उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से द्वुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे ब्लार में तृबिधा के सिए; नौर/वा
- (क) एसी किसी बाब मा किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात ——

(1) श्री हर्षवभाई रतीलाल पटेल और अन्य जेटाभाई की पोल, खाडिया, अहमवाबाद ।

(अन्तरक)

(2) सुरपथ को० ओ० हा० सासायटी लिमिटेड को० ओ० हा० चेयरमैन-श्री कान्सीलाल चदुलाल पटेल 13, रामदुर्गा सोसायटी, नारनपुरा, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्त सपरित के अर्जन के सबध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहण्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्मध्यीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं जर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1506.5+8998.5+2397 वर्ग यार्ड है पैकी जो घोड़ासर अहमदाबाद मे स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ना बिकीखत न० 6394/20-5-82 है।

आर० आर० णाह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनाक : 22-12-1982

मोहर.

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी ० आर० नं० 2224 ए०सी ० वयू - 23-I / 82-83 — अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बावकार वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मील, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 220 पैकी और सर्वे नं० 262-1 पैकी है तथा जो घोड़ासर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त बीधिन्यम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अपनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एेती किसी आय या किसी धृत या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इंतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, ष्टिपाने में सृविधा के लिए:

जतः नग, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा. (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हर्षदभाई रतीलाल पटेल और अन्य जेठाभाई की पोल, खाडिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) स्पेक्ट्रम को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमैंन बलदेवभाई नाथाभाई पटेल सर्वोदयनगर, सोला रोड़, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त्यारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त किंतियम, के जध्याय 20-क में परिशाणित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसभी

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1695.5 वर्ग यार्ड है, सर्वे नं० 220 पैकी जमीन का क्षेत्रफल 8-169.5 वर्ग यार्ड सर्वे० नं० 262-1 पैकी जो घोड़ासर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6439/20-5-82 है।

आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी प्रहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 22-12-1982

प्रकृप आई.टी.एन्.एस ,------

नायकर भोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क्रे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 विवस्बर 1982

निर्वेश सं०पी० आर०नं० 2225 ए० सी० क्यू-23-I/82-83—अतः मुझे, आर० आर० भाह्र,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उन्चार स्मीत, जिल्हा कित बाकार मूला 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 221 पैकी है तथा जो घोड़ासर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 मई, 1982

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्परित का अचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आशत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कनी करने या उन्हरी बच्ने में तृविधा के लिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आनु-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

वतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री हर्षवभाई रतीलाल पटेल और अन्य जेठामाई की पोल, खाडिया अहमवाबाद ।

(अन्तरक)

(2) सुख्याम घोड़ासर को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड के०/ओ० चेयरमेंन कुमार बाब्लाल 75, सहाद्री नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पैदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 10557 वर्ग यार्ड है जो घोड़ासर जिला-अहमदाबाद में स्थित है तया सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत न० 6395/20-5-82 है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अक्षमदाबाद

¹दनांक . 22-12-1982

प्ररूप: आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, घहमबाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर, 1982

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 2226 ए०सी०न्यू-23-I/82-83--श्रत: मुझे, झास० श्रार० शाह,

आमकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 168 ए० पैकी श्रीर सर्वे नं० 169 नं० ए० पैकी है तथा जो श्रसारवाद श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रव्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मई, 1982

को पूर्शेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से का के द्रायमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में क्रीथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सूविधा के लिए।

जतः अबं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री कौणिकलाल नारनलाल शाहीबाग प्रहमदाबाद (प्रन्तरक)
- (2) श्री प्रताप सिंह रामसिंह चावला साखरपुरा, गांव कराग, जिला लांधीनगर श्री वकोरभाई कचराभाई ग्रह भट्ट विजय मील के सामने नरोड़ारोड, लक्ष्मीपुरा चाल श्रहमदाबाद श्री कल्याण सिंह सुखसिंह सेखावत गांधी की रोक ग्रसाखा रोड़, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू

उस्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पक्कित्याः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, प्रशेषक जिस्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 7983 वर्ग यार्ड है जो श्रसाखा श्रहमदाबाद मे स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकक्षी विक्रीखत नं. 3311/19-5-82 है।

ग्रार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

बिनांक: 22-12-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 2227 ए० सो० क्यू-23-I/82-83---म्रतः मुझे, म्रार० भ्रार० शाह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 708 है तथा जो गांव मकरबा जिला भ्रहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 20 मई, 1982

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सूविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में:, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को नधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री गुगाजी मोहनजी गांव-मोहमदपुरा, तालुका-दसकोई जिला-ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल चुनीलाल शाह कर्ता श्रौर मैनेजर एन० सी० शाह श्रौर श्रत्य शाहीबाग, गिरधर नगर सोसायटी सरोजकुंज, बंगला नं० 19 श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकींगे।

. स्पष्टीकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5 एकड़ 13 गुंठा है (25773 वर्ग यार्ड) जो गांव मकरबा जिला प्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 7418, 7417, 7414, 7413, 7411/20-5-82 है

ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, शहमदाबाद

दिनांक . 22-12-1982

प्रक्य आहू. टी. एन. एस. -----

जायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक भागकर भागुक्त (निर्दक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश स० पी० ग्रार० नं० 2228 एक्यू ०-23-1/82-83--श्रतः मुझे, धार० ग्रार० शाह,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० एफ० पी० 508/6 गव प्लाट न० 3 पैकी है तथा जो छडापड, एलीमश्रीज, श्रहमदाबाद मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19 मई, 1982।

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसन प्रशिक्त के लिए बन्तरित की गर्व है और मुश्ते वह विश्वाब करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दर्ममान प्रतिफल का बल्क्ड प्रतिकत से विभिक्त है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बंतरिती (बन्तरितकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा जया हति-क्या, मिन्निसित उद्योग्य से उक्त बन्तरण जिक्ति में वास्त-

- (क) अन्तरण स हुई िक मी आय की वावत उक्त अधि-निसंस के अभीन कर दीने के जन्तरक के दायिल्य में कसी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिये, जौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जितिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, जियाने में मुनिधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों , अर्थात :--

(1) श्री दीक्षित मदनमोहन, "श्रामुतोष" पटेल सोसायटी, गुलवाई टेकरा, श्रोबाधाईी, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) गोविद नोन ट्रेडिंग एसोसिएणन की श्रीर से श्री प्रह्लादभाई सन भ्रग्रवाल के श्री सीताराम राज-कुमार 20 हीराभाई मार्कीट रायपुर दरवाजा बाहर, भ्रहमदाबाद-380022।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूच्यना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्स्वन्ती व्यक्तियों पर सूच्या की तारीमल से 30 दिन की नविभ, जो भी अविभ सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षणी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

त्यव्यक्तिरणः -- इतमें प्रमुक्त अध्यों और पर्यों का, जो उपत वीधनियम के जध्याव 20-क में परिभाषित हों, यही नर्थ होगा को उस अध्याम में दिशा गवा है।

अनुसुद्धी

मकाम जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 831 वर्ग यार्ड है जो छड़ावड एलिसप्रीज महमदाबाद में स्थित है तथा सब र्गजस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रोक्त िबक खत, नं० 7401/19-5-82 है।

श्राप्त श्राप्त शाह, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनाक: 22-12-1982

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस.-------

आग़कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) प्रार्जन रेंज । प्रहमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 2229---एसीक्यू 23-1/82-83 श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पे।० 518/6 एम० पी० बी० बी० पैकी है तथा जो छडावड एलिसकाज, श्रहमदाबाध में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकत्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 19 मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उक्त वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्दरिती वृद्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित क्वीक्तमों, क्थील्:--- (1) श्री सुभाग गदनमोहन "श्रासुतोष" पटेल सोर्स। पर्ट गुलबार टेकरा, श्रावानाड़ी, श्रह्मवाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) एस० ग्रार० नोन ट्रेडिंग एसोनिएशन ग्रोगेनाइजर श्रा श्ररिवद एम० शाह 30, हाराभाई मार्कीट, रायपुर धरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 831 वर्ग यार्ड है जो छड़ावड़, एलिसब्राज, ग्रहमवाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्राकर्ता बिकाखत न० 7400/ 19-5-1982 है।

> श्रार० श्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी महायक आमकार आय्क्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज 1, श्रहमक्षाबाद

विनाक: 22-12-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अहमदाबाद, विनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं०पी० श्रार० गं० 2230---एमीक्यू 23-ा/82-73 श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० 578/6 मब प्लाट नं. ए पैकी है तथा जो छड़ावड़ ऐलिसबीज, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्त्रण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 19 मई, 1982

को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से काँचत नहीं किया गया है:--

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत बिधिनियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्या के लिए;

(1) कुमारी पारूलवेन सदनमोहन रमनलाल "श्रामुतोष" गुलवाई टेकरा पटेल सोसायटी अम्बावादी श्रहम-दावाद

(अन्तरक)

(2) रमन नोन ट्रेंडिंग एसोसिएणन की श्रीर से श्रार्गेन नाइजर—राजेण प्रतापराय भट्ट/केयर/श्राफ बी० एम० सर्राफ (सी० ए०), फस्ट फ्लोर, 164 न्यू क्लोथ मार्नीट, रायपुर दरवाजा बाहर श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितवक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 844 वर्ग यार्ड है जो छड़ावड़ ऐलिसब्रीज श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखन नं० 7403 श्रौर 7402/19-5-82 है।

म्रार० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भूर्जन रेंज 1 भ्रहमदाबाद

दिनांक: 22-12-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

स्रायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्भन रेज I, ग्रहमदाबाद
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)
ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश स०पी० श्रार० नं० 2231—ग्मीक्पू-23-**I**/8**2**-83 श्रत: मुझ श्रार० आर० णाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' मेंहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. स अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० ब्लाक 122 है तथा जो गांव लीतापुर, जिला-श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18 मई 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक कण से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त क्षिमियम के क्षीन कर बाने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितः द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या पित्रया जाना बाहिए था, छिपान म स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, टक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्री जवानजी कलाजी गांव लीलापुर तालुका दसफोई जिला श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भ्रमित श्रंबालाल "सुमेरू" सेंट झेवियर्स कालेज के नजटीक, नयरंगपुरा, श्रह्मदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति श्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;

स्वव्यक्तिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5 एकड़ 9 गुंठा (25289 वर्ग यार्ख) है जो गांव लीलापुर जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 7321/18-5-82 है

> आर० ग्रार० शाह सक्षम प्रांधिकारी, यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 22-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) स्रर्जन रेज I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश स० पी० ग्रार० न० 2232-एसीक्ट्-23-I/82-83--श्रत मझे, ग्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. स अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे न० 184 श्रार 185 पैकी हिस्सा न० 34 पैकी टी० पी० एस० 21 है तथा जो एफ० पी० 558 पैकी पालडी, प्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप स तिजत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 17 सई 1982 का पूर्वोक्त सपिता के जीचत बाजार मृन्य स कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि या द्वारित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान पिछित स, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क दायिस्व में कभी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अद्धः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मचक हर्षवर्द्धन मकीम स्थामकुज सोसायटी। ऐलिसब्रीज, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कामेश्वर कुज को० श्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमैन—-श्री चतुरमाई श्रवाराम पटेल, कामेश्वर एपार्टमेट, श्रावावाडी लागज्जर बगला के पीछे; अहमदाबाद।

(ग्रन्तरिनी)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उक्त सपित्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भें में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकरो।

स्पर्ध्वीकरणः--इममे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उन्म अध्याय मे दिया गया है।

जनसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 377 वर्ग यार्ड है जो पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सत्र रिजस्ट्रार ग्रहमदाबाद रिज-स्ट्रीकर्त्ता विकीखन न० 7299/17-5-82 है ।

> म्रार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज ,भ्रहमदाबाद

दिनाक 22-12-1982 मोहर प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 31 दिसम्बर, 1982

निर्देश मं०पी० श्रार०नं० 2233-23-1/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 204 है तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जूनागढ़ मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4 मई.

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्नसे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती शांताबेन जमनावास श्रीर ग्रन्य, दानापीठ सोसायटी, जूनागढ़

(ग्रन्तरक)

(2) नाथजा कस्ट्रक्शन कपनी की श्रोर से श्री पटेल नर्रासह गोपाल, श्रशोकनगर सोसायटी जूनागढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो आरे पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जमीन नं जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 15 गूंठा है जो सी । एस । ऐस 204 जूनागढ़ में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, जूनागढ़ रजिस्ट्रीकर्सा बिकीखत नं । 1299/4-5-1982 है।

> ग्रार० श्रार० णाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज J, भ्रहमदाबाद

दिनांक 31-12-1982 मोहर: प्रारूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० मार० न० 2234-23-**I/82-**83---मतः,

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अप्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० सर्वे नं० 1 श्रौर नया सर्वे नं० 484 खाता नं० 276 है तथा जो (गाव—बंटवा, तालुका—मानावदर, जिला—जूनागढ़ में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 11-5-82

कां पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्म धरवी मिल्स लिमिटेड, लेडी जमणेदजी रोड, दाधर, बम्बई-28।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीपक सुंदरदास फनफलाले ग्रीर ग्रन्य, 714, स्टाक एक्सचेस टाबर, दलाल स्ट्रीट, बम्बई-23। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सपित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदौका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

फैक्टरी मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 94985 वर्ग यार्ड है जो गांव—बटवा जिला—जुनागढ़ में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, बम्बई रिजस्ट्रीकर्ती रिजस्ट्रेणन नं० 2021/81/11-5-82 है।

ग्राग्० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 31-12-1982

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस. - -- -आयकर ऑधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 31 दिसम्बर 1982

निदेश मं० पी० भ्रार० नं० 2235-23-1/82—श्रार मुझे भ्रार० भ्रार० भाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० एफ० पी० 935, टी० पी० एस०-3, हिस्सा न० 1 है तथा जो मानली श्रपार्टमेन्ट के पीछे, भगवाननगर टेकरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख़ 12-5-82 का पूर्वांकत सपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंकत सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एमं अनरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः जब, उक्त मिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पराग रजनीभाई शाह, गुसापारेख की चोल, मानेक चौक, मदनगोपाल की हवेली के नजदीक, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) सिद्धचक्र अपार्टमेन्ट श्रोनर्स एसोसिएशन, प्रेसीडेन्ट श्री रोहित श्रार० शाह, 315, बिजनेश सेन्टर, रीलीफ रोड, श्रहमदासाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यवितयों पर नूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतो।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त काव्दों और पर्दा का, जो उपक विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिमका क्षेत्रकल 566 वर्ग यार्ड है जो पालडी भ्रहमदावाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखन न० 7093/12-5-82 है।

> आर० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 31-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. रो अधिक है

श्रीर जिसकी स० एफ० पी० न० 935, टी० पी० एस० 3, हिस्सा नं० 2 है तथा जो मानली श्रपार्टमेन्ट के पीछे, भाव-भगवान नगर टेकरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में र्राजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 12-5-1982

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की क्षारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की क्षारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिरयो , अर्थातः :---- (1) श्रीमती गणीकला रजनीभाई णाह, गुमापारेख की नोल, मानेक चौक, मदन गौपाल की हवेली के नजदीक, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिद्धचक श्रपार्टपेन्ट्स ग्रोनर्स एसोसिप्शन, श्रमुख---श्री रोहिन ग्रार० शाह, 315, बीजनेस सेन्टर रीलीफ रोष्ट श्रहमवाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर नम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधांहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पध्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 566 वर्ग यार्ड है जो पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 7090/12-5-82 है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी, 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2237—23-I/82-83—स्रत', मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 14, स्ट्रीट नं० 108, नोंध नं० 2543 से 2545 है तथा जो सर्वे नं० 360, स्ट्रीट नं० 13, नंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तिस्यों, अर्थात :--

(1) श्री भूपेन्द्र पी० जल्खर, रसीकलाल पी० खल्खर, नवीनचन्द्र मोहनलाल व्यास, नाथालाल मोहनलाल क्यास, पारा बाजार, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रतनकुवरवा नानभा बाधेर, फूलचन्द प्रेम के नजदीक, सदर, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मील्कास जिपका सब-रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकाती रजिस्ट्रेशन नं॰ 1251/ में 1982 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारी**व**: 5-1-1983

प्ररूप जाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-५ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2238-23-I/82-63--अतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1, जी०-4, जामपुरी एस्टेट, प्लान नं० 2 है तथा जो प्लाट नं० 12/4, बोरी बन्दर रोड, जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त जिम्हियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूरिधा प्रतिस्तु और सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिवाने में स्विधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---14—456GI/82

- (1) श्री कान्तीलाल प्रागजीभाई गीरनारी, जयंतीलाल प्रागजीभाई गीरनारी, खाखा चौक, जामनगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मधुरीका जशवंतराय बसावडा, 1/4 लखोटा, मीग कालोनी, जामनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, ओ भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इ.र मूबना के राजाब में प्रकाशन को नारी का गे।
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि।
 बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताकरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्दों का, जो उक्त सक्षि नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो जन अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

मील्कत जिसका सब रिजस्ट्रार जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1355/4-5-82 है।

भ्रार०श्रार०शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

तारीख: 5-1-83

प्रस्त आई० टी• एन• एस•----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 2239—23-I/82-83---श्रतः मुक्षे, ग्रार० श्रार० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य, 25,000/- एउ. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 191, महेन्द्र नगर गांव, तालुका मोरवी है तथा जो बहादुर विला गेम्ट हाउस के पीछे, रोड नं० 2, भोरवी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-5-1982

को पूर्व कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मूफे यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहामान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित्त में वास्तिनक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा के मिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय वासकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर व्यधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्यारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् किन (1) श्री गोविन्दभाई नानजीभाई, किशन सभा क्ष्ण-स्ट्रीज, मोरवी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवरामभाई पटेल एण्ड सन्स, बहादुरविला गेस्ट हाउस के पीछे, सरवार इन्जीनिर्यारग के नजदीक, महेन्द्र नगर, तालुका, मोरवी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्वित्
- (क) इस सूचना के राजपण माँ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति माँ हित-बद्र किमी अन्य व्यान्त द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित माँ किए जा सकांगी।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत जिसका सव-रिजस्ट्रार, मोरवी रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 0.1542/18-5-82 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-!, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1983

प्रकृप काइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाव, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2240 एक्यू 23-I/82-83 श्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० गाह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 ए। 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन मलाम श्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- २० में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 40, जी०-5, प्लाट पैकी 3/3, 3/2 श्रौर 3/5 है तथा जो बेडी रोड, पंचवटी सोसायटी के सामने, जामनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतेफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशा से श्री कि ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐस अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण म हुई कियी आय की बाबत, उकत महि॥ नियम के मधीन कर देने के मग्तरक के दायित्व म कमा करन या उसस बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जन्ता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री कृष्णा कुमार गोविन्दजी ग्रीर श्री प्रवीन कुमार गोविन्दजी, कृष्णा निवास, काशी विश्व-नाथ मंदिर के सामने, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) विद्युत पार्क को० श्रो० हा० सो० लिमिटेड, जामनगर की श्रोर मे प्रोमोटर, श्री मधुकान्त ए० रावल, जानीका ब्लाक, विकासगृह के सामने जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में काई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित स्थानित या में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को जक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

ममुजुची

मील्कत जमीन जिसका सब रजिस्ट्रार जामनगर रजिस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 1422/10-5-82/1408/7-5-82 है।

> श्रार० ग्रार० **गाह,** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदा**या**द

तारीख: 5-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायकर शांधानयस, 1961 (1961 का 43) करि भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 69 ताजपर तालुका मोरवी है तथा जो ल्लाजपर तालुका मोरवी में स्थित है (भ्रौर हससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). हर्पिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोरवी में रिजस्ट्रीकरण, श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री हरिजन नागजी दला की भ्रोर से एल० भ्रार० भ्रमधीयेन नागजी की श्रोर से एल० भ्रार० कुल मुखत्यार), पटेल छगनभाई मोतीभाई, गांव बोराला, तालुका-मोरवी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मयूर को० श्रो० सोसायटी लिमिटेड बाजपर की श्रोर से, श्रोगेंनाइजर श्री रमेश चन्द्र जगमोहनलाल सावसार प्लाट नं० 6, मोरवी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसर अध्याय में विद्या गया है।

अभूस्ची

. मीलकत जिसका क्षेत्रफल 7466.19 वर्ग मीटर है जो सर्वे नं 69, गांव झाजपर, तालुका मोरवी में स्थित है सथा सब रिजस्ट्रार मोरवी रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 777/ में 1982 है।

> भार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-], ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1983

प्रस्तु आहें. टी. एत्. एत.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1061 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2242 एसीक्यू० 23-1/82-83 —-श्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह स अधिक है

मौर जिसकी सख्या है तथा जो नन्दनवन प्रपार्टमेन्ट, कान्ता विकास गृह रोड, राजकोट में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रव्यक्तिन तारीख मई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बायकी बायस, उक्त वॉधिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में जूनिका के सिए; जौर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उभत अधिनियम की भारा 269-ग के. अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बा० श्री नदकुंबरबा माधवसिह जी कान्ता स्ट्रीट विकासगृह रोड, राजकोट।

(मन्तरक)

(2) श्री पुरसोत्तम एस० तोटला, नदनवन प्रापार्टमेंट, विकास गृह रोड, राजकोट।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्पक्ति के वर्जन के सिर्य कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त कम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप क्ष्--

- (क) इस त्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्सनधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.क. स्थान के राजपत्र में प्रकालन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थानिकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, आं उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मीर्ल्कत जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग मीटर है जो नंवनवन ग्रपार्टमेन्ट, कान्ता विकास गृष्ट रोड, राजकोट मे स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3420/ मे 1982 है।

> स्रार**ेश**ार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-(, **प्र**हम**दाबाद**

नारीख: 5-1-1983

प्ररूप आर्थः, दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अञ्जीत गुंबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2243 एसीक्यु० 23-1/82-83 अतः मुझे, आर० आर० शाह, आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अधित वा आर मूह्य 25,000/-

रपए से मधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 1013/2, वजेपुर तालुका मोरवी है तथा जो केनल रोड, मोरवी सर्वे नं० 1013/2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मोरवी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 6-5-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत श्रीयक है और श्रन्तरक (श्रम्तरको) और अन्तरिती (श्रम्वरितियो) के बोब ऐस श्रम्तरण के लिए तथ पान गया प्रतिकृत, तन्ता खित हैं हम में उनत प्रन्तरण लिखन में बास विक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भरतरण से हुई किसा ग्राय की बावत, उकत शक्षियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायरव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसं किसी भाष या किसी धन या सन्य ध्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ध्राय-एर श्रीधिनियम, 1922 (1922 एन 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रांधानेयम, 1957 (1957)। .7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मग्रण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उप-भारा (1) के अधिम, निम्मुसिचित व्यक्तियों, अधित्:—

- (1) श्री पटेल महेशकुमार महादेवभाई
 - (2) पटेल रावजीभाई कल्यानजीभाई हरीपुर, तालुका मोरवी।
 - (3) पटेल भावजीभाई कुंवरजी माहेन्द्रनगर, तालुका, मोरवी
 - (4) पटेल ग्रंबाराम ग्रानजीवनभाई गांव चंचा, तालुका मोरवी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चतुरभाई करमशीभाई पटेल प्रमुख-विवेकानन्द को० श्रो० हा० सोसाइटी लिमिटेड, श्रादर्श सो-सायटी, सरदार बाग के नजदीक, मोरवी। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के झर्जन के किए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी खाबोप :--

- (क) इस स्वता के राजपन्न में त्रकाणन की तारीय स 45 दिन की भविध या तरलम्बन्धी अपिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी शविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्याधीकरण: - इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो छक अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है वही आं होता, जा उस अध्याय मे प्रिया गया है

नगत्तवी

मील्कल जिसका सब रजिस्ट्रार मोरवी रजिस्ट्रीकत बिकीखत नं 1389/6-5-82 है।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-I, श्रहमदाबा

तारीख: 5-1-1983

प्ररूप आहु^र.टी एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाक 5 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० न० 2244—अतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिंबे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा (269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं०

है तथा जो शेरी न० 8, करनपरा राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 9-5-82

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिलित उद्देश्य से स्वत अन्तरण रिकिंग में माम्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविभा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;
- अतः अवः, उक्स अभिनियम की भारा 260-ग को अनमरण

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

- (1) श्री वी० के० नाथवानी, मार्फत श्री वसन्तकुमार हरीलाल नाथवानी, 8, करनपुरा, राजकोट । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कन्हैयालाल भ्रमृतलाल जगडीया, प्रहलाद रोड, राजकोट।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्य में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हु^क, बहु अर्थ होगा जो सम अध्याय में दिया गया हु^क।

वनसर्वा

मील्कत जिसका मकान का क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड है जो 8, करनपुरा, राजकोट में स्थित है तथा सब रिज-स्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 6134/9-5-82 है।

> म्रार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबार

तारीख 5-1-1983

प्रकप बाइ .टी. एन्. एस. -----

बायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की अरा २६२-घ (1) व अर्थान सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, एरनाकुलम एरनाकुलम, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० एल० सी० 604/82-83—यतः **मुझे, धी०** म्रार० नायर,

भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भार 269- क अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाबार सून्य 25,000/ रा. से अभिक है

भ्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो चिरायि-िक्कल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिरायिन्किल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-5-1983

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास अदश्चे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया नया प्रतिकल का निम्नितिस्त उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक क्या से किया नमा की

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व के कभी अध्योग असमें क्वने में सुविधा के लिए; खार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा की निए:

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निश्नमिकित स्पक्तियों अधीतः ** (1) श्रीमती एल० राजम्मा

(मन्तरक)

(2) श्री मनमदन उन्नी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगें।

स्यक्कोकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूर्यो

33 सेंट्स भ्राफ लैण्ड इन सर्वे नं० 388 भ्राफ सारकारा विलेज एस पर सेड्यूल भ्राटैच्ड टू डाकुमेंट नं० 1441/1982 डेटिड 31-5-1982 भ्राफ एस० भ्रार० श्रो० जिरायिनकल

> बी० श्रार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरनाकुलम

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी० $46/\overline{\text{रज-IV}}/\text{कल०}/1982-83$ — यतः, मुक्ते, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो कसबा, जिला-24-परगना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-5-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के डस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—456GI/82

- 1. श्रीमती भारती सरकार (म्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बीना रानी दास (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति, संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन—4 काटा जमीन के साथ मकान, पता—मौजा गौर थाना—कसबा, जिला—24-परगना दलिल सं० 1982 हा 2260।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1V, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जम रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी० $45/\overline{\text{र्रज-JV/कल०}}/1982-83$ यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कीरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी-27 है तथा जो बेनारस रोड़ जिला हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से दक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .—

- 1. श्री अशबन्त काउर, (प्रन्तरक)
- 2. मै॰ भिक्झरी श्रायरन वयार्कय ''प'' लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां घूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

जमीन---4 काठा जमीन के साथ मकाम, बता-27, बेनारस रोड़, धाना--लिलुया, जिला हायड़ा, दलिल सं० 1982 का 2548।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज—IV/कलकत्ता

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप० माई० टी॰ एन॰ एस॰-----

पायकर ग्रीबिनियन, 1961 (1961 का 43) की घार। 289-व (1) के ग्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/19—यत:, मुझे, एम० ब्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उपने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिक्ता (अन्तरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया गया गया गया से

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या ।ससे बचने में सृविधा के रिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अभीत् :---

- 1. श्री नगेम्द्र नाथ सामन्त (श्रन्तरक)
- 2. श्री नासिर ग्रहमद साईगथ (ग्रन्तरिती)

को बह सूबना बारो हरके पूर्वोक्त मन्यति के छर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाकीप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्योकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंश-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

8 नं प्रिनसेप स्ट्रीट कलकत्ता की श्रवस्थित, 4 कट्टा 9 छटांक, 33 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/6 हिस्सा जो खीड नं 3870 के श्रनुसार 7-5-82 तारीख को रिज-स्ट्रार ग्राफ एयसुरेन्स के दफ्तर में रिजिस्ट्री हुग्रा।

एम० भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

नारीख: 11-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेज**ा**/कल०/1983—यतः, मुझे, एम० ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8 है, तथा जो प्रिनसेफ स्ट्रीट, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7-5-1982

को पृथिकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री नगेन्द्र नाथ सामन्त (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तारिक ग्रह्मद सहगल (ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी कर</mark>के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में विया गया है।

अस संची

8 न० प्रिनसेफ स्ट्रीट कलकत्ता में श्रवस्थित, 4 कट्टा 9 छटांक, 33 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं० 3872 भनुसार 7-5-82 तारीख में रजिस्ट्रार भाफ एस्टेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० ग्रहमद यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारी**ख**ं: 11-1-1983

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 जनवरी 1983

निर्देण सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/1983---यतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 73 ए ग्रौर बी है तथा जो थियेटर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-5-1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कम से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुव किसी बाय की बाबत उक्त अधि-मियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृजिधा के तिए, बाह्र/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री बीरेन्द्र नाथ भट्टाचार्जी (ग्रन्तरक)
- 2. यूनिवसँल हेर्वा मैंकेनिकल लिपिटंग एन्टरप्राईज (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

...**टोकरणः--**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्य}, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया . गया **ह**ै।

मन्स्ची

76 ए ग्रौर बी, थियेटर रोड कलकत्ता में ग्रवस्थित चार तल्ला मकान जो डीड नं० 3826 श्रनुसार रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्स के दफ्तर में 5-5-82 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एम० भ्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं॰ ए॰ सी॰/रेंज-/कल॰/1983---यतः, मुझे, एम॰ श्रहमद,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क में ग्रियक है

जिसकी सं० 3 है तथा जो तनसुक लेन, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में प्रश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण बिखित में वास्त्रविक क्ष्य में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, अवत अधिनियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ब्रौर/या
- (स) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या मन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था कियाने भें मुविधा के लिए;

- अभे सत्य कुमार दत्त (ग्रन्तरक)
- 2. श्रोमती मुन्नी देवी (ग्रन्तरिती)

को पह मूचन। आरो करक पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पत्रों का, त्रो उक्त प्रविक् नियम के घड़पाय 20-क में परिभावित हैं; वही सर्थ होगा, त्रो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

नवस्त्री

3 तनसुक लेन कलकत्ता में श्रवस्थित ,2 कट्टा जमीन पर तीन तस्ला मकान का जो डीड नं० 3832 श्रनुसार 6-5-82 सारीख में रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स का दफ्तर मे रजिस्ट्री हुआ।

> एम० ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

मतः नव, उस्त निभिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण मों, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्निसिस्त व्यक्तितयों, अर्थात् :--

तारीख : 11-1-198**3** मोहर : प्रकथ ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधान सकना

भारत मरकार

भागालिय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्नीक्षण) ऋर्जन रेज, कलकक्षा

कलकत्ता, दिनाक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० मी०/रेज-I/कल०/1983----यत' मुझे, एस० श्रहमध्

प्रोथकर प्रिमियम, 1961 (1261 का 43) (जिसे १समें इसके प्रशास 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करत का कारण व कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी स० 9 है तथा जो फूलबागान रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-82

भेते पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिये जतिरत की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसन दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से मिश्रक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया वित्रकल निम्नलिखन उद्देश्य से उत्तर अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे चचने में मृतिधा के जिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर किंपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स किंपिनियम, या धन-कर सिंपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 श्री गेर ग्रफजल खान (ग्रन्तरक)
- 2 श्री भ्रदुल गफुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यशिक्षिण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की शारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मा किए जा सकांगे।

स्थव्हीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

9, फूलबागान रोड कलकत्ता में भ्रवस्थित, 5 कट्टा 4 छटाक, 20 वर्ग फुट, जमीन पर मकान एक तल्ला जो 15-7-82 तारीख में डीड न० 539 भ्रनुसार सब रजिस्ट्रार श्राफ एयसुरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-^I, कलकत्ता-16

तारी**ख** 11-1-1983 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

प्रायकर प्रक्षितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भजेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० सी०/रेंज-I/क्ल०/1983—-यतः, मुझे एम० ब्रह्मद,

म्रायक्तर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सज़म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूस्य 25,000/• स्पये से मधिक है और जिसकी सं 10 है तथा जो फलबागान रोड. कलकत्ता

ग्रीर जिसकी सं० 10 है तथा जो फुलबागान रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-7-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के धिचत बाजार मृण्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का तिश्वास बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से प्रधिन है भौर प्रन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिल के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नविधित श्रद्यय में उनन अन्तर्ग सिधिन में वास्तिक स्वप से कियत वहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्सरण में हुई किसी आप की बाबत **एक्त श्रधि**-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायिक म श्रमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए ; और/पा:
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अग्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सबिधा के लिए;

अनः अध, तकन प्रक्षिनियम की धारा 269-व के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे स्थीतः, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्थात् :--- 1. श्री शेर श्रफजल खान

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती परवीन साहिना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोषत सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :---

- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खर्विष, जो भी भविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एपण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पर्वो का, जो उक्त भन्नि नियम के श्रध्याय 20-क में परिकाशित है, बही प्रयंताना, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

10 फुलबागान रोड कलकत्ता में भ्रवस्थित 4 कट्टा 9 छटांक जमीन पर स्ट्रकचर जो 15-7-82 तारीख में सब रजिस्ट्रार सियालदह में रजिस्ट्री हुआ।

एम**० प्रह्**मद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, 54, रफीग्र**ह**मद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-I/कल०/1983—-यतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 है तथा जो 2 बी गनेश चन्द्र एविन्यू में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे ,रिजस्ट्रीकर्ण ग्रधिनियम 1908 (1908 का के ग्रधीन, तारीख 22~5—1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--16---456GI/82

- मै० एलायेन्स प्राइवेट एन्ड इण्डस्ट्रीज लि॰ (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गीता देबी वनसाल (अन्तरकरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

2 बी गणेश चन्द्र एवेन्यू कलकत्ता में भ्रवस्थित मकान का ग्राउण्ड फ्लोर में फ्लैट नं० 1 जो डीड नं० 6150 भ्रनुसार 22-5-82 तारीख में रजिस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा।

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 54, रफी श्रहमद किंदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-83

प्रकल मार्ड. टी. एन. एस.-----

ग्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-1/कल०/1983—यतः, मुझे एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये हे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिनसेप स्ट्रीट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उस्त आंध-रियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दाायस्थ में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की भारा 259-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

- 1. श्री नागेन्द्र नाथ सामन्त (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मकबूल श्रहमद साईगल (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्य सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तामील से 30 दिन की प्रविधः को भी धवधि बाद में समाक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रेपस्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धाध-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

8 नं० प्रिनसेप स्ट्रीट कलकत्ता में भवस्थित 4 कट्टा 9 छटांक, 33 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं० 3871 अनुसार 7-5-1982 तारीख में रिजस्ट्रीर आफ एस्ट्रेन्स का दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

एम० म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज—I, 54, रफी महमद किदबई रोष्ट, कलकला-16

तारीख: 11-1-83 मोहर

प्रका बाह् . टी . एन् . एस . ------

1. श्री नगेन्द्र नाथ सांमन्त

(ग्रन्तरक)

2. श्री सद्दीक ग्रहमद साईगल

(भ्रन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० सी०/रेंज-1/कल०/1983---यतः मुझे, एम० श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रंथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिनसेप स्ट्रीट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. तारीख 7~5—1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुर्घ किसी नाथ की वावतः, उक्त विधिनिय्स के अभीत कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्थाक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विमा गया है।

भनुसूची

8 प्रिनसेष स्ट्रीट कलकत्ता मे अवस्थित ,4 कट्टा 9 छटांक ,33 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं० 3869 म्रनुसार 7-5-82 तारीख में रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुम्रा।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-¹, रफी श्रहमद किदवई कलकत्ता-16

अतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 11-1-83

मोहरः

प्रकृप भाष् . टी . एन . एस . -----

नायकह मधिनिस्स्, 1961 (1961 का 43) की भारा भादा 269-व (1) के मुभीन त्यना

भारत सरकार

कार्यक्रम, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-/कल०/1983---यतः मुझे, एम० श्रहमद,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 26 अब के संधीन सथाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिनसेप स्ट्रीट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-5-1982

को पृत्रा विस्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के रहयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिचृत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेक्त से उच्चेत अन्तरण निम्निसित में वास्तिवक स्था से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दार्पिए में कभी करने या उससे बचने में सुविधा भी लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी जिसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें बारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना वाहिए था छिपाने में सविधा के किए:

जतः अब उच्छ जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री नागेन्द्र नाथ सामन्त

(भ्रन्तरक)

2 श्री ताहिर ग्रहमद साईगल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वासकों गे।

स्थष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 प्रिनसेप स्ट्रीट, कलकत्ता मे प्रवस्थित 4 कट्टा 9 छटांफ, 33 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं० 3874 अनुसार 7--5-82 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स का दफ्तर मे रजिस्ट्री हुआ।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-83

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एत•-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने भ्रधीन तूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक माचकर मायुक्त (निरीक्सम) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 जनवरी 1983

् निर्देश सं० ए० सी०/रेंज—I/कल०/1983—यतः,मुझे एम० श्रहमद,

बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पण्चात् 'उक्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रक्रीन सभाग प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उति । बाबार मूख्य 25,000/- क्षण में श्रीका है

ग्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिनसेप स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल पम्बद्ध प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किया नकीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भ्रम या भ्रम्य आसित्यों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर मिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्त मिनियम, या धक-कर मिनियम, या धक-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिनाने में सुविधा के सिए।

अतः वयः जनत प्रविभियम की वारा 269-म के, व्यक्तरण मं, मं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिविकत व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. श्री नागेन्द्र नाथ सामन्त

(ग्रन्तरक)

2. श्री महमूद ग्रहमद साईगल

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू क**रता** हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारी कमें 30 विन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजफत में प्रकालन की तारीका ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यकिन द्वारा प्रधोहस्ताआरों के पास निकास में किए जा सकेंगें।

स्थ्यतीक्तन :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत प्रिधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रये होगा, जो जन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 नं प्रिंतसेप स्ट्रीट कलकत्ता में स्रवस्थित ,4 कट्टा 9 छटांक, 33 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं 3873 भनुसार 7-5-82 तारीख में रिजस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्स का दक्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> एम० **भहमद** सक्षम प्रार्धिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—^I, रफीआ**ह**मद किदवर्द ोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-83

मोइर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, विनांक 12 जनवरी 1983

निदेश स० ए० एस० भार०/82-83/445--यतः मुझे, भानंद सिंह, श्राई० भार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचार 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो मकबूल रोड़, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती वृत्तारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती शुक्ला भाटिया विश्ववा सतपाल भाटिया ग्रौर श्री ग्रहन भाटिया, रमन भाटिया, पुतान सतपाल भाटिया ग्रौर श्रीमती नीलीं पुत्री सतपाल भाटिया मकबूल रोड़, ग्रमुतसर।

(धन्सरक)

 श्री राज कुमार तनेजा पुत्र राम सरन दास माबादी गोकल चंद किला भंगियां, भृमृतसर।

(भन्तरिती)

- 2. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टभोग में संपत्ति है)।
- 4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिंपनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रुथाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट मकबूल रोड़, ध्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3268/18-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी ध्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

बतः अब, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के बन्दरण में, मैं, उक्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, वर्थात् :---

तारीख: 12-1-1983

मोहर 🕹

प्रकृष धार्ध हो । एन । एस ----

आयकर अभिगियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1983

निदेश नं० ए० एस० भार०/82-83/444--यतः मुझे ग्रानंद सिंह भाई० भार० एस०,

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मकबूल रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

क्षे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह मितजात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरिताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरच से हुई किसी आयं की घाषत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्रीमती शुक्ला भाटिया विधवा सत्पाल भाटिया ग्रीर श्री अरुन भाटिया, रमन भाटिया पुक्षान सत्पाल भाटिया ग्रीर श्रीमती नीलम पुत्री सत्पाल भाटिया मकबूल रोड, ग्रमृतसर।

 (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सरोज तनेजा पत्नी राज कुमार तनेजा स्राबादी गोकुल चन्द किला भगीयां, स्रमृतसर। (अन्तरिनी)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपत्ति है)
- 4 श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि यह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन को तारीका से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो ती भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजनज में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शक्दों और पदों का जो 'खक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अतसची

एक भूमि का प्लाट मकबूल रोड़, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3269/18-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, ममृतसर

तारी**ख** 1-12-1983 मोहर : प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. ------

न्नायंकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक कायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/82-83/446--यतः मुझे, भानंद सिंह म्राई० म्रार० एस०,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावार संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद जो राधा स्वामी रोड़, श्रमृत-सर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यू से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) को बीच एसे अन्तरण के किए त्य पावा नवा प्रतिक्षका, निकासिबत उद्वेषम से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तविक स्मा वे किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उन्नत विधित्यम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया बंदा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः सव, उक्त जिथिनियमं की थारा 269-न के समुक्तरण में, मैं, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्निधिसित व्यक्तियों, सर्थास् क्र--- 1. राधिका पुत्नी हीरा लाल वासी मेहर श्रपार्ट-मेंट, झालरा माउंट रोड़, बम्बई द्वारा भ्रार० ए० बोगा पुत्न ए० ई० बोमा भ्रटारनी जनरल वासी हाइड मारकीट जी० टी० रोड़, भ्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती परिमन्दर कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह वासी जी० एन० बी० रोड़, गुहाटी (श्रासाम)

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो. (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठभोग में संपत्ति है)
- 4. भीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का मह स्वना बारी कार के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारील सं 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर जूका की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अवभि भाष में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 किन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्च व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिक्षित में किए वा सकेंसे।

स्वकाष्ट्रपाः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं जर्भ होगा जो उस जध्याय में दिव पना है।

बन्त्ची

एक भूमि का प्लाट जो राधा स्वामी रोड़, भ्रमृतसर में जैसा सेल डीड नं० 3693/25-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/447—यतः मुझे, ग्रानंद सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो राधा स्वामी रोड़, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफस के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निनिवत उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक स्वप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखितव्यिक्तियों, अर्थात् :——
17—456GI/82

 राधिका पुत्री हीरा लाल वासी मैहर अपार्ट-मेंट, भ्रालरा माउंट रोड़, बम्बई द्वारा श्रार० ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा, भ्रटारनी जनरल वासी हाइड मारकीट जी० टी० रोड़, श्रमृतसर।

(अन्सरक)

- 2. श्री मुखविंदर सिंह (नाबालिंग) पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी जी० एन० बी० रोड़, गुहाटी, श्रासाम। (श्रन्सरिती) (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके भ्राधिभोग में संपत्ति है)
- 4. श्रौर कोई (**बह** व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक भूमि का प्लाट जो राधा स्वामी रोड़, श्रमृतसर में जैसा कि मेल डीड नं० 3244/17-5-1982 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> द्यानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 11-1-1983

मोहरः

प्ररूप आर्ड टी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन मुम्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/448—यतः मृझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस० , बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स०एक जायदाद है तथा जो राधा स्वामी रोड़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध **भ्र**नुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वक्ति सपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे इष्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरिती) (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त पिश्वियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिभण के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. राधिका पुती हीरा लाला वासी मेहर श्रपार्ट-मेंट, श्रालरा माउंट रोड़ बम्बई द्वारा श्रार० ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा, श्रटारनी जनरल वासी हाटड मारकीट जी० टी० रोड़, श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जोगिंदर सिंह पुत्र सेवा सिंह वासी जी० एन० बी० रोड़, गुहाटी (ग्रासाम) (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधमोग में संपत्ति है)
- 4. भौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो राधा स्वामी रोड श्रमृतसर में जैसा सेल डीड नं० 3243/17-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> श्रानंद सिंह सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, **श्र**मृतसर

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यान्त्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/449--यतः मुझे, श्रानंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक जायदाद जो राधा स्वामी रोड़ ध्रमृतसर में स्थित है (ग्लीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्लीर पूर्ण का ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अशिंत् :--

- श्रीमती राधिका पुत्री हीरा लाल वासी मेहर श्रपार्ट-मेंट, श्रालरा माउंट रोड़ माउंट रोड़ बम्बई क्षारा श्रार०ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा ग्रटारनी जनरल वासी हाइड मारकीट जी० टी० रोड़, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुखविंदर सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह वासी जी० एन० बी० रोड़, गुहाटी (आसाम)। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो (वह ग्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हो)
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संवध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूत्तना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, ये भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वार;
- (ब) इस मूचना के राजपा में पकाशन की तारीम स' 45 दिन के भीवर एक्त स्थापर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्म्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो रात्रा स्वामी रोड, अमृतसर में जैसा सेल ढीड नं० 3694/25-5-82, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह यक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 11-1-1983

मोहरः

प्रस्य भारी, धी. एत् । एत् .-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के सभीत स्पता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/82-83/450--- यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो लंडा बाजार, अमृतसर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की यह है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूज्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबृक्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री नरोन्द्र सिंह पुत्र नंद लाल कटब्रा करम सिंह अमृतसर । (अन्तरक)
- श्री राम सिंह पुत्र नन्द लाल और ग्रबचन कारे पत्नी राम सिंह कटड़ा करम सिंह अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा उज्पर सं. 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधाहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हिसबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों के सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी को 4 कि दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबन की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील र 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, बो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो लंडा बाजार अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 5080/15-6-1982, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 10-1-83

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 10 जनवरी 1983

निदेश स० ए० एस० आर० /82-83/451--यत. मुझे आनंद सिह, आई० आर० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जायदाद जो लडा वाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनं के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित त्यिक्तियों, अर्थात —

- 1. श्री हरभजन मिंह पुत्र नद हलाल कटड़ा करम सिह अमृतमर। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी राम सिंह और राम सिंह पुत्र नद लाल कटडा करम सिंह अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा उपर 2 स० में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्नाक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्तीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो लंडा बाजार अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 5078/15-6-82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर मे दर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हायक क्रायकर ध्रायुक्त** (तिरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 10-1-1983

रुपये पं श्रीधक है

মুক্ত আহি তাত ত্ৰত ত্ৰত

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/82-83/452—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०, प्राय कर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन मजन प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिलका विनित्त नाजार मुख्य 25,000/-

और जिसकी मं० एक जाबयदाद जो लंडा वाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख-मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक हे और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती। प्रचर्मानमा के लिए, तयपाया गया प्रतिक्षित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीय कर देने के प्रस्तर स्के दायिक्य में कमी करन या उसप बचन में पृष्टिका के लिए भौर/या
- (स्व) ए विकित्त क्षेत्र का किसी यन या करव आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अयक्षर अक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ज्ञारा प्रकट नहीं किया ग्रांत्र या या किया जाता चाहिए दा, खिपाने में प्रविका के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की **धारा 269-ग की उपधा**रा (1) क अधीन, निम्नासि**स**त व्यक्तियों, प्रणीत !--

- श्री राम प्रकाश मगू पात्र दीमा नाय मगू साधू मंडी जनरल असिस्टेंट डिप्टी फिमिश्नर कुरुकशोतर अब अमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्री राम सिंह पुत्र नंद लाल कटड़ा करम सिंह अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

<mark>को यह सूचना बारी</mark> करके पूर्वीयन सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरंत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितवड़ किसी अन्य व्यक्ति दारा, ब्राग्नोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा समेंगे ।

रपध्यीकरण:---हममें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पंदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धब्याय में विया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद जो खंडा बाजार अमृतसर में है जैसा सेल डींड नं० 2762/7-5-82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्वासय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, प्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निदेश सं० ए० एस० द्यार०/82-83/417--यतः मुझे,

भानंद सिंह, भाई० भार० एस०, बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के वभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारक है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है जो चोरसती भ्रटारी गुरू बाजार श्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती-व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बदरी नाथ पुत्र देवकी नंदन 65बी रानी का बाग भ्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुनील कुमार, घनिल कुमार पुत्रान जगन नाथ खुह सुनारियां मकान नं० 2205 श्रमृतसर। (श्रन्तिरती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो:

श्री विजय कुमार रु० 120/- महीना

श्री जगन नाथ रु० 12/- महीना

श्री मुन्शी राम ६० 8/- महीना

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

जानता है श्रिधिभोग में संपत्ति है)
4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के गर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तिगों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेश्त व्यक्तियों में मे किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यद्भ किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास दिस्सित में किए आ सर्कां।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

भनुसुची

एक जायदाद 60 व० ग० जो चोरगटी ग्रटारी गुरू बाजार श्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड न० 2562/3-5-82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1983 निदेश सं० ए० एम० श्रार०/82-83/418---यतः मुझे, श्रानंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो एस० एस० पी० कोठी के पीछे निकट टी० बी० हस्पताल, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्री-करण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती ख्रेम कौर पत्नी डा० श्रमरीक सिंह नई दिल्ली द्वारा रिवंदर सिंह पुन्न प्रितपाल सिंह 384 ग्रीन एपन्यू अमृतसर। (अन्तरक)
- श्रीमती सिवतरी वी० पत्नी प्रान नाथ ग्रौर प्रान नाथ पुत्र राम नाथ 82 पत्रन नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपत्ति है)
- प्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

अनसची

एक भूमि का प्लाट 300 वर्ष्ण जो एसर्ष्ण एसर्प्ण पीर्क कोठी के पीछे निकट टीर्बार्क्स हस्पताल, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नंर्व 3620/24—5—82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

सारी**ख**: 10-1-1983

मंद्धर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 4 जनवरी 1983 निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/419--यतः मुझे, श्रानंव सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 2261 है तथा जो कटड़ा शेरसिंह, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने के सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---18--456 GI/82

- 1. श्री प्रेम सिंह पृक्ष भोहर सिंह मुलतना सिंह गेट गली कंबोग्रा, श्रमुतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती तिरपता रानी पत्नी सोम दत्त कुचा भाटरोया कटड़ा जेमल सिंह, श्रमृतसर। (यन्तरिती)
- 3. जैसा छपर सं० 2 में बोई किरायेदार हो.
 - 1. मैं बज मोहन प्रेम नाथ 350/- महीना।
 - 2. श्री जी० एस० बोहरा 200/- महीना।
 - (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में दिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद नं० 2261 जो कटड़ा शेर सिंह श्रमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं० 4695/10-6-82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमतसर

ता**रीख**: 4-1-1983

मोहर ा

प्रकंप नार्दः टी. एन. एस. ------

जाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

क्त्रयालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 4 जनवरी 1983

निवेश सं० ए० एस० आर०/82-83/420--यतः मुझे,

म्रानंद सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 2261 है तथा जो कटडा शेर सिंह, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाबार मृत्य से कम के अध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अम्तरण के बिए तय पाया गया शति-फल निम्मीनिवत उद्वर्षय से उच्त नंदरण निवित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त आर्थ-मियम को अभीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे वथने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या जन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय वायकर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती परिसत कौर पत्नी सबरन सिंह बाजार नं
 कोट बाबा दीप सिंह ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती निरपता रानी पत्नी सोम दत्त कुचा भाट-रीया कटड़ा जेमल सिंह श्रमुतसर। (अन्तरिती)
 - 3. जैसा ऊपर स० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
 - 1. मै० बूज मोहन प्रेम नाथ 350/- महीना।
 - 2. श्री जी० एस० वोहरा 200/- महीना।
 - 4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:--इसमें अयुक्त सब्दों और वहाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्बी

एक जायदाद नं० 2261 ओ कटड़ा शेर सिंह, ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3467/21-5-82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, ग्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्समर

तारीख: 4-1-1983 मो**ह**र :

प्रकृष कार्ष. की. एम. एस.-----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 जनवरी, 1983

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/421---यतः मुझे, ग्रानंद

सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 2261 है तथा जो कटड़ा शेर सिंह, ग्रम्तसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख मई, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पेस्ट्र प्रतिकात से विधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिकी (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अफ्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उच्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिक्तित व्यक्तिसर्यों, नर्भात्:—— (1) श्रीमती जीत कौर पत्नी बखशीशं सिंह बाजार नं० 4, कोट बाबा दीप सिंह, श्रमृतसर।

(ग्रन्सरक)

- (2) श्रीमती तृष्ता रानी पत्नी सोम वत्त कूचा भटरिया कटड़ा जेमल सिंह, श्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। 1. मै० बृज मोहन प्रेम नाथ 350/- रुपये महीना (भाटीमा स्टील स्नालमारी)
 - श्री जी० एस० बोहरा 200/- रुपये महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को <mark>बह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपर्तित के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्करिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में दिवा गया ही।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 2261 जो कटड़ा शेर सिंह, प्रमृतसर में है जसा सेल डीड नं० 3638/25-5-82 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रिष्ठकारी, प्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 4-1-1983

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1983 निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/422---यतः मुझे, श्रानन्द

सिंह, ग्राई० ग्रार० एस० म्रायकर अधिनयम, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमं इस ३ पश्वात् उकतः आंबानियमं कहा गया है), की बारा 269-ख के अबीन नज़य प्राधिकारी को, यह ।वश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मुन्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है जो बाहर पहाड़ी गेट, बटाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बटाला मे र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिकल व । उए अन्तरित की गई है स्रीर मुझे यह विश्वास करत का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्भत्ति का उबिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुरयमा अंधिक का 🗆 🖂 प्रतिसत से प्रधिक है और भन्तर (अनरहा) और प्रनारते (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

> (वा अन्तरण के हुई किसो आय की बाबत उक्त आधि-ित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

नहीं किया स्या हैं:---

(ख) ऐसी किया आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय याय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा के निए;

त्रत: यन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित काविनयों अर्थान:—— (1) श्रीमती दया वंती विधवा सुन्दर दास सेखड़ियां महला बटाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी राम प्रकाश भ्रग्नवाल फेमली टरसट बटाला।

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 3 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति, के अर्जन के जिए प्रार्थवाहियां करता हुं।

अकृत सम्पत्ति के ग्रर्जन के यम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजंपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त अन्दों श्रीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 8-1/4 मरले जो बाहर पहाड़ी गेट बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 718/3-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 10-1-83

प्रक्ष धाई०टी०एन•एस•----

न्नायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार। 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतस*र*

श्रमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/423---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस० प्रायकर श्रीधिनियन, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उन्न श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीमिन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का हारण है कि स्वावर संपत्ति जिनका उचित बागार मृहय 25,000/- ६० गे

ग्रीर जिसकी स० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बाहर पहाड़ी गेट बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982 को

का 16) के प्रधान, ताराख मइ, 1982 की को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसक दूम्यमान प्रतिकत से. ऐसे दूस्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण में हुई किसी आय की जावत उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आ उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—

(1) श्रीमती दया वंती विधवा सुन्दर दास सेखाङ्ग्यां महला बटाला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी विधवा राम प्रकाश अग्रवाल फेमली टरसट बटाला।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - (4) श्रोर कोई ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध में है)

को पर्पूरका गरी करके पूर्वीका नम्म'ल के शबंत के लिए कार्यवादियां करता है।

उस्तमाना ले राजार राजान्त्रस्य । हाई भाजात्त्र ---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीपा 1 45 दिन को प्रतिध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की नामील से 30 दिन को प्रतिध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर (बॉका व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचा के राजगत्र में प्रकागत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसो प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पर्व्हीकरण ---इनमें प्रयुक्त अन्दों और रदों का, जो उबत प्रशिवियम के श्राष्ट्रणाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 6 मरले जो बाहर पहाड़ी गेट बटाला में है जसा सेल डीड नं० 805/7-5-83 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 10-1-1983

मीहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 1 जनवरी 1983

निदेश स० श्रमृतसर/82-83/424—यत मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्साम करने का कारण है कि स्थावर सपित्स, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एक जायदाव नं 458 है तथा जो ग्रीन एकेन्यू ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बासत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यी किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अजूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जगदीश पाल पुत्र सोहन लाल वासी 458 ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री चेतन देन एच० यू० एफ०, वासी 458 ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन डे लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्चनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

1/3 भाग जायदाद नं० 458 जो ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल खीड नं० 4025/31-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 1-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक । जनवरी 1983

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/425—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह ग्राइ० भार० एस०

षायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 458 है तथा जो ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे पावड ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्फ िनसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीलिंक्त व्यक्तियों, अधीत:---

(1) श्री जगदीश पाल पुत्र सोहन लाल वासी 458 ग्रीन एकेन्यु, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री नरिन्दर नाथ एच० यू० एफ० द्वारा निन्दर नाथ पुत्र बृज लाल वासी टुंडा तालाब ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीर कोई

(बहु ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रघीन हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपस्ति में हितबक्ष किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/3 भाग जायबाद सं० 458 जो ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल खीड नं० 3769/27-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्य सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 1-1-83

प्रकथ काई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जनवरी 1983

निदेश सं॰ भ्रमृतसर/82-83/426—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायवाद नं० 458 है तथा जो ग्रीन एवेन्यू ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य,, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्त-विक रूप में कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए:

भतः अब, उभत अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्री **जगदीश** पाल पुत्र सीहन लाल वासी ग्रीन एवेन्यू, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमर्तः बिमला बहल पत्नी प्रेम नाथ गली मुनशीयां टुडा तालाब अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पक्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति

में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृशांकत सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को जर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी यन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित ने किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया **है**।

थन्सूची

1/3 भाग जायदाद नं० 458 जो ग्रीन एकेन्यू ग्रमतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3516/मई, 1982 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 1-1-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एग. एस.-----अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-क् (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

भारत सरकार

श्रमृतसर, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/427---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 10 है तथा जो पवन नगर, श्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः---

19 - 456 GI/82

(1) श्री जीगिन्दर कुमार पुत्र निरंजन दास, मेन बाजार पत्रन नगर, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हवेली राम पुत्र इणर वाम वासी अंगपुरा प्लाट नं० 6 मथुरा रोड, नई दिल्ली, वरिन्दर कुमार पुरी पुत्र घइया राम पुरी, श्रीमती निरमल पुरी पत्नी वरिन्दर कुमार पुरी, मकान नं० 90, गली सं० 2, शारीफ पुरा हाल 10, पवन नगर, ग्रमुतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुजुची

एक जायदाद नं० 10 एरिया 72 व० ग० जो पवन नगर भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3054/14-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

सारीख: 4-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-प (1) के अधीन स्चना

्भारत सरकार

मप्तर्वालय, सङ्घाप्रक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 1 जनवरी, 1983

निदेश ःसं० त्रमृतसर∤82-83/428—यतः मुझी, ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस० नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) √(जिसे इसमें

इसम्हे पश्चात् 'स्रक्त कि धिनियम' कहा गया है), की धारा 263 म्ब के अधीन स्क्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का का ग है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 489/10, ढाव खटीकां, है तथा जो जनाना हस्पताल के सामने श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्री-कृत्रण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ज़ारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित से) क बीच एन जातर के लिए तथ पाया महा प्रिद्धिफल जिम्मिलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निम्मिलिखत में व्यामणिक इप से-कथिन नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण म हफ् किसी श्राय का बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व मा कभी करने या उन्या बचन म मुक्थिंग को लिय, और/या
- ंशों, एसी किसी आय या किया धन या अन्य अन्नस्तियों की, , जिन्हें दभारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या जवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पण्णानीय अन्तियमी दशारा उक्ट नहीं किया गया भाया गिया जाना चर्षहण था, छिपाने में सुविधा को स्थिए;

अत. अब, उक्त बांकियम, भी धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त भावानम्म की धारा 269-म की अपधारा (1) के अभीन निम्मीलीखन व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री देव राज पुत्र नन्द लाल वासी एफ॰ टी॰ 4-ए, लारमार वाग, कानपुर केंट व श्रीमती निरमला देवी विधवा नंद लाल वासी एफ॰ टी॰ 4-ए लारमार बाग, कानपुर केंट। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुरिन्दर सेठ पत्नी मनोहर लाल सेठ, ढाव खटीकां, ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पन्ति को अर्जन के लिए कार्यदाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह े से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--ससमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/7 भाग जायदाद नं० 489/10 एरिया 336 व० ग० जो ढात्र खटीका ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 6662/9-7-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 1-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 3 जनवरी 1983

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/429—यतः मझे ग्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचत वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है जो 40 माडल टाउन ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिजारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिती की गई हैं और मूर्ज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का लिए बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस द्यामान प्रतिफल का पन्त्रहु प्रतिशत से अधिक हैं और अत्रक्त (अत्रक्ता) जौर अत-रिती (अंतिरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल मिनलिखत उद्देश्य स उक्त अतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुईं जिसी ज्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोते के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने म सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाग या किसी धन या आया जीलायों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अंतरिती द्वारा एकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 260-य की उपहरा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अवतः -- (1) श्री जगदीश चन्द पुत्र सवरगीय खुशी राम द्वारा शकुंतला देवी केला विधवा सवरगीय -पी० ग्रार० केला पटेल रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती राज रानी पत्नी द्वारका दास नेयर वासी गली नं० 2, 40 माडल टाउन, ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो।
 कुलदीप राम दुगल 160/- रूपये महीना।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्क भी आशोष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 40, जो माडल टाउन ग्रमृतसर में है ग्रौर जैसा सेल डीड नं० 3555/24-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 3-1-1983

मुरूप् बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कायालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (নিरीक्षण) म्रर्जन रेंज म्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 3 जनवरी. 1983

निवेश सं० श्रमृतसर/82~83/430---यतः मुझे श्रानन्द सिष्ट श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रूट से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो 40 माडल टाउन श्रमृतसर मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1982 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त आधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करन या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री जगदीण चन्द पुत्र स्वर्गीय खुणी राम द्वारा शकुंतला देवी केला विधवा स्वर्गीय पी० ग्रार० केला, पटेल रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमति। राज रानी पत्नी द्वारका दास नैयर श्रीर. द्वारका दास नेयर पुत्न भजन लाव नैयर वासी गली नं० 2, 40 माइल टाउन, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 से कोई किराएदार हो कुलदीप राम दुगल 160/- रुपये महीना।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे भ्राधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्प्रित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्दर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 40 जो माङल टाउन श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3556/24-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 3-1-83

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृदत (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश मं० ग्रमृतसर/82-83/431—ग्रतः मुझे, ग्रानंद सिंह ग्राइ० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद न० 119 है तथा जो शास्त्री नगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

रिकार जात, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :---

- (1) श्री हरजीत सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी लीला मधावालया तहसील, जगराउं जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) दरशन लाल पुत्र सरदारा सिंह वासह चोंक राम बाग ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीर कोई

(बह्न व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उत्तत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

1/2 भाग जायदाद न० 119 का जो 243 व० ग० है जो शास्त्री नगर श्रम्तसर में हं जैसा सेल डीड न० 3280/18-5-82 को र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के भ्रधीन मुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश 'सं० अमृतसर/82-83/432—यतः मुझे आनन्द सिंह आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 119 है तथा जो णास्त्री नगर, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ह दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत स ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिग्रा प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐस प्रन्तरण के निए तय पाया स्था प्रतिकत, निम्निधित उद्देश्य से उन्तर प्रनारण गिन्दित में बाबतिक का न कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हरजीत सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी मजीठा रोड, गली नं० 1, गोपाल नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी दरशन लाल शासनी नगर, भ्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती) 2 मे कोई किराएदार हो।

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 मे कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह भूचना जारी करने पूर्वी त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) दा मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख़ में ४- दिन का अविधिया नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूपनाको नामील म 30 दिन की अविधि, जो भी पंजिय को में सनाम नानी हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से निस्तो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन एचना ह राजपत्र ने प्रकाशन को तारीख से 45 दि। के सोनर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किपो प्रस्य व्यक्ति हारा अवाहस्ताक्षरों के पास निर्वा में किए जा नर्वे ।

स्पष्टोकरण:—इंसने प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के प्रव्याय 20-5 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस प्रव्याय में दिस उना है।

वन्सूची

एक जायदाद नं० 119 जो 243व०ग० शास्त्री नगर मे है जैसा सेल डीड नं० 10852/5-10-82 रिक्ट्रिकर्ता ग्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 18-12-82

प्रमप आई'.टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, अमृतसर

ग्रम्तसर, दिनाक 1 जनवरी, 1983

निदेश स० ग्रमृतसर/82-83/433—यतः' मुझे ग्रानन्द सिंह, आर० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

जिसकी सं० एक जायदाद नं० 17 है जो पुरानी जेल रोड ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नां लाखित उद्दश्य स उक्न अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- •४) अन्तरण सङ्ग्रही (असी आय की बाबर, उबत अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अधीरनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत .—

(1) श्रीमती कैलाश वती पत्नी पयारा लाल 17 जेल रोड, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) कुंवरजीत कौर पत्नी राजीव कुमार सिंह 33 लारेंस रोड, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदण् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यप्राहण कार्या हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकारण का तरशक्ष स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मो समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोचित व्यक्तियों में सं जिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपप्त में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 17 पुरानी जेल रोड, ग्रमृतसर मे है जैसा मेल डीड नं० 4026/31-6-82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रमृतसर मे दर्ज है।

श्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 1-1-83

इता प्राप्त टा एस एस -----

आध्यप्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 जनवरी 1983

निदेश स० ग्रमृतसर/82-83/434—यत: मुझे ग्रानन्द सिष्ट श्राई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

जिसकी सं० एक .जायदाद नं० 17 है तथा जो पुरानी जेल रोड अमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (बैदीरिद्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नोनिस्ति उद्शय में उदत अन्तरण निम्बित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) श्री कैलाश बती पत्नी पयारा लाल 17 जेल रोड, श्रमुतसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री करिशाना पत्नी जगजीत मिंह 33 लारेंस रोड, भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हो)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

भा यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिनबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ , उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया हैं।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 17, पुरानी जेल रोड, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3764/27-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्य सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. सक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विस्तिचित् व्यक्तितयों, अर्थात् :---

तारीख: 1-1-83

मोहरः

प्ररूप भाई० डी• एन• एस०----

भ्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के अश्रोत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

िविश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/435—यतः मुझे श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस० श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास खरने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सुलतानिवउ राम नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य; उसके दृश्यनान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिजत से प्रक्षिक है और मन्तरक (धन्तरकों) और पन्तिनिते (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया पत्तिकन, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में नासानिक रूप से कथिन नहीं किया गया है 1——

- (क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनिया के छाडीन कर देने के सम्लद्ध के बायित्व में कभी करने या श्वससे बचने में सुविधा के निए। धीर/या
- (ख) ऐसो किसो आप या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, (६पाने में सुविधा के लिए;

वतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निब्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--20 - 456GI/82

- (1) श्री सितन्दर सिंह पुत्र मोहन सिंह ग्राबादी राभ नगर गली नं० 2 द्वारा क्षलोचन सिंह पुत्र गुर-बचन सिंह मरवरपुरा श्रमृतसर जनरल श्रटारनी (श्रन्तरक)
- (2) श्री कंवलजीत कौर पत्नी बलकार सिंह, बसीरत 24 परगना (बैंस्ट बंगाल)।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ठाकिनों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अच्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/2 भाग जायदाद का 96 वर्ग गज (48 व० ग०) जो राम नगर सुलतान विज श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 2926/12-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

> श्चानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 27-12-82

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 दिसम्बर, 1982

निवेश सं० श्रमृतसर/82-83/436—यतः मुझे श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० एक जायदाद हैं तथा जो सुलतान विश् रोड, राम नगर श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अति । की गई है अर मुक्ते यह विश्वास कर्षे का कारण है कि यथापूर्वाकत भूषीत । जिस्ते प्राचित पाजा मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उस्स बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, छिपाने में मिषधा के लिए।

अतः अब उक्तै अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नी जिन्न गवितयों, अर्थात् —— (1) श्रीमती रछपाल कोर पुत्नी ग्रछर सिंह, कोट रिलया राम गली नं० 3, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बलकार सिंह पुत्र मोहन सिंह बसीर हद जिला 24 परगना (वैस्ट बंगाल)। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराण्दार हो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद का 96 व० ग० जो राम नगर मुलतान विंड रोड ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 2923/12-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

न्नानन्द सिंह, ग्राई० ग्राट० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 27-12-82

मोहरः

25,000/-रु से आधिक हैं

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

प्रमृतसर, दिनाक 27 दिसम्बर 1982

निदेण म० अमृतसर/82-83/437—यत, मुझे, श्रानन्द सिंह आई० श्रार० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

ग्रीर जिसकी स० एक जायदाद है तथा जा महला तग छनरी तरनतारन म स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से ग्रीणत ह), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य स कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का हिंदु प्रतिकार में आंगक है और अतरक (अनरका) और अतरिती (अन्तरितीया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय प्रया गया गतिफल निम्नितिकत उद्दश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में शस्तिक हम स किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एमे किसी आर या किसी धन रा अन्य अिन्यों को जिन्हें भारतीय शायबार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपान में भ्विधा के सिए।

अत अब उक्त क्विनियम की धार 269-ए के अनसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भार 269-ए की उपपार (1) के अधीन निम्निलिय अधित अर्थात् —

(1) श्री दलबीर सिंह पुत्र सोहन सिंह महला तंग छत्तरी, तरन तारन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलविदर कार पत्नी कुलवन्त सिंह महला तंग छतरी, तरन तारन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 म कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग मे सम्पत्ति है।

(4) स्राप्त कोई । (यह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधाहस्ताक्षरी जानता ह कि वह सम्पन्ति में हितबद है)।

कां यह मूचना जारी करकें पूर्वांका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप --

- (क) इस संचा के राजपात में प्रकारन की ताराध से 45 दिन को अविधि सा तत्मारवाची व्यक्तियां पर सन्ना की तारील से 30 दिन की एकी, के भी अविध नद ए समारा हाती हो, े भी र पूर्वांक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मता। ये रानाक्ष रा पानायन की नारीक से 45 दिन के भीतर उदा स्थाप सम्पत्ति सा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित दवारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित सो किए जा रक्षे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

एक जायदाद 181 व० ग० जा महला तग छतरी, सरन तारन में है जैना सा दीउ न० 989/19-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तरन तारन में दर्ज है।

श्रानन्द सिट सर्इ० श्रार० एस० राक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज, श्रमुतसर

तारीख: 27-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 27 दिसम्बर 1982⁻

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/438---यतः, मुझे, श्रानन्द सिह, श्राई० श्रार्० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार बड़ियां चोंक पासियां, श्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरती की गई है और मुक्ते यहिनश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्धात् :--- (1) श्री धरम पाल पुत्र गुरांदिता मल, 14 हुकम सिह रोड भ्रम्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूनम पत्नी राज कुमार, कटरा बाग सिह गली लंबा, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 901/1-7 जो बाजार विष्यां चोंक पासियां, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2699/ 6-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, ग्राई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 27-12-82

प्ररूप बाई.टी.एव्.एस्. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर82-83/439—यतः, मुझे, श्रानन्द सिष्ट, श्राई० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो वाजार विष्ट्रयां चोंक पासियां, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण स्प से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाम की शावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (स) ऐमी किसी आय या किमी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क, अन्मरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियो, अर्थात् :--

(1) श्री धरम पाल पुत्र गुरादित्ता मल 14 हुकम सिंह रोड, ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चांद रानी विधवा फकीर चन्द, कटड़ा बाग सिंह गली लबां, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अथोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूधी

1/12 भाग जायदाद न० 901/1-7 जो बाजार विद्यां चोंक पासिया, भ्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 2698/6-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, श्रमृतसर में दर्जे हैं।

> म्रानन्द सिंह, आईंश्वार०एम० मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर।

नारीख 27-12-1982

प्रकार आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण) अर्जन रेज, अमृत्यर

ग्रमृतसर, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/440--यत:, मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 40 है तथा जो गली नं० 2 माडल टाउन, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिल्लाकी नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के पंधीन हर देने, के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या समये बचने में सुविधा के लिए और'या
- (ख) ऐपी किसी आया किसी धर या अन्य आस्तियों को निस्ते नारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 टा 11) या उना अभिनियम, या पनकर प्रशिवाध, 1957 (1957 का 27) के प्रशेचनार्थं नारियों हारा प्रगट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिशाने में मुख्या के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत; निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जगदीश चंद केला पुत्र खुशी राम केला 116-ए एल० ग्राई० जी० फ्लैट, ग्रशोक बिहार फेज-III, नई दिल्ली द्वारा शकुन्तला देवी विधवा पी० ग्रार० केला, पटेल रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरबब्श सिंह पुत्र भाग सिंह, 40 माडल टाउन, गली नं० 2, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इन प्रवा ह राजपा ने प्रकार की तारी ख से 45 दिन की प्रविच या तत्पम्बन्धा व्यक्तियां पर (वता की तापीत न 30 दिर की प्रविच, जो भी प्रविच बाद में त्रवाण हो से हैं। ह भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में है हिनी व्यक्ति इतरा;
- (अ) इन सूचना के राजपन में प्रकातन की नागी के से 45 दिन के नीनर उना स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रादस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सक्षेत्र

स्पर्क किरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जा उन प्रध्याय में दिया गया है।

वनसची

एक जायदाद नं० 40 जो माडल टाउन गली नं० 2, ग्रमृतसर में है जसा सेल डीड नं० 3918/31-5-82 रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी, ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, श्रं।ई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 4-1-83

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

जायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 जनवरी, 1983

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/441—यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी नं० एक जायदाद नं० 40 है तथा जो गली नं० 2 माइल टाउन, श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चिल्ला था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्का अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगदीश नित्द केना पुत्र खुणी राम केला 116-ए एल० ग्राई० जी० फ्लैट, ग्रशोक बिहार फेज-III नई दिल्ली द्वारा शकुन्तला देवी केला-विधवा पी० ग्रार० केला, पटेल रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री कुलदीप सिंह ग्रौर रिजन्दर मिंह पुत्रान हरबन्ध्य सिंह 40 माडल टाउन गली नं० 2, ग्रमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिष्टियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 40 जो माडल टाउन गली नं० 2, अमृतसर में है जैसा नेल डीड नं० 3917/31-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

भ्रानन्द सिंह, भ्राई० प्रार० ए.प० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 4-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनाक 3 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/442—यत:, मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो कूचा महताब सिंह चौक करोड़ी, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चन कोर पत्नी हीरा सिंह कूचा महनाब सिंह चौंक करोड़ी, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमरत कोर पत्नी इंदर सिंह, चौक परागदास, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी टाक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अभसची

1/2 भाग जायवाद जो कूचा महताव सिंह चौक करोड़ी ग्रमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 7921/4-8-82 रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी; ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, श्राई० आर० एम० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 3-1-1983

प्ररूप लाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, दिनांक 3 जनवरी 1983

निदेश सं० अमृतसर/82-83/443—यतः, मुझे, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कूचा महताब सिंह चौक करोड़ी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1982 को को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्न्सिवत उच्चेंच्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई किती बाब की बाबत उक्त अधि-दिवस के अधीव कर देवे के अभारक के दासित्व में कभी करने या उससे अचने में जुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

(1) श्रीमती चन कोर पत्नी हीरा सिंह कूचा महताब सिंह चौक करोड़ी, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रमरत कौर पत्नी इंदर सिंह, चौंक परागदास, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हो)।
- (4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचमा जारी करको पृत्रॉक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी प्रस्थ क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद जो कूचा महताब सिंह चौक करोड़ी भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 7478/26-7-82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, भ्रमृतसर में दर्ज है।

> धानन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 3-1-83

मोक्कर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज II, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 जनवरी 1983

निदेश सं० चर्ण्डः | 26|82-83-यतः, मुझे, सुखदेव चन्कः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ट्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जित्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जियको मं० प्लाट नं० 1215 है तथा जो सेक्टर 15-की, चण्डी गढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित 'है), रिजस्ट्रीवर्त्ता श्रीधकार के कार्यालय, चण्डी गढ़ में रिजर्स्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तार्र ख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट गृही किया गृशा था या किया जाना वाहिए था, छिएकों में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रं गुरगरन तिह गन्ध, सुपुत एम० नवरन सिह प्रालियान श्रा मुरैन सिह निवास: मनान नं० 1516, सैक्टर, 15-बा, चण्डागढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रामता हरजात सैना पत्नी एस० बलजिन्द्र सिंह सैना निवासी 3040, सैक्टर, 38 डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत का कियों में 1 किया व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं । 1215 सैंक्टर, 15-विं, चर्ण्डागढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रावर्त्ता ग्रधिकारं, चर्ण्डागढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 192, मई 1982 के ग्रधीन दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

नक्षम प्राधिकारी

ाहयह पायहर प्रापुतत (निर्राक्षण) व्यर्जन रेंज, लुधियाना

नाराख: 14-1-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 जनवर्ग 1983

निदश सं० चर्ण्डा/23/82-83--यतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'जवा अधिनियम' काह्य गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि त्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधियह है

श्रीर जिसके, गं० मदान नं० 3148 है तथा जो सैक्टर 21-डा, चण्डे,गढ़ में स्थित है (ग्रीर इसी उपाबह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्त्र रक्ती श्रीधरार के कार्यालय, चण्ड गढ़ में रिजस्ट्र एरण अधिनियम, 1908 (1908 जी 16) क अधिन राज ख मई, 1982

को पूर्वाक्त समा त को खिचत बाजार मुख्य से कम को इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नर्ज है जो र मुने यह धियमान करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त नम्पति को जीवन काजार मूल्य, उनके द्वयमान प्रतिकल का पदह प्रतिवात स अधिक ही और अतरक (अंतरिका) आर अतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पास भमा प्रतिकल, निम्निचित उद्योगों से उक्त अंतरण निच्चित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रा ईश्वर दार सरनात, सुदुवर श्री परस राम मार्फत मैं० कुमार क्षेत्रतियरिंग के०, फाजिलका, (अन्तरक)
- (2) श्रा जगदीम राज पछ सुपुत श्रा तुलसी भाम श्रीर भिसज प्रेम कुमारी, पत्नी श्री जगदीम राज पंछ। निवासी मकान नं 3148, मैंक्टर, 21-डी, चण्डीगढ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबहुभ किसी जन्य व्यक्ति इहारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3148 सैक्टर 21-ई।, चण्डागढ़ में हैं (बायदाद जो कि रिजिस्ट्राकर्ता अधिकार), चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 176, मई 1982 के अधान दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त (निरोक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारःख : 14-1-1983

प्ररूप आहें, दी. एन्, एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 जनवरो 1983

निद्य सं ० खरड़ 4 82-83--यतः मुझे, सुखदेव चन्द, सायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० मकान नं० 93 है तथा जो फेज-II, मोहाली, जिला रोपड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्त अन्तरण शिखित में वास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो ध्रमरजोत सिंह विरक सुपुत्र श्री बीर सिंह मकान नं० 546, सैक्टर, 18-बी, चण्डोगढ़ भौर श्रो के० एस० राजु मायध्म श्रो ध्रमरजीत सिंह विरक, निवासी 546 सैक्टर, 18-बी, चण्डीगढ़। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह भीर श्रीमती शिन्दो कौर पत्नी स० मनजीत शिंसह, गांव व डाकखाना सरबोदी, जिला जालंधर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 93, फोज-II, मोहाली, जिला रोपड़ में हैं (जायदाव जो कि रिजस्ट्रोकर्ता मधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 708, मई, 1982 के प्रधीन दर्ज हैं)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख:11-1-1983

प्ररूप भाइ . टी . एन . एस . -----

बायकर बिधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीत सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायु<mark>क्त (निरीक्</mark>ण) म्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 14 जनवरी, 1982

सं० चण्डी०/35/82-83-यतः मुझे, सुख्यवेव चन्दः, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अभिक हैं श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2121 है तथा जो संक 21, सी० चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूर्णों में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारोख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितित उन्हों से उनत अन्तरण चिष्यत में वास्तिक स्प से किया नवा है :--

- (क) जन्तरण से हुई कि जी जाय की वायत, उक्त जुर्दिशम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन् या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः भव, उक्त विभिनियम की भाग 269-ए के जन्मरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, जर्भात :---

- (1) मिसिस चतर कौर पत्नी एस० गुरचरन सिंह मकान नं० 1, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़। (धन्तरक)
- (2) श्री जगन नाय सुपुत स० चानन राम श्रीर श्रामती गौरा देवो पत्नो श्रो जगननाथ निवासी, बी०-11, 514, फरवाहो बाजार, बरनाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः --

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उस्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

व्युत्पी

मान नं० 2121 सैक्टर 21-सो, चण्डीगढ़ में हैं (जायदाद जो कि रजिस्ट्राकर्ताध्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 290 के श्रधीन दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुखियाना

तारीख: 14-1-1983

प्रकार आहे ती.एन.एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 14 जनवरी, 1983

निदेश स० चण्डी/34/82-83—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं एम०सी० श्रो० न० 307—308 है तथा जो मैक्टर-35 बी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सं विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई हैं और मूक्ते यह विश्वान करन का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई हैं और मृत्ते यह विश्वान करन का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उदस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

र्जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निश्तिकित व्यक्तियों, अर्थाव् :-- (1) श्रीमती श्राजाद कौर, श्री राजिन्द्र सिह, माबिन्द्र सिह श्रौर श्रीमती श्रनीता मककङ निवासी 1, माल रोड, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सवरन कौर पत्नी स० पियारा सिंह श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी स० निकका सिंह श्री करनैल सिंह सुपुत्र पियारा सिंह श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी स० करनैल सिंह सभी निवासी मकान नं० 3372, सक्टर 15-डी, चण्डीगड़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उदत सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध मा काइ भी आक्षप +--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होंती हो के भीतर प्रवेकित ब्यक्तियों में संकिती ब्यक्ति हो के भीतर प्रवेकित ब्यक्तियों में संकिती ब्यक्ति हो से भीतर प्रवेकित
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए, जा सकोगे।

स्यब्दोकरण: ----इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० मी० श्रो० नं० 307-308 मैक्टर 35-बी, चण्डीगढ़ में हैं (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 266, मई 1982 के श्रधीन दर्ज हैं)।

सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 14-1-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० चण्डी/28/82-83-अत:, मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3105 है तथा जो सैक्टर 32—डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियां ता, भिर्में भारतार राय कर अधिनियम, १५०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था छिपाने में सनिवा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् '---

(1) श्री कुलदीप सिंह सिंधू सुपुत्र जगीर सिंह साध्यम श्री मनदीप सिंह राय सुपुत्र श्री ग्रमर सिंह निवासी 1053, सैक्टर, 27-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार मित्तल एडवोकेट मुपुल , णाम लाल मित्तल ग्रीर श्रीमती रेखा मित्तल पत्नी श्री रमेश कुमार मित्तल निवासी मेन रोड, सामने मित्रिल श्रस्पताल बंगा जिला जालंधर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थक्तीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्लाट नं० 3105 सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता भिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 205 मई 1982 के श्राधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख . 11-1-1983 मोहर : प्रूप काई. टी. एन. एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जनवरी 1983

निवेज सं० चण्डी/29/82-83—प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द, नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जबत अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी सं॰ प्लाट नं॰ 174 है तथा जो सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिवत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाब्स उच्य काँध-निर्वम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तिकों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्मुलिचित व्यक्तियों, मर्थात् ः— (1) मेजर जनरल राम सिंह सुपुक्ष श्री मुन्शा सिंह निवासी डी-69, पंचशील इन्कलेब, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

- (2) 1. नरोत्तम देव मिशरा सुपुत ग्रमर नाय
 - 2. कमला देवी पत्नी श्री एन० डी० मिशरा
 - 3. राकेश चन्द्र मिशरा सुपुत्र एन० छी० मिशरा
 - 4. श्रीमती सवीता मिशरा पत्नी राकेश चन्द्र मिशरा मार्फत श्री पी० एन० धीर एन० डी० 156, विक्रमपुरा, जालंघर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीं से 30 विन की बनींथ, जो भी बनींथ नाद में सनात्म होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस स्वाना के राज्यम में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर संपत्ति में हित- वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में निक्ष का सकोंगे।

स्पन्धीकरण ह— इतने प्रयुक्त सन्दों सौर पदों का, को उक्त अधिनिक्य के नध्याय 20-के में परिभाषित्र हैं, वहीं नर्थ होना को उस नध्याय में दिया नवा हैं को

जन्ज्जी

प्लाट नं 174 सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में है (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 223, मई 1982 के प्रधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लधियाना

तारीच : 14-1-1983

and the first of the second second

प्ररूप वाइ र टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन र्रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जनवरी 1983

निदेश सं० चण्डी/25/82-83—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम-इसके पद्यातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० सी० धो० तं० 327 है तथा जो मोटर मार्किट, मनी माजरा (यू० टी० चण्डीगढ़) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मल्य से अम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीभ एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेष्य से उचत अंतरण निखित में वास्तियक रूप से किंगत नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी कामत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट, नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों. अर्थात् :--- 22-456GI/82

 (1) श्री विश्वनाथ सुपुत म० मेहर चन्द मकान नं० 209, सैक्टर 37--ए, चण्डीगढ़।

(प्रन्तरक)

(2) श्री द्रार० डी० कुमार सुपुत्र श्री सय दिसा मल, श्री द्रशोक कुमार ग्रौर श्री जय कुमार, मुपुत्र द्रार० डीं० कुमार, निवासी माकन नं० 2124, सैक्टर, 21-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे

स्वच्छिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 327 मोटर मार्किट, मनी माजरा (यू० टी० चण्डीगढ़ में है), (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 190, मई 1982 के भ्रधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-1-1983

मोहर.

प्रारूप आई टी एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्जेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जनवरी 1983

मं० लुधि०/15/82-83---श्रतः मुझे सुखदेव भन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जवन अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान का भाग मं० की० चौथ 1983 है तथा जो चौड़ा बाजार, लिधयाना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनसूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयत्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, लिधयाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982।

को पर्वोक्त रांपरित के लिचित नाजार मल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृबेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी ब्लान प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अप, अब्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण भी, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीलिखन व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) श्री निरन्द्र नाथ चोपड़ा एडवोकेट सुपुत्र श्री दुर्गादास चोपडा, निवासी नवा शहर, जिला जालंधर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र एस० जसवन्त सिंह, निवासी बी-ग्राठ, 524 नया मोहरूना, मोचपुरा रोड, लिधयाना ।

(भ्रन्तिरतीः)

श्री/श्रीमती

- (3) 1. देवेन्द्र सिंह सुपुत्र लाभ सिंह,
 - 2. राम प्यारी पत्नी धर्मपाल
 - अर्जन दास सुपुत्र छञ्जू राम ।
 - 4. संतोष सिंह सुपुत्न लघ्धा सिंह
 - 5. प्रेम सरूप सुपुत्न चिरंजीलाल
 - नरेण कुमार सुपुत्न चिरर्न्जालाल,
 - 7. श्रोम प्रकाण सुपुत्र राम राखा

8. पन्ना लाल सुपुत्र सीता राम मार्फत
 मकान जनं०बी० चौथा, 1983 चौड़ा बाजार,
 लिधियाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एम लिखन में किए जा सकरी।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं बी०-वीथा 1983 घीड़ा बाजार नुधियाना मे हैं। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नुधियाना के कार्यालय के विलेख मं 2064 मई, 1982 के प्रधान दर्ज है।

> मुखदेव चन्द, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर[्]क्षण) ग्रर्जन रेंज लुधियाना

नाराख: 14-1-1983

प्रकप आई.टी.एन.एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की · धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जनवरो 1983

सं लुधि । 14/82-83-- ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕-रुत. से अधिक ह° श्रीर जिसकी सं० मकान का भाग नं० बी० बौथा 1983 है तथा जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-वह अनुसूच। मे और पूर्ण मप से वर्णित है), रिजर्स्य क्री श्रिधिकार। के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्रीवरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विष्यस करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उधित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) केबीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- मन्तरण से हुई फिसी साम की बागत एक्त मिन नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में फमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अंत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रा नरिन्द्र नाथ घोपड़ा एडवोकेट सुपुत श्री दुगदिस निवासो नवां शहर, जिला जालंधर।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री नथू राम भापर, 784, पटेल नगर, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री देवेन्द्र सिंह सुपुत्र लाभ सिंह
 - 2. श्रो राम प्यारी पत्नी घरम पाल 3. श्री भ्रार्जनदास सुपुत्र छञ्जू राम
 - 4. श्री संतोष सिंह सुपुत्र लध्धा सिंह
 - 5. श्रां प्रेम सरूप सूपूत चिरंज। लाल
 - श्री नरेश कुमार सुपुत्र चरण सिंह
 - 7. श्राम्रीम प्रकाश सुपुत्र राम राखा
 - 8 श्री पन्ना लाल सुपुत्र सीता राम निवासी मकान नं० बा०-घौथा 1983, चौडा बाजार, लुधियाना ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

इक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काहि वाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं० बी० वीथा 1983 चौड़ा बाजार में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रधिकार। लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 2064 मई, 1982 के प्रधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्ध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-1-1983

प्रारूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1983

मं० चण्डी/32/82-83---श्रतः मुझे सुखदेव चन्दः,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- हुठ. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० एस०मी०एफ० नं० 232, मोटर मार्किट है तथा जो मनी माजरा यू० टी० चण्डीगड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के दृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निय्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्सविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियन व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) मि० जोगिन्द्र विग० निवासी मकान नं० 1264, सैक्टर, 15-बी, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्र जीत सिह,निवासी मकान नं० 1150,सैक्टर,8-सी०, चण्डोगढ़।

(अन्तरिती)

को **यह सु**चना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता ह**ूं**।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पण्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

जनसूची

एस सी एफ नं० 232 मोटर मार्किट, मनी माजरा यूटी चण्डीगढ़ में हैं। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 249 मई, 1982 के श्रिधीन दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 15-1-1983

प्ररूप आह⁵. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दनांक 15 प्जनवर्र। 1983

. सं० लुधि/16/82-83--श्रत: मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकः सं० मकान एँट प्लाट नं० 11 तनाल (क्षे० 800 व० ग०), है तथा जो सराभा नगर, सुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

क्षतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) म० रणजीत सिंह सुपुत्र म० भरपूर सिंह, निवासी गांव विलासपुर, तहसील मोगा, माध्यम श्रटोरनी श्री गुरमेल निवासी 10/59 पंजाब एग्रीकलचरल यूनीवसिटी लुधियाना । (श्रन्तर
- (2) श्री शिवकृमार स्रोमप्रकाश सुपुत्र श्री चानन राम निवासी 14 ग्रान पार्क, सिविल लाइन, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पृत्रींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्दारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान ऐंट प्लाट नं० 11 कनाल, सराभा नगर, लुधि-याना ! (जायदाद जो कि रिक्ट्रिक्ती श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय, के विलेख संस्था 2588 मई, 1982 के श्रधीन दर्ज है।)

> सुखदेत्र चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रोज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1983

द्रायमान

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बिहार, पटना पटना, दिनाक 13 जनवरी 1983

संगाि 645/मर्जन/82-83--मत, मुझे ह्रदय नारायण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित भाषार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० तोजो संख्या 5059, खाता संख्या 59, खंसरा संख्या 20, श्रीर 92 है तथा जो मौजा खन्दा बबक्कर-पुर, पो० दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण भप में वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दानापुर में रजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 31-5-1982 को पूर्वोदल सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अर्गित की गई है और मुखे यह विश्वार परने वा कारण है कि यथापुर्वोक्त एकार्य का स्वित्त वाजार मृत्य, उसके

प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरका) और प्रन्तरिती (मन्तरिक्तियां)के बीच ऐस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकियित उद्देश्य से उत्तर प्रन्तरण निवित्त में वार्तिक कर से किया नहीं किया गया है ~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए। में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री बद्री नारायण यादव बल्द श्री सुखुयादव, निवासी साकिन पोस्ट, श्रासनसोल जिला, श्रासन-सोल.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विन्देश्वर प्रसाद बल्द श्री नवाब राय,
2. श्री विजेन्द्र प्रसाद राय,
3. श्री विश्वनाथ राय,
सभी निवासी ग्राम सगुना,
पोस्ट दानापूर, जिला पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए' कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षिप्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्यी

खुली जमीन जिसका रकबा 36 डिसमल है तथा जो मौजा खन्दा बबक्करपुर, पोस्ट बानापुर, जिला पटना, में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बासिका संख्या 3663 दिनांक 31-5-82 मे विणित है तथा जो धवर निबंधक पदाधिकारी दानापुर, जिला पटना के द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण, समक्ष प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजीन रेंज, बिहार, पटना

तारी**ख** . 13-1-1983 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 15 जनवरी, 1983

सं० III 653/म्रर्जन/82-83—म्रतः मुझे हृदय नारायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एम०एस० प्लाट सं०-1457, वार्ड संख्या III बी, होल्डिंग संख्या 627/सी, सब प्लाट संख्या 1457 बी है तथा जो वर्दवान कम्पाउण्ड, पी/जिला रांची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-5-1983

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अनीन निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ग्रश्विनी कुमार मुखर्जी
 - 2. श्री राम कृष्ण मुखर्जी
 - 3. श्री गौरी शंकर मुखर्जी
 - 4. श्री गौड़ मुखर्जी
 - 5. श्रीमती शामली मुखर्जी, स्वा ग्रौर वास्ते श्री ग्रमिताभ मुखर्जी (ख) श्रीमती श्यामली मुखर्जी ग्रौर सोनाली मुखर्जी,

निवासी धमयान. थाना हरिपाल जिला हुगली। (ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम कुमार वल्द, डा० ग्रार० पी० साहु, निवासी वर्दवान कम्पाउण्ड पो०/जिला रांची (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

खुली जमीन चारदीवारी सिंहत जिसका रकवा म्राठ कट्ठा दो छटाक है तथा जो वर्दवान कम्पाउण्ड पो०/ जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 3971 दिनांक 11-5-1982 में विणत है तथा जो रिजस्ट्रार म्राफ एम्योरेन्सेज कलकत्ता 1 के द्वारा पंजीकृत है।

. हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण म्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 15-1-1983

प्रकथ आर्ड. टी. एन. एस.--- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 ज (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बिहार, पटना पटना दिनाक 15 जनवरी 1983

सं ार्ग /652/अर्जन/82-83--अत. मुझे, हृदय नारायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इसके अधिन सक्षम अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० खाता महना 292, ग्रौर 298, प्लाट सख्या 918 श्रौर 921 है तथा जो गौशाला पोस्ट मोतीनगर सिन्दरी जिला धनबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कार्यालय धनवाद में रिजस्ट्रीवर श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 26-5-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है लौर जन्तरक (गंतरकों) और बेनिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की भावत उक्त किंध-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ता उत्तरे बचने में सुदिवा है लि !, और दा
- (स) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तिय।

 र , रिस्ट्टें गार्दाय आयअर जार्वानगर । १००० ।

 र व्यापानगर । १००० वर्ष । १०० वर्ष । १००० वर्ष । १०० वर्ष । १००० वर्ष । १०० वर्ष । १००

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, मैं चार प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**खिन व्यक्ति**यों, अर्थात चन (1) श्री सरदार सरदुल सिह बल्द स्व० चरण सिह निवासी चासनाला पो० चासनाला जिला-धनवाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० जैन, बल्द स्व० प्यारे लाल जैन निवासी गौषाला पो०-मोतीनगर सिन्दरी जिला धनबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृताकत सम्पारण के अपन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति अ अजन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन का अविधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपरित को हित- उस्थ किसी गय व रिकट व्यास अथोहस्साक्ष्मी के पास लिखित को किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, षो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पक्का सकान, टीम सेड व खुली जमीन चारदीवारी सिहत जिसका रकवा म्राठ कट्ठा पाच छटाक सोलह वर्ग फीट है तथा जो गौशाला पो० मोतीनगर सिन्दरी जिला धनबाद मे स्थित है एव पूर्ण रूप से वसिका सख्या 6549 दिनांक 26~5~82 मे वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला म्रवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 15-1-1983

मोहर

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (मिरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनाक 13 जनवरी 1983

सं० 3/649/प्रर्जन/82-83-प्रतः मझे. हृदय नरायण भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरः सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० तोजो मं० 272 थाना संख्या 9, खाना संख्या 363, प्लाट संख्या 893, 900 से 903 है तथा जो मौजा सादिकपूर योगी-पोस्ट, कंकडबाग, जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-5-1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरममान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उपित् भावार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (मन्तिरिनिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, रिम्निलिसि उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से शुर्द किसी वार्य की वाबत , उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की क्षायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके सिए;

नत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--23-456GI/82

(1) श्री प्रजनन्दन सिंह ख्दवो वली कुमारी निमला (नाबालिग) निवासी बहाद्रप्र, थाना - मुल्तान गंज, जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दरोगा तिवारी, ग्रध्यक्ष पूर्वी भ्रशोक नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० साकिन, पूर्वी भ्राणोक नगर, पोस्ट - कंकरबाग, जिला पटना

(म्रनरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अयिधि या सल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुरास,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थहागाजो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 18 डिसमल है तथा जो मौजा सादिकपूर योगी, पोस्ट कंकडवाग, जिला⊸पटना मे स्थित है ⊓वं पूर्ण रूप से वासिका संख्यां—ा 3963 दिनाक 11-5-82 में बर्णित है तथा जो रजिस्ट्रार ग्राफ एस्मारेन्सेन कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

> हृदय नरायन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 13-1-1983

मोहरः

प्ररूप आहर् टी. एन. एस. - - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ते (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेण सं० 3/651/प्रजेंन/82-83-प्रत मुझे हृदय, नरायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० तोजो मख्या 272, थाना सख्या 9, खाना सं० 363 प्लाट सं० 893, 900 में 903 है तथा जो, मौजा, सादिकपुर, योगो, पोस्ट, - ककडबाग, जिला - पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण म्प में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 11-5-1982।

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए अदि/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निक्निसिस्त व्यक्तियों. अर्थात् ,---

(6) श्रीमती मुकता मनो देवी माता श्रीर बली कुम्बी नमोता (नाबालिंग) बहादुर, थाना—सुस्तानगंज, जिला—पटना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दरोगा तिवारी श्रध्यक्ष,
पूर्वी श्रशोक नगर, गृह निर्माण समिति लि०
साकिन पूर्वी श्रशोः नगर, पोस्ट-कंकडवाग,
जिला-पटना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थिततयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन जिसका रकबा 18 डिसमल है और जो मौजा सादिकपुर योगी, पोस्ट-कंकडबाग, जिला-पटना में स्थित है ग्रौर पूर्ण रूप से वासिका संख्या I-3960 दिनाक 11-5-1982 में वॉणित है तथा जो रजिस्ट्रार श्राफ एसो-रेसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नर।यण मक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्अन, रेज बिहार पटना

तारीख : 13-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अथीन मुचना

भारत सरकार

क।र्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेव, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निटंग स० III/648/प्रर्जन/82-83.—प्रतः मुझे, हृदय नरायण, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० तौजी सख्या 272 खाता सख्या 363, थाना-9, प्लाट सख्या 893, 900 से 903 है तथा जो मौजा सादिकपुर योगी, पो० कंकड़बाग, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन तारीख 11-5-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुनिधा के सिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित, व्यक्तिस्यों, अधित्ः— 1. श्री बृज नन्दन सिंह मौजा बहादुरपुर, थाना ---सुलतान-गज, जिला---पटना।

(ग्रन्तरक)

श्री दरौगा तिवारी अध्यक्ष पुर्वी अशोक नगर सहकारी
गृह निर्माण समिति साकिन-पूर्वी श्रशोकनगर, पो०
कंक इबाग, जिला---पटना।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रांक्ति सम्परित के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च वै 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पूर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकवा 18 डिसमिल है श्रीर जो सादिकपुर योगी, पो० ककड़वाग, जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका मंख्या 1-3964 दिनाक 11-5-82 में विणित है तथा जो रिजस्ट्रार श्राफ एशोरेन्स कलकत्ता द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नरायण, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्न, बिहार, पटना ।

तारोख: 13-1-83

प्रकथ आहाँ . टी . एन . एस . ------

कायकर किंचियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 269-ए (1) के अधीन स्थना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।
पटना, दिनाक 13 जनवरी, 1983

निदेश सं 111/646/ग्रर्जन/82-83:—ग्रतः मुझे, हृदय नरायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मक्षे परकात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० तौजी संख्या 272, खाता संख्या 363, धाना 9, प्लाट संख्या 893, 900 से 903 हैं तथा, जो मौजा सादिकपुर योगी, पो० कंकड़बाग, जिला पटना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 11-5-82,

को पूर्वा क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कि एसे र्व्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे र्व्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्धरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिपित में वास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्निया के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती मुकता मनो देवी, माता एवं वली कुमारी नमीता (नाबालिंग) बहादुरपुर, थाना----सुलतानगंज जिला---पटना।

(अन्तरक)

2. श्री दरोगा तिवारी अध्यक्ष पुत्री श्रशोक नगर सहकारी हगृ निर्माण समिति लि०, साकिन-पुत्री श्रशोक नगर, पो० कंकडवाग, जिला-पटना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृवाकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खुली जमीन जिसका रकवा 16 1/2 डिसमिल है श्रीः जो सादिकपुर योगी, पो. कंकडबाग, जिला पटना में स्थित है, श्रीर पूर्ण रूप में विसका संख्या I-3962 विनांक 11-5-82 में विणित है तथा जो रजिस्ट्रार श्राफ एशोरेन्सेज, कलकत्ता में पंजीकृत है।

> हृदय नरायण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 13-1-83

परूप आर्रं० टी० एन० एन० न्यान्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना। पटना, दिनाक 13 जनवरी, 1983

निदेश म० III 647 श्रर्जन/82-83.—- ग्रत मुझे, हृदय नरायण.

आयकरे अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० तींजी सख्या 272, थाना सख्या 9, खाता सख्या 363, प्लाट सख्या 893, 900 में 903 है तथा जो मौजा सादिकपुर योगी, पोस्ट ककडबाग, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-5-82,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको और अतिरिती अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उन्त आधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती मुक्तामुनी देवी, निवासी—बहादुरपुर, थाना मुलतानगज, जिला —पटना।

(ग्रन्तरक)

2 श्री दरोगा तिवारी, श्रध्यक्ष पुर्वी अशोक नगर, गहकारी गृह निर्माण समिति लि०, सािकन-पुर्वी श्रशोक नगर, पांस्ट ककडवाग, जिला—पटना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृचना की तालीन स 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रू, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 16% डिसमल है तथा जौ मौजा सादिकपुर योगी, पोस्ट ककडबाग, जिला पटना मे रिथन है एत्रं पूर्ण रूप में वसिका संख्या I-3959 दिनाक 11-5-82 में वर्णित है तथा जो रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेन्ज कलकत्ता के द्वारा पजीकृत है।

> हृदय नरायण, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 13-1-83

प्ररूप शाई टी एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना। पटना, दिनाक 13 जनवरी, 1983

निदेण स० 650/ग्रर्जन/82-83 — ग्रत मुझे, हृदय नरायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

भ्रौर' जिसकी स० तौजी सद्या 272, खाता सख्या 363, थाना सख्या 9, प्लाट सक्या 893, 900 से 903 है तथा जो मौजा सादिकपुर योगी, पास्ट-ककडबाग, जिला-पटना में स्थित है (ग्रौर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से र्जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 11-5-82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दृश्य स उवा अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है ल्ल

- (क) असरण से हुई िसी शयत्री बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, बार/या
- (क्ष) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

 श्रीमती अनिता सिह, निवासी-बहादुरपुर थाना सुलतान-गज, जिला-पटना।

(ग्रन्तरक)

2 श्री दरोगा तिवारी श्रध्यक्ष पूर्वी स्रशोक नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० साक्षित पूर्वी श्रशोक नगर, पोस्ट-ककडवाग, जिला-पटना।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके प्राप्तित सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खंधे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्सूची

खुली जमीन जिसका रकवा 18 डिममल है तथा जो मौजा साविकपुर योगी, पोस्ट-ककेडबाग, जिला-पटना में स्थित है एव पूर्ण रूप से विसका सख्या I-3965 दिनाक 11-5-82 में विणित है तथा जो रिजस्ट्रार ग्राफ एस्योरेन्सज कलकत्ता के द्वारा पजीकृत है।

हृदय नरायण, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, परिक्षेत्र बिहार,पटना

तारीख 13-1-83 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांकः 15 जनवरी, 1983

सं० III 654/म्रजं/82-83:—म्प्रतः मुझे, हृदय नरायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एम० एस० प्लाट संख्या 1457, वार्ड संख्या VII बी, होल्डिंग संख्या 627/सी, सब प्लाट संख्या 1457 मी है, तथा जो वर्दवान कम्पाउण्ड, पो० जिला रांची में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची श्रीर में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 11-5-82,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसो अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री श्रिण्यिनी कुमार मुखर्जी 2. श्री राम कृष्ण मुखर्जी 3. श्री गौरी णंकर मुखर्जी 4 श्री गौड मुखर्जी 5. श्रीमती सावली मुखर्जी स्वय श्रौर वास्ते (क) श्री श्रमिताभ मुखर्जी (ख) श्रीमती श्यामली मुखर्जी श्रौर सोनाली मुखर्जी, निवासी ध्रमयान, थाना-हरिपाल, जिला-हुगली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रनुप कुमार साहु बल्द डा० ग्रार० पी० साहु, निवासी वर्दवान कम्पाउन्ड, पो०/जिला रांची। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध मं कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमृस्ची

खुली जमीन चारदारी सहित जिसका रक्षबा म्राट कट्ठा दो छटाक है तथा जो बर्डवान कम्पाउण्ड पो/जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 3972 दिनांक 11/5/82 में वर्णित है तथा जो रजिस्ट्रार म्राफ एस्योरेन्सेज कलकना के द्वारा पंजीकत है।

> हृदय नारायण, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख . 15-1-1983

प्ररूप आर्ध टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 13 जनवरी, 1983

संव III-644/प्रार्जन/82-83 — प्रतः मुझे, हृदय न रायण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उश्वित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 5123 खाता संख्या 334, खलरा संख्या 1218 है तथा जो मौजा मैनपुरा, थाना पाटलीपुत्रा, जिला पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-5-82

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्धात .---

 श्रीमती सुन्दरवती देवी जौजे श्री शिव नारायः तिह निवासी ग्राम मैनपुरा, थाना पाटलीपुत्रा जिना पटना बत्तमान निवासी ग्राम नोजामपुर, पो० मोरजपुर, जिला-पटना।

(ग्रन्तरक)

2 श्री राजीव रजन सिंह बल्द स्व राम प्यारे सिंह निवासो ग्राम बेलारी, थाना दाऊदनगर जिला श्रौरगा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपण मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन जिसका रकवा 331/2 डिसमल है तथा जो मौजा मैनपुरा थाना पाटलीपुत्ना जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 4698 दिनाक 17-5-82 मे वर्णित हैं एवं जिसका निबन्धन जिला भ्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हम्ना है।

> हृदय नारायण, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख . 13-1-83 मोहर : प्रस्य आहे. टी. एम. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 145/मई/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका मं० 121 है, तथा जो पापमास बिराडवे मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्राक्ती श्रीवकारी के वार्यालय, मद्रास (नार्थ) डाकुमेंट सं० 1591/82 में भारताय रिजर्ट्राकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, दिनांक मई, 1982 ।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफ से के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल सा पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उवत अधि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के बामित्व में क्यी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; क्यर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तितयों, अर्थात:—-24—456GI/82 (1) श्रः के० एस० पिरसन्ता

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा बार एर बसंतल भी

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए आ सकती।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भिम श्रीर निर्माण सं० 121, पापमान बीराडवे, मद्राम-1 (डाकुमेंट सं० 1591/82)।

श्चार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 11-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्राम्हर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-घ (1) के समीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 64/मई/82—यतः मुझे, शार० पी० पिल्ले.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सो 1 है, तथा जो श्रानवेज रोड़ फेरलेनडस सेलम 1. मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिट्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंट सं० 2513/82 में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उधित बाआर मूल्य ये कम के दृष्यमान प्रांतफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से धिवक है भीर सन्तरक (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरम के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिकित छदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनत जीव-नियम, के अधीन कर केने के भ्रम्तरका के दायित्य में कमीक-कारने या उससे बचने में सुविधा के किए भीर/यां;
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भ्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रियोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था कियाने म ग्रीच्या के सिए;

यतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपधारण (1) के अधीन रिम्निलिशत व्यक्तियों अर्थातः--- (1) श्रीमती कुरसीट बेगम

(म्रन्तरक)

(2) श्री आर० परमसिह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में काई भी प्राक्षेप >---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, यो की श्रविध धाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरमः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त घषि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, कही ग्रम्सं होगा, जो उस भव्या में दिया गया है।

नगरकी

निर्मीण सं० सी 1 ग्रीनवेष रोड़, फेरलैन्डस सेलम 1 (डाडु-मेंट सं० 2513/82) ।

> भार० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, मन्नास

दिनोक: 11-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 13 जनवरा, 1982

निर्धेश स॰ III/मई/1982—यत मुझे, ग्रार॰ प॰ पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका स० 241, है तथा जो घोविठप्पा नामखन स्ट्राट, मद्रास 1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राक्त्ती श्रीधवार। के वार्यास्य, नार्थ मद्रास (डाक्रुमेट स० 1671/82) मे भारताय रिजस्ट्र-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, दिनाक मई, 1982

को पूर्णेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्स सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रितिफल म, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रा एस० बारुमुहम भीर अवसं

(भन्तरक)

(2) श्री एस० इठरमल भौर भवर्स

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृषांकत सर्पात्स के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पास के मर्थन के सबध में काई भी माक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद मों स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मो में किसी व्यक्तित व्वाग,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदेध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधेहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वव्योकरण — इसमेप्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि और निर्भाण- 241, घोविठप्पा नायखन स्ट्रीट मद्रास । (डाकुमेट सं० 1671/82) ।

> श्रार० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनाक . 13–1–1983 मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

(1) श्रा श्रार० सुन्दररामय्या

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उद्यमचंद भौर ग्रदर्स

(अन्तरिती)

आयथार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 13 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 14/मई/82—श्रतः मुझे, श्राप्त० पी० पिल्लं, आयकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रं. सं अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 7634 हैं तथा जो मद्रास में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, साँकारपेट (डाकुमेट सं० 194/82) में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मई, 1982 । में पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतकल, श्रिमनलिखित उद्घरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के निए; और/या
- (वा) एसि किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था ख्याने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त श्रुच्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण—श्वार० एस० सं० 7634, मद्रास (डाकुमेट सं० 194/82)

> भ्रार० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 13-1-1983

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-------

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

269-ध (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, भद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 28/मई/1982---यतः मुझे, ग्रार० पं।० पिल्ले, **षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके परचात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-**ब** के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं ग्रीर जिपका यं० 21, है तथा जो 6 कास स्ट्राट, मद्राय 30 मे स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्त्ता श्रधिकार। के कार्यालय, पेरियमेट (डाकुमेंट मं० 700/82) में भारतीय रजिस्ट्रायरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक, मई, 1982 को पूर्वों क्त संपृत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिसित उद्देश से उस्त अन्तुरण सिसित में बास्तविक स्मृ से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रनः, उनतः धिनियम, की धारा 269-च के भ्रनुसरण मों, मों, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीतः :--

(1) श्री सेनगमलतम्माल नामगिरि श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० जे० जार्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया म्या हैं (!)

यन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण-21, 6 क्रांस स्ट्रीट, मद्रास-30 (डाकुमेंट सं० 700/82) ।

म्रार० पी० पिस्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 13--1--1983

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰----

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अनवरी, 1983

निर्वेश सं० 3.7/मई/1982—यतः मुझे, आर० पी० पिल्छे, आयकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'जस्त प्रधिनियमं कहा गया है), को धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 105 (पार्ट) है सथा जो सेलवायल मनवारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ताअधिकारी के कार्यालय, सेमबियम (जाकुमेंट सं० 2512/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मई, 1982

को पूर्विस्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण रे कि यथापूर्विका सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रस् प्रतिया - प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण निखित मे बास्तविक हम न कथिन तहाँ किया गया है:---

- (क) सन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उसत प्रधि-नियम के मंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में मुविधा के लिए, बीर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी वन या भ्रम्य सास्तिमो को, जिम्हें भारतीय भाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) भी राजमानियम और अवर्स

(अन्तरक)

(2) भी एस॰ विसालाकशी

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के सिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्विध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी मी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनन में प्रकाशन को नारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी प्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्राधोत्हरतक्षारी के पास विश्वित में किए जा सर्वेंगे।

हराष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्क्यों और पदों का, जो उक्त प्रक्रि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

मन्स्ची

भूमि सर्वे स० 105 (पाट) सलवायल, मनवरा (डाक्सूमट सं० 2512/82) ।

> आर० पी० पिस्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, मद्रास

विनांक: 13-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जनवरी 1983

निर्वेश सं० 45/मई/1982—यतः मृक्षे, आर० पी० पिल्ले, आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही और जिसकी सं० कृषि 'मूमी है तथा जो विखनामपट्टी ग्राम ओमलूर तालुक में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

ओमलूर (डाकुमेंट सं० 909/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 जनवरी

1982
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह दिक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदयोग से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित क्यक्तियों, अधीन :---

- (1) पी. कुप्पुस्थामी घाँडर सुपुत्र श्री पानगया चाँडर
- (2) श्री चौन्नयप्पन सूपुत्र श्री पोनगयाना घोँ हर
- (3) श्री माइनर मूरूगेसन
- (4) माइनर मालारभोडी कुपुर काट्यालाायू, चिकनाम पट्टी ग्राम ओमलूर तालुध, जिला सालम (अन्तरक)
- (2) श्री एम॰ नैनामले
 पत्नी श्री मृत्थू 157 एम पालानीअप्पा नगर थीरूबावानजानूर सालम
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्सूची

भूमि सर्वे सं॰ 98/2, चिब्बनामपट्टी ओमलूर, सालेम (डाकु-मेंट सं॰ 909/82)।

> आर० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, मद्रास्ट

विनांक: 13-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्देण सं० 48/मई/1982—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 18ए, अग्राहम स्ट्रीट है तथा जो तिरुवेनगोड नामककल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवेनगोड (डाकुमेंट सं० 1004/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में प्रविदा के लिए; '

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती आर० पद्मावती और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री ए० अम्मुगम और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-18, अग्राहम स्ट्रीट, तिरुचेनगोड सलेम (डाकुमेंट सं० 1004/82)।

ृंआर० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 13-1-1983

प्ररूप काहरें, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २००-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. मदास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्वेश सं० 105/मई/1982—यत. मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० 1399 और 1393 है तथा जो इलनजी ग्राम टेनकासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूली में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, टेनकाशी (डाकुमेट सं०) 382/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1982.

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण स हुई किसी जाय की जावत, उक्त जिसी कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अ्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :--- 25-456 GI/82

- (1) पावर एजेन्ट मुथु देवदास ब्रिगेडियर दी० के० थियोगराज न० ८ सेट थामस रोड़ हाई ग्राउन्ड्स पालायमकोटाई, तालुक और जिला निरुनेलक्ष्णेली । (अन्तरक)
- (2) ने ट्रैंबल्स प्राईवेट लिमिटेड 15 सी'०, मुगमबाकम हाई रोड, मदास-34।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वा कित सम्यस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

् उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में को**ई आक्षेप:-**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी **व दे** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

मन्त्वी

भूमि आर० स० स० 1393 और 1399, इलनजी, टेनकाणी (डाक्समेंट सं० 382/82)।

> आर० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 13~1-1983

इक्ष्य बाहु दी. पुन् पुन्------

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायुक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं 129/मई/1983—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 कां 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० नर्वे 194/8, 201/1 और 201/2, है तथा जो कन्तनकुरिची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (जाकुमेट स० 2289/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, मई, 1982

को प्रॉक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वींस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्का, निम्निसिस्त उद्देश से उस्त अन्तरण विश्वित में वास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की नायत उक्त अधि-नियम के बुधीन कर वेगे के अन्तरक के दायित्व में कि कभी करने या उस्से बचने में सुविभा के लिये; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जान्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन- कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, सभीतः—

- (1) श्री एस॰ रामस्वामी, मनोहरन और तियागराजन
- (2) श्री ए० पलनियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के फिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दियर गवा है।

अनुसूची

भूमि सर्वे स० 194/8, 201/1, 201/2, कन्ननकुरिचे (डाकुमेट सं० 2289/82)।

आर० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I. मद्रास

दिनाक: 13-1-1983

प्ररूप काइं. टी. एन. एस.----

मानकर प्रजितिनम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269म(1) के भ्रमीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज I, मद्रास मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 130/मई/1982—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, अगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रह्मास् 'उक्ट ग्रिजिनम' कहा गया है), की द्यारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, अगका उचित आजार मूल्य 25,000/- ६० से आधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 194/8, 201/1 और 201/2, है तथा जो कन्नमकुरिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची, में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाकुमेंट सं० 2290/82) में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत ने अध्य है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्ति में गुस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साम की बाबत उन्तर सिं-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: शीर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय मामकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना आहिए था, छियाने वें सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री एस ० रामस्वामी, मनोहरन और त्यागराजन (अन्तरक)
- (2) श्री पलनिस्वामी, वडिवेल, वेंकटाचलम (अन्तरिती)

को यह अचना गारो करके पूर्वोश्त ममानि के प्रजैन के खिए कार्ये बाहिया करता हूं।

उपन समात्ति है पर्जन है प्रम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मुजना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचन। की गानीन से 30 दिन का प्रतिश्व, जो तो प्रविध बाद में सवाक होती हो, के भीगर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस नुवना के राजगत में प्रकाशन की नारीय से 43 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्ताक्षरा के पाम निश्वत में किए वा स्कैंगे।

स्वन्द्रोक्तरण:---इसर्मे प्रयुक्त गर्व्यो श्रीर पदी का, जो उपत श्रीक्षितियम के श्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रम्यःय में दिया गया है।

अमस्ची

भूमि सर्वे सं० 194/8, 201/1 और 201/2, कन्ननकुरिची (डाकुमेंट सं० 2290/82) ।

आर० पी० पिल्ले, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 13-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 132/मई/1982—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का क़ारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 2917 है तथा जो कुलप्रम ग्राम विलवनकोठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कोल्लनकोठ (डाकुमेंट सं० 822/82) में भारतं य रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) ऊषा राजन

(अन्तरक)

(2) विकटर ओलव फर्नीडिस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत, र उकत स्थानर गम्पित्स में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 2917, कुलप्रम ग्राम विलोन-कोठ (डाकुमेंट सं० 822/82)।

> आर० पी० पिल्ले, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 13-1-1983

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज [, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निदेश सं० 144/मई/82—यन:, मुझे, श्रारं० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 44. है, जो मरियादों स मदली स्टीट, मदास-13

श्रौर जिसकी सं० 44, है, जो मरियाद्वास मुदली स्ट्रीट, मद्रास-13 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ III (डाकुमेंट सं० 1397/82) में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री हाजी मोहम्मद मुलैमान साहेब

(श्रन्तरक)

(2) श्री यूसुफ के० उसमान के० ए० ग्रजीज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आंक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ख्यक्तियों, में से किमी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-44, मरियाबोस मुदली स्ट्रीट, मद्रास- 13 (डाकुमेंट सं० 1397/82)

श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—

तारीखा : 13−1−83

मोहर : -

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज ¹, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश मं ० ८/मई/८२--यतः, मुझे श्रार ० पी ० पिल्लै, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० कोथारी ग्राम कारे कुडी तालुक रामनाद है, जो मद्रास नार्थं में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (नार्थ) डाक्मेंटम मं० 1512/82 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-करल, निम्नलिखित उद्देश्य सेउक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दि जवाहर मिल्स लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नाचचम्मे काटन मिल्स प्राईवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ऋौर निर्माण कोथारी ग्रम्म, कारैकुडी तालुक रामनाद (डाक्मेटसं० 1512/82)।

श्चार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ¹, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अधीत्:—

तारीख: 5-1-83

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी, 1983

निदेश सं० 99/मई/82--यत:, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उप्तित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० सय्यद 97/3-1, 2497/4-1, आनद

42, नागर कोयल है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागर कोयील डाकूमेट स० 890/82) में भारतीय रजिरट्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापर्वक्ति संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रदिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल को पन्न्रह् प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उत्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अगस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यीक्तयों, अर्थात् :--

(1) कुमारी नीनाकुमारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जेमस तब्ती

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अथि थ, जो भी अविधि बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमि एस० सं० 2497/3-1/2497/4-1 म्रनन्द 42, नागरकोयील (डाक्सेंट सं० 890/82)

> श्रार० गी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम ।

तारीख: 10-1-83

मोहरः

प्ररूप भाई. टी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राम, दिनाक 10 जनवरी 1983

निवेश सं० 30/मई/82—यत , मुझे, श्रार० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25, सामी चेट्टी सेट, मद्रास-2 है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पेरीयमेंट डाकुमेंट सं० 782/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी भाग की वाबत, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमूभूरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री साहली हमीव

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहीदीन पीरश्रली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत
 स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्रांश;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

अनुसुची

भूमि ग्रौर नीमान सं० 25, सामी चेट्टी सेट मद्रास-2 (डाकुमेंट सं० 782/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीखा: 10-1-83

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर **अधिनियम, 1961 (1961** का 43) की धारा 269 व (1) के सधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 25/मेई/82—यत:, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिक्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु• से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० 44, हरीनटन रोड़, चेटपेट मद्रास है, जो मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरीयमेंट डाकुमेट स० 673/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐमे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबन, छका प्रिक्षिनियम, के प्रधीन कर देने के ध्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; भौर/या
- (ख) ऐपी किमी आय था किसी घर या प्रश्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में मुक्का है लिए;

अतः भवः, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की बारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
26—456 GI/82

(1) श्री पिसला बाई

(अन्तरक)

(2) श्री श्रार० जोली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति कं प्रार्थन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस नुकता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवात में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें श्रिधिनयम के श्रष्टमाय 20-क म परिश्वादित हैं, दही धर्च होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 44, हरीनटन रोड, चेटपेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 673/82)

म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-1-83

प्रारूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चैनराज

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

(2) श्री जोली

(ब्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राम, दिनांक 10 जनवरी 1983

निवेश सं० 26/मई/82—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाकार मृस्व 25,000/- रु. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 44 हरीनटन रोड, चेटपेट, मद्रास है, जो में , स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट डाकुमेंट सं० 674/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एये दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिस्त तो अविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एये अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीयांखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तिक रूप से उधिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दक्षिक के क्यार किया के स्वीवधा के सिए; और/या
- (का) एरेनि किसी आय सा ित्सी धन सा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय साधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जाउत अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्यारा पत्त नहीं किया गया धा सा किसा जारा काहिए भा, जिलाने में स्विधा के निए।

अतः अब, उत्तन शिक्षित्यम को धारा 269-म को, अनुसरण मो, मो, जान अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बंध में कोई भी साक्षेप ---

- (क) अप्तरूप ने हुई किसी शाद की नायक, उनके गीधीनरक के जधीन कार दोने के अनारक के शामित्व में काली कारचे का उक्को कमने में गुविधा के विकार; बोर/का
- (त) इस क्याना के इक्कानन में प्रकाशन की सारीय के 45 दिश को औद्धार उक्त स्थायर संपत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क कें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्ची

भूमि श्रीर निर्माण सं० 44, हरीनटन रोड, चेटपेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 674/82)

ग्रार० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहाभक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 10-1-83

प्रकल बाई. टी. एन. एस.----

नायकर जिथानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-^I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1983

निवेश सं० 27/मई/82—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, बायकर मिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी मं० नया सं० 13, पुराना मं० 6, मुलुगिरामनी

श्रार जिसकी में निया सं 13, पुराना में 6, मुलुगिरामनी सेट, पेरीयमेट है, जो मद्रास-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय छैगारपेट डाकुमेंट सं 682/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिम्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए जंतरित की नई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिम्त बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म मुजिया के लिए; और/मा
- (क) ऐसे किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा के निए:

भतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री ए० एस० रहमततुल्ला

(मन्तरक)

(2) श्री सरबुन्नीसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस गूचना के राजपत्र से प्रकाशा की तारीस में 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्च किसी व्यक्ति युक्तरा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---ध्रसमो प्राप्तत अन्यो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ह³, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसृची

भूमि श्रौर नीरमान, नया सं० 13, पुराना सं० 6, मृत् गीरामनी सेट, पेरीयमेंट, महात-3 (डाकुमेंट सं० 682/82)

> ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 1**0-**1-83

प्रकाशकार्यः टी. एन. एस.----

(1) श्री जेयकिरुसन्न

(श्रन्तरक)

(2) श्री रमपथ

(ग्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म्(1) के बभीन सूचना

> भारत सरकार कार्वालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

> > ग्रर्जन रेंज,-J, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश सं० 39/मई/82—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० श्रामबुर विश्वनगलम क्रम्म श्रनद पोस्मट वानी-यमपाडी है, जो तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राम बुर डाकुमेंट सं० 914/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, ब्रोर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरमंबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकींगे।

स्फटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं पर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भिम ग्रामबुर विभ्रमनगलम ऋम्म श्रनंद पोसड, वानियमपाडि (डाकुमेंट सं० 914/82')

भ्रार० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴—

तारीख: 5-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

(1) श्री दुवारकानाथ

(ग्रन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना (2) श्रीमती लिलावती

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-!, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 जनवरी, 1983

निवेश सं० 29/मई/82--यत , मुझे, ग्रार० पी० पिलै

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 69, नद पिल्लैयार कोयील स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय छैगारपेट डाकुमेट सं० 212/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1982

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर गम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति ईवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुधी

भूमि और निर्माण 69, नट्ट पिल्लेयार कायील मद्रास (डाकुमेट स० 212/82)

> स्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, मद्रास

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 5-1-83 मोहर: प्ररूप जाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निदेश सं० 17270—यतः मुझे, म्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2 है, जो रामस्वामी स्ट्रीट, मद्रास 17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मद्रास स्ट्रीट (डाकुमेंट सं० 1720/ 82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्चिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चन्द्राबाय

(भन्तरक)

(2) श्री नारायनस्वामी रेड्डियार

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध ना तर्तसम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की प्रामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्ताकरण: ---इसमे प्रयुक्त सन्धी और पत्ती का, की उक्त निधीनयम के मध्याय 20-क में परिभावित है नहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिशा गवा है।

वन्त्जी

भूमि श्रौर निर्माण-2, रामस्वामी स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं॰ 1720/82)

भार० पी∙ पिल्लै सक्षम प्राविकारी सहायक भागकर ज्ञानुक्त (निरीक्षण) ज्ञर्जन रेंज-II, जदास

तारीख: 12-1-83

प्रक्प बार्च, टी. एन. एस ~~~~--

नायकर निधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन स्वता

भारत बर्कार

कार्यायन, बद्दावक जानकर प्रानुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मद्राप्त नद्राप्त, दिनॉक 12 जनवरी 1983 निदेश स• 17287— नत:, मुझे, म्रार०पी० पिल्मी

नामकार निषानिक्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्तात् 'उपता निर्मित्यम' महाः गया है), की भारा 269-स के अभीन तकान शामिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्वात्र बम्मील निसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से निषक है

भौर जिसकी सं० 45 है, जो रनयनातन स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (भौर इससे उपायद में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1025/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 मई 1982

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान्त्र विकल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विद्यान करने का कारण है कि यथापूर्वों कस सम्पत्ति का उचित्त बाजा जूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया नया वित्तिक निम्नीतिबित व्यवस्थ से उसत अन्तरण निम्नित में बास्तीयक स्पूर्व किथात नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-भिवन के अधीन कर दोनें के जन्तरक के वासिरन में कृती करने या उत्तरों वजने में सुविधा के लिए; और/बा
- (था) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, शिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-~ (1) श्रीग्रार० लक्समी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० योगरत्तिनम श्रीर मधरस

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की बवधि, जो भी बबधि वाब में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस बूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास जिचिस में किए जा ककोगे।

स्वधानिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

भूमि और निर्माण-45, रनगनातन स्ट्रींट, मब्राम-17 (डाक्सेंट सं 0.025/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज 11, मद्रान

तारीख: 12-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983 निदेश सं० 17260---यतः, मुझे, श्रार०पा० पिल्लै,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक ह**ै**

श्रीर जिसकी संव सरवे 1629/1 है, जो सोब्रेस रोड, मद्राम-18 में स्थित है (ग्रीर इनमे उपाबद्ध ने ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैंलापुर (डाकुमेंट सं० 1002/82) मे भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधिन तारीख मई 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री रनगस्वामी लक्शमी ननगस्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता उशा श्रोदरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एन्ट्रीकरण --इनमें प्रशुक्त गन्ध भाग नदीं का, जो उपत प्रजिनियम के अज्ञार 20-क में परिमाणित नै, रही प्रर्य होगा, जो उप कडराव में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि--सर्वे सं० 1639/1, मौद्रेस रोड मद्रास-18 (डाकुमेंट मं० 1002/82)

> म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्राम्

तारीख: 12-1-83

मोहरः

प्रकृप आहें.टी.एम.एस.-----

ग्रायक ग्रिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17260—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्या हैं। अस्ति अस्ति मुल्य 25,000/ रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० सर्वे नं० 1639/1 है, जो मौग्नेस रोड़ मद्रास मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजर्म्/कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकुमेंट सं० 1803/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकात का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमत अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए,

बत: व्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, बनुबरण को, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभास (1) के बधीन निधनिविद्य व्यक्तियों, स्थति:—

27-456 GI/82

1. श्री रनगस्वामा लक्षामो रनगस्वामी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० वेनगद्रामन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्षितयों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुस्ची

भूम सर्वे सं० 1639/1, मौब्रेण रोड, मद्रास - 181 (डाक्मेंट सं० 1003/82)

श्चार०पी०पित्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 12-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टा. एन. एस.- - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राक्ष

मद्रास, विनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17260—यतः मुझे ध्रार० पी० पिल्लें शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र में अधिक है । श्रीर जिसकी सं० मर्वें मं० 1639/1 है, जो मोक्रेम रोड़ मद्राम में

धौर जिसकी संग् मर्वे संग् 1639/1 है, जो मोब्रेम रोड़ मद्रास में स्थित है और इसमे उपायंद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय मलापुर (डाक्सेंट संग् 100 1/82) में भारतीय रिक्ट्रिकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधोत, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्ती भारतीय अपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तीरती दक्षण पास है किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- श्रो टी० रनगस्त्रामी, लक्ष्मी रनगस्त्रामी। (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स तिरूमलै इंजीनियर्स (प्रा०) लिमिटेड। (श्रन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुक करता हूँ।

बन्द सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अन्सुची

भूमि मर्वे मं० 1639/1, मौब्रेस रोड़, मद्राम-18। (डाकुमेंट सं० 1004/82)

> ग्रार०पी०पिल्लै मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ा, मद्राभ

तारीख: 12-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17260—यतः मुझे, श्रार० पी०, पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1639/1, मद्रास-18 है, जो मौब्रेस रोड़ में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुर्चः मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में मैलापूर (डाक् मेट स० 1005/82) मे भारतोय रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

1. श्री रनगस्वामी, श्रीमती लक्ष्मी रनगस्वामी। (ग्रन्तरक)

2. मैं सर्स तिरूमलै कनस्ट्रविशनस (प्रा०) लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवित्र या तत्सवंधी व्यित्यों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उन्कत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो तम आलाग में विया गया है।

थनसनी

भूमि सर्वे सं० 1639/1, कौब्रेस रोड, मद्रास -18। (डाकूमेट स० 1005/82)

श्रार०पी०पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहारक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-U, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के, अन्संरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

तारीख: 12-1-1983

प्ररूप नाहरे. टी. एन. एस. -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मणना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17260—यतः मुझे, ग्रार० पं१० पिल्लै, बायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सदाम श्रीक्षकारों का, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसको मं० मर्वे मं० 1639/1 है, जो मौब्रेस रोड़ मदास-18 में स्थित है (और इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैंलापुर (डाकूपेंट सं० 1006/82) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 1982

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रायमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा- 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तितयों, अथित् .--

- 1. श्री टी० रनगस्वामी, श्रीमती लक्ष्मी रनगस्वामी। कनकम्पाल (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जयलक्ष्मी सारनगपानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हूं।

उक्स सम्पर्तिस को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्म्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त प्रव्या और पद्धां का, जो उत्तर बिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 1639/1, मौब्रेश रोड़, मद्राम-18। (डाक्सेंट सं० 1006/82)

> श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, मद्राक्ष

तारीख: 12-1-1983

प्रभाष आहे भार्त ग्रह -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II मद्रास मद्रास, दिनाक 12 जनवरी 1983

निर्देण स० 17288—यत मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको म० 103, ह, जो उस्मान रोड मद्रास-17 में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय टो॰ नगर (डाक्ट्रोट म॰ 1031/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धीन, नारोख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्प्रीस के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दोगित्न में कभी स्राप्त या उगमे क्चन में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हें भारतीय काय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किथा गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृषिका के लिए,

अत: अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती जी० महालक्ष्मी। पठमनाबन।

(ग्रन्तरक)

श्री राधाकृष्ण।

(अन्तरितो)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गृचना क राज्यत्र मा प्रकाशा की नार्णण से 45 दिन का द्यदिए द्या तत्मम्ब्रन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मी ममाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया मां स किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस मूचना क राज्य । में प्रकायन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क म परिभाधित ही, बही अर्थ होगा जो उभ अध्याय म दिया भया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण -103, उस्मान रोड मद्राल-12 (डाकमेट स० 103/82)

> म्रार०पी० पिल्लँ सक्षम प्र⊦धिकारी स**हायक आयकर आय**क्त (निरो°ाण) **भ्रज**न रेज-II, मद्रास

নাক্ষা 12-1-1983

प्ररूप आहा. टी एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज [[] मद्रास मद्राप, दिनाक 12 जनवरी 1983

निर्देण स० 12094---यत मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा मे अधिक है

ग्रौर जिसका मण टी० एस० स० 58/3 है, जो पोल्लाच्ची मे स्थित है (ग्रौर इपने उपावद्ध ग्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के नार्यालय, पोल्लाच्ची (डाकुमेट मण 1421/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीनग्र तारीख मई

को प्रवेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को निए उन्हों र का गर्ड है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निल्तित में वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है –

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के शिए. और/या
- (स) एंकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक-कर अधिनियम, या अक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उदल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिंग व्यक्तियों, अधीत ---

1 श्री के० मानिखाम।

(श्रन्तरक)

2 श्रो परमसिवम।

(मन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण —टी० एस० म० 58/3 पोल्लाच्यो। (डाक्मेट स० 1421/82)

> श्रार०पी०पिल्लै सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-I, मद्रास

नारीय 12-1-1983 मोहर.

प्रकप आई• टी• एव• एस०----

1. श्री रास० नारायन और गरमा।

(अन्तरक)

श्री कनदस्वामी चेट्टियार।

(अन्तरिती)

मायफर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12085—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण 🗗 कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार 🛮 मृस्य 25,000/-रत. संबधिक हैं

और जिसकी सं० 27/48, है, जो मेट्टपालयम तठागम एक्स्टन-शन, कोयम्बेट्र में स्थित है (और इससे उपाव*छ* अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्र (डाक्मेट सं० 2080/82) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वावत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क धायिएवं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह³ भारतीय आय्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अभिन्यिम, 1957 (1957 का 27) की पगोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने मो सानिधा केलिए:

अत. इ.स., उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण **क्रो, धी, अक्त अधिनियम को धारा 2**60**-ध की उपभारा (1)** 📭 अभीन, निम्नुलिचित्र स्थन्तियो, अर्थात् 🗝

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचनाके राज्पत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाग।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जबत अधिक्षियम के अध्याय 20 % म पीरभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण-27/48, मैट्ट पालयम नठागम एकस्टेन-शन, कोयम्बेट्र।

(डाक्मेंट सं० 2080/82)

आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मब्रास

तारीख: 12-1-1983

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क बर्धान स्पना

भारत मग्कार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. मद्रास

मद्रास, दिनाक 12 जनवरी 1983

निर्देश स० 12110---यत मुझे आर०पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थारर सम्बोत, जिसका उचित बाजार मन्ब 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी स० सर्वे स० 9/428 पी० और 8/1418/2 पी, है, जो कोयम्बेट्र में स्थित है य(और इससे उपायद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याय कोयग्बेट्र (डाकुमेट स० 2228/82) मे भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 1982

को पवाकित सम्परित के उचित बाजार मृल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहर्पात्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्निरिक्ति इयुद्ध । १ १८ जा में लिल्क्स में वास्तिबक रूप से कि भित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उरसे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, रिक्टों के कीम जात है जी विनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयिम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, फिगाने से मविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षे अधीन निम्नसिस्त व्यक्तियो अर्थात्:---

(अन्तरक)

2 श्री सी० जानकरामन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हां।

अनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप .---

- (क) इस स्थाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जंबीभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बंदिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत म्यदिसयों में में । कसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवदथ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भूमि सर्वे स० 9/428 पी० और 8/1418/2 पी०, कोयम्बेट्र ।

(डाक्मेट स० 2228/82)

(भार० पी० पिल्लै) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. मद्रास

तारीख . 12-1-1983 मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री कलपकम कृष्णन।

(अन्तरक)

2. श्री जी० रामचंद्रन।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मुषीन सुपना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17282—यतः मुझे आर० पीं० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, जो वेनकटेसन स्ट्रीट मद्रास-17 में में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्मेंट सं० 1108/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को प्वेंकित सम्मित्त के उचित काजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रिंतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जुलारण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 28—456 GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -8, वेनकटेस्सन स्ट्रीट, मद्रास-17 । (डाकूमेंट सं० 1108/82)

> आर० पी० पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 12-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17291—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 9, रामानुजम चेट्टी स्ट्रीट है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्सेंट सं० 1107/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उजित भाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा के सिए।

अक्षः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीत, निम्नितिश्वित व्यक्तिओं, जर्यात् :---

- 1. श्रीमती देविका रानी और के० शान्तकुमारी । (अन्सरक)
- 2. श्री के० सोरनम।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बत्ति को वर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :---

- (क) इस स्चना के एजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-9, रामानुजम चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-34। (डाक्मेंट सं० 1107/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 12-1-1983

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17290—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० 76, है जो बसुल्ला रोड़ मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेंट सं० 1076/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफात से अधिक है और अन्तरक अन्तरको और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये और/या
- (क) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिया का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, जिम्निसित व्यक्तियों, अधीतः—

- श्रीमती अनिता श्रीहरी और श्रीमती प्रीती श्रीहरी। (अन्तरक)
- 2. श्री राम अरजुन राज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किए था सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-76, बसुल्ला रोड मद्रास-17 । (डाकूमेंट सं० 1076/82)

> लार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-1-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17207—मत. मुझे आर० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० बी०-2 है, जो रागवैय्या रोह, मद्वास-17 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास और (डाक्सेट सं० 1638/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखत में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्ष्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जे० रतमलू।

(ध्रन्सरक)

2. श्रीमती के०ए० मरजन बेगम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां सूक्त करता हूं।

उनक सम्पत्ति के नंतिन के सम्बन्धा में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वयंकीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया सथा है।

नमृत्यी

भूमि-प्लाट सं० बी०-2, 4, रागवय्या रोड, मद्रास-17। (डाकूमेंट सं० 1638/82)

श्चार० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 13-1-1983

मोहर

प्रकप शाई • टी • एन • एस •

आयकर प्रवितियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के यधीन सुचना

भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्वेश मं० 12114—यतः, मुझे, झार० पी० पिल्ली, ग्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृश्य 25,000/- क० से श्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० जीं० एस० सं० 384/1 है, जो टेलुनगुपालयम कोयम्बेटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बेट्ट (डाक्मेंट सं० 2111/82) में रजिस्ट्री-

करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखिन में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, जनत भ्रम्नियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के यायित्व में कमी करने बाजससे बचने में सुविध। के भिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीव्यतियम, या धनकर श्रीव्यतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री त्री० रनगस्त्रामी नायखर, श्री भ्रार० मुनियजन।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती ए० जानकी श्रौर श्री ए० विसवनातन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिएकार्वकाश्चिमा करताहुं।

उनन सम्मति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की शवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्वना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दा -बौर पर्वो का, जो -खक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया बया है।

वनसूची

भूमि जी० एस० सं० 384/1, टेलुनगुपालयम। (डाकूमेंट सं० 2111/82)

> श्रार०पी०पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्राक्ष

तारीख: 12-1-1983

प्रक्ष बाह् . टी. एन्. एस.-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आधकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12114—यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सर्वे सं० 384/1 है, जो टेलुनगुपालयम कोयम्बेट्टर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्टर डाक्सेंट सं० 2110/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृस्य से कम के इस्यमान
प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एंसे दश्यमान प्रतिफाल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफाव निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किसत में वास्तिक
क प से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण बेहुई किसी बाव की बाबत, उक्त अभिनियत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बुचने में सुविभा के सिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को जन्मरण बो, मी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को सभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नर्भात्:—

- श्रो वी० रामस्वामा नायखर भ्रौर म्रार० मुनियापन। (भ्रम्सरक)
- 2. (1) श्री धार० धनंसनारायनं।
 - (2) श्री पी० ग्रार० रामक्षणन्।
 - (3) श्री पी० आर० बालसुत्रमनियम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाद के समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूज्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 384/1, देलुनगुपालयम कोयम्बेटूर। (डाकूमेंट सं० 2110/82)

ग्रार०पी० पिल्लै सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 12-1-1983

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12111—यतः मुझे भ्रार० पा० पिल्लै आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० जी० एस० सं० 350/2, 351/2 है, जो सनगन्र, कोयम्बेट्ट्र मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्र (डाक्मेट सं० 2192/82) मे भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्म्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भें बास्तिमिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे यवाने में सविधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री पी० टी० जोस।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स बामबे सीयनद, पाल सोसायटी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धीव्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी ये पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **ह**ै, बही अर्थ होगाजो उस अभ्याय में **वि**या गया हैं।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-जो० एस० सं० 350/2, 2351/2 सनगनूर कोयम्बेट्ट्र।

(ज्ञान्मेंट सं० 2192/82)

मार० पी० पिल्लै सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राप्त

तारोज: 12-1-1983

प्रस्प माइ. टी. एनः एडः-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्मान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17283—यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है ग्रार जिसकी स० 15ए, है, जो बीग रोड़ मद्रास 17 में जिसकी स० 15ए, है, जो बीग रोड़ मद्रास 17 में

स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकूमेंट सं० 1267/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बजने से सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था कियाने में सुविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री विसवनात जजोठिया।
 - (2) श्री कासिनास जजोठिया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजारामन श्रीर ग्रदर्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पृथा कत संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तक्ष्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इतमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्तः अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-15ए, बोग रोड, मद्रास-17। (डाक्मेंट सं० 1267/82)

> श्चार०पी० पिरूलै सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-1-1983

प्रकप आह. टी एन. एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनाक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17252---यतः मुझे श्वार० र्प ० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मन्य 25,000 ∕- रु. संअधिक है। ग्रीर जिसकी मं० है, जो मद्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ना अधिकारों के कार्यालय में लापूर (डाकमेंट मं० 871/82) में भारतीय रजिस्द्रिकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नार्र ख मई 1982 का पर्वोक्त सपत्ति के उभित बाजार मन्य सं कम इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरममान प्रतिकल सं एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और

अन्ति (अन्तिरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिणित उवदेश्य से उक्त अन्तरण

लिखिन में वास्तविक रूप में किशत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के नायिस्व मो कमी करने या उसमें बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 29 -456G1/82

1 श्री पात्रेनामज्ञाण ग्रौर बीरपाठिय नाठार।

(भ्रन्तरक)

2 श्री राम० विश्वस्वार्मा।

(ग्रन्निरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य त्र्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि—भाजाम (1 ग्रेड श्रौर 424, स्कोयर फीट) (डाक्मेंट मं० 871/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंग, सद्रास

तारीख: 13-1-1983

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०--

श्री टीं० सुन्दर विठवेलुं।

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17199—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै ग्रायकर पश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके पश्चात् 'दात अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269 ख के ग्रधीन पश्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 14ए, है, जो सरवन मुदली स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्सेंट सं० 951/4) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वानन रन्मिन के उचिन बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वानन सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान उतिकन में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्ष्टह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहे इस से अक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक कम से विश्वत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिंबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंबनियम, या अन-कर प्रिर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, छिन्छन में सुनिधा के लिए;

त्रतः अव, उन्त त्रधिनियम की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नचिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

2. श्रीमती के० सी० ग्रनुरादा श्रीरिवासन।

डरत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, बो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है, वही घंषं होगा, जो असअध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—प्लाट 14 ए, सरवन मुदली स्ट्रीट, मद्रास-17] (डाकूमेंट सं० 951/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 13-1-1983

प्ररूप धाई• टी• च्न• च्व•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, मद्रास मद्रास, विनोक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17200--यतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन अधिनियम' नहा नया है) की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्लित बाजारं मूल्य 25.७90/- ६० से ग्रिधिका भौर जिसकी सं० फ्लेंट नं० बी० 5, (नया सं० 1ई) फस्ट फ्लोर है, तथा जो 37ए, मोटिलाल स्ट्रील, मब्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर, (डाक्मेंट सं० 963/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वीक्त सम्मण्डि के डोजित बाबार बुस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिस्वास करने का कारन है कि यथापूर्णस्त सम्मत्ति का डिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभाग प्रतिकथा का पण्डह पश्चित से मिन्न है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (क्रम्लरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के जिये तय पाया गया प्रक्रियात, निम्नलिखित सबेश्य से उन्त प्रम्यरण शिक्ति में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है 🌬

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्नसे बचने में सुविधा के निए, जौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य वास्तियों कः जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, मा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया यह था या किया जाना चाहिए था, डियाने म सुविधा के निए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती चंद्रकला गुलेचा।

(भ्रन्सरक)

2. श्री टी० सुन्दरविवेतु।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के विष कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीध से 45 दिन की अविध या तस्मेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पदक्षेण्ठरण: --क्समें प्रकृत शक्तें और पढ़ों का, जो उकत अक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है जहीं प्रभी होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रम्भी

भूमि ग्रीर निर्माण—पलेट बी०-5, (नया सं० 1 ई०) 37ए, मोतिलाल स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाक्मेंट सं० 963/82)

> धार०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 13-1-1983

मोइरः

प्ररूप नार्षं .टौ. एन . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17203—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- रा से अधिक हैं जिसकी सं. 4 हैं, तथा जो हबिब्लन रांड-। स्ट्रीट, मदास-17

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी नगर (डाकूमेंट सं० 9क 4/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितया) का बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

गास्तिविक रूप सं किंथत नहीं किया गया हैं: --

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी भाग मा किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन निम्नसिवित स्पिक्तयों, नर्मात् :---

(1) श्रीनागम्मा वासुदेवन।
 (2) श्री एस० वासुदेवन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती वी० लीला।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गर्मा है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण -4, हिबबुल्ला रोड-I स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्मेंट स० 974,82

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-1-83

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेश सं० 17426—-यतः, मुझे, भ्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्व 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16 है, जो IV स्ट्रीट सुबराय नगर मद्रास-24 में स्थित है (श्रौर इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाकुमेंट सं० 1824/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अर्तारितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए ह्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण व हुई किसी बाव की बावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

नत: नन, उनत निर्मिणम की धारा 269-म के नमुखरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, मिम्नुलिखित व्युक्तियों, नधृति :---

(1) श्री कें ० एस० के ० मूर्ती

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० श्रब्दल रहमान

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृथा कत सम्परित के अर्थन से सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 हिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हिर्-बव्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरणः — इंश्में प्रयुक्त चन्दों और पदों का, जा उक्त जिभिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 16, IV स्ट्रीट, सुबराय नगर, मद्रास-24। (डाक्मेंट मं० 1824/82)।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख 13-1-1983 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री मेरिया रोजलिन लूसिया

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हाजी मोहम्मद ग्रबदुल कादर मलाकायर

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निदेश सं० 9801—यतः, मुझे, घार० पी० पिल्ल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 29 भौर 29/1 जवाहरलाल नेहरू स्ट्रीट है, जो कार केवल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कार केवल (डाकुमेंट सं० 258/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने मं सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामींल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हॅ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण 29, 29/1, जवाहरलाल नेहरू स्ट्रीट, कारैक्काल (डाकुमेंट सं० 258/82)।

> भार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थत् :--

तारीख: 12-1-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निदेश सं० 9805—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'टक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० है, जो वेनकटा नगरसरम, श्रीलुकरें में न्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी मे श्रीर पूर्ण ख्य से विणित हैं). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीलुकरें (डाकुमेंट सं० 569, 570/82) में

16) के प्रधीन तारीख मई, 1982
को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के लिए;

गत. अत्र., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेरी सुधुना जोसिफन भीर भ्रनदर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रहल देवदास ग्रादि ग्रौर ग्रनदर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों से से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण वेनकटा नगर, सरम श्रीलृकरैं (डाक्टु-मेंट सं० 569, 570/82)।

> ग्रार० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 12-1-83

प्रक्ष थाइ. टी. एन. एम.----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज II, जयपुर

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निवेश सं० 9799—यसः, मुझे, स्नार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टी० एम० 135, 16, डोर सं० 2ए, 10, कालनी मैन है, जो रोड तिल्लैनगर, द्रिची में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रीधकारी के कार्यालय, थोरेयूर (डाकुमेंट सं० 1127, 1138, 1142, 1175, 1176, 1177/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वीक्ष्त् सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकास के, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नीसिक्ति उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधि। नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाम में मौत्रिया के लिए:

अतः अव, जकत विधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) लक्ष्ममन चेट्टियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारायनस्वामी ग्रांर ग्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोह काक्षर के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण टी० एस० 135, 16, 2ए, 10 कालनी मेन रोड, तिल्लैनगर, ट्रिची।

(डाक्मेंट सं० 1127, 1138, 1142, 1175, 1176 1177/82)।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मदास

तारी**ख** : 12-1-83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----(1) श्री एस० घुह राय

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

(2) श्री पी० शनमृहनातन

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेश सं० 17280--यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8 है, जो वाहमीकि स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1150/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ४०० यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उबदेश्य से उस्त बंतरण लिखित में **वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है**ं—

- (कः) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अभिनियम, 195**7** (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती खबारा प्रकट नहीं किया गया था वा कितया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---30--456GI/82

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण-८, बालमीकि स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाकुमेंट सं० 1150/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 13-1-83

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुधना

(1) श्री एस० घुहरे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० शनमुहनातन

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्थन रेज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 17292—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 7, है, जो बालमीकि स्ट्रीट, मद्रास-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट स० 1149/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्स संपति का उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नलिक्त उद्देश्य में अक्त अन्तरण निमित्त में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा काच्छ, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा कन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनाथ अन्तरिती दुगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वाच लिख में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बर संची

भूमि श्रौर निर्माण 7, बालमीकि स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाकुमेंट सं० 1149/82)।

> म्रार० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-II, मद्रास ।

नारी**ब** : 13-1-**83**

प्रकप चाई• टी॰ ए॰ • एस•--

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निवेश सं० 17264—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/क के से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है, तथा जो बीनस कालोनी 1 स्ट्रीट, मद्रास 18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (ढाकुमेंट सं० 971, 972, 973/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मर्च 1982

को पूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य से कम के द-श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकी और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सूबिधा के शिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० एस० भम्बुजम भौर भन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० साकु बाय

(भन्तरिती)

को **यह सूचना जारी** करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **वर्जन के लिए** कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणं:---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अभं होगा. जो उस अध्याय में रिणा गया है।

यम्सूची

भूमि ग्रीर निर्माण 4, बीनस कालोनी, मद्रास-181 (डाकुमेंट सं० 971, 972, 973/82)।

श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 13-1-1983

मोहर ३

प्रकप बाह् .टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेश सं० 17276—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5 है, जो बाबु राजेन्द्र प्रसाद स्ट्रीट, मद्रास-33 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1210/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक कम, निम्मलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक कम से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई जि़सी आय की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अस्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

नतः सब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उनते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निसिचित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री नटराजन ग्रीर मन्य

(ग्रन्तरक)

(2) एस० ग्रप्पास्त्रामी, उषा जानकीरामन (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वों क्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरगबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पट्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

भूमि श्रीर निर्माण 5, बाबू राजेन्द्र प्रसाद स्ट्रीट, मद्रास-33।

(डाकुमेंट सं० 1210/82) ।

म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 13-1-83

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निवेश सं० 17201—स्यतः, मृझे, ब्रार० पी० पिल्सै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 2, है, तथा जो गांधी स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 965/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त जंतरण लिचित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उबस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरग में, में, उसस अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मुधीन, गिम्मुसिबित व्यक्तिमों, अधीत :-- (1) श्री टी॰ स्वामीनाथन मुदलियार

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जी० नागराजन

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम् के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्धु किसी बन्ध-व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण :----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

भूमि ग्रौर निर्माण 2, गांधी स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाकुमेंट सं० 965/82)।

> श्रार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 13-1-83

प्ररूप आर्थ: दी. एत. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निवेश सं० 17266—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर निर्मानम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजाए मूख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी स० 1, 2, 3, 4, 5, 5ए, 6, 7, 8, 9, 10 11, 11ए भौर 11ए1 हैं जो तिरूचिनाकुष्पम रोड, तिरूवी-द्रियूर, मद्रास में स्थित हैं (भौर इससे उपाबब भनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिरूवोद्रियूर (डाकुमेट सं० 1295/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भाधिनियम, 1998 (1908 का 16) के भाधीन तारीख मई 1982

को पूर्वेक्ति संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निनिचित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण सिचित में पास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उचन अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उत्तस वचने में मृश्यिभा के निए, बार/वा
- (व) एंती किसी नाव या किसी थन वा क्य वास्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना था विहए था, छिपाने में सुविधा के दिव;

क्य: इन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के ननुबरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी कृष्णुलक्मी

(भन्तरक)

(2) मेटल कम्पोनेन्ट्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

de were

भूमि ग्रौर निर्माण 1, 2, 3, 4, 5, 5ए, 6, 7, 8, 9, 10, 11 11ए ग्रौर 11ए1, तिरू चिनांकुंप्पम रोड, मद्रास-19। (डाकुमेट सं० 1295/82)।

श्रार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 13-1-1983

त्रकप जाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्गायक नायकर नामुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेश सं० 17210—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के बचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधक हैं

भौर जिसकी सं० 69 है, जो पोयस गारठनस, मद्रास-600086 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाकुमेंट सं० 1706/82) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूधयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूधयमान प्रतिफल से,, एसे दूधयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्विश्य से उक्त कन्तरण में वास्तिक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती श्रनिता श्रीहरी अनवस्वामी (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सावित्री शनमुह वेलायुतम (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रियों करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हिस-व्यथ किसी बन्म व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए का सकरेंगे।

स्वध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

and the

भूमि भौर निर्माण-69, पोयस गारठनस, मद्रास-82 (बाकुर्मेट सं॰ 1706/82)।

> मार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, मन्नास

तारीख: 13-1-1983

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के ज्भीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निवेश सं० 17286—यतः सुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 43 है, जो बसुल्ला रोड मद्रास 17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 962/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिश्चित में बास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरच से हुइ किसी जाब की बाधत, उपल अधिनियम के जधीन कर दोने के जलारक को दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी अध वा किसी अन वा अन्य आस्तियों की, खिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्रोप्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

नतः नव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त निभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को नभीन, निस्तिसिष्ठ व्यक्तियों, नुर्भातु:—— (1) श्री एस० नारायन एन० रमनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो परमेस्वरी नटराजन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्यस्टीकरण्: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

जन्तुची

भूमि भौर निर्माण----43, बसुल्ला रोड, मन्नास-17 (डाकु-मेंट सं० 962/82)

> ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी स**ड्डायक मायकर मायुक्त (निर्दाक्षण) मर्जन रेंज-2, मद्रा**स

तारीच : 13-1-1983

प्ररूप. आर्ड्. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेश सं० 17281-यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 14, II स्ट्रीट है, जो डाक्टर शिरूमुरतो नगर मद्रास-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्-मट सं० 1140/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफर्ल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त विधानियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---31-456 GI/82

(1) श्री टी० जानकी

(ऋन्तरक)

(2) श्री मिरसा मोहम्मद जावड नमासी

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भृमि ग्रीर निर्माण--14, II स्ट्रं।ट, डाक्टर तिरुम्रती नगर, मद्रास-34 (डाक्मेंट सं० 1140/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारो भहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-1-83

प्रकृष् आ**इं**.टी<u>.</u> एन्. एस .------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1983

निदेण सं० 17274—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हुँ और जिसकी सं० 28 है जो हाडोस रोड, मद्रास—6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणिन है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारों के कार्यालय मद्रास, साउथ, (डाकुमेंट सं० 1768/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जार/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

नदः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्रा होमा एफ० कपाडिया राडबे एच० कपाडिया फेरडून एच० कपाडिया

(श्रन्तरक)

(2) श्री अरजुनदास टनवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ली में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि--20, हाडोस रोड, मद्रास-6 (डाकुमेंट सं० 1768/82)

न्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-II, मद्रास

तारीख: 13-1-83

प्रस्प भाई वटी व एन व एस ----

आवकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-, ।हमदाप्रस्द

भ्रह्मदाबाद, दिनाक 13 जनवरी 1983

निदेश सं० 17278—स्वतः हुझे, ग्रार० पी० पिल्ले ग्रायकर प्रोधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इन एक्वान 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम राजिकारों की यह विश्वान करने का तरण है कि स्थावर सम्मत्ति जिमका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

स्रीर जिनकी सं० 30, है जो आरकाट मुदलियार स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (श्रार इसने उपाबक में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रं (अर्थिकार्र) के कार्यालय टा० नगर (डाकुमट सं० 1185/82) में भारताय रिजस्ट्रे।करण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मई 1982

नियम, 1908 (1908 की 16) कं अधीन मह 1982 को र्वांश्व स्थानि क ट्विंग बाजार म्ल्य में हम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए प्रांतरि ! को गई दै और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्व पस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल भ, ऐस र्थामान प्रतिफल का पन्तर् प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन हरेश्य म उन्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक छल से कथिन नहीं किया एया है:---

- (क) अनरण य हुई किया प्राय का वाता, उक्त प्रधि-।नयम के प्रधीन कर दने के प्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने पा उपय बचने व युविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या ग्रन्य ग्रास्तियों ता जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री पी० कृष्णामाचारी के० एस० रागवन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो के० एस० भ्रनंतनारायन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उना सम्मत्ति कं पर्मन के सम्बन्ध में कोई भो श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास खिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पर ीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदीं का, जो उक्त ग्राधिः नियम के खध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अये होगा, जा धन भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-30, श्रारकाट मुदलियार स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 1185/82)

> न्नारः पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, मद्रास

तारीख: 13-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, नई दिल्ली नई दिल्ला, दिनांक 8 दिसम्बर 1982 सं० श्चाई०ए०सी०/एक्यू० 1/एस०श्चार०-3/5-82/216--श्चतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० छिप भूमि हैं तथा जो माप 2 बीघा श्रीर 8 बिसवा गाय बिजवासा तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा मे पूर्ण रूप से विजित रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारों। के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एरूसे किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ग्चने में सुनिधा के लिए; अरि/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री घोर सिंह पुत्न श्रामा राम निवासी किशनगढ़, महरोलो नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बर्मन फारमस प्रा० लि० 8/3 असफअली रोड, नई दिल्ली के निदेशक बीठ केठ पोपलोद्वारा

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 2 बाघा ग्रींर 8 बिसवा एम नं० 48, किला नं० 25, बिजवासन, तहमील महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निर्राक्षण ग्रर्जन रैज, नई दिल्ली-110002

नारोख: 8-12-1982

मोहरः

बंच नोच देवा आयोग

नोटिस

चारतीय बन सेवा परीका, 1983

सं॰ एफ • 13/4/82-प •-1 (च) नई दिल्ली-110011, दिनोक 12 फरवरी, 1983

बारत के राजपक्ष दिनांक 12 फरवरी, 1983 गृह मन्त्रासय (कार्मिक बीर प्रशासनिक सुझार विभाग) हारा प्रकाशित नियमों के अनुसार बारतीय यन सेवा में कर्ती के लिए संब कोक सेवा आयोग हारा अवरतवा, बहुमबाबाद, इलाहाबाद, ऐजस, अंगनीर, भोपाल, बस्बई, कसकता, प्रव्ही-वह, कोचीन, कटक, विल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, प्रस्काध, हैटाबनर, व्यपुर, जम्म, जोरहाट, कोहिमा, सबनक, मन्नास, पानपुर, ववनी (गोवा), पटना, पोटेंक्नेयर, क्रिलाग, शिमला, अनियर खवा किवेन्द्रम में, 24 जुलाई, 1983 से एक प्रतियोगिता परीका ली आड्नी।

आयोग यदि चाहे तो उनत परीका के उपर्युक्त केन्द्रों तथा सारीकों में विदिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उन्त परीक्षा के जिल्ह का कि नि सभी प्रमास किए जायेंगे तो भी आयोग विदिव्यतिका किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अनग केन्द्र दे तकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रकेश वे विधा आधा है खेलूं समय सारणी तथा परीक्षा स्वल (त्थलों) की खानकारी थे को बायुनी (अनुबन्ध I, पैरा 11 देखिए)।

इस परीक्षा के परिणाय के आधार पर भरी जाने वासी रिक्शियों
 अभुमानित सं
 100 है। इस संख्या में परिवर्तन किया था क्यातः

प्ररकार द्वारा यवाविधीरित रिक्तिओं के संबंध में अनुसूचित आखिओं जोर बनुसूचित अन जातियों के उन्मीदवारों के निष् धारक्षण किना जाएना।

3. परीका में प्रवेश पाहने वाले, उम्मीववार की निर्वारित अधक वर सचिव, संव लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 की सावेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्न तवर परीक्षा के सम्बद्ध पूर्ण विवरण को कामे (व॰ 2.00) श्रेय कर शामोन के शास्त्र हारा प्राप्त किए का ककते हैं। यह राजि, सचिव, संव कोक सेवा सावीव, बीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआवंद या सचिव, बंध बोक सेवा आयोग को नई विल्ली अनरत वाकपर वर वेय वादशीय पोस्टल आवंद हारा केवी जानी वाहिए। मनीवावंद/पोस्टल आवंद के व्यान पर चैक वा फरेंसी बोट स्वीकार नहीं किए कामेंने। में बायेबर प्रवान पर चैक वा फरेंसी बोट स्वीकार नहीं किए कामेंने। में बायेबर प्रवान पर चैक वा फरेंसी बोट स्वीकार महीं किए कामेंने। में बायेबर व्यान पर चैक वा करेंसी बोट स्वीकार महीं किए कामेंने। में बायेबर विवास कामेंने। कामा के कामक्टर पर नक्क धुवतान हारा की प्राप्त किए वास्तव में यापत वहीं की वाएगी।

नोड: -- उम्मीक्यारों को चेतावनी दो चाली है कि वे अपने जावेक्स-चल मारतीय वन सेवा परीका, 1983 के लिए चिंकी-रित मृद्धित प्रपक्ष में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वच केवा चरीका, 1983 के लिए निर्धारित अवेदन-मधर्मे के इस्ट प्रपक्षों पर भरे हुए आवेदन-पक्षों पर विचार नहीं किया जाएना।

4. उम्मीदवार उक्त सेवा के लिए जिस राज्य/संयुक्त संवर्ग में वाशंडय हेतु विचारण का इच्छुक है उसे उसके बारे में भावेदन-प्रपन्न के कालय 28 में अपना वरीयता कम लिखना चाहिए।

उम्मीयबार क्षारा आवेदन-प्रपक्ष में निर्विष्ट राज्य/संयुक्त संवर्ष हेष्ठु वरीयता कम में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई स्थान तब तक वहीं विशा जायेगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्याक्षय से जनत परीजा के लिखित थाय के परिणाम के "रोजवार समाधार" है प्रकाशन की तारीज से 50 दिन के अन्दर आध्य नहीं हो जाता है। साबोब वा सारत सरकार जम्मीदवारों को कोई देश बच्च नहीं भेजेगा, जिन्हों जनके आवेदन-पन्न प्रस्तुत कर देने के बाब विभिन्न राज्य। संबुक्त संवर्गों के लिए परिकोधित वरीमता, यदि कोई है, निर्दिष्ठ करके को बन्न जाए।

अरा हुआ पक्ष आवेदन-पक्ष धावश्यक प्रलेकों के साथ सविष्, सेव बांक सेवा आयोग, घीलपुर हाउस, नई विस्ती-110011 को 4 अप्रेस, 1983 (4 अप्रेस, 1983 से पहले की फिसी तारीक से विकेशों से तथा संबंधान एवं निकोशार ही?समृद्ध, स्वन्नहीप, अस्य, नेश्वलव, सक्वावल प्रदेस, मिश्रोरम, मिणपुर, नागानिष्य, खिपुरा, सिविकथ बचा खच्चू और कश्मीर के खहाब विशेषन/दिमाचस प्रवेस के खात्तीय और स्पीति विक्षे में रहने वाले उम्मीवचारों सौर जिनके आवेद्य-प्रवक्ष प्रवर्षित में से किसी एक दोव से बाक हारा बास्त होते हैं उबके मामले में 18 अप्रैस, 1983) तक मा उससे पहले बाक हारा स्वयं प्रिक्ष विश्व वाल् वा स्वयं आयोग के काउन्टर पर खान्नर प्रमा करा विका खाय। विकारित तारीक के बाद प्राप्त होने वाले किसी प्री आवेदक विकार स्वाव स्वाव वाल्य वा स्वयं आयोग के काउन्टर पर खान्नर प्रमा करा विका खाय। विकारित तारीक के बाद प्राप्त होने वाले किसी प्री आवेदक विकार स्वाव स्वाव वाल्य वा स्वाव आयोग।

विदेशों में या अंक्रमान एवं तिकोबार द्वीप सबूब, सडाद्वीप, असम, सेबाह्य, अदलाबल प्रवेश, निजं,रम, मणिपुर, नागाबिण्ड, जिपुरा, मिनिक्रम और अध्मू तथा करमीर राज्य के लहाता दिवीजन/दिमानन प्रवेश के लाहील और स्पीति जिले में रहने बाले उन्मील्यारों से प्रायोग यि वाहे हो इस पात का सिजित प्रमाण प्रस्तुत करने के बिए कह सक्छल हैं कि बद्ध 4 अप्रैल, 1983 से पहले की किसी तारीब से पिवेशों में या खंख्याय एपं निकोबार द्वीप समूह, सक्यीप, असन, बेबालय, अदणावण प्रवेश, विजोरम, मणिपुर, नागाविज्य, बिपुरा, विक्रमण और जम्मू ६ क्याबीर राज्य के सहाब विवीजन/हिमाबल विशेष के सादील और अमि

- बंग्ड (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जक्षा के रहते बाकें आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त चनन के दृक्ष्वार हैं उन्हें बावेदन-रक के संगत कावल में अपने पर्तों के अतिरिक्त समय के हक्ष्वार इलाके वा केब का नाम (अपित असन, नेनासन, जम्म कवा क्योर राज्य का स्वाब केस बावि) रूप्य क्य के विकित्त क्रिया क्या वाहिए अन्यवा हो सकता है कि छन्हें अतिरिक्त स्वयव का नाम व निसे।
 - (ii) जम्मीववारों को तबात वी वाधी है कि वे अवते आवेषम-नवाँ को स्थय सं न सो न वे न वान के काज्यवर वर बमा करावें धावना रिवस्तवें डांच क्षारा नेवें । बायोग के जिल्ली अन्य समेचारी को विष् नए जावेचक-पढ़ों के लिए बायोग जलरवानी नहीं होगा।

6. परीक्षा में मनेम नाइने वासे उम्मीववारों को परे शुए आवेषय-पक्ष के जान आयोग को व॰ 48.00 (प॰ नपुताबीय) [जनुतुन्तित वालियों तीर अनुतुन्तित चन आसियों के मानते में व॰ 12.00 (प॰ बारमु) ना मुख्य जेजना होया को जि स्वित्, संग लोख देवा जायोग को यह दिल्ली के समान डाक्यर पर देन रैकांकित चारतीय पोस्टल बार्कर या तिवन, संग लोक देवा जायोग को स्टेड वैक बाफ इंडिया की मुख्य बाखा, नई दिल्ली में वेम स्टेड वैक बाफ इंडिया की शाखा के बारी किए गए रेकांकित वैक इंग्लंड के रूप में।

जिन आधेदन-पत्नों में यह अपेशा पूरा नहीं होगी उन्हें किर्दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो शीचे के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छट चाहते हैं।

7 आयोग यवि चाले तो, उस स्थिति में निर्धारित णुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सतुष्ट हो कि आवेदक या नो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के श्रीच की शब्द में पूत पूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) से भारत आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बमी से वास्तविक रूप में प्रस्थावितित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उपने बाद भारत में आया है या वह एक वस्तुत. प्रत्यावितित मृत्यत भारतीय व्यक्ति है, जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रोलका समझौते के अन्तगत 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या अने वाला है या भृतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 माम, 1973 के श्रीच भा अवधि कंदौरान भारत प्रयन्त कर चुना था और निर्धारित गुल्क देन जी स्थिति में नहीं है।

8 जिस उम्मीदबार ने निर्धारित शृत्क का भुगतान कर दिया हो किन्यु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो हो उसे ६० 30/-(इपय तीम) [अनुभूजित जातियों और अनुभूचित जन जातियों के मामलों में ६० ९ ०० (६पये आठ)] की गांध वापस कर दी आएगी।

उपर्युक्त एवं मीने पैरा 9 में उपरिचित्र व्यवस्था का छोड रर अन्य किसी दी स्थिति में आयोग यो भुगतान किए गए शुरक्त की वायसी के किसी दावें पर न ना विचार शिया जाएगा और न ही शुल्क की किशी सम्य या वयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9 यदि कोई उम्मीदवार 198° में भारतीय यन गेथा परीक्षा में बेस है और वह अब इस परीक्षा में प्रदेश का इस्कुल हो, ता बढ़ परीक्षा परिणाम अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रनीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पन्न निर्धारित नारीक्षा नक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। यदि 1982 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुसंसा हा जाती है, जो 1983 की परीक्षा के निए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रह कर दी जाएगी और उन्हें, परीक्षा शुल्क वापम कर विया गाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उग्मीदवारी रूट करने नथा शुल्क वापमों के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1982 की परीक्षा के कादनल परिणाम के "रीजगार समाचार" में अथाशन की तारीक्ष से 30 दिन के अध्वर अवश्य पहुन आए।

10. आवेयन-पक्त प्रम्तुत करने कं नाव उम्मीदवारी की वापभी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के प्रनुराक्ष पर किसी भी परिम्थित में विकार नहीं किया जाएगा।

1.1 जैमा कि परीक्षा नियमात्र-ती के परिक्रिष्ट 1 मे उल्लिक्तित परीक्षा योजना मे निविष्ट विया गया था, भामान्य ज्ञान के प्रश्न-पक्ष में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना-निवर्णणका" के अनृबद्ध II का अवलोबन कर !

माः बालाष्ट्रण्णन, उप मिष्य सघ लोक सेवा भायोग

अस्बन्ध 🛚

उम्मीदवारो को अनुदेश

1 उम्मीदशार को आवेदन पत्न भरने से पत्नले अपनी पालता समझ केने के लिए नोटिस और नियमावली, का ध्यान से पढ़ लेना चाहिए। निर्मारित शर्नी मे कोई छट नहीं दी जा सकती है।

आधेदन पत्न भेजने से पहले अध्मीदनार को नाटिस के पैराग्राफ 1 में बिए गए केण्यों में से किमी एक का, जहा न्छु प्रीक्षा देने का उच्हुक है, अतिम रूप से पुन लेना चाहिए। उम्भीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि कंद्र में परिवर्तन से भन्य अनुरोध की नामान्यतया म्बीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीक बार अपने उस बेन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु प्रपक्ष आवेदन में निर्देश्य किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पन्न रजिन्द्र बाक में अवश्य भेजना चाहिए कि वह केस्त्र में परिवर्तन क्यो चाहना है। ऐसे बनुरोधो पर गुणवसा के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 24 ज्न, 1983 क बाब प्राप्त अनुरोधा को किथा भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2 उम्मीदवार को आधेदन-पत्र तथा पावती-कार्ड अपने हाय से ही स्याही से या बाल जाइण्ट पेन स भरने बादिए। अधूरा या गखत भरा हुआ आवेदन पत्र अस्तीकार कर दिया जाएगा।

उप्मीदिवार यह ह्यान रखें कि आविदन पत्र मरते समय उन्हें पारतीय अको के केवल अतर्गष्ट्रीय स्पो का ही अयोग करना है। चाह माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीक हिन्दी कको में दर्ज है तो भी उपमीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आविदन प्रपक्ष में प्रविश्व करते समय इसको भारतीय अको के केवल मन्तर्गाहरीय रूप में ही लिखें वे इस बारे में विणेग सावधामी बरतें कि अपनेदन-पत्र में की गई प्रविश्व हिन्दों स्पर्ध और सुपाट्य हो। यदि ये प्रविष्टियां स्पर्ध या आमक है तो उनके निवंचन में होने बाली झांति या सदह के लिए उपमोदवार जिग्मेदार हागे।

उम्मीयवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन-पत्न में धविष्टियों में परिवतन करने से सम्बद्ध किसी भी पत्र व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा । इसलिए उन्हें आगेदन पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

जम्मीवनारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें किसी भी परिस्थित में उस विषय का बदलने की अनुमति नहीं थी आएगी जो उन्होंने उक्त परीका हेतु अपने धार्वेदन-पत्न में निर्दिष्ट किया था।

मधी उम्मीववारों को, जाहे वे पहले से मरकारी मौकरी में हों या मरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य सगठनों से हों या गैर-मरकारी सरवाओं भ नियुक्त हो, अपन आवेदन-पक्ष आयोग को सीने मेजने चालिए। अगर किसी उम्भीदवार ने अपना आवेदन-पक्ष अपवे नियोक्ता के द्वारा भंजा हो और वह सब साक मवा आयोग में देर से पहुचा हो तो उस आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा सले ही यह नियोक्ता को आविदी तारीक्ष से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नीकरी में आकस्मिक या वैनिक वर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्म-चारियो की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो लोक उद्यमों के अन्तर्गत मेवा कर रहे हैं उन्हें यह परियचन (अडरनेविग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सुचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीयनरों को ध्यान रखना नाहिए कि यदि आयोग की अनेक नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने पे सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पक्ष मिलता है तो उनका आवेदन-पक्ष अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीवनारी रह कर दी जाएगी।

- 3 उम्मीदवार को अपने आवेदन-पक्ष के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पक अवध्य भेजने व्यक्तिए:----
 - (1) निर्धारित ग्रुंक के लिए रेखांकितन किए हुए भारतीय पोस्टक अर्कर या क्षेक ब्रापट या ग्रुंक्क भेजने के अपने दावे के समर्चन मे प्रमाण-पक्ष की प्रमाणित। (भित्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिप का पैरा 6 और 7 और नोजे पैरा 6)।
 - (2) आयु के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि।
 - (3) शाक्षक योग्यता के प्रमाण-पक्ष की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति लिपि।

- (4) अम्मीदनार को अपने हाल ही के पामपोर्ट आकार (लगमण कि की के पोमपोर्ट आकार (लगमण कि की के कोटो की वो एक जैसी लियी के कोटो की वो एक जैसी लियी के कोटो के पाहिए। इसमें से एक प्रति आवेदन-पन्न के पहले एक पर विपक्त देनो लाहिए और दूसरो प्रति उपस्थिति पन्न पर विपक्त पर विपक्त देनी चाहिए।
 - (क) लगभग 11.5 से० मी० × 27.5 से• में० जामार के विदा टियाट लगे हुए दो लिकाफी जिन पर आपका पता खिला हो।
 - (8) जहाँ लागृ हो यहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दाले के समर्थन में प्रमाण-पक्ष की अभिप्रमाणितं प्रमाणित प्रतिलिपि (२१-४० मीचे पैरा 4)।
 - (7) जामृं साम् हो नलां आन् में छट के थाने के समर्थेस में प्रमाण-रक्ष को जामप्रमाणिल[ध्रमाणित ध्रतिलिपि (वेश्विष् मीचे पैरा 5)।
 - (8) ङास्थिति पक्षक (आनेदनपक्ष के साथ सलक्त) विक्रियम् दरा कृष्टा है।
 - भीक (१) सम्भीसवारीं की आधेवत-पत्नीं के साथ उपर्यंश्व ग्रंथ (3), (3), (6) श्रीर (7) पर उल्लिखत धमाध-पक्षी की केशल प्रतियां है। प्रस्तुत करनी हैं जो भरकार के किकी राजपञ्ज आधकाणी प्रारत प्रताणित हो अथवा स्ववं उम्मीय-वाद द्वारा संकी कव में सलापित हों । को उश्लादयाक रिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिसव परोक्तम देखु माधास्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते ै जन्हें निश्चित परीक्षा के पांरणाम चोचित किए जाने के हूरन वाद अपयुक्त असाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्ररुदुक्त अरनी होंगी । लिखित परीका के परिणाम नवा-बर, 1083 महीने में घोषित किए जाने की सम्भावना है। उन्हीदवाधी का धन प्रमाण-पत्नी की स्पावित्य परीक्षण के समय प्रस्कृत करने **हे**नु वैद्यार रखना भाहिए । जो जम्मीदबार अस रूप**य** भगेक्षित प्रमाण-पन्नी को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं अर्रेंदे अनकी अम्मीदवारी रक्ष कर दी . प्रशी और अनका आहे श्यिभार किए जाने का शाबा स्थीकार नश्ची होगा।

भोध (II) कालेकन पतों के साम मेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की अधि प्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदश्रार को हस्ताकर करने होगे और तारीक भी देनी होगी।

अप्यूष्ट पैरा 3 की सद (1) से (4) लक्ष उस्लिखित प्रलेखों के विवरण श्री बीर पर। 8 में विवरण पैरा 4 जी विव गए हैं प्रीर सद (5) भीर (7) के विवरण पैरा 4 जी व में विवे गये हैं।

(1) (क) भिर्धारित मुख्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टन आर्थर।

अरेंग्रेक पोस्टल आर्धर अनिवार्यनः रेख्नाकित किया जाएं सधा छन्न पर "सम्बद्ध संघ लोफ सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय" विका कानः चाहिए।

किमी अन्य काक्षण पर देय पास्टण आईर किसी भी हालत में क्लीकार कही किए आएंगे। विकारत या कटे-कटे पोस्टल काईर भी स्वीकार हही विष् आएंगे।

सभी पास्टम आर्थरों पर जारी करने वाले शोस्ट मास्टर के हुस्तादार भीर कारी करने वाले डाकवर की स्पष्ट मोहर होती चाहिए।

एम्प्रीयकारों को मह अवस्य मोट कर लेना थाहिए कि जो लोक्टख भार्केर व छो रेखांकिस किए गए हीं और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को वई विल्ली के प्रधान डाक्टर पर देग हों, उन्हे भेजन। सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्जारित मुरुक के लिए रेखांकित वैंक द्वापट:

बैंक ब्राइट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी माखा से लिया जाका नाहिए और सन्तिव, संव लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंकिया पुढ्य साखा नई विल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखोफित होका नाहिए।

किसी जन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक श्राप्त किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विकपित या कटे-फटे बैंक ब्राप्ट भी स्वीकार नहीं किए आएंगे।

िष्पणी:---उम्मीदनारों को जाने आनेवन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक प्रापट की विक्रणी और सिरे पर प्रवता नाम तनः पता तिखाना चाहिए। पोस्टन आईपों के मामले में उम्मीदनारों को पोस्टन आईपों के पिछनी और इस प्रयोजन के लिए निर्धारिक स्थान पर अथना नाम नया पता निर्धे।

(ii) आयु का समाण-प्रतः — आयोग जन्म की वह तारीश्र स्त्रीकार करता है जो मैट्टिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-प्रक्ष वा किसी प्रारतीय विश्वविद्यालय प्रारा मैट्टिकुलेशन के समकल माने परे प्रपाण-पक्ष या किसी विश्वविद्यालय क्षारा अनुरक्षित मैट्टिकुलेशों के रिजक्कर में दर्श की गई हो शौर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राक्षिकारों हारा प्रमाणित हो। जो जम्मीद्रयार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकल परीक्षा दर्शनों कर युक्त है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकल परीक्षा के प्रमाण-पक्ष की अधिक्रमाणित/प्रमाणित प्रतितिपि प्रस्कुण कर सकता है।

आहु के लम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुन्डसी, शपवपक. नगर निगम हैं और सेवा अभिलेख के प्राप्त जन्म संबंधी उद्घरण तक अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं कि जाएंगे।

जन्देशों के इस मार्ग में शतः, हुए "महिकुलेणन/उच्चतर माध्यसिक परीखण दमाण-पक्ष" वाक्यांम के अस्तर्गत उपर्युक्त वैक्टिपक प्रमाण-पक्ष सम्मिखिट हैं।

कारी-कारी मेद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष में अन्य-की सारीका नहीं होती या आयु के केंबल पूरे वर्ष या वर्ष कार महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकलेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष की अनिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिविधि के अतिरिक्त उस संस्था के हैंबमास्टर/प्रिमिपल से लिए- गए प्रमाण-पक्ष की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिविधि धेजनी भाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तिविधि धेजनी भाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तिविधि धेजनी भाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अत्ति हो। इस प्रमाण-पक्ष में उस संस्था के बाधिला रिजस्टर में वर्ज की गई उमकी अन्य की तारीक्ष का संस्था के बाधिला रिजस्टर में वर्ज की गई उमकी अन्य की तारीक्ष का संस्था के बाधिला होनी पाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी की जाली है कि यवि आवेदन-पक्ष के क्षाच दन अनुदेशों में यथा निर्धारित बायु का दूरा प्रमाण नहीं भेजा गया हो आवेदन-पक्ष संस्थीकार किया जा सकतः है।

हिष्यकी 1:— आस उम्मीदनार के वास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रान्त साध्यसिक विधालन प्रमान-पक्ष हो, उसे केवन आनु से सम्बद्ध प्रविश्वि नामे पृथ्व की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि मेजनी चाहिए।

टिप्पची 2: -- उम्मीदवारों को ध्यात रखता जाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्थीकार करेगा को कि आवेदन-पख ,प्रस्तृत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उक्तर मान्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष या समक्षक परीक्षा के प्रमाण-पक्ष में दर्भ है और इसके बाव उसमें परिवर्शन के किसी अपूरीस पर म तो विचार किया आएया और न उसे स्वोकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3: अमित्रवार यह भी आपत रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए अन्म की तारीख एक बार माधित कर बेने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर सेने के बाद उसमें बाद वे वा किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुभति नहीं वी बाएगी।

(iii) शैंकिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:— उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिप मेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (अथात विश्वविद्यालय या किसी अग्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्न न भेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न मेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और प्रपेक्षत योग्यता से सम्बद्ध भगन वावे के प्रभाण में कोई प्रन्य साध्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साध्य की गुणवता पर विचार करेगा, किन्तु अह उसे पर्यान्त मानने के लिए बाष्ट्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी सैक्षिक योग्यनाओं के समर्थन में हिंगी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबद्ध विण्वविद्यालय के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में पंरीक्षा के विषय नहीं विथे गये हों, नो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आक्षय का एक प्रमाण-पत्न लकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 5 में निविष्ट विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

भोट:— उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में घैठ चुके हों जिसे उसीणं कर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिए शैक्षिक दृष्टि के पास हो जाने हैं किस्तु इस परीक्षा का परिणाम सुचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हेक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iv) कीटोग्राफ:—जम्मीदवार की अपने हाल ही के पासपीर्ट आकार (लगभग 5 सें॰ मी॰ × 7 सें॰ मी॰) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवस्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति जपस्थित पन्नक में निर्धारित स्थान पर विषका देनी चाहिए। कोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने वाहिए।

ध्यान दें:--- उम्मीवयारों को येतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पक्ष के साथ उपर्युवत पैराप्राफ 3(2), 3(3) और 3(4) के अन्तर्गत उस्लिखित प्रमाण-पत्न में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न मेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन पत्न अस्वीकार किया जाएगा तथा इम अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. यति कोई उम्मीदवार किसी अनुसूषित जाति या अनुसूषित जनकाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के,
जिसमें उनके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते
हों, जिला अधिकारी या उप मण्यल भविकारी या निम्निक्षित
किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाणपन्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे
दिए गए फार्म में प्रमाण पन्न लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रभाणित
प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए । यदि उम्मीववार के माना और पिता
दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के अधिकारी से
जिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य
प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर निमुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनु-सूचित जातियों सौर अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म:---

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती कुमारी*						
जी गांव/कस्वा*/जिला/मण्डल*						
राज्य श्रेत्रराज्य/संघ 🕈 राज्य क्षेत्र						
कं/की निवासी हैं						

अनुसूचित जन जाति * के रूप में मान्यसा दी गई है। संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेण, 1950* संविधान (अनुसूचिय जन जातिया) आदेश, 1950* संबिधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* [अनुसुचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आयोधन) आदेश, 1956, यम्बर्द पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पूनर्गठन अधि-नियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षत्र पुनर्गठन अधनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित अन जातियां श्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 हारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू भीर कप्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 । संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमृह) अनुसूचित जन जातियां आदेण, 1959* अमुसूचित जातियां सथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित । संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आवेश 1962* संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन आतियां आदेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन आतियां आदेश, संविधान (नागालैण्ड) अनुमूचित जातियां आदेश, 1970* संविधान (मिक्किम) अनुसूचित जातियां आदेश, 1978 संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1978* 2 श्री/श्रीमती/कृमारी*---और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*— में जिला/मंजल*----------राज्य क्षेत ----एक्ते/रहनी* है।---हस्ताक्षर पवनाम** (फार्थाखय की पोहर) स्यान----सारीख----राज्य*/संघ राज्य संख [#]जीशक्य लागृन हो उन्हें कुपयाकाट दें।

जाति/जन जाति के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/

नोट :---यहां "आमतौर से रहते/रहती है" का अर्थ वही होगा को "रिप्रेजेन्टेशन आफ पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है। **अनुसूचित जाति/जन आति प्रमाण पत्न आरी करने के लिए

सभाम अधिकारी:

(1) जिसा मैजिस्ट्रेट/असिरियत जिला मैजिस्ट्रेट/कसवटर/ब्रिंग्टी काम-धनर/एकीशनल बिप्टी कमिश्नर/ब्रिंग्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाईपेंबरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/एकजी-क्युटिश मैजिस्ट्रेट/एकजी-क्युटिश मैजिस्ट्रेट/एक्ट्री असिस्टेंट कमिश्नर।

'भ्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहुदे का नहीं)।

(2) चीफ प्रसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ मजिस्ट्रेट।

- (3) न्वेभ्य अफसर, जिनका ओहवा तहमास्रवार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिविजनल अफसर जहां उम्मीदबार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर. लक्षधीय ।
- (1) (क) नियम 4(ख) (2) अथवा 4(ख) (3) के अप्त-र्गेत भायु में छूट और∤या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का वाबा करने वाले भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) के विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखिन प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये **प्रस्तुत** करनी चे।हिं^ए कि वह मृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) के वास्तविक विस्थापित भ्यक्ति हैं और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवाजन कर भारत आया है।
 - (1) दंडाकारण्य परियोजमा के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांबेट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
 - (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल
 - (5) उप शारणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बगाल/निदेशक (पुन-र्वास), कलकत्ता।
- (2) नियम 4(ख) (4) अथवा 4(ख) (5) के अंश्सर्गन आयु में छूट और/शानोटिस के पैरा 7 के अनुमार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रालंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले म्लनः मारतीय व्यक्ति को श्रीलका में भारत के उच्च आधुक्त के कार्यालय से लिये गए इस आशय के प्रमाणपञ्ज को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुस करनी भाष्ट्रिए कि बहु एक मारतीय नागरिक है जो अक्लूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवस्वर, 1984 को या उसके बाव भारत आया है या आने वाला है।
- (3) नियम 4(ख) (6) अथवा 4(ख) (7) के अन्तर्गत भागु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दादा करने वाले धर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूताबास, रंगुन क्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-गत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक मारतीय बाग्रारिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पद्म की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विकालाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रप्यावर्सित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 की या उसके बाद भारत भाया है।
- (4) लिशम 4(ख) (8) अथवा 4(ख) (9) अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलान हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वाम, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये गये निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए, विदेशी शज़ू देश के साथ संवर्ष अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौनी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त प्रभा ।

-	सम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये आने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म	
_	प्रमाणित किया जाता है कि युनिट:	
•	रैंक में '''''	
	सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी ग्राल, देश के साथ सं धर्ष है :—456GI/82	t/

अशासियस्त ^कलेख में फीजो कार्यवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुए ।

हस्ताक्षर
पदनाम
तारीख

🕶 जो भान्द लागू न हो उसेक्रुपयाकाट दें।

- (5) नियम 4 (का) (X) या 4 (क्ट) (Xi) के अन्तर्गत आयु में छूट का वाबा करने वाले वियतमाम से प्रत्यावर्सित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहुल, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिगे गये प्रमाण पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावतित व्यक्ति है और विवतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (6) नियम 4 (खा) (Xii) या 4 (खा) (Xiii) के अन्तर्गत आयु में भूट बाहुने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (मूसपूर्वे टांगानीका तथा जंजीबार)से प्रवजन कर आये हुये या जाम्बिया, मलाबी, जैरे तथा इषोगोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को सप्त क्षेत्रकेजिलामैजिस्ट्रेट से जहांवहदस समय निवास कर रहाहै, लिये गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के **लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वा**स्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवाजन
- (7) जो मूतपूर्व सनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 4 (ख) (Xiv) या 4 (ख) (Xv) की शर्तों के अधीन आयु सीमाधीं में छूट का दावा करते हैं उन्हें संक्र⊉ प्रधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपन्न में उन पर लागुहोते वाले प्रमाण पक्ष की एक प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) <u>कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिकों पर लागृ</u>
प्रमाणित किया जाता है कि सं०
रैका साम त
जिनकी जन्म की तारीखा : है, है,
से तक सेना/नीसेना/वायु सेना में सेव
की है और वे निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं:

- (क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवाकी है और कार्यकाल से समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण वर्कास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्य-मुक्त हुए है।
- (ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई गारीरिक अवंगता या अक्षमता के कारणः'''''को कार्यमुक्त हुए हैं। सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पवनाम मूहर

स्यान : नारीख :____

(बा) सेवारस कार्मिकों पर लागू

प्रमाणित् किया जाता है कि मं नाम ' ' ' जिनकी जन्म तिथि ' ' -🗜, · · · · · · · · · · · से सेना/नौ सेना/वाश्यसेना में सेवा कर रहे 8 1

2. उन्हें : : : से कार्यमुक्त/सेवा निवृक्त होना है । उनका पांच वर्ष का कार्यकाल ''''तक समाप्त होने की संभा-वना है।

उ उनके विरुद्ध काई अनुगासनात्सक मासदा लम्बिन नही है। सक्षम प्राधिकारीका नाम तथा पदनाम महरूर

स्थानः सारीखः

प्रभाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं—
(क) कमीशन प्राप्त अधिकारियो (आपात्कालीन कमीशन प्राप्त
अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों
सहित) के मामले मे .—

सेना—कार्मिक सेवा निदेशालय, सेवा मुख्यालय, नई दिल्ली।
नौसेना—कार्मिक सेवा निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
बायुसेना—कार्मिक सेवा निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
(ख) मौसेना वायु सेना के जूनियर कमीणन प्राप्त अधिकारियों/

भस्य रैंको तथा समकक अधिकारियों के मामले में:

सेना—विभिन्न रेजीमेटल रिकार्ड कार्यालयी द्वारा वीसेमा—नीसेमर रिकार्ड, बम्बई ।

बाय्सेना---बायु सेना रिकार्ट, नई दिल्ली ।

- (viii) नियम 4 (ख) (xvi) या नियम 1 (ख) (xvii) के अन्तर्गत आयु में छुट सीर या नीटिंस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुक्क में भाफी चाहने बाले भतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान में विस्थापित ध्यक्ति को निम्नलिखित में कि किसी प्राधिकारी में इस आशाय के प्रमाण पत्न की एक अन्ध्याणित असी प्रस्तुत करनी चाहिये कि बहु मतपूर्व पश्चिमी पाकिस्ताम का बास्तियक विस्थापित ध्यक्ति है जो जनवर्ग, 1971 और 31 मार्च 1973 के बीच की अविश्व के दौरान भारत पदानन वर नुका या
 - (१) विभिन्न राज्यो में ट्रांजिट केन्द्रो या राहन गिविरो में गिविर कमोक्षर ,
 - (2) प्रम इलाके का जिला मिलि^{ए के र} जिसमे वह फिल्रहाय रहता हो ;
 - (3) अपने-अपने जिलो में शरणार्थी पुनर्शाय के प्रभारी अतिस्थित जिला मजिस्ट्रेट,
 - (4) अपने प्रभारान्तर्गत सात डियीजन ने अन्दर सम्र डिबीजनल अप.सर, !
 - (५) शरणाधी पुनर्नाम का उपाय्तन।
- 6. भी उम्मीक्ष्वार उन्पर पैरा 5 (1) (2), (3) और (Viii) में क्ष किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिंग के पैरा 7 वे अनुगार मृत्य से छट का दावा करना है, उसकी नित्सी जिला अधिकारी या सरकार के राज्यित अधिकारी या स्थव सदस्य या राज्य विधान सक्का के सदस्य से, यह दिलाने के निप्ये कि बह निर्धारित मृत्य प्रेने की स्थिति से नहीं है, इस आभय का एक प्रमाण पद्ध लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिस्थिप भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के निये पायना प्रमाण-पत आवश्यक हो उस परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्त उसे नियक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मदालय (कार्मिक तम प्रणासीतय सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक पायना प्रमाण पत्र भारी पर दिये जात र बाद ही दिया जाता।
- 8 उम्मीदवार का कैतावती दी गाती है कि वे अधिदत पक्ष भरते ममय कीई मुठा ब्योरा न दें और न ही किसी सदस्थपूर्ण मुचना की छिलाये।

उम्मीदियारा को या भी नेताबर्गी ही भाली है या थे अपने द्वारा प्रस्तुल किये गये प्रलेख अथवा नगारी प्रतिलिपि की तासी प्रविदिट को किसी थी स्थित में न तो ठीक बार न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फैरबदल करें और न ही फेरबदल किये गये। जुटा प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करें। या विकेश प्रमाण-पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई अश्वास अथवा विसेगित हो तो विसंगित के सबध में स्पष्टीकरण प्रस्तुल किया आया विसंगित हो तो विसंगित के सबध में स्पष्टीकरण प्रस्तुल किया आया

9. आनेदन-पक्त देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण क्ष्य मे यह मर्क स्थोकार नहीं किया अध्येगा कि आनेदन प्रपत्न ही अमुक तारीख को भेजो गया था। आनेदन-प्रपत्न का भेजा जाना ही स्थन इस बान का मुक्क न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा मे बटने का याज हो गया हो।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पक्ष की जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पन्न भी सम्मिलित हैं पावती दी जाती है तथा आवेदन पन्न की प्राप्त से प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजी-करण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को ज़क्त परीक्षा के आवेदन पन्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पजीकरण सक्या सुचित करदी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्थीकार कर क्षिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्न के परिभाग की सुमान यथाशीझ दे दी आएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता
 कि परिणाम कब स्चित किया आएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की
 तारीका के एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न की परिभाग के आरे में सब लोक सेवा आयोग के कोई सुनना न मिले तो परिणाम की
 आनकारी के लिए उसे आयोग से तस्काल सम्पर्क स्थापित करना शाहिए।
 पदि उम्मीदवार ने ऐमा न किया नो नह अपने मामले में विचार किये जाने
 के कांवे से अंचित हो आएगा।
- 12 संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वास्तुपरक परीक्षाओं हेत उम्मीववार विवरिषका" शीर्षक से एक समृत्य पृस्तिका छापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिमसे सं० लो० से० आ० की परीक्षाओ या श्रायनों के यावी उम्मीववारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछणी परीक्षाओं की नियमांबलो तथा पारपरिक प्रकार के प्रपन-रहा का उल्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिबिल लाइन्स देहली-110054 के पास बिकी के लिए सुलंध हैं और इन्हें उनमें मीधे मेल आईर द्वारा या नकद मुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (I) किताब महल, रिवौली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक बादा खड़गसिष्ट मार्ग, नई बिल्ली-110001 और (II) उद्योग मनन, नई विल्ली-110011 स्यक्त प्रकाणन भाषा का बिकी काउंटर और (III) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक हिपो, ४-के० एस० राय रोड, कलकता-1 से भी लिया जा मकता है। मैन्अल/पैम्पलेट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध हैं।

- 13 आवेदन-पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार.—आवेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पत्न आदि सिवत, सब लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमे नीने लिखा भ्योरा अनिवार्य रूप से विया जगए —
 - (1) परीक्षा कानाम ।
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
 - (१) आवेदन पजीकरण संश्रील ते अथवा उम्मीदवार की जस्म तिथि, यदि आवेदन पजीकरण संश्रील तम्बर सुचित तही किया गुण हो।
 - (4) उम्मीववार का नाम पूरा नथा बन्ने अक्षरों में।
 - (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें(1):— जिन पत्नो आदि में यह भ्योरा नही हागा सुभव १ उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान (2):—यदि किसी उम्मीदवार से कोई/पन्न मन्नेषण परीक्षा हो किसी के बाद प्राप्त होता है तथा उसमे उसका पूरा नाम व अनुकर्माक नहीं है तो इस पर ध्यान न देतें हुए बाई कार्रवाई नहीं की आएगी; 14 पते में परिवर्तन — उम्मीवनार की इस बात की व्यवस्था कर सेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पन्न में उस्लिखित पने पर मेजे गये पन्न आवित, आवश्यक होने पर, उसको बवले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त परा 13 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीझ वी जानी चाहिए। प्रचिष आयोग ऐसे परिवर्तनों पर झ्यान देने का पूरा-पूरा प्रमत्न करता है किन्सु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं करता।

अन<u>्बन्ध II</u> उम्मीदनारो को सूचनार्थ विवरणिका

(क) यस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा मं बैन्ने वाले हैं उस परीक्षा के सामान्य भान का प्रकारिक "वास्तुपन्क परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नाश कहा आएगा) के लिये कई सुक्षाए गए उत्तर (जिमकी आगे प्रत्युक्तर कहा जाएगा) दिये जाते हैं। उत्तमें से प्रत्येक प्रश्नाश के लिये आपका एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपका इस परीक्षा के बारे में कुछ जान कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्र न होने के कारण आपको कोई हानि स हो।

ख. परीक्षण कास्यरूप

प्रश्न पक्ष "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम सक्या 1, 2, 3— आदि के कम से प्रश्ननांश होंगें। हर प्रश्नांश के नीचे a b, c, d, विह्न के साथ सुझाए, गए पत्युन्तर लिखे होंगे। आपका काम एक मही या यवि आपको एक से अधिक प्रश्युन्तर साही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का नुनाव परना होंगा। (उन में विये गये नमुने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थित में प्रत्यंक प्रश्नांश के लिये आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं सो आपका प्रस्युत्तर गलत माना जाएगा। ग. उत्तर दने की विध

परीक्षा भवन में आपका अलग एक उत्तर पत्रक दिया अस्मा। जिसकी एक नमूना प्रति आपका प्रवेश प्रमाण पत्र क माथ भेजी जन्मा। अपका व्यक्ते प्रस्पुत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखन होगे। परीक्षण पुम्ति। ग या उत्तर पत्रक को छोडकर अन्य किसी कागज पर लिखे गयं उत्तर नहीं जाने कायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांकों की संख्यार्थ 1 से 160 तक चार खण्डा में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांका के सामने त, b, c, ते, चिह्न बाले आयताकार स्थान छण्टे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका क प्रत्यंक प्रश्नाण को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कीन मा प्रयूलर मही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले आयन का पिनत से पूरी तरह काला बना कर उसे अकित कर देना है, जैसा कि (आउना उत्तर दर्शाने के लिये) नीचे दिखाआ गया है। उत्तर प्रतक के आयत का काला बनाने के लिये स्याहो का प्रयोग नहीं करना काहिए।

"ca	c d o		Ld
2[a]		(C	cd
3,	(b _1)	(Œ	دطت
4 (A) यह जरूरी है कि	(LZ I)	Œ	

1 प्रश्नाशों के उत्तरों के लिये कवल उन्हीं शिस्ता को एउठ चीठ पेंसिल (पेंसिले) ही लाए और उन्हीं था प्रशास करा

- 2 गलत निशान को बवलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रथाइ भी लाए।
- 3 उत्तर पत्नक का उपयोग करते गमय कोई ऐसी असानधानी न हो जिससे वह फट आये या उसमें मोड़ व सिलवट आवि पड़ जाए वा वह खराब हो जाए।

ष मुख्य महत्वपूर्ण विनियम

- 1 आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय मं बीस मिनट पहले परीक्षा भवन मे पहुचना होगा और पहुचने ही अपना स्थान गृहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू हात के 30 मिनट ब्राद किसा का परीक्षण में प्रवेश नहीं विया जाएगा।
- 3 परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमित नहीं मिनेगी।
- 4 परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवक्षक को सौप दे। आपका वराश्रण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं। इस नियम का उरलघन करने पर कड़ा वह विया जाएगा।
- 5 आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। आपका कुछ निवरण उत्तर पन्नक पर कूटबद्ध भी करने होग। इसके बारे में आपके नाम अनुदेश प्रदेश प्रमाण पद्ध के साथ में जे आयेगे।
- 6 परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये समी अनुदेश आपका सावधानी में पढ़ने हैं। इन अनुदेशा था भावधाना से पानन न करने से आपक उधर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पढ़क पर गाई पांचिष्ट सिद्ध्य हैं, ता उस प्रश्नाश के प्रत्यूनर के लिये आपका कांड नम्बर गही सिलंगा। पर्यवक्षक के अनुदेशा का पालन करं। जब प्ययक्षर किया परीक्षण या उसके किसी माग की सारम्भ मा समान करने का कहे ना उनके अनुदेशों का सरकाल पालन करें।
- 7 आप अपना प्रवेश प्रमाण-पन्न साथ लाये आपका अपने साथ एक एक की विस्ताल, एक रक्षड़, एक परितल आर्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी हांगी । आपका सत्नाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड-वोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लायें जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा मवन में कोई खाली कार्य जा कार्य का टुकडा या पैमाना दा आरेखण उप करण नहीं लाने हैं क्यों कि उनकी जरूरत नहीं होंगी । मागने पर कर्म आम के निय आपको एक अलग कार्य कार्य आएगा । आप कच्चा काम या णूम करने के पहुंचे उस पर परीक्षा का नाम, अपना राल नम्बर, और परोक्षण की तारीखा लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दे।

🗷 विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर पत्नक पर अपिक्षन मूलना भर दे। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंग। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख ल कि उस पर पुस्तिका भी संक्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा ले। आप में परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यंत्रक्षक ऐसा फरने के लिये न कहीं।

च कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आक्षा गित की अग्ना सृद्धता की आंचना है, फिर भी यह जरूरी है कि अप अपन समय का यसमभव दक्षला से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जिननो जल्दा काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप समा प्रकार ना उत्तर नहीं दे पाते हो ना चिना न वरें। आपको जा प्रका अत्यक्त कांठन मातूम पहें उन गर समय व्यर्थ न जर। दूसरे प्रकार को और वर्वे और उन कठिन प्रकार पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नाशों के अक समान होंगे। उन सभी के उत्तर वैं। आपके द्वारा अंकित सभी प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जार्येंगे । गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

छ. परीक्षण का समापन:

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्तक शापके पास आकर आपसे सभी आवश्यक बस्तुएं ले जार्ये और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर-पत्नक कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं į,

नमूने के प्रश्नीश (प्रश्न)

(नोट-- "सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित भी से किस कारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाव वायुमडल के दाव से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर वाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब के अनुरूप घटता बढ़ता है।

2. (কুৰি)

अन्हर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम कियाजा सकता है।

- *(a) वृद्धिः नियंत्रक द्वारा छिड़काव
- (b) ४ूर-बूर पौधे लगाना
- (c) राही ऋतु में पौछे लगामा
- (d) थोड़-थोड़े फासले पर पौन्ने लगाना।

3. (रसायन विज्ञान)

 ${
m H_3VO_4}$ का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है ।

- (a) V_3

- (b) VO₄ (c) V₂O₃ •(d) V₂O₅

4. (अर्थेणास्त्र)

श्रम का एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता

- (a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (b) मजदूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
 - (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
 - (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैश्वत् इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षिक परावैद्यतांक 9 के पैरावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- 6. (भ्-विशान)
- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

ө. (मू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है?

- (a) आलिगोक्लेज
- •(b) लेब्टेडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनामाईट

७ (पणितु

d²y dy मूल बिन्यु से गुजरने वाला और --- dx^2 $d\mathbf{x}$

समीकरण को संगत रखने वाला अक-परियार निम्नलिखित में से किस से भिविष्ट है ?

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae +bc_{-x}$ \bullet (d) $y = ac_x - a$

८ (भौतिकी)

एक आवर्ष ऊष्मा इंजन 400°K और 300°K तापक्रम मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

9. (सांक्रियकी)

यदि द्विपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- $(a) 4^2$
- •(b) з
 - (c)∞
 - $(\mathbf{d}) = 5$

10. (भूगोल)

वर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समित्र का कारण निम्नलिखिल मी से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल मण्डार है।
- (b) जर्मा की अधिकांग नदियों का डेल्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पन्न है।
- (d) वेश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में है।

11. भारतीय इतिहास

बाह्याणवाद के सम्बंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बीक्सर्य के उत्कर्षकाल में भी बाह्मणवाद के अन्यायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (b) ब्राह्मणबाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडंबर से पूर्ण सर्म
- $^ullet(\mathbf{c})$ बाह्मणवाद के अध्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
 - (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दणाओं को प्रकट करने के लिये धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

12. (दर्शन)

निम्नलिखिन में से निरीश्वरवादी दर्शन समृह कौन-सा है?

- (a) बौढ, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौदा, नार्वाक
- (c) अद्वेत, वेदांत, सांख्य, चार्वाक योग
- (d) बौद्ध, सांख्य, भीमांसा, चार्वाक

13. (राजनीति विज्ञान)

"बृत्तिगत प्रतिनिधान" का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- 📍 (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के वक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का जनाव।
- (d) श्रमिक संयों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्वा।

14. (मनीविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में ने किस का निर्देशित करती हैं।

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- *(b) माबात्मक अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से भौन-सी है?

*(a) ग्राम संग्कार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को सौपवारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।

- (b) खूआछल कम हुई है।
- (c) अंबिस मर्गों के सोंगो को भस्यामित्क का लाम मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी.--उम्मीवबारो को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपयुंक्त नमृत के प्र⊎नांश (प्रस्त) केवल उदाहरण के लिये दिये गये हैं और यह अरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हो ।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 20th January 1983

No. F.6/83-SCA(I).—(I) The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri B. S. Dhawan, Deputy Registrar to officiate as Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 17, 1983 to January 31, 1983.

(II) The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri R. S. Suri, P.P.S. to Hon'ble the Chief Justice of India to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of January 17, 1983 to January 31, 1983.

R. NARASIMHAN, Registrar (Admn.) Supreme Court of India.

New Delhi, the 20th January 1983

No. F. 6/83-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following Officers and Members of the staff of this Registry to the posts and for the period mentioned against each:

S. Name No.	Post to which promoted and period of appointment
Shri B.M. Batra, Private Secretary to Hon'ble Judge	Officiating P.P.S. to Hon'ble the Chief Justice of India with effect from 17-1-1983 to 31-1-1983
2. Shri A.D. Malhotra, Section Officer	Officiating Assistant Registrar with effect from 17-1-1983 to 31-1-1983
3. Shri S.M. Tandon, Officiating Accountant	Officiating Section Officer with effect from 10-1-1983 to 10-2-1983.
4. Shri Jagdish Narain Sharma, Assistant	Officiating Section Officer with effect from 17-1-1983 to 31-1-1983.
5. Shri S.C. Arora, Officiating Stenographer	Officiating P.A. to Registrar with effect from 31-1-1983 until further orders.
6. Shri Ashok Kumar, Officiating Stenographer	Officiating P.S. to Hon'ble Judge with effect from 17-1-1983 to 31-1-1983.
	77 0 3 57 73 770 4 7

H. S. MUNJRAL, Deputy Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th January 1983

No. A.35014/2/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur, Junior Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on an ad-hoc basis for a period of fortyeight days w.e.f. 12.1.1983 to 28.3.1983 or until further orders whichever is earlierr.

No. A.35014/2/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission on *ad-hoc* basis w.e.f. 12-1-1983 to 28-2-1983 or until further orders whichever is earlier:—

- S. No. Name & Designation
- 1. Shri V. C. Kajla, Section Officer (C.S.S. Cadre)
- 2. Shri A. K. Sharma, Section Officer (C.S.S. Cadre)

S/Shri V: C. Kajla and A. K. Sharma will be on deputation to the ex-cadre posts of Accounts Officer and their pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. F. 1(ii)-E.III(B)/75, dated 7-11-1975.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.), for Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 30th December 1982

No. A.19014/9/79-Admn.I.—Consequent upon his selection for appointment as Controller of Examinations in the Council of Scientific and Industrial Research Dr. Ravi P. Bhatia a permanent Lecturer in the National Council of Educational Research and Training and at present on deputation to the post of Under Secretary in Union Public Service Commission, has been relieved of his duties in the office of UPSC with effect from the afternoon of 30th December, 1982.

The 7th January 1983

No. A.31013/2/82-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Pradeep Mehta substantively to the post of Engineer in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 1.5.1982.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admu.), for Chairman. Union Public Service Commission.

New Delhi, the 10th December 1982

No. A.32014/2/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 22.9.1982, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Assistant Controllers (DP) on *ad-hoc* basis for the further period from 1-12-1982 to 28-2-1983, or until further orders, whichever is earlier:

- 1. Shri S. P. Bansal
- 2. Shri B. R. Gupta
- 3. Shri S. C. Mastana
- 2. The appointments of the above mentioned officers are purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade.

I. C. KAMBOJ, Section Officer, for Chairmar, Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 11th January 1983

No. P.1783/Admn.1.—Consequent upon his selection as Administrative Officer (Inspection) in C.A.G's Office, New Delhi, the services of Shri V. Ramachandran an Accounts Officer in the Office of Accountant General, Orissa and at present Accounts Officer on deputation basis in the Office of Union Public Service Commission is hereby placed at the disposal of C.A.G's Office w.e.f. 11-1-1983 (A.N.) in terms of their D.O. No. 7459/OE & Admn./14-82 dated 27th Dec., 1982.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.), Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th January 1983

No. 2/13/82-Adm.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Surjit Singh, a permanent, Assistant in the Central Vigilance Commission as Section Officer in an officiating capacity on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650(710)-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-12-82 to 16-3-83 or until further order, whichever is earlier.

No. 2/13/82 Adm.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shii J. C. Kapoor, a permanent Assistant in the

Central Vigilance Commission as Section Officer in an officiating capacity on d-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650(710)-30-740-35-810-1 B-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 20-12-1982 to 28-1-1983 or until further orders, whichever is earlier

No 2/13/82-Adm.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri P M. Pillai, a permanent Assistant in the Central Vigilance Commission as Section Officer in an officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650(710)-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from 18.11.82 to 15.2.83 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA, Under Secy., for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the January 1983

No. O.II-1776/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Amerendra Narain Shahi, as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the foremoon of the 6th January, 1983, subject to his being declared medically fit.

The 18th January 1983

No O.II-1756/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Vijay Kumar Dandge as Junior Medical officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forencon of the 26th November, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No O.II-1762/82-Estt—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. Divakar Jayana as Junior Medical Officer in the CRPF on ad lice basis with effect from the forenoon of the 2nd January, 1983 for a further period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1775/83-Fstt.—The President is pleased to appoint Dr. Nawal Kishore as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the fotenoon of the 4th January 1983, subject to his being declared medically fit.

No. O.II-1777/83-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. G. Karunakaran as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 30th December, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post of is made on regular basis, whichever is earlier

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 14th January 1983

No E-16013(1)/4/82-Pers.—On transfer on deputation, Shri S. C. Tandan, IPS (Raj: 1952), assumed charge of the post of Inspector General (Hqrs), Central Industrial Security Force, New Delhi, with effect from the afternoon of 6th January, 1983.

SURENDRA NATH Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 22nd January, 1983

No. 10/16/82-Ad. I.—The President is pleased to appoint the following officials to the post of Research Officer (Social

Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi on a purely temporary and ad-hoc basis for a period not exceeding one year, with effect from the date(s) is mentioned against each of them or till the posts are filled in on a regular basis, whichever Period is shorter:

S. No.	Name of the Officer	Date of appointment
1. S	hri C. Chakravorty	24th November, 1982 (FN)
2. Smt. Suman Prashar		24th November, 1982 (FN)
3. Shri Rajendra Prasad		30th November, 1982 (FN)

2. The headquarters of the above-montioned 3 Officers will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION (DEPARTMENT OF LABOUR)

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 12th February 1983

No. 23/3/82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by one point to reach 497 (Four hundred and ninety seven), during the month of December, 1982. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of December, 1982 works out to 604 (Six hundred and four).

A. S. BHARADWAJ Director, Labour Bureau

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 17th January 1983

No. Admn. I/218-A.—Shri Mohan Lal Chaku, a permanent Section Officer, is appointed Accounts Officer in the scale of R₅, 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th January 1983 till further orders.

S. S. AHMED Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, RAJASTHAN

Jaipur, the 18th January 1983

No. Admn. II/G-Gaz. Notifn./778.—The Accountant General-I, Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders:—

S/Shri

- 1. Gurucharan Singh Talwar-30-11-82 (FN).
- 2. Mukat Behari Kasat-31-12-82 (FN).

M. S. SHEKHAWAT Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 19th January 1983

No. A. 19018(194)/75-Admn. (G).—The President is pleased appoint Shri A. Bandopadhyay, Dy. Director (Electrical),

Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, at Director (Gr. II) (Flectrical) on ad-hoc basis in the same Office for a period from 28-6-1982 to 16-9-1982.

2. On his appointment a Director (Gr. II) (Electrical) Shri A. Bandopadhyay assumed charge at the same Office on the forenoon of 28-6-1982 and on expiry of the period relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Electrical) at the same Office on the afternoon on 16-9-1982.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagput, the 15th January 1983

No. E-11(7).—In this department's Notification No. E. 11-(7) dated 11th July, 1969 under Class 2 NITRATE MIXTURE, the date '31-12-82' appearing against the entries "Colex-1 and Dynex-3" shall be replaced by the date "31-12-1983".

CHARANJIT LAL Chief Controller of Explosives

DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-110001, the 19th January 1983

No. A6/247 (415)/63.—Shri R. N. Das Gupta, substantive Assistant Inspection Officer (Met-Chem) in the office of Director of Inspection (Met) Burnpur is promoted to officiate as Assi tant Director of Inspection (Met-Chem) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met-Chem Branch on ad-hoc basis in the office of Deputy Director of Inspection (Met) Durgapur with effect from forenoon of 24th December, 1982.

2. Shri Das Gupta relinquished the charge of the post of A.I.O. (Met-Chem) on the afternoon of 23rd December, 1982 and assumed the charge of the post of A.D.I (Met-Chem) on forenoon of 24th December, 1982.

The 20th January 1983

No. A-17011/215/83-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Dilip Sekhar Banerjee, Examiner of Stores (Textiles) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textiles) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 1st January, 1983 and until further orders.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 18th January 1983

No. FI-12(41)/82(.).—On attaining the age of superannuation Shri Jyoti Ranjan Chakraborty, Asstt. Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from 31st December, 1982 (A.N.).

S. C. MAZUMDER Jt. Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAI SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 20th January 1983

No. 538D/A-19012 (3-HN)/82-19B.—Shri H. Naskar, STA (Chem), GSI is appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according

to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-LB-35-880-40-1000-LB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26-11-82, until further orders.

No. 548D/A-19012 (3-SB)/82-19B.—Shri Souren Biswas, S.T.A. (Chem.), C.S.I. is appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26-11-82, until further orders.

No. 588D/A-19012 (3-BKG)/82-19B.—Shri B. K. Guha, STA (Chem.), GSJ is appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26-11-82, until further orders.

The 21st January 1983

No. 496B/A-19012 (ACAO-SSR)/19A.—Shri S. Subba Rao, Cost Accountant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Asstt. Cost Accounts Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from forenoon of 16-11-82, until further orders

No. 505B/A-19012 (MRG)/80/19A.—Shri M. R. Gopal Krishna is appointed as Store Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 9-12-1982, until further orders.

No 517B/A-19012 (3-TBP)/82-19B.—Shri Timir Baran Pal, STA (Chem.), G.S.I. is appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26-11-82, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General Geological Survey of India

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 15th January 1983

No. 6/35/57-Est. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri M. S. Gangadhar, Permanent Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Chief Cameraman in the same office with effect from 10th December, 1982 (FN) until further orders vice Shri M. M. Vaidya, Chief Cameraman retired from Government service with effect from 30th November, 1982 (AN).

The 18th January 1983

No. A. 20012/8/73-Est.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Chief Producer, Films Division has appointed Shri M. P. Sinha to officiate as News-reel Officer in Films Division, Bombay in the scale of Rs. 840-40-1000-1-B-40-1200 with effect from the forenoon of 24th December, 1982 until further orders.

The 19th January 1983

No. 3/4/62-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri N. N. Rao, Permanent Cameraman to officiate as Cameraman (Cartoon Film Unit) in the Films Division, Bombay on regular basis with effect from the forenoon of 13th December, 1982 until further orders.

N. N. SHARMA, Administrative Officer, for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 5th January 1983

No. A. 19012/6/82-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. C. Kar in the post of Accounts Officer, Govt. Medical Store Depot, Calcutta with effect from the forenoon of the 1st December, 1982, on deputation terms and until further orders.

The 21st January 1983

No. A. 19012.21.79-St.I.—On attaining the age of superannuation Shri P. Kunhi Krishnan, Assistant Depot Manager, Govt. Medica! Store Depot. Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of 30th November 1982.

No. A. 19012/7/81-S.I.—On attaining the age of superannuation Shri P. A. Sawant, Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay retired from services w.c.f. the afternoon of 30th November, 1981.

RAMESH CHANDER, Dy. Director Admn. (Store)

M(1&S) SECTION

New Delhi, the 5th January 1983

No. A. 19018/35/82-M(F&S).—Consequent on his resignation Dr. V. Gopalakrishnan relinquished charge of the post of senior Research Officer at Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, with effect from the afternoon of 10th September, 1982.

P. N. THAKUR, Dy. Director (Admn.).

New Delhi, the 18th January 1983

No. A-6-9/70-Admn.I(Pt.III)/EPI.—The Director General of Health Services is pleased to permit Shri F. C. Mehru, Assistant Electrical Engineer, Central Research Institute, Kasauli, to withdraw his resignation which had been accepted w.e.f., the 15th January, 1981.

No. A-12025/11/81-(NTI)/Admn.I/T.B.—The President is pleased to appoint Shri P. Chandrasekhar to the post of X-Ray Engineer, at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of the 15th December, 1982 and until further orders.

SANGAT SINGH, Dy. Director (Admn.) (E&G).

New Delhi, the 24th January 1983

No. A. 22013/1/81-CGHS.I.—Consequent upon her transfer from Central Govt. Health Scheme, Delhi to Central Govt. Health Scheme, Ahmedabad Dr. (Smt.) Bani Sarkar relinquished charge of the post of Homocopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the afternoon of 18-11-1982 and assumed charge of the post of Homocopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Ahmedabad with effect from the forenoon of 22-11-1982.

T. S. RAO, Dy. Director Admn. (CGHS.I.).

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 6th January 1983

Ref. No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vaidyanathan Krishna Murthy, Assistant Security Officer (SG) to officiate as Security Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 24-11-1982 (FN) to 24-12-1982 (AN).

Ref. No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Jayant Vishwanath Naik, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 29-11-1982 (FN) to 1-1-1983 (AN), 33—456GI/82

Ref. No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Veer Bahadur Singh, Assistant Security Officer (SG) to officiate as Security Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 2-11-1982 (FN) to 12-12-1982 (AN).

The 7th January 1983

Ref. No. PA/79(2)/81-R-III.—On transfer from Tarapur Atomic Power Station, Tarapur, Shri Nallepilly Parameswaran Ganesan, Assistant Personnel Officer assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of December 28, 1982.

The 15th January 1983

Ref. No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vaidyanathan Krishna Murthy, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of January 1, 1983 until further orders.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 25th November 1982

Ref. No. DPS/23/5/80-Est./34932.—The Director, Directorate of purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Gopi Chand Gupta, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 from 4-5-1982 (FN) to 11-6-1982 (AN) in the same Directorate vice Shri P. V. Prabhakaran, Assistant Stores Officer granted leave.

Ref. No. DPS/23/4/82-Fst./34936.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Velivath Ghambakootathil Chandran, A permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-boc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 13-10-1982 (FN) to 12-11-1982 (AN) in the same Directorate vice Shri P. Balasubramaniam, Assistant Purchase Officer, granted leave.

The 13th January 1983

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm./1424.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ranganatha Krishna Iver, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 17-11-1982 (FN) to 24-12-82 (AN) in the same Directorate vice Shri C. J. Mulchandani, Assistant Purchase Officer promoted as Purchase Officer (ad-hoc).

The 18th January 1983

Ref No. DPS/2/1(16)/82-Adm./2015.—In continuation of this Directorate Notification No. DPS/23/4/82-Adm./9725. dated September 10. 1982, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Pandharinath Hari Sawant a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the same Directorate on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period upto December 9, 1982 (AN) and in a regular capacity with effect from December 10, 1982 (FN) until further orders.

K. P. JOSFPH Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWFR PROJECT

Anushakti-323303, the 31st December 1982

No. RAPP/04627/1(424)/82/S/Admn./45.—Shri K. M. Damodaran. Scientific Officer Engineer Grade-SB in the Rajasthan Atomic Power Station of the Department of Atomic

Energy retired on the afternoon of 31st December, 1982, on superannuation.

V. P. NAIK Administrative Officer (II)

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 15th January 1983

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Division, Department of Atomic Fnergy hereby Shri N, Gopala Krishnamacharyulu as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of January 11, 1983 until further orders,

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401 504, the 17th January 1983

No. TAPS/2/1022/74.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri P. Thangavelu a permanent SA 'B' and officiating Scientific Officer/Engr. SB in the same Power Station with effect from 14-12-1982 (AN).

ORDER

The 18th January 1983

No. TAPS/Adm/O&M/59(212)/82.—WHEREAS Shri I. P. Rajan, Assistant Security Officer, Tarapur Atomic Power Station, applied for casual leave for two days from 2-8-1982 to 3-8-1982 with permission to suffix August 4 & 5, 1982;

AND WHEREAS on expiry of the said casual leave granted to him, Shri Rajan did not report for duty;

AND WHERFAS a letter was sent to Shri Rajan on August 12, 1982 at his permanent home address (as recorded in his service book) directing him to report for duty not later than August 31, 1982;

AND WHEREAS Shri Rajan did not give any satisfactory reason for his continued absence and he was informed about the proposal to hold an inquiny against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 vide this office memorandum No. TAPS Adm/O&M/59(212)/82 dated October 25, 1982. He was also directed to submit within 10 days of the receipt of the said memo a written statement of his defence and also to state whether he desired to be heard in person;

AND WHERFAS Shri Rajan did not care to submit written statement of his defence or to state whether he desired to be heard in person;

AND WHERFAS Shri Rajan was given another opportunity to submit his written statement of defence to the undersigned before 24-12-1982, vide memorandum of even number dated 9-12-1982, which was sent by Registered Post AD and received back un-delivered with Post Office endorsement stating addressee "Out of India";

AND WHFREAS the undersigned is satisfied that due and justifiable opportunity was given to Shri Rajan to defend himself, which he failed to avail of;

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry in the manner provided under the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965.

NOW, THEREFORE, taking recourse to the special procedure in this case under Rule 19(ii) of CCS(CC&A) Rule. 1965 and in exercise of the powers conferred vide DAE Notification No 22(1)/68-Adm 11, dated July 7, 1979 read with Rule 12 of Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 the undersigned hereby orders that Shri T. P. Rajan. Assistant Security Officer, be removed from service with immediate effect.

Shri Rajan is hereby informed that appeal against this order lies to the Chief Superintendent, TAPS, In case be

desires to prefer an appeal against this order, he may do so within a period of 45 days.

C. SHANKAR, Chief (Admn.) Officer.

Thane, the 18th January 1983

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol.VII).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri C. H. Chaudhary Scientific Assistant 'C' of Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Station in a tempoary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders,

D. P. KULKARNI, (Admn.) Officer-III.

MINISTRY OF CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th January 1983

No. E(I)00910.—Resignation of Dr. D. K. Tyagi, Assistant Meteorologist, India Meteorological Department has been accepted with effect from 27-12-1982 forenoon.

K. MUKHERJEE, Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 22nd January 1983

No. A. 32013(DDGM)/1/80-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri Nootan Dos, Director, India Meteorological Department, to officiate as Deputy Director General of Meteorology in the same Department, with effect from the afternoon of 18-11-82 and until further orders.

S. K. DAS, Additional Director General of Meteorology.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th January 1983

No. 1/106/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. R. Gupta, Technical Assistant, Madras Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 15-11-82 to 24-12-82, against short term vacancy, purely on ad hoc basis, and as local arrangement.

No. 1/121/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. R. Joshl, Technical Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 27-12-82 to 29-1-83, against short term vacancy, purely on ad hoc basis, and as local arrangement.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.).
for Director General.

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE,

New Delhi, the 20th January 1983

No. 1/83.—Shri L. C. Arora, lately posted as Senior Supdt, of Central Excise in the Kanpur Collectorate on transfer vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Order No. 207/82 dated 6-12-82 (F. No. 32012/8/82-Ad. II), assumed charge as Junior Departmental Representative Group 'A' for the Delhi Benches of the Customs, Excise and Gold Control, Appellate Tribunal in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise w.e.f. 24-12-82 (F.N.).

No. 3/83.—Shri B. K. Sahi, lately posted as Senior Research Officer in the Directorate of Statistics & Intelligence, Customs and Central Excise, New Delhi on transfer as Assistant Director of Inspection, Customs and Central Excise

vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Order No. 207/82 (F. No. A-32012/8/82-Ad,II), dated the 6th December, 1982 assumed charge of the post w.e.f. 1-1-83.

B. C. RASTOGI, Director of Inspection.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th January 1983

No. 33, 2/80-FCIX.—The Director General of Works is pleased to appoint Shri K. P. Saxena, nominee of the Union Public Service Commission against the temporary post of Assistant Architect (G.C.S. Group 'B') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 650/- P.M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus usual allowances with effect from 1-1-83 on the usual terms and conditions. He is already working as Assistant Architect (on ad hoc basis), with effect from 22-3-82 and his pay has already been fixed at Rs. 810/- P.M. which he will continue to draw.

2. Shri K. P. Saxena is placed on probation for a period of two years with effect from 1-1-83.

A. K. NA. T.C. Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW JUSTICH AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of M/s. Chottupara Properties Private Limited

Cochin, the 5th January 1983

No. 1777/Liq. 260(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Chottupara Properties Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies' Act, 1956 and in the name of Sripathi Electronics Private Ltd.

Cochin, the 11th January 1983

No. 2358/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sripathi Electronics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said Company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of Johar Chemical and General Goods Private Ltd.

Cochin the 11th January 1983

No. 2460/Liq/560(3) -Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Johar Chemical and General Goods Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the name of Franco Theoricals Private Ltd.

Cochin the 11th January 1983

No. 3304/I iq '500(3),—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiry of three months from the date hereof the name of Franco Electricals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of Maharajah Travels Private Ltd.

Cochin, the 11th January 1983

No. 2596/Liq 560(3)433.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Moharajah Travels Ltd. unless cause is shown shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA, BOMBAY-2

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of Satish (hit Fund Private Ltd.

Bombay, the 18th January 1983

No. 13804/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Satish Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of G. L. Textiles Private Limited.

Bombay, the 18th January 1983

No. 631/15600/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) 765 Section 500 of the Companie, Act, 1956 that the name of M/s O. L. Textiles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of M/s. Elegent Crafts Private Limited.

Bombay, the 19th January 1983

No. 638/20757/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cosmos Shipping Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the M/s. Elegent Crafts Private Limited.

Bombay, the 19th January 1983

No. 630/20790/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. G. L. Textiles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies 4ct, 1956 and in the name of M/s. Seema Private Limited.

Bombay, the 19th January 1983

No. 633/12363/560(5) Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Seema Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of M/s. Kala Niryat Private Limited.

Bornbay, the 19th January 1983

No. 634/15682/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Kala Niryat Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, '1956 and in the name of Heena Exhibitors Private Limited.

Bombay, the 19th January 1983

No. 637/20360/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Heena Erhibitors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company has dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of M/s. Hanpjer Cinema Private Limited.

Bombay, the 19th January 1983

No. 639/20813/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Hanjer Cinema Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the name of Karnad & Bellare Private Limited.

Bombay, the 19th January 1983

No. 640/2778/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Karnad & Bellare Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay. FORM ITNS-

(1) Shil Dhir Singh S/o Asi Ram r/o Kishangarh Mchiauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Baiman Faims Pvt. Ltd. 8/13 Asai Ali Road, New Oelhi through its Director V. K. Poplai. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/5-82/216.-Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri. land situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acri land Mg 2 Bighas and 8 Biswas M. No. 48, Killa No. 25 Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Pate: 8-12-1982

(1) OF THE INCOME.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 8th December 1982

Ret. No. IAC / Acq-1/SR-III/5-82/217.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri. land situated at Vill. Bijwasan Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Dhir Singh S/o Asa Ram r/o Kishangarh Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Burman Farms Pvt Itd. 8/3 Asaf Ali Road, New Delhi through its Director V. K. Poplai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas and 8 Biswas M. No 48, Killa No 25, Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGH-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/240.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Badley Ram, Badan sons of Bihari Lal, Shat-bati d/o Bihari Lal, Smt. Ramo Devi wd/o Bihari Lal R/o Vill. Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

 Shii S. S. Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal R/o B-1/277, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The telms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 2 Biswas, Kh. No. 468 min. Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

(1) Shri Badley Ram, Badan sons of Bihari Lal Sharbati o Bihari I al and Smt Ramo Devi Wd/o Bihari Lal 1/0 Vill. Khanput New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal r/o B-1/277, Janakpuni, New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/241,—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agn. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrault, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1902. New Delhi in May 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 2 Biswas Kh. No. 474, min. Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, 1) shr/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-12-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III/5-82/242. -Whereas J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
34—456GI/82

 Shi Badley Rom, Badon sons of Bihari Lal, Sharbati d/o Bihari Lal and Smt. Ramo Devi wd/o Bihari Lal r/o Vill Khanpur, New Delhi.

(Transferor

(2) Shri S 5 Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal R/o B-1/277 Janakpuri, New Delht.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 2 Bighas and 5 Bigwas, Kb. No. 467/2, Vill. Khanpur, Tehsil Mchrauli, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi /New Delhi

Date: 8-12-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-82/243.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property by the issue of this notice under tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqualition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Badley Ram, Badan sons of Bihari Lal, Sharbati d/o Bihari Lal, Smt. Ramo Devi wd/o Bihari Lal r/o Vill. Khanpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal r/o B-1/277, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 2 Biswas Kh. No. 468 min. Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delht/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/244.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Badley Ram, Badan sons of Bihari Lal, Sharbati d/o Bihari Lal end Smt. Ramo Devi wd/o Bihari Lal r/o Vill. Khanpur, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri S. S. Duggal 5/0 Shri Ram Singh Duggal 1/0 B-1/277, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 2 Biswas, Kh. No. 475 min. Vill, Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CK BUILDING, EP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th Docember 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/245.—Whereas I, NARINDAE SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill, Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per com of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not, been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shi Badley Ram, Badan sons of Bihari Lal, Sharbati d/o Bihari Lal and Smt. Ramo Devi wd/o Bihari Lal of Vill. Khanpur, New Delhi.
- (2) Shri S. S. Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal r/o B-1, 277, anakpuri, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 2 Biswas Kh. No. 475 min. Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhl.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. JAC/Acq.1/SR-IJI/5-82/246.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri land situated at Vdl. Khanput, Teh. Mehrauli. New Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sha Badkey Ram, Badin Can, of Bihari Lal, Sharbati d/o Bihari Lal, Smr. Ramo Dev, wd/o Bihari Lal :/o Vill. Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii S. S. Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal r/o B-1, 277, Janakpuri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 2 Biswas Kh. No. 474 min. Vill. Khanpur, Tchsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aequisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

4 **4700 1110** 1110

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

No. IAC/Acq.I/SR-111/5-82/247.—Whereas I,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, Agri, land situated at

New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:-

(1) Shri Badley Ram, Badan sons of Bihari Lal, Sharbati d/o Bihari Lal and Smt. Ramo Devi w/o Late Bihari Lal r/o Vill. Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Duggal s/o Shri Ram Singh Duggal r/o B-1/277, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(0-12), 469 min. (0-6), 474 min. (0-12), and 475 min. (0-12). Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli. New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/257.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri, land situated at Vill, Sultanpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Lupa Pradhan and Kum, Sarita Pradhan, LALIT (22), Wodahouse Road, Bombay-39. (Transferor)
- (2) Kum. Radhika Datta, 13-B, Sujan Singh Park, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day; from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land measuring 6 Bighas out of Kh. Nos. 177/1 and 178/1 Vill Sultanpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/259.---Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri. Jand situated at Vill. Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Balayati Kam Ghaiye 5/0 Ram Lal Ghaiye 1/0 A-14/5, Kana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sagar Family Trust A/35A, Mayapuri Industrial Area Phase-I, New Delhi through its trustee Suresh Sagar 1/0 B-37 Defence Colony, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agai, land Mg. 4 Bighas and 16 Biswas Kh. No. 312, Vill. Khappur, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi 'N-w Delhi

Date: 8-12-1982

FORM LINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G I3 GROUND FLOOR OR BUILDING IP ESTATE
NEW DELHI

New Delhi the 8th December 1982

Ref No IAC/Acq I/SR III/5 82/260—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing Agri land situated at Vill Khanpur, Feh Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely — 35—456GI/82

- (1) Shu Bishun Dev w o Shu Kaptan Singh r/o Vill Devli Teh Mehraul New D thi
 - (transferor)
- (2) Smt Usha Jan w/o Shir Suich Jain ar/o C 29 Panch beef I nelave New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg 2 Bigh is and 19 Biswas Kh. Nos. 270/1 and 270/2 Vill Khanpur Ich il Mehrauli. New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
A quisition Range 1 D lbt/New Delbi

Date 8-12 1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/261.---Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1902 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Kaptan Singh, Chandan Singh, Rai Singh & Rattan Singh all sons of Shri Ram Mehar and Smt. Shano and Smt. Shila both d/o Sh. Ram Mehar all r/o Vill. Devh, Tehsil Mehrauli. New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Suresh Jain s/o L. Sher Singh Jain r/o C-29, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bighas and 16 Biswas Kh. Nos. 270/2, 276/3, 277/3, 280/2, 280/3, 270/1, 305, 306, 307 Vill. Khanpui, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/260.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—35—456GI/82

(1) Shri Bishan Devi w/o Shri Kaptan Singh r/o Vill. Devli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Usha Jain w/o Shri Suresh Jain r/o C-29, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 19 Biswas Kh. Nos. 270/1 and 270/2, Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dilhi, the 15th December 1982

Rei. No. 1AC/Acq.I/SR-III/5-82/266,—Whereas, I, NAKINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at

Village Deta Mandi, Teh. Mehtauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Zile Ram, Sailak Ram sons of Bharat Singh, Phattoo W/o Late Bharat Singh R/o Village Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri S. P. Sinha S o I at. O. P. Sinha, R/o 2 Arrah Gardens, Shaikhpura, Bailey Road, Patna, Bihar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter—

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4 Bighas and 19 Biswas Mustatil No. 91 Killa No. 9, Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III—SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/267.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Zile Ram, Sailak Ram sons of Bharat Singh, Phattoo W/o Late Bharat Singh R/o Village Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka Sinha W/o S. P. Sinha, R/o 2 Agrah Gardens, Shaikhpura, Bailey Rcad, Patna, Bihar.

(Transferee)

Objection, if why, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4 Bighas and 18 Biswas Mustatil No. 91 Killa No. 13 (4-8), 10 min (0-10), Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-1U/5-82/268.—Wheeras, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Devli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhagwant Behari Mathur S/o Bankey Behari Mathur, 1 Maharaja Lal Lane, Civil Lines, Delhi,

(Transferor)

(2) S/Shri Sarvansh Sethi and Jatinder Sethi sons of Ram Lal R/o 6 New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha, Kh. No. 579 village Devli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhagwant Behari Mathur S/o Bankey Behari Mathur, I Maharaja Lal Lane, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri kartar Singh and Om Parkash sons of Jug Lal Village Devli, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FI OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/269.—Whereas, INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at

Village Devli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha, Kh. No. 575, Village Devli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC, Acq.I/Acq III/5-82/270.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at

Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Phal S/o Dev Karan r/o Village Sultantur. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Pehlad Singh S o Dev Karan 170 Village Sultanpur, New Delhi,

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agticultural land Mg. 8 Bighas and 3 Biswas Kh. Nos. 508 (4-16), 517 (3-7) Village Sultanpur, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione o Income-tax
Acquisition Rengal Delhi New Delhi

Date: 8-12-1982

Seal .

NGTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/271.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at

Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

36-456GI/82

(1) Shri Ram Phal S/o Dev Karan r/o Village Sultanpur, New Delhi.

(2) Shri Pehlad Singh S/o Dev Karan r/o Village Sultanpur, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 8 Bighas and 12 Biswas Nos. 5 (4-16), 516 (4-16) Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, 515 (4-16), 516 (4-16) New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/272.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at

Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Phal S/o Dev Karan r/o Village Sultanpur, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Pchlad Singh S/o Dev Karan r/o Village Sultanpur, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 7 Bighas and 7 Biswas Kh. Nos. 503/1 (1-12), 507 (5-15) Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/273.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at

Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any racome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rajan S/o Rattan Singh R/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Naurang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219, Chittranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 3 Bighas and 12 Biswas Kh. No. 1835, Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX A(f. 1961 (43 OF 1961)

e derivitat ratality (control tra-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-H1/5-82/274.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at

Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacthtating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajan S/o Rattan Singh R/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Naurang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219, Chittranjan Avenuc, Calcutta, through Jaspal Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the πespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4 Bighas and 12 Biswas Kh. No. 1835, Village Aya Nagur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitnon Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOCK CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/275.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Aya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rajan S/o Rattan Singh R/o Aya Nagar, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) M/s. Nawang Commercial Co. Pvt. Ltd.,
 219, Chittianjan Avenue, Calcutta,
 Through Jasal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4, Bighas and 16 Biswas Kh. No. 1913, Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Amrit S/o Moti R/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Sapra S/o Krishan Kishore Sapra, R/o B-4/31, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/276.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 18 Bighas and 4 Biswas M. No. 84, Killa No. 11/1(2-18), 9(2-3), 10 (4-16), M. No. 85 Killa No. 14 min (3-11), 15(4-16), Vill. Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/277.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at

Village Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

(1) Shri Amrit S/o Moti R/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kishore Sapra S/o Daulat Ram Sapra R/o B-4/31, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHROULE

Agricultural land Half share in agri. land measuring 18 Bighas and 4 Biswas M. No. 84, Killa No. 11/1(2-18), 9(2-3), 10(4-16), M. No. 85 Ktla No. 14 min. (3-11), 15 (4-16) Village, Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J. Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.

NO 'CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/278.—Whereas, J, NAP, NDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonaur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

() S/Shri Dev Karan, Kishan Lal and Sham I Soas of Rikhia, Phool Wati W/o Rikhia Q. Jerapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Badera S/o I. D. Badera R/o Sunlight Building, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

4/5 share Agricultural land Mg. 3 Bighas and 5 Biswas Mustatil No. 82, Killa No. 9/1 (3-0), 2/1 min (0-5), Vill. Jonapur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometas,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

. =========

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/289—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Λ ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at

Village Jonaur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—, 37—456GI/82

 Jaswant, Bishram and Sharda Ram Sons of Govinda R/o Village Jonapur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Badera S/o I. D. Badera R/o Sunlight Building, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 6 Bighas and 8 Biswas M. No. 82, Killa No. 9/2(1-12), 10(4-10), 2/2(0-6) Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S --- ~ ~

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III/5-82'293.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, Tehsii Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the haid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Daya Kaur W/o Jaswant Singh, R/o Gobind Sadan, Gadaipur, New Delhi as Natural guardian of her minor children Narinder Singh and Virender Singh Through attorney Lt. Col. Daya Singh R/o Gobind Sadan, Gadaipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Didar Singh S/o Kabal Singh R/o A-125, Nitibagh, New Delhi and Also at Bhar Singhpur, Tehsil Phillore, Distt. Internation (IRS) Jullundur (PB).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 8 Bighas and 6 Biswas, M. No. 32 Killa No. 19(5-10), 23/1(2-16), Village Jonapur, Tchsil Mehrauli, New Delhi,

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA. Λ. Λ. Γ. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Dethi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-III/5-82/294.—Whereas, INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situaeth at Vill. Jonapur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of at 1908) in the office of the Registering in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mooms or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Smt. Daya Kaur, W/o S. Jaswant Singh as natural guardian of her minor children Narinder Singh & Virender Singh through attorney Lt. Col. Daya Singh r/o Gobind Sadan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kabal Singh S/o Inder Singh R/o A-125, Niti Bagh, New Delhi and also at Bhar Singhpur Teh. Phillore (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 10 Bighas and 1 Biswas. M. No. 32, Killa No. 18(4-16), 22 (5-5) Vill. Jonapur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-12-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padmavati Estates Private Ltd. of C-4, Main Market, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferce)

A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

IAC/Acq/f/SR-JII/5-82/312,---Whereas No. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land, situated at Vil. Bijawason, Tehsil Mehrauli, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(1) Smt. Umila Devi W/o Sh. Chaman Lal, "To No.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Kh. No. 43/14, (4-12) 43/15 (2-0), 43/6 (3-4) 43/7 (4-12) total area 14 Bighas 8 Biswas Vill. Vijwason, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-III/5-82/314.--Whereas. J NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Urmila Devi W/o Chaman Lal, R/o No. A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

___ - - · · _ ___

(2) Smt. Padmavati Estates Private Ltd., of C-4, Main Market, Vasant Vihar, New Delhi, Hertez Agencies-(P) Ltd., Atma Ram Estates (P) Ltd., Sh. Washesher Nath Chadha S/o Late Sh. Assa Nand Chadha, Smt. Kanta Chadha, W/o Washesher Nath Chadha, Pratha-kar Chadha S/o Harsh Chadha, Chaman Lal Soi S/o Late Raja Ram. Sh. Sunil Kumar Soi S/o Chaman Lal Soi, Virender Nath Koura & Inder Mohan Dhawan S/o L. Sh. Manohar Lal Dhawan all residents of Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. I and. Kh. No. 79 Min. (1-10), 79/14(1-6), 79/7-(1-6), 4(1-6), 43/24(1-6), 43/17 Min. (1-6) 8 Bighas Vill. Bijwason, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Urmila Devi, W/o Chaman Lal R/o No. A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Atma Ram Estate Private Ltd., C-4 Main Market, Vasant Vihar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. 1AC/Acq/I/SR-III/5-82/313.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at Vill. Bijawason, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any monevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Kh. No. 43/24(2-3) 43/25(4-7) 43/17(3-10), 43/16(3-4), 43/15(1-4) total area 14 Bighas 8 Biswas Vill. Bijawason, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM LTNS.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Urmila Devi, W/o Chaman I al R/o No. A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hertz Agencies Pvt. Ltd. of C-4, Main Market, Vasant Vibar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. 1AC/Acq/I/SR-III/5-82/315.—Whoreas, NARINDAR SINGH, I.

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vil. Bijwaslon, Tch. Mehrauli, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 23 Bighas and 11 Biswas Kh. Nos. 189/2-(6-0), 79/17 min (2-2), 79/13m in. (3-3) 79/7 Min. (2-8), 79/6(1-15), 79/4(2-9), 79/54-16), 43/24(0-9), 43/25(0-9). Vill. Bijwason, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date 8-12-1982 Seal

2918

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

IAC/Acq/I/SR-III/5-82/331,--Whereas_ No. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Agri, land situated at Vill. Samalka Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at-

in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Perhlad, Fatch Singh sons of Baldev Jingh (2/9th share) Surat Singh adopted son of Nathua (1/3rd) on Vill. Rajokri, New Delhi.
- (Transferor) (2) Dharam Pal Arora S/o Nathu Ram R/o 56. Model Town, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- *(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agri, land 5/9 said shares in Agri, land measuring 12 Bighas and 12 biswas, M. No. 21, Killa Nos. 8 (4-16) 9-(4-16), 10/2(3-0) Vill. Samalka, New Delhi.

> NARINDAR SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-12-1982

Seal

FORM 1.T.N.S.-

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq./I/SR-III/5-82/341.—Whereas, INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Samalka Tehsil Mehrauli. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—456GI/82

(1) Mrs. Sudha Ghosh R/o Vill, Smalka (Tch. Mchrauli), New Delhi.
(1ransteror)

(2) Shri Kewal Singh, H-25, Connaught Circus, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg, 6 Bighas 4 Biswas Kh. Nos. 16 1(1-12), 17/2(4-12) Vill. Samalka 'Feh, Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Nev Delhi, the 15th December 1982

Ref No. IAC/Aeq.1/SR-III/5-82/342.—Whereas I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrilland situated at Vill. Smalka Tehsil Mehrauli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perious, namely:—

- (1) Mrs. Sudha Ghosh, r/o Vill, Smalka (Tehsil Mehrauli), New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Kewal Singh, H-25, Connaught Circus, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 1 Biswas Kh. No. 15/2, Vill. Samalka, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUNDFLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/200.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. U/21, Kh. No. 183/132 situated at Vill. Yusuf Sarai, Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Sindulan Rani w/o Sh. Set Pal, r/o 153, Gali Halwayian, Paharganj, New Delhi & 2. Smt. Shauta Rani w/o Sh. Som Nath r/o 68, Naiwara, Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. United Properties, No. 5, Metcalf through its partner Sh. Arun Srivastava 5/0 Kishan Gopal r/o 5 Metcalf Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this instice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the Jake of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. U/21, Kh. No. 183/132, Mg. 550 sq. yds. Vill. Yusuf Sarai, Green Park Extension, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUNDFLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/202,—Whereas UNARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-138 situated at Greater Knilash, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Sawhney w/o Sh. H. S. Sawhney, r/o B/78, Greater Kailash, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Shii Bishan Chandia Gupta s/o Sh. Hariiam Gupta, E-4, Kailash Colony, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built plot mg. 509 sq. yds. M/138, Greater Kailash, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUNDFLOOR OR BUILDING, IP. ESTATI. NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

No. TAC/Acq.I/SR-III/5-82/205 --- Whereas NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter released to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 14-A, Plot No. 37 situated at W F A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated m the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Smt Komala Rama Sawami, 14-A 37, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Bhagwant Singh; 2. Lakhbir Singh; 3. Surinder Singh, 14-A/37, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 14-A, Plot No. 37, W.F.A Karol Bagh, New Delhi. Mg. 160 8 Sq. yds 24 storcy built up.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Date: 15-12-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUNDFLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-82/208.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in situated at Plot No. 5, Block M, Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Singh s/o S. Sajjan Singh, r/o 6/52, Punjabi Bagh, New Delhi.
- (2) M/s. Ram Prastha Builders (P) Ltd., 4/4, Asaf Ali Road, New Delhi through its Director Ajit Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in plot No. 5, Block M, Mg. 500 sq. yds. (equal to 125 sq. yds.) Greater Kailash-I, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUNDFLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/209.---Whereas I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

1/4th share in plot No. 5, Block M situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on May 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdeep Singh s/o S. Sajjan Singh, r/o 6/52, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/3. Ram Prastha Builders (P) Ltd., 4/4, Asof Ali Road, New Delhi through its Director Ajit Singh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in plot No. 5, Block M, measuring 500 sq. yds. (equal to 125 sq. yds.) Greater Kailash-I, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-82

FORM JTNS--

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP TAX

G 13 GPOUNDFLOOR OR BUILDING, 1P ESTATE, NI W. DELHI

New Delia the 15th December 1982

Ref No IAC Acq I SR-III/5-82 210 — Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent 2 otherity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2th share in plot No 5, Block M situated at Greiter Kailash I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Shii Ajit Singh s/o S Sajjan Singh, 170 6/53, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferer)

(2) M/ Rain Pin the Builders (P) Ltd 4/4 Asaf VI Road, New Delhi through its Director Ajit Singh (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is often in that Chapter

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in plot No. 5, Block M, Mg. 500 sq. yds. (equil to 125 sq. yds.) Greater Kailash-I New Delhi

NARINDAR SINCH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Rings I
Delhi/New Delhi

Date 15 12 82 Scal

(1) Shri Balwant Singh s/o S. Sajjan Singh, r/o 6/52, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Ram Prastina Builders (P.) Ltd., 4/4 Asaf Ali Road, New Delhi through its Director Ajit Singh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

New Delhi, the 15th December 1982

publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/5-82/211.—Whereas I, NARINDAR SINGH

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/4th undivided share in plot No. 5 situated at Block M,

Mg. 500 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1082

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4th undivided share in plot No. 5, Block M, Mg. 500 sq. yds. (equal to 125 sq. yds.) Greater Kailash-I, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—456 GJ/82

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri B. G. Rao, 26 Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Naim, Mohd. Anis, Mohd. Nasim, 4992, Kucha Rehman, Chandani Chowk, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/5-82/219.--Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/-No. 26-Nizamuddin East, situated at New Delhi-7

Block No. 128, 137, 138, 139, 127, 12 situated at Radesan (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1082

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26, Nizamuddin East, New Delhi-7. Area: G.F. 2344 Sq. ft. F.F. 1744 Sq. ft. Barsati 475.43 Sq. ft.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

(1) Shri Amar Nath Datta s/o Mehta Sukh Dayal r/o Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ch. Mehtab Singh s/o Ch. Surat Singh, r/o No. 41, Surat Singh Buildings, Yusaf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Ac I/SR-III/5-82/221,—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. K. 20 (Old No. 9-A) situated at Hari Nagar (Green Park Extension), New Delhi-16

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on May 1082

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F VPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Plot No. K-20, (Old No. 9-A), Hari Nagar (Green Park Extension), New Delhi-16 160 sq. yds. (Part of Khasra No. 4).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/227.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at No. E-143A, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Bhatia Apartments Unit, No. 2 through its partners Svs. N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, A. K. Bhatia, S. K. Bhatia r/o W-41, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri D. K. Dey s/o Late Dr. B. B. Dey and Smt. Sushila Dey w/o Sh. D. K. Dey r/o 59, Sunder Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

One sixth undivided share in property No. E-143A, Greater Kailash II, New Delhi and portion of First Floor of two bedrooms with attached bathrooms, one drawing cum dining room, one kitchen, balconies and s. qtr.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/231 —Whereas I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under

Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. S.166 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1082

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Urvashi Jain w/o Shri Rakesh Jain, r/o E/482, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt Lekha Soni w/o Shri Kuldıp Kumar Soni c/o Sh. N. G. Arora, A/101/13, Wazir Pur Industrial Arca, Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days room the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-166, Greater Karlash-II, New Delht-48, Area: 300 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/232.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 7, Block M situated at Connaught Circus, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naresh Chand Kakaria 8/0 Late Lala Labhu Ram Kakaria r/0 at 8 Jain Mandir Road, New Delhi and Sh. Amrit Kumar Kakaria s/0 L. Lala Labhu Ram Kakaria r/0 at 8, Jain Mandir Road, New Delhi through his general Power of attorney Smt. Sunita Kakaria w/0 Naresh Chand Kakaria.

(Transferor)

(2) Oriental Building & Furnishing Co. Ltd., M-Block, Connaught Circus, New Delhi through its Director S. Charnjit Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block M, Connaught Circus, New Delhi. G.F. 2247.96 sft.

G.F. 2247.96 sft, 1st. F. 2300.13 sft, 2nd F. 1480.46 sft,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/234,—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Block No. 149, situated at Radesan,

Shop No. 1, DLF Commercial Centre, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely;—

- Smt. Prabha Sukhani w/o R. K. Sukhani, r/o B-31, Kailash Apartments Kailash Colony, New Delhi.
- (2) Smt. Kanwaljit Kaur w/o Dr. Kaverjit Singh Gujral, r/o S/51A, Panchshila, Park, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, DLF Commercial Centre, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

Mg. 384.78 sq. ft. including the thickness of walls).

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III-5-82/235.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. B-1/43, Malviya Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sushila Malhan, Savitri Puti, Savitri Dingra, Satinder Kumar Puri, Madan Lal Puri, Vimla Mehta, Amrit Lal Puri, Om Kumar Puri through attorney Pran Nath Malhan s/o Sant Ram Malhan r/o B-1/42, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Bandhu Sharma s/o Bhawani Sahai Sharma c/o New Man & Co., Block No. 90, Connaught Circus, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-1/43 Malviya Nagar, New Delhi Mg. 200 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/237.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 2/9A, Jangpurn B, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—456G1/82

(1) Shri Hazari Mal s/o Batditta Mal, r/o 2/9A Jangpura B, New Delhi now at Tanakpur, Distt. Nainital, U.P. (Transferor)

(2) Smt. Pushpa Anand w/o Sh. Madan Lal r/o 1/2 Jangpura B, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2/9A, Jangpura B, New Delhi Govt. Built Property, 100 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagdish Parshad, A-6, Hauzkhas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Behari Sharan, 1/1, Faiz Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/301.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Single storey house situated at Nai Wala Gali No. 18, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at

Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey house built on 333 sq. yds. Nai Wala Gali No. 18, Karol Bagh, New Delhi (1/2 undivided share of the said house).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Rcf. No. 1AC/Acq I/SR-III/5-82/310.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 Storeyed on plot No. Z-25 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kehar Singh, Smt. Dan Kaur r/o Z-25, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kesri Chand Jain, Khushal Chand Jain, Kailash Chand Jain r/o 2919, Sattais Ghaia, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house on plot No. Z-25, Hauz Khas Enclave, New Delhi. Mg. 250 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. Nofi IAC/Acq I/SR-III/5-82/329.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-547 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Madhu d/o Bhudher Thakur, w/o Dil Bahadur r/o E-45, Preet Vihar, Delhi through attorney Ramesh Kumar Sawhney. (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash Kohli s/o Kundan Lal Kohli r/o R-547, New Rajinder Nagar, New Delhl. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-547, New Rajinder Nagar, New Delhi. Mg. 200 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

- (1) Shri V. N. Kohli son of Late R. S. Balmukand Kohli r/o 17, Golf Links, New Delhi,
 - (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Shri Kewal Krishan Anand so/o Sada Nand r/o 17/5, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref No. IAC/Acq. I/SR-III/5-82/330.---Whereas INARINDAR SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11533, on plot No. 62, Block No. 8-A situated at W.E.A. Karol Bagh. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 11533, on plot No. 62, Block No. 8-A, measuring 162.5 sq. yds. (3 biswas) Kh. No. 1158/761 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

(1) Shri Subhash Mitter Jerath, C-86 Defence Colony, New Delhi.

(2) Smt. Shailash Kumari & Miss,

(Transferor)

Manisha Singh

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/332.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-273, Grenter Kailash situated at Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namly:—

(minor), C-59, Defence Colony, New Delhi.
(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. E-273, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/343.—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3A/9, W.E.A. (Sat Nagar) situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkamagalur Under document on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Lai Batra s/o Late Shri Inder Bhan Batra r/o 2/5 Mistry Nagar, Shivaji Park, Road No. 5, Bombay through attorney Dewan Singh s/o L. Shri Khushi Ram r/o 8A/5, N. P. L. Qrs. New Rajineder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (1) Smt. Kailush Wati w/o Late Rosban Lal, & Yash Paul Chawla, s/o Late Rosban Lal both 1/0 3A/9, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3A/9, W.E.A. (Sat Nagar) Karol Bagh, New Delhi Area 77 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Enspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-J
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

Seal ·

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-82/344.—Whereas 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. C-I/68, Lajpat Nagar, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kozhikode in 17-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Santokh Singh Dua, 41, Hemkunt Colony, New Delhi. 2, Surinder Singh, D-761, Mandir Malg, New Delhi.
 S. Wazir Singh, G-1/557, Armapur Estate. Kanpur U.P.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Chabbra, 27, Krishna Market, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-I/68, Lajpat Nagar, New Delhi Mg. 100 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-I Π /5-82/349.—Whereas INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R-125, Greater Kailash Part-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—456GI/82

 Smt. Ram Sakhi Devl & Sh. Ashok Kr. Bansal r/o R-215, Greater Kailash-I, New Delbu 48

(Transferor)

(2) Smt. Indira Anand, Smt. Ritu Mehra, Smt. Punam Bhasm and Smt. Kamini Bhandari all r/o S-139, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of R-215, Greater Kailash Part-I, New Delhi. Mg. 1365 sq. ft. (approx) (Flat area only).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

IAC/Acq.I/SR-III/5-82/350.—Whereas

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. C-1/67, Lajpat Nagar, situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tramier with the **object of :--**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Santokh Singh Dua, 41, Hemkunt Colony New Delhi, S. Surinder Singh Dua D-761, Mandir Marg, New Delhi, S. Wazir Singh, G-1/557, Armapur Estate, Kanpur, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Pervesh Chabbra s/o Wewan Chand Chabbra, C-2, Sarai Rohilla, Subhadra Colony, Old Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-1/68, Lajpat Nagar, New Delhi. Mg. 100 Sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Date: 15-12-1982

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/345.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. A-289, situated at Okhla Industrial Area, Phase-

I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Inter Continental Export Corpn. through their partners Smt. Sneh Obroi and Smt. Neena Kohli, E-195, Greater Kailash, Part-I, N. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Tony Electronic₈ Pvt. Ltd. through their Director Smt. Sneh Obroi and Smt. Neena Kohli, 24, D.D.A. Market, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Plot A-2899 Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi, Mg. 518.4 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date · 15-12-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt, Vasanti Devi through here attorney Sh. Gurdial Singh 1548, Main Pahargani, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avtai Singh s/o Arjan Dass r/o No. 2, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 Ground FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-82/354.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 1, Block No. 8 situated at W.F.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Blok No. 8, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi Mg. 280 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dato: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-82/345.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H.S./12 situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

(1) Santosh S. P. Singh R/o
A/7, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shi Madan Lal

Sh. Surinder Kumar,
 Sh. Bal Kishan,

3. Sh. Bal Kishan, 4. Sh. Chaman Lal

 Darshana Chopra C/o Anupma Sweety, H. S. 12, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property bearing No. H.S. 12, Kailash Colony, New Delhi Mg. 195 Sq. Mt.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 16th December 1982

Ref No. P. R. No. 2209/Acq.23.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 341, Paiki plot No. 11-A, situated at Pujara plot Sheri No. 1, opp: Bhaktinagar Society, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Umedbhai Maganlal Nr. Raiyanaka Tower, Raikot.

(Transferor)

(2) Smt. Manishaben Dineshkumar Sorathia Pujara plot - Sheri No. 1, Opp: Bhaktinagar Society Nr. Vankdo - Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 243 sq. yds. situated at S. No. 341 Nr. Bhaktinagar Society, At: Pujara Sheri No. 1, and duly registered by S. R. Rajkot vide his Reg. No. 2816 in the month of May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 16-12-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2210 Acq. 23.-Whereas, I, SHRI R. R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Eust seam of Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 17-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly estated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Pragjibhai Tilak

Shri Suryakant Pragjibhai Tilak village : Naranpar : Tal : Bhuj.

(Transferor)

(2) Shri Praymchandra Kanjbhai Nanikhakhar, Tal: Mandvi Dist : Bhuj.

(Fransferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Proeryt registered vide reg. No. 4235 dt. 17-5-82 by S. R. Bhuj.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ahmedabad

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 28-12-82 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd December 1982

Ref. No P. R. No. 2211 Acq.23.—Whereas, I R. R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 25,000/- and bearing

S. No. 132 and block No. 134—village situated at Aslali,

Dist: Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regstering officer at Ahmedabad on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhoraka Drum & Allied Industries Reg. Office 90/92 Sheriff Devji Street. Reg. Office

(Transferor)

(2) Shri Bhim Sani Saligram Goyal, as Lawful power of attorny holder of Transport Corporation of India Ltd. Mahatma Gandhi Road, Secundrabad (Andhra-Pradesh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 16955 with structure thereon situated Village: Aslali Dist: Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide R. No. 7166/14-5-82

> R. R. SHAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabac

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 23-12-1982

Seal .

FORM I.T N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1982

No. P. R. No. 2212 Acq.23/82-83.—Whereas, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 / f 1961) (bacinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

S. No. 111/1, Viylinge Sola, Dist: Ahmedabad situated at Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at AhmcJabad on 12-5-182 & 17-5-82

for an appoint consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-42-456GI/82

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

- Shri Ashabhai Ambalal Patel & others. (1)Shri Krishna Dhaam, Village: Sola Tal: Daskroi. (Transferor)
- (2) Shri Damodardas Mohanlal 23, Sweetal Society, Gulabi's Tekra, Amavadi, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5700 sq. yd. situated at village—Sola, Dist: Abad, duly registered by S. R. Abad, vde R. No. 7038/ 12-5-82, & 7260/17-5-82,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range. Ahmedabad

Datel 22-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2NIN FLOOR, HAND-LOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 24th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2213 Acg. 23.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I. P. No. 970/3, T.P.S. 3, 1/3rd share - paldi, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay max under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Smt. Kalpanaben Rashmikant Nagri Sheth C. G. Road, E. B. Ahmedabad. 6.

(Tansferor)

(2) Minor Valinikeya Rashbikant Nagri by his guardian Rashmikant R. Nagri Sheth C. G. Road Ellisbridge, Ahmedabad.6. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in building standing on land 2700 sq. m. situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide No. 7108/13-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 24-12-1982

Seal;

 M/S. Manilal Laxmichand Vora & Bros. 205, Sant Tukaram Road, Lokhand Bazar, Bombay, 9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ambicanagar Co. op. Housing Society Ltd. Chairman - Shii Chandrakant M. Patel, 50, Harisiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ahmedabad, the 23rd December 1982

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P. R. No. 2214 Acq. 23.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
654-12, 655-2, 658, 661, 668, 669-1, 2, 670-681, 672/1.2,
3, 674-2, 676, 677, 681, 683-1, 685, 666, 688, 690, 696 to 699/
1, 2, 3, 4, 5, 701, 720-1, 3, 4, 721-1, 2, 722 paiki situated at

odhav. T. P. S. I, F. P. 100 Paiki Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 16285.15 sq. m. situated at Odhav, Dist: Ahmedabad, registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7082, 7086, 7087, 7077, 7078, 7081./12-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 1 23-12-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd December 1982

kef. No. P. R. No. Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 654-1, 65412, 655-A, 658, 661, 668, 669-1, 699-2, 670, 671, 672-1, 2, 3, 674-2, 676, 677, 681, 683-1, 685, 686, 688, 690 696 697, 698-1, 699-2, 3, 4, 5, 701, 720-1, 3, 4, 721-1, 721-2, 722 panki situated at Odhav, Dist., A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Manilal Laxmichand Vora & Others 209, Sant Tukram Road Lokhand Bazar, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) Belapark Odhav Co-op. Housing Society Ltd. Chairman: Shri V. D. Patel 50, Harsiddh Chambers Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 14947.85 sq. yd. situated at Odhav, A'bad. T.P.S.1, F. P. No. 100 paiki, duly registered by S. R., Ahmedabad vide sale-deed No. 7072, 7074, 7075, 7083 & 7084/12-5-82.

R. R. SHAH
Competent Auhority,
Inspecting Assistant Commissinor of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-12-1982

cal:

Chhipa Patel

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor) (2) Smt. Nirmalkunverba P. Wala, Village; Paliyad (Via Botad) Dist. Bhavnagar. (Transferee)

(1) Smt. Tarlikaben Gautambhai Shah

Park, Navrangpura, Ahmedabad,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd December 1982

Pef No. PR. No. 2216/Acq.-23.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and brating

S. No. 403 paiki & S. No. 405 paiki, sub-plot No. 27 situated at Bedekdey, Dist. Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 593 sq. vds, with structure situated at Bodakdev Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed No.6984/11-5 (2.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 23-12-1982 Scal :

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED 4BAD-380 009

Ah nedabad, the 23rd December 1982

Ref. No PR. No 2217/Acq-23—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 82 & 83, T.P.S. 15, paiki, S. P. No. 71 situated at Wadaj, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Tiibhowandas Nagardas Vaghela, 71, Azad Society, Vastrapur, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chandraben Ravindrabhai Dayashanker Vyas, Village: Dedakdi, Tal: Savarkundla, Dist. Bhaxanaga.

(Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 200 sq yds situated at T.P.S. 15, Wadai, Ahmedabad; duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 6925/7-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date 23-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No 2218/Acq-23.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 255, Sub-plot No. 3, 1/18th undivided, TPS, 3, situated at Shikhpur-Khanpur, alias Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anubhai Ramanlal Gajjar & Others, Near Mithakhali Railway Crossing, Fllisbridge, Ahmedabad.
- (2) Shri Kantilal Mandal Parikh & Others, 5-Smruti Kunj Society, Naviangputa, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice on the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. plot adm. 121.66 sq. yds. bearing TPS. 3 F.P. No. 255-Sub-plot No. 3-paiki, situated at Navrangpura alias Shikhpur Khanpur, Ahmedabad dulv registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 7763/28-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 22-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2219/Acq.-23-I/82-83.--Whereas, I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 87-1 & 87-2 paiki TPS. 19-F.P. 188, Sub-plot No. 1

situated at Memnagar, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 195%);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Suiendra Narandas Chauhan, Behind Motilal Patel's Hospital, Near Mangaldas Town Hall, Fllisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ujjawal Apartments Vikas Mandal, Chairman: (1) Shri I oka Himanshu Saiyyadh, Scoretary: (2) Shri Pankajkuntar C. Chokshi, Both at Ujjawal Apartments. Dr. Radhakrishna Marg, Navrangpura Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 1178 sq. yds. situated at Memnagar TPS, 19, Ahmedabad, duly registered by S.R., Ahmedabad, vide saledeed No. 7315, 7311 & 7302/18-5-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 22-12-1982

Seat :

(Transferee)

FORM 1.T.N.S.....

....... (1) Shri Indraj't Gangaram Bhutan',
32, Odhay Industrial Estate, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. L. Dua, Hat No. I, Swairvihar Co-op. Housing Society, Vastrapur, Parjarapole, Ambawadi, Ahmadabad

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2220/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

CS. No. 307-1 TPS. 20 situated at Flat No. 1, Swairvihar Co-op. Housing Society, Vastrapur, Panjarapole, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43—456GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. x acm. ±0 sq. vds. satuated at Swairvihar Co-op. Housing Society Ltd., Near Panjarapole, Ambawadi, Ahmedabad dalv registered by St. Ahmedabad vide salt-deed No. 7230/29-5-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 22-12-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2221/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 309, T.P.S. 28, situated at Wadaj, Ahmedabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bachubhai Punjabhai Kadia, Dandigaramni Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

 Subhashish Apartment Association, President: Mukesh Memraj Parmar, Pathik Society, Sardar Patel Colony Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 938 sq. mtr. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by SR. Ahmedabad vide sale-deed No. 7683/27-5-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 22-12-1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2222.Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and heaving

Rs. 25,000/- and bearing
No. S. 329 paiki—T.P.S. 25, F. P. 515 situated at
Kokhara-Mehmedabad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under emb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Dhirajlal Fulchand Tamboli Takhtedwar Plot, Opp. Radhavallabh Mandir Bhavnagar.

(Transferce)

(2) Shri Jagdish Chandra Popatlal Acharya Chairmari: Ahmedabad Education Public Trust Employees' Co-op. H. Society Ltd., C/o. N. K. Patel, Advocate 66, Shantisadan Estate, Opp. Dinbai Tower Mirzapur, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structure on land adm. 2019 sq. mtrs. situated at Kokhera-Mehmedabad, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R., Ahmedabad vide sale-deed No. 7676/May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-bar
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2223.Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S 262-1 paiki, S. No. 220 paiki & S. No. 221 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahm. Jabad on 20-5-82

to, ar, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por control such apparent consideration and that the consideration for such transfer or egreat to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harshadbhai Ratilal Patel & Others Jethabhai's Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

 Surpath Co-op. Housing Society Ltd. C/o. Chairman, Shri Kantılal Chandulal Patel 13, Ramdurga Society Naianpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1506.5 sq. yds.+8998.5 sq. yds.+2397 sq. yds. paiki—situated at Ghodasar, Ahmedabad duly registered by S. R., Ahmedabad, vide sale-deed No. 6394/20-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

'COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUCE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2224.Acq.23-I/82-83.—Whereas, 1, r. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 200 paiki & S. No. 262-1 paiki situated at Ghodwar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahm. Jabad on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harshadbhai Ratilal Patel & Others Jethabhai's Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Spectrum Co-op. Housing Society Ltd., Chairman: Baldevbhai Nathabhai Patel Sarvedava Nagar, Sola Road, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1695.5 sq. yds. of S. No. 220 paiki and land adm. 8769.5 sq. yds. of S. No. 262-1 paiki, situated at Ghodasar, Dist. Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed No. 6439/20-5-82.

R. R. SHAH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2225, Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sakl Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 221 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harshadbhai Ratilal Patel & Others Jethabhai's Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sukhdham Ghodasar Co-op. Housing Society Ltd C/o. Chairman: Kumar Babulal 75, Sahyadri, Navrangpura Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 10557 sq. yds. at Ghodasar, Dist. Ahmedabad duly registered by S. R., Ahmedabad vide sale-deed No. 6395/20-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2226.Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

S. No. 168-A paiki & S. No. 169-A paiki, Asarwa, situated at Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Kaushiklal Naranlal, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Pratap Singh Ram Singh Chavda, Sabarpura, village Karai Dist. Gandhinagar Shri Bakorbhai Kacharabhai Brahambhatt, Opp. Vijay Mill, Naroda road, Laxmipura's Chawl, Ahmedabad. Shri Kalyan Singh Sukh Singh Shekhawat, Gandhini Chawl, Asarwa Rd., Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7983 sq. yds. situated at Asarwa, Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 3311/19-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

FROM I.T.NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2227.Acq.23-I/82-83.—Whereas. I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25 000'-and bearing No.

S. No 708, village: Makarba Dist. A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ':—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gugaji Mohanji Village: Mohammedpura • Tal: Daskroi Dist. Ahmedabad.

(Transferor.)

(2) Shii Natvailal Chunilal Shah Karta & Manager of N. C. Shah & others Shahibaug, Firdharnagar Society, Sarojkunj Bunglow, No. 19, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring Acr. 5 and Guntha 13 i.e., 25773 sq. yd. situated at village Makarba, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7418, 7417, 7414, 7413, 7411/20-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2228.Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 578/6, Sub. plot No. B. paiki situated at Chhadawad, E. B. Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44--456GI/82

 Shri Kshitish Madanmohan 'Asutosh' Patel Society, Gulbai Tekra, Ambavadi, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Govind Non Trading Association through: Shri Prahladbhai N. Agarwal, C/o. Sitaram Rajkumar, 20, Hirabhai Market, o/s. Raipur Darwaja, Ahmedabad-22.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 831 sq. yd. situated at Chhadawad, E. B. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7401/19-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Subhaag Madanmohan 'Asutosh' Patel Society, Gulbai Tekra, Ambavadi, Ahmedabad.

(2) S.R. Non Trading Association
Organiser: Shri Arvind M. Shah
30, Hirabhai Market, o/s Raipur Darwaja,
Ahmedabad.
Transferoro)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2229.Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

F. P. No. 578/6, S. P. No. B. paiki—Chhadawad, situated at E. B. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 831 sq. yd. situated at Chhadawad, Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7400/19-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82, Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2230.Acq.23-I/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 578/6, Sub. plot No. A. paiki situated at Chhadawad, E. B. Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-5-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Miss. Parulben Madanmohan Ramanlal 'Ashutosh' Gulbai Tekra, Patel Society, Ambayadi, Ahmedabad.

(2) Raman Non Trading Association (Proposed) Organiser: Shri Rajesh Prataprai Bhatt 164, B. M. Saraf & C. A.—1st floor, New Cloth Market, o/s. Raipur Gate, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 844 sq. yd. situated at Chadawad F B. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7402/19-5-82

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P. R. No. 2231.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 122, situated at Village: Lilapur Dist. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 18-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Javanji Kalaji
 Village: Lilapur Tal: Daskroi
 Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Amit Ambalal 'Sumeru' Nr. St. Xavier's College, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as ar defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given i that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring Acr. 5 and Guntha 9 i.e. 25289 sq. yd. situated at village: Lilapur, District—Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7321/18-5-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2232 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,000fff- and bearing No. 184+185 paiki—Hissa No. 34 paiki TPS. 21 situated at F.P. 558 paiki, Paldi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 17-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Mayank Harshvadan Makim Shyamkuni Society, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Kameshwaikunj Co-op. Housing Society Ltd., Chairman: Shii Chaturbhai Ambaram Patel, Kameshwar Apartment, behind: La-Gajjar Bungalow, Ambavadi, Ahmedabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 377 sq. yd. situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide Sale decd No. 7299/17-5-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shantaben Jamnadas & others Danapith Society, Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Nathji Construction Co. Through: Shri Patel Narsinh Gopal, Ashoknagar Society, Junagadh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2233 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. No. 204, situated at Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 4-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring Acre 2 and Guntha 15 (N.A.) situated 5 No. 204, Junagadh, duly registered by S.R. Junagadh vide sale deed No. 1299/4-5-82,

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 31-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1982

Ref. No. P.R. No. 2234 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S No. 1 and New S. No. 484, Khata No. 276 situated at village: Bantawa Tal: Manayadar, Dist. Junagadh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Bombay on 11-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s The Ruby Mills Limited, Ludy Jamshedji Road, Dadar, Bombay-28. (Transferor)
- (2) Shri Deepak Sundardas Kankal & others, 714, Stock Exchange Tower, Dalal Street, Bombay-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory bullding etc. standing on land 94985 sq. yd situated at village: Bantawa, Dist.: Junagadh duly registered by S.R. Bombay vide R. No. 2021/81/11-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-12-1982

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1982

Ref. No. P.R. No. 2235 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. F.P. 935, TPS 3. Hissa No. 1, behind Manli Apartments, Bhagwannagar Tekra, situated at Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parag Rajnibhai Shah, Gusaparekh's pole, Manekchowk, Nr. Madan Gopalni Haveli, Ahmedabad (Transferor)
- Siddha Chakra Apartments—owners Association.
 President Shri Rohit R. Shah,
 Business Centre, Rellef Road, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 566 sq. yd. situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7093/12-5-82.

R R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1982

Ref. No. P.R. No. 2236 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 935, TPS 3, Hissa No. 2, behind Manli Apartments, Bhagwannagar Tekra, situated at Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-5-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45--456G1/82

(1) Smt. Shashikala Rajnibhai Shah, Gusaparekh's pole, Manekchowk, Nr. Madan-Gopal-ni-Haveli, Ahmedabad.

(Transferor)

 Siddhchakra Apartments, owners Association, President: Shri Rohit R. Shah, 315, Business Centre, Relief Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 566 sq. yds. situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 7090/12-5-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOP, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P. R. No. 2237 Acq.23-1/82 83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Wd. No. 14, street No. 108, Nondh No. 2543 to 2545 situated at S No. 360 at Street No. 13, Panchnaath plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Bhupendra P. Khakhar

Shri Rasiklal P. Khakhar
 Shri Navinchandra Mohanlal Vyas

I. Shri Nathalal Mohanlal Vyas all at ; Para Bazar, Rajkot,

(Transferors)

(2) Smt. Ratankunvarbaa Nanbhaa Vadher Nr. Fulchhab Press, Sadar, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered at vide registration No. 1251 dated the May'82 by S. R. Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-1-1983

(1) Shri Kantilal Pragjibhai Girnari Shri Jayantilal Pragjibhai Girnari Kharwa Chakla Jamnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Madhurika Jasvantrai Vasavada 1/4, Yakhota Mig Colony, Jamnagar

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P. R. No. 2238 Acq. 23-1/32-83/.--Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 1G. 4 of Jampuri Estate, plan No. 2, situated at plot No. 12/4, of Jampuri Estate, Bedi Bunder road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jampagar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide Registration No. 1355 dt. 4-5-82 by S. R. Jamnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P. R. No. 2239 Acq. 23-I/82-83/.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 191 at Mahendranagar Village, Tal: Morvi situated at Behind Bahadur Villa Guest House on National Highway

Road No. 2 at Morvi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Morvi on 18-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of: for an apparent consideration which is less than the fair

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Govindbhai Naniibhai Kısan Sabha Industries Morvi.

(Transferor)

(2) Shri Deviambhai Patel & Sons Behind Bahadur Villa Guest House Near Sardar Engineering Mahendranagar, Tal: Morvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1542 dated the 18-5-82 by S. R., Morvi.

> R. R. SILAH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P. R. No. 2240 Acq. 23-I/82-83/.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 40 G. 5 plots paiki 3/3, 3/2 & 3/5 situated at Bedi road, Opp.: Pauchvati Society, Jammagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at,

S. R., Jamnagar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishnakumar Govindji & Shri Pravinkumar Gonvindji Krishna Niwas Opp: Kashi Vishwanath Temple Jamnagar.

(Transferor)

(2) Vidyut Park Co-op. Housing Society Ltd., Jamnagar, through its promoter Shri Madhukant A. Raval Jains Block, Opp.: Vikas Gruh, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land registered vide R, No. 1422 dt. 10-5-82, 1408 dt. 7-5-82 and 1410 dt. 7-5-82 by S. R., Jamnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P. R. No. 2241 Acq. 23-I/82-83/.—Whereas. I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 69 at Trajpur, Tal.: Motvi situated at Trajpur, Tal.: Morvi

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Morvi on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Harijan Nagji Dala through L. R. Anadiben Nagji through her L. R. Patel Chhaganbhai Motibhai Village: Thorala, Tal: Morvi.

(Transferor)

(2) Mayur Co-operative Society Ltd, Trajpur Through Organiser Shri Rameshchandra Jagmohandas, Savsar, Plot 6, Morvi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land admeasuring 7466.19 Sq. Metre situated at S. No. 69 of village Trajpur, Tal.: Morvi, registered vide R. No. 777 in May, '82 by S.R., Morvi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1983

Ref. No. P. R No. 2242 Acq. 23-1/82/83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and beauting the New American Section 1975 (1975).

situated at Nandavan Apartment, Kanta Vikas Gruh Road, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., Rajkot on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent of consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Ba Shri Nandkunverba Madhavsinhji Kanta Street Vikas Gruh Road Rajkot,

(Transferor)

(2) Shri Purshottam S. Totla Nandanvan Apartment Vikash Gruh Road Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being apartment admeasuring 90.00 sq. mt. situated at Nandavan Apartment, Kanta Vikas Gruh Road, Rajkot and registered vide R. No 3420 in May, 1982 by S. R., Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 5-1-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5 January 1983

Ref. No. P. R No 2243 Acq. 23-J/82-83/.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1013/2 of Vajepur, Tal: Morvi situated at Kenal Road, Morvi at S. No. 1013/2 of Vajepur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Morvi on 6-5-1982

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Patel Maheshkumar Mahadevbhai
 - Haripar, Tal; Morvi. 2. Patel Mavjibhai Kunverji Mahendranagar, Tal: Morvi.
 3. Patel Ambaram Pranjivanbhai
 - Village: Chancha, Tal: Morvi 4. Patel Ravjibhai Kalyanjibhai Haripar, Tal: Morvi.

(Transferor)

(2) Shri Chaturbhai Karamshibhai Patel President Vevekanand Co-op. Housing Society Ltd. Adarsh Society, Near Sardar Baug Morvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1389 dated the 6-5-82 by S. R. Morvi.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 5-1-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2244 Acq. 23-I/82-83/.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sheri No. 8 Karahpara, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Rajkot on 9-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

46-456GI/82

- Shri V. K. Nathwani
 C/o Shri Vasantkumar Harilal Nathwani
 Karahpara
 Rajkot.
- (2) Shri Kanaiyalal Amratlal Jhagadia Prahlad Road, Rajkot.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being building admeasuring 107 sq. yards situated at 8-Karahpara, Rajkot registered vide R. No. 6134 dated the 9-5-82 by S. R., Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 5-1-1983

Şeal :

I. T. N. S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OTHER OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, `ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-662 016.

Cochin, the 11th January 1983

Ref. L. C. 604/82-83.—Whereas I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. as per schedule situated at Chirayinkil (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirayinkil on 31-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. L. Rajamma Govinda Pillai Vilakom,

(Transferor)

Chirayinkil.
(2) Sri Manmadhan Unni,
Cheriaparambil Veedu,
Put-hukkari, Chirayinkil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

33 cents of land in survey No. 388 at Sarkara village as per schedule attached to document No. 1441/1982 dt. 31-5-82 of SRO, Chirayinkil.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-1-1983

(1) Smt. Bharati Sarkar, 5, Garfa Road, Calcutta-78. FORM I.T.N.S .---

(Transferor) (2) Smt. Bina Rani Das Snehetanagar, Haltu, Calcuta-78.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1983

Ref. No. AC-46/Acq. R-IV/Oal/82-83.—Whereas, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mouza & P. S. Kasba situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 17-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perso whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—4 cotahs with building. Address—Mouza Kusba, Dist. 24-Parganas, Deed No. 2260 of 1982.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54—Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Jaswant Kaut (2) Shri Prem Singh

(3) Shri Gopal Singh

P-27, Benaras Road, P. S Liluah, Dist. Howrah (Transferor)

M/s. Victory Iron Works (P) Ltd
 P-6, Benaras Road,
 P.S. Liluah, Dist. Howrah

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1983

Ref No AC 45/Acq R 1V/Cal/82-83 —Whereas, J M AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/an bearing No.

No. P-27 situated at Benaras Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howish on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land—4 cotahs of land with structure Address—P-27 Benni Read, PS Liluah, Dist Howrah Deed No. 2548 of 1982.

M AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date 10-1-1983

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Nagendra Nath Samanta.

(Transferor)

(2) Shri Nasir Ahmed Saigal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX AQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-98/82-83/\$1690 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Princep Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 7-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of the property consisting of land measuring 4 I 9 Ch. 33 sft, and four storied building at premises No. 8, Princep Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed, No. 3870 dated 7-5-1982.

M. AHMAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1983

FORM I.T.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nagendra Nath Samanta.

(Transferor)

(2) Tariq Ahmad Saigal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Rerf. No. TR-96/82-83/SI.689/IAC/Acq. R-I, Cal—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Princep Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta, on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be seen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of the property consisting of land measuring 4K 9Ch 33sft, and four storeyed building at premises No. 8, Princep Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 3872 dated 7-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1983

FORM I.T.N S.--

(1) Shri Birendra Nath Bhattacharjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Universal Heavy Mechanical Lifting Enterprise.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-91/82-83/SI. 695/IAC/Acq. R-1/Cal.—Whereas, I, M. Ahmad,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 73-A & B situated at Theatre Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1982

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One four storeyed building and five storeyed building with land area 7K 11Ch 33 sft at premises No. 73A, & B, Theatre Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 3826 on 5-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '--

Date: 11-1-1983

Scal

FORM I.T.N.S.----

(1) Satya Kumar Dutta & Sons.

(Transferor)

(2) Smt. Munni Devi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-151/82-83/Sl. 685/IAC/ Λ cq. R-I/Cal.—Whereas, I. M. AHMAD ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 situated at Tansook Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Culcutta on 6-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building at premises No. 3, Tansook Lane, Calcutta with land measuring 2K registered before the Registrar if Assurances, Calcutta vide deed No. 3832 dated 6-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1983

FORM I.T.N.S.---

(1) Sher Afzal Khan.

(Transferor)

(2) Abdul Ghaffar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-117/82-83/Sl. 686/IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I. M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 situated at Pilbagan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 15-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period c. 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storied building at premises No. 9, Phulbagan Road, Calcutta-Area: 5K 4Ch. 20 sft. registered before the Sub-Registrar, Sealdah vide deed No. 539 dated 15-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47-456G1/82

Date: 11-1-1983

Scal ;

(1) Sher Afzal Khan.

(Transferor)

(2) Perveen Shahina.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-116/82-83/Sl. 694/IAC/Acq. R-I/Cal,—Whereas, I. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10 situated at Phulbagan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah on 15-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Phulbagan Road, Calcutta—Area 4K 9 Ch. with structure registered before the Sub-Registrar-Sealdah vide deed No. 538 dated 15-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 11-1-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Rci. No. TR-114/82-83/SI, $687/I\Lambda C/Acq$. R-1/Cal.—Whereas, I, M. AIIMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, situated at Library of h Chandra Avenue, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Alliance Properties & Industries Ltd.
- (2) Mrs. Gita Devi Bansal,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat being No. 1 on the ground floor at premises No. 2-B, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-Flat area: 153 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 6150 dt. 22-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 11-1-1983

(1) Shri Nagendra Nath Samanta.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Maqbool Ahmed Saigal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-97/82-83/Sl. 693/IAC/Acq. R-1/Cal.—Whereas, I, M. \hmathbb{\text{HMAD}}, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Princep Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of the property consisting of land measuring 4K 9 Ch. 33 sft. and four storied building at premises No. 8, Princep Street, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. 3871 dt. 7-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 11-1-1983

FORM 1.T.N.S.-

(1) Shri Nagendia Nath Samanta.

(Transferor)

(2) Sahid Ahmed Saigal.

(Transferee)

(3) Tenants.

(erson in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, CALCULTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-99/82-83/Sl. 691 ΊΑC 'Λcq. R-I/Cal.—Whereas, I, M. ΛΗΜΑD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Princep Street, Calculta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of the property consisting of land measuring 4K 9Ch 33 sit and four stoned building at premises No. 8, Princep Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 3869 dated 7-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconcent is
Acquisition Range-IV
54-Rafi Ahmed Kidwai Roud
Colcutta.

Date: 11-1-1983

(1) Shii Nagendra Nath Samanta.

(Transferor)

(2) Tahir Ahmed Saigal.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCULIA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-94/82-83/Sl. 692 IAC/Acq. R-1/Cnl—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section

transfer with the object of :--

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Princep Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 7-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of the property consisting of land measuring 4K 9Ch 33 sft, and four storied building at premises No. 8, Princep Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 3874 dated 7-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date 11-1-1983

Senl :

(3) Tenants

FORM I.T.N.S.-

(1) Shii Nagendra Nath Samanta.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

2997

(2) Mahmood Ahmed Saigal.

(Transferce)

(Person in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CAI CUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. TR-95/82-83/Sl. 688 ΙΛC/Λcq R-J/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8 situated at Princep Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of the property consisting of land measuring 4k, 9Ch 33 sft. and four storied building at premises No. 8, Princep Street, Calcutta registered before the Rogistrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. 3873 dated 7-5-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 11-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amutsai, the 12th January 1983

Rcf No ASR 82-83/444 --- Whereas, I NAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value evceeding Rs 25000/ and bearing

No One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Smt Shukla Bhatia Wd/o Sh Sit Pal Bhatia and Sh Arun Bhatia, Shri Raman Bhatia ss/o Sh Sii Pal Bhatia and Smt Neelam Dyo Sh Sat Pal Bhatia, R o Migbool Road Amiitsar
- (Transfelor)
 (2) Smt Saroj Fancja W/o Shu Raj Kumu Tancja,
 R o Abidi Gokal Chind Qili Bhangjan,
 Amutsai

(Transieree)

- (3) As at S No 2 above & tenants if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, situated at Maqbool Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No 3269 dt 18 5-82 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax

Acquisition Range, Amritsar

Date 12-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/445.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

One property situated at Mqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—456GI/82

(1) Smt. Shukla Bhatia Wd o Shri Sat Pal Bhatia and Sh. Arun Bhatia, Shri Raman Bhatia ss/o Sh. Sat Pal Bhatia and Smt. Neelam D, o Sh. Sat Pal Bhatia, R/o Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)
(2) Sh. Raj Kumar Taneja S o Shri Ram Saran Dass,
R/o Abadi Gokal Chand, Qila Bhangian, Amritsar,
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, situated at Baqbool Road, Amritsan, as mentioned in sale deed No. 3268 dated 18-5-82 of the registering authority, Amritsan.

ANAND SINGH. IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1983

ASR/82-83/446.—Whereas, 1, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully describe I in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Kumari Radhika d/o Shri Hira Lal, r/o Mehar Apartment, Alia Mount Road, Bombay, Through Shri R. A. Boga S/o Shi A. E. Boga, General, r/o Hide Market, G T. Road, Attorney Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sint. Parminder Kaur w o Sh. Joginder Singh, r/o G N. B. Road, Guhati, (Assam).
 - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3693 dated 25-5-82 of registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date :11-1-83 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/447.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Radhika D/o Sh. Hira Lal r/o Mehar Apartment, Alia Mount Road, Bombay, Through: Sh. R. A. Boga, s/o Sh. A. E. Boga, Attorney General, r/o Hide Market, G. T. Road, Amritsar.
- (Transferor)
 (2) Shri Mukhwinder Singh (Minor) s/o Sh. Joginder Singh, r/o G. N. B. Road, Guhati. (Assam)
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3244 dt. 17-5-82 of the registering authority, Amrit-ar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/448.—Whereas, I. ANAND SINGH, IRS

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at S. R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Radhika d/o Sh. Hira Lal r/o Mehai Apartinent, Alia Mount Road, Bombay, Through: Sh. R. A. Boga, s/o Sh. A. E. Boga, Attorney General, r/o Hide Market, G. T. Road, Amiitsar. (Tiansferor)
- Sh. Joginder Singh s/o Shri Sewa Singh, r/o G. N. B. Road, Guhati, (Assam)
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Radha Swami Road, Amrit-sar, as mentioned in sale deed No. 3243 dt. 17-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-1-83

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/449.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '-and bearing

No. One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the softeness of the property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Radhika d/o Shri Hira I.al 1/0 Mehar Apartment, Alra Mount Road, Bombay, Through Sh. R. A. Boga, s/o Sh. A. E. Boga, Attorney General, r/o Hide Market, G. T. Road, Amilisar.
- (2) Shri Mukhwinder Singh S/o Shri Joginder Singh, r/o G. N. B. Road, Guhati (Assam)

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any,

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of fand, situated at Radha Swami Road, Amrif at, as mentioned in sale deed No. 3694 dt. 25-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date 11-1-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX 'ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amutsai, the 10th January 1982

Ref. No ASR/82-83/450.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at landa Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh Natain Singh S o Shir Nand Lal, R/o Katra Katani Singh, Amritsai

(Transferor)

(2) Shij Ram Sugh S/o Shij Nand Lal and Smt. Guibachan Kaur W o Shri Ram Singh, R/o Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Landa Bazar, Ambisor as mentioned in s to decar to 5080 d. 15-6.82 of the registering authority, Ambisor.

ANAND SINGH, IR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 10 1-87

Seal;

FORM LT.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amutsai, the 10th January 1983

Ref. No ASR/82-83/451.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

- ega ecolo - e-summa continues de surs -s -

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property stuated at Landa Bazar, Amitsar (and more fully described in the Schedule annexed heicto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amiitsai on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax net, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Nand Lal, R/o Katia Katam Singh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Srnt. Gurbachan Kaur w/o Sh. Ram Singh and Sh. Ram Singh s/o Sh. Nand Lal, R/o Katra Karam ingh, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated in Landa Bazar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5078 dated 15-6-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1982

Ref. No. ASR/82-83/452,—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. One property situated at Landa Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Parkash Maggoo s/o Shri Dina Nath Maggoo 1/o Sadhu Mandi, General Assistant Deputy Commissioner, Kurukshetra, Presently Amritsar.

(Transferor)

(2) Shi Ram Singh s/o Shri Nand Lal, r/o Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated in Landa Bazar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2762 dt. 7-5-82 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/417.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

One property in Churasti Attaria situated at Guru Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—456G1/82

 Shri Badri Nath s/o Shri Devki Nandan r/o 65-B, Rani ka Bagh, Amritsar.

(Transferoi)

(Transferee)

(2) S/Shri Sunil Kumar, Anil Kumar, ss/o Shri Jagan Nath, r/o Khuh Suniarian, H. No. 2205, Amritsar. As at S. No. 2 above & tenants:—

(3) 1. Shri Vijay Kumar—Rs. 170/- p.m. 2. Shri Jagan Nath—Rs. 12/- p.m. 3. Shri Munshi Ram—Rs. 8/- p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 60 sq. yds., situated in Churasti Attari, Guru Bazar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2562 dt. 3-5-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amilton, the 10th January 1983

Rct. No. ASR/82-83/418.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot of land situated at behind SSP's residence, near TB ['ospital, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khem Kaur w/o Dr. Amrik Singh r/o New Delhi Through Shri Rabinder Singh s/o Shri Pritpal Singh r/o 384 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri w/o Shri Pran Nath and Shri Pran Nath s/o Shri Ram Nath, r/o 82 Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 300 sq. yds., situated at Behind SSP's residence, near T.B. Hospital, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3620 dt. 24-5-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-1-83 Serti

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th January 1983

kef. No. ASR/82-83/419.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One property No. 2261 situated at Katra Sher Singh, Amiltsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prem Singh S/o Shi Mohar Singh, R/o Sultanwind Gate, Gali Kamboan, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Smt. Tripta Rani W/o Sh. Som Dutt, R/o Kucha Bhairian, Katra Jaimal Singh, Amritsar.

(Transfereo)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants:—
 1. M/s, Biij Mohan Prem Nath—Rs. 350/- p.m.
 2. Sh. G. S. Vohra—Rs. 200/- p.m.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 2261 situated at Katra Sher Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4695 dt 10-6-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 4th January 1983

Ref. No. ASR/82-83//420.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property No. 2261 situated at Katra Sher Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Parsin Kaur W/o Shri Swaran Singh, R/o Bazar No. 4, Kot Baba Deep Singh,

(Transferor)

(2) Smt. Tripta Rani W/o Sh. Som Dutt, R/o Kucha Bhatrian, Katra Jaimal Singh, Amritsar

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any M/s. Brij Mohan Prem Nath—Rs. 350/- p.m.
 Shri G. S. Vohra—Rs. 200/- p.m. (Person in occupation of

the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 2261 situated at Katra Sher Singh Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3467 dt. 21-5-82 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-1-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsai, the 4th January 1983

Ref No ASR/82 83/421 —Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property No 2261 situated at Katra Shei Singh, Amerisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Jii Kaur W/o Bakhshish Singh, R/o Bazar No. 4, Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt Tripta Rani W/o Shii Som Dutt, R/o Kucha Bhatria, Katia Jaimal Singh, Amritsark

(Transferee)

(3) As at S No 2 above & tenants as under .—

1 M/s. Brij Mohan Prem Nath—Rs 350/- p m.

(Bhatia Steel Almiras)

2. Shri G. S. Vohra—Rs. 200/- p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No 2261 situated at Katra Sher Singh, Amritsai, as mentioned in sale deed No 3638 dt. 25-5-82 of the Registering Authority, Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/422.—Wherens, J, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A Plot of land situated at Outside Pahari Gate, Bateln (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Batala on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Daya Wanti Wd./o Sh. Sunder Dass, R/o Sekherian Mohalla, Batala.
- (2) Smt. Sushila Devi Ram Parkash Aggarwal Family Trust, Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 8.1/4 marlas situated at Outside Pahari Gate, Batala, as mentioned in sale deed No. 718 dt. 3-5-82 of the Registering Authority Batala.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1983

Rcf. No. ASR/82-83/423.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land situated at Outside Pahari Gate, Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968), in the office of the Registering Officer at S.R. Batala on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Daya Wanti Wd./o Sh. Sunder Dass, R/o Sekherian Mohalla, Batala.
- (2) Smt. Sushila Devi Ram Parkash Aggarwal Family Trust, Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 6 marlas, situated at Outside Pahari Gate, Batala, as mentioned in sale deed No. 805 dt. 7-5-82 of the Registering Authority Batala.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1983

Rcf. No. ASR/82-83/424.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property No. 458

situated at Green Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Jagdish Pal S/o Sh. Sohan Lal, R/o 458, Green Avenuc, Amiitsar.

(Transferor)

(2) Sh Chetan Dev, HUF, R/o 458 Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property situated at 458 Green Avenue. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4025 dt. 31-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1983

Ref. No. ASR/82-83/425.—Whereas, I. ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property No. 458

situated at Green Avenue, Amritsor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
50—456GI/82

 Sh. Jagdish Pal S/o Sh. Sohan Lal, R/o 458 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Narinder Nath, HUF Through Sh. Narinder Nath S/o Shri Brij Lal, R/o Tunda Talab, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 shere of property situated at 458 Green Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3769 dated 27-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range, Amritsan

Date: 1-1-83

NOTICE UNDER SECTION 209(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1983

Ref. No. ASR/82-83/426 - Whereas, I. ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No Property No. 458 situated at Green Avenue, Amnt ar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Amritian in May 82

for an apparent considerat on which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more in tifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of ter with the object of :--

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer and/or

litating the concealment of any income or any "ys or other assets which have not been or h ought to be disclosed by the transferee for urposes of the Indian Income-tax Act, 1922 f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 957 (27 of 1957);

re, in pursuance of Section 269C of the said mitlate proceedings for the acquisition of the rty by the issue of this notice under sub-Section 269D of the said Act to the following

(1) Sh, Jagdish Pal S/o Shri Sohan Lal, R/o 458 Green Avenue. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Behl W/o Sh. Prem Nath, Gali Munshian, Tunda Talab, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property situated at 458 Green Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3516 dated May 82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-1-83 Scal:

NOTICE UNDER-SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/427.—Wherens, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property No. 10

situated at Pawan Nagar, Amritsar

(and more fully described in the schedule nnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Joginder Kumar S/o
 Sh. Naranjan Dass, Main Bz. Pawan Nagar, ASR;
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Haveli Ram S/o Sh. Ishar Dass, R/o Jangpura. Plot No. 6, Mathura Road, New Delhi; Sh. Varinder Kumar Puri S/o Sh. Gaiyu Ram Puri; Smt. Nirmal Puri W/o Sh. Varinder Kumar Puri, R/o House No. 90, Gali No. 2, Sharifpura, Amritsar Now 10, Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferec)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(4) Any other.

(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 10, measuring 72 sq. yds., situated at Pawan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3054 dated 14-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date - 4-1-1983

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1983

Ref No ASR/82-83/428 --- Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No

One property No 489/10

situated at Dhab Khatikan, Opp Zanana Hospital, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

- (1) Sh Dev Raj S/o Sh Nand Lal,
 R/o FT 4-A, Larmar Bagh, Kanpur Cantt
 & Smt Nirmala Devi W/o Sh. Nand Lal,
 R/o FT, 4-A, Laimar Bagh, Kanpur Cantt
 (Transferor)
- (2) Smt Surinder Seth W/o Sh. Manohar Lal Seth, R/o Dhab Khatikan, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at S No 2 above & tenants if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/7 share of property No 489/10, measuring 336 sq yds situated at Dhab Khatikan, Opp Zanana Hospital Amritsar as mentioned in sale deed No 6662 to 9-7-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date . 1-1-1983 Seal

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd January 1983

Ref. No. ASR/82-83/429.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

One property situated at 40, Model Town, Amnitsur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagdish Chand S/o
 Late Sh. Khushi Ram, Through
 Smt. Shakuntala Devi Kela W/o late
 Sh. P. R. Kela, Patel Road, New Delhi.
- (2) Smt. Raj Rani W/o Sh. Dwarka Dass Nayyar Gali No. 2, 40 Model Town, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 Shri Kuldip Ram Duggal Rent Rs. 160/-.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 40, Model Town, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3555 dated 24-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 3rd January 1983

Ref. No. ASR/82-83/430.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. One property situated at 40, Model Town, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) Sh. Jagdish Chand S/o late Sh. Khushi Ram. Through Smt. Shakuntala Devi Kela W/o late Shri P. R. Kela, Patel Road, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Sh. Dwarka Dass Nayyar S/o Sh. Bhajan Lal Nayyar, Gali No. 2, 40 Model Town, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 Shri Kuldip Ram Duggal Rent Rs. 160/
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 40, Model Town, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3556 dated 24-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/431.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Property. No. 119 situated at Shastri Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought t be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harjit Singh S/o
 Sh. Harnam Singh, R/o Leele Meghe Walia,
 Tch. Jagraon, Distt. Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) Sh. Darshan Lal S/o Sh. Sardara Singh, R/o Chowk Ram Bagh, Amritsar,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 119, measuring 243.6 sq. yds., situated at Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in sale deed No. 3280 dated 18-5-82 of registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH. IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 18-12-82

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/432.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Property No. 119 situated at

Shastri Nagar, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- Sh. Harjit Singh S/o
 Sh. Harnam Singh, Gali No. 1, Majitha, Road, Gopal Nagar, Amritsar.
- (2) Sh. Darshan Lal Smt. Shakuntla Devi W/o R/o Shastri Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 119, measuring 243 sq. yds., situated at Shastri Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10852 dated 5-10-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 18-12-82

FORM I. T. N. S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1983

Ref. No. ASR/82-83/433.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. One property No. 17, situated at

Old Jail Road, Amritsar

and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kailash Vati D/o Sh. Piara Lal, R/o 17 Jail Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kanwarjit Kaur W/o Sh. Rajiv Kumar Singh, R/o 33 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 17 Old Jail Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4026 dated 31-5-82, of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritser.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—456GI/82

Dated 1-1-83 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1983

Ref. No. ASR/82-83/434.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One property No. 17 situated at

Old Jail Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule ann

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritser in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kailash Vati W/o Sh. Piara I al, R/o 17 Jail Road, Amritsai.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna, W/o Shri Jagjit Singh, R/o 33 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee

(3) As at S. No. 2 overleaf & terants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of the property No. 17 Old Jail Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3764 dated 27-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Fange, Amritsar.

Dated 1-1-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsut, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/435.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at

Sultanwind, Ram Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Satinder Singh S/o
 Sh. Mohar Singh R/o Abadı Ram Nagar,
 Gali No. 2, Through Sh. Tarlochan Singh
 S/o Sh. Gurbachan Singh, R/o Sarwarpura,
 Amritsar, General Attorney.

(Transferor)

(2) Smt. Kanwaljit Kaur W/o Sh. Balkar Singh, Bashirhad, Distt. 24 Parganus (West Bengal).

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property measuring 96 sq. yds., i.e. 48 sq. yds., situated at Ram Nagar, Gali No. 2, Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2926 dated 12-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-12-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/436.—Whereas, I, ANAND SINGII, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having 4 fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at

Sultanwind, Ram Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) furthfulling the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rachhpal Kaur D/o Sh. Achhar Singh, R/o Kot Ralia Ram, Gali No. 3, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Balkat Singh S/o Sh. Mohan Singh, R/o Basu-Had Distt. 24 Pargana (West Bengal).

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property measuring 96 sq. yds. i.e. 48 sq. yds situated at Ram Nagar, Sultanwind, Amritsar, as mentioned in sale deed No 2923 dated 12-5-82 of the registering authority, Amritsat.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar-

Date: 27-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/437.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at

Mohalla Tang Chhatti, Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Tarn Taran in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dalbir Singh S/o Sh. Sohan Singh, R/o Mohalla Tang Chhatri, Tura Taran.

(Transferor)

(2) San. Balwinder Kaur W/o Sh. Kulwant Singh, R/o Mohalla Tang Chhatti, Tain Taran.

(Transferee)

(3) As at S. No. & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, measuring about 181 sq. yds., situated at Mohalla Tang Chhatri, Tarn Taran, as mentioned in sale deed No. 989 dated 19-5-82 of the registering authority, Taran

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date . 27-12-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/438.—Whereas I, ANAND SINGH. IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. One property situated at

Bazar Warian, Chowk Passian, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dharam Pal S/o
 Sh. Guranditta Mal, R/o 14, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Poonam W/o Sh Raj Kumar R/o Katra Bagh Singh, Gali Lamba, Amritsor.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of pin; rty No. 901/XI-7, situated at Bezar Warian, Chowk Passian, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2699 dated 6-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amilter, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/439.--Whereas I.

ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Bazai Warian, Chowk Passian, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Dharam Pal S/o
 Sh Guranditta Mal, R/o
 Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Chand Rani Wd/o Shti Faqn Chand, R/o Katra Bogh Songh, Gali Lamba Amritsar.

(Transferee)

(3) As et S. No. 2 overleaf & tenants if any Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of property No 901/XI-7, situated at Bazar Warian Chowk Passian, Amritsar as mentioned in sale deed 1.0 2698 dated 6-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsai

Date: 27-12-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/440.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property No. 40,

situated at Gali No. 2, Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Jagdish Chand Kela
 S/o Sh. Khushi Ram Kela, 116-A, LIG Flat
 Ashok Vihar, Phase III, New Delhi
 Through Smt. Shakuntla Devi Kela Wd/o
 Sh. P. R. Kela, Patel Road, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Sh. Harbaksh Singh S/o Sh. Bhag Singh, R/o 40 Model Town, Gali No. 2, Amritar.

(Transferee)

(3) As at S. No. & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

One property No. 40, situated at Model Town, Gali No. 2, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3918 dated 31-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th January 1983

Ref. No. ASR/82-83/441.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property No. 40 situated at Gali No. 2 Model Town, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsai in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-456GI/82

(1) Sh. Jagdish Chand Kela S/o Sh. Khushi Ram Kela, 116-A, LIG Flat, Ashok Vihar Phase III, New Delhi through Smt. Shakuntla Devi Kela Wd/o Sh. P. R. Kela Patel Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldip Singh and Rajinder Singh Ss/o Sh. Harbaksh Singh, R/o 40, Model Town, Gali No. 2, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 40, situated at Model Town, Gali No. 2. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3917 dated 31-5-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 3rd January 1983

Ref. No. ASR/82-83/442.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at

Kucha Mehtab Singh, Chowk, Karori, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

S.R. Amritsar in Aug 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chan Kaur W/o Sh. Hira Singh, R/o Kucha Mehtab Singh, Chowk Karori, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur W/o Sh. Inder Singh, R/o Chowk Prag Dass, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property, situated at Kucha Mentab Singh, Chowk Karori, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7921 dated 4-8-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 3rd January 1983

Ref. No. ASR/82-83/443,---Whereas I. ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at

Kucha Mehtab Singh, Chowk Karori, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in July 82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Smt. Chan Kaur W/o Shri Hira Singh R/o Kucha Mehtab Singh, Chowk Karori, Amritsar.

(Transferoi)

(2) Smt. Amrit Kaur W/o Sh. Inder Singh, R/o Chowk Pragdass, Amritsar.

(liansferec)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of the property, situated at Kucha Mehtab Singh, Chowk Karori, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7478 dated 26-7-82 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Gursharan Singh Sandhu S/o S. Swaran Singh alias Sh. Surain Singh R/o H. No. 1516, Sec. 15B, Chandigarh.

(Transferor)

Mrs. Harjit Saini
 W/o S. Baljinder Singh Saini,
 R/o 3040, Sec. 38D, Chandigath.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

Ref. No. CHD/26/82-83.—Whereas. I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1215, situated at Sector 15B, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1215, Sector 15B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 192 of May, 82 of the Registering Authority Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-1-1983

Scal:

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

NOTILE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

Ref. No. CHD/23/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 3148, situated at Sector 21D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ishar Dass Sardana S/O Sh. Paras Ram, C/O M/s. Kumar Engg. Co., Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Raj Panchhi S/o Sh Tulsi Ram & Mrs. Prem Kumari W/o Sh. Jagdish Raj Panchhi, R/o House No. 3148, Sec. 21D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3148, Sec. 21D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 176 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 11th January 1983

Ref. No. KHR/4/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 93, situated at Phase-II, Mohali, Distt, Ropat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Amarjit Singh Virk S/o Sh. Bir Singh, H. No. 546, Scc. 18B, Chandigarh & Shri K. S. Raju through Sh. Amarjeet Singh Virk, R/o 546, Sec. 18B, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Shri Manjit Singh S/o Sh. Sadhu Singh & Smt. Shindo Kaur W/o S. Manjit Singh, V & PO Sarbodi, Distt. Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitnon of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 93, Phase-II, Mohali, Distt. Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 708 of May, 1982 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

Ref. No. CHD/35/82-83.--Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 2121 situated at Sector 21C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Chatar Kaur W/o S. Gurcharan Singh, House No. 1, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Jagan Nath S/o S. Chanan Ram & Smt. Gauran Devi W/o Sh. Jagan Nath, R/o B.II.514, Phatwahi Bazar, Barnela.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2121, Sector 21C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 290 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

Ref. No. CHD/34/82-83.---Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.C.O. Site No. 307-308 situated at Sector 35B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Azad Kaur, S/o Shri Rajinder Singh, Mavinder Singh & Smt. Anita Makkar, R/o 1, Mall Road, Karnal.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Swaran Kaur W/o S. Piara Singh, Smt. Durgi Devi W/o S. Nikka Singh, Shri Karnail Singh S/o Piara Singh, Smt. Harbans Kaur W/o S. Karnail Singh, all residents of House No. 3372, Sec. 15D, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

SCO No. 307-308, Sector 35B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 266 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udhiana

Date: 14-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th January 1983

CHD/28/82-83.—Whereas I, SUKHDEV Ref. CHAND. No.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3105 situated at Sector 32-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the isene of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--53-456GI/82

(1) Sh. Kuldip Singh Sidhu 5/0 Jagir Singh through Sh. Mandip Singh Rai S/o Sh. Amar Singh, R/o 1053, Sector 27B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh Kumai Mittal, Advocate, S/o Sh. Sham Lal Mittal and
Smt. Rekha Mittal W/o Sh. Ramesh Kumai Mittal,
R/o Main Road, Opposite Civil Hospital,
Banga, Distt Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3105, Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 205 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

Ref. No. CHD/29/82-83.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 174, situated at Sector 36A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Maj. Genl. Ram Singh S/o Sh. Munsha Singh, R o D-69, Panchsheel, Enclave, New Delhi.

(2) S/Shri

(i) Narotam Dev Misra S o Sh. Amar Nath. (ii) Smt. Kamla Devi W/o Sh N. D. Misra.

(11) Rakesh Chander Misra S/o Sh. N. D. Misra, (iv) Mrs. Savita Misra W/o Rakesh Chander Misra C/o Shri P. N. Dhir. R/o ND 156, Vikrampura, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 174, Sector 36A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 223 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-1-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Vishav Nath S/o S. Mehar Chand, House No. 209, Sec. 37A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri R. D. Kumar S/o Sh. Sai Ditta Mal, Shri Ashok Kumar & Sh. Joy Kumar 55/0 R. D. Kumar,

R/o House No. 2124, Sec. 21C, Chandigarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

CHD/25/82-83.--Whereas, I, SUKHDEV Ref. No. CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF site No. 327, situated at Motor Market, Mani Majra (UT Chandigarh)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as carried to between the parties has not been truly transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

SCF site No. 327, Motor Market, Mani Majra (UT Chandigarh). (The property as mentioned in the sale deed No. 190 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th January 1983

LDH/15/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV No. CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Portion of House Property No. B.IV. 1983 situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Narinder Nath Chopra, Advocate S/o Shri Durga Dass Chopra, R/o Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o S. Jaswant Singh, R/o B. VIII. 524, Naya Mohalla, Mochpura Road, Ludhiana.

(Transferee)

S/Shri

- S/Shri

 (3) 1. Devinder Singh S/o Labh Singh,
 2. Smt. Ram Piari W/o Dharam Pal,
 3. Sh. Arjan Dass S/o Sh. Chhajju Ram
 4. Sh. Santosh Singh S/o S. Ladha Singh,
 5. Sh. Prem Sarup S/o Charanji Lal,
 6. Naresh Kumar S/o Chiranji Lal,
 7. Om Parkash S/o Ram Rakha
 8. Panna Lal S/o Sita Ram
 C/o H No. R IV 1983. Chaura Bazar

 - C/o H. No. B.IV.1983, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B.IV.1983, Chaura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2064 of May, 1982 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-1-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludbiana, the 14th January 1983

LDH/14/82-83.—Whereas SUKHDEV No. CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of House No. B.IV.1983 situated at Chaura Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May 1903. Ludhiana in May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narinder Nath Chopra, Advocate S/o Shri Durga Dass R/o Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferor) (2) Smt. Sheela Devi W/o Sh. Nathu Ram Thapar, R/o 784, Patel Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

 1. Devinder Singh S/o S. Labh Singh,
 2. Smt. Ram Piari W/o Sh. Dharam Pal,
 3. Arjan Dass S/o Sh. Chhajju Ram
 4. Santosh Singh S/o S. Ladha Singh,
 5. Prem Sarup S/o Sh. Charanji Lal,
 6. Naresh Kumar S/o Sh. Charanji Lal,
 7. Om Parkash S/o Sh. Ram Rakha
 8. Panna Lal S/o Sh. Sita Ram
 R/o H. No. B.IV.1983, Chaura Bazar,
 Ludhiana. Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B.IV.1983, Chaura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2064 of May, 1982 of the Registered Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Joginder Vig R/o House No. 1264, Sec. Chandigarh.

(2) Shri Inderjit Singh, R/o House No. 1150, Sec. 8C, Chandigarh

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1983

Ref No. LIID/32/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF site No. 232, Motor Market, situated at Mani Majra, UT

Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), sas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (h) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

THE SCHEDULE

SCF site No. 232, Motor Market, Mani Majra UT Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 249 of May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI, CENTRAL REVENUE BUILD-ING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1983

Ref. No. LDH/16/82-83—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House at Plot No. 11K (measuring 800 sq. yds.) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Ranjit Singh s/o S. Bharpur Singh R/o V. Bilasnu Teh. Moga through afforney Shri Gurmel Singh, R/o 10/59, Punjab Agrl, University, Ludhiana.
- (2) S/5hii Shiv Kumar Om Parkash ss/o Shii Chanan Ram R/o 14, Green Park, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Plot No. 11K, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2588 of May, 1982 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. III-645/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5059, Khata No. 59 Khasra No. 20 and 92 situated at Mouza Khanda Babakerpur P.O., Danapur, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Danapur on 31-5-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Badri Narain Yadav S/o Sri Sukhu Yadav R/o At P.O. Asansol, Distt. Asansol.
- (Transferor)
 (2) Shri Bindeshwar Prasad S/o Sri Nawab Ram (2)
 Sri Viyendra Prasad Rai, (3) Sri Vishwanath Rai,
 All R/o Village Suguna, P.O. Danapur, Distt. Patna.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms end expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 36 decimal situated at mouza Khandah Babakerpur, P.O. Danapur, Dist. Patna and morefuly described in deed No. 3663 dt. 31-5-82 registered with S.R. Danapur, Distt. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 15th January 1983

Ref. No. III-653/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
M.S. Plot No. 1457, Ward No. VII B, Holding No. 627/C, Sub Plot No. 1457 B, situated at Burdwan Compound, P.O./

Dist. Ranchi,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Calcutta on 11-5-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashwani Kumar Mukherjee, (2) Sri Ram Krishna Mukherjee, (3) Sri Gauri Shanker Mukherjee, (4) Sri Gour Mukherjee, (5) Smt. Shamli Mukherjee, (6) Smt. Shyamli Mukherjee, (C) Sonali Muherjee, (B) Smt. Shyamli Mukherjee, (C) Sonali Muherjee, of Dhamyan, P.S. Haripal, Dist. Hoogly.

(2) Sri Prem Kumar S/o Dr. R. P. Sahu, R/o Burdwan Compound, P.O./Dist. Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 8 Kathas 2 Chhatak duly bounded, situated at Burdwan Compound, P.O./Dist. Ranchi and more-fully described in deed No. 3971 dt. 11.5.82 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Para.

Date: 15-1-83.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—
54—456GI/82

FORM ITNS-1--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 15th January 1983

Ref No. III-652/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Khata No. 292 and 298, Plot No 918 and 921, situated at Gaushala, P.O. Moti Nagar, Sindri, Dist. Dhanbad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 26-5-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sardar Sardul Singh S/o Late Charan Singh, R/o Chasnala, PO. Chasnala, Dist. Dhanbad.
 (Transferor)
- (2) Shri N. K. Jain S/o Late Pyarelal Jain R/O Gaushala, P.O Motinagar, Sindri, Dist. Dhanbad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land duly bounded measuring 8 Kathas 5 Chhatak 16 Sq. ft. with pucca house and tin shed situated at Gaushala, P.O. Moti Nagar, Sindri, Dist. Dhanbad and morefully described in deed no. 6549 dt. 26-5-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

H. NARAIN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 15-1-83.

Scal:

FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANÁL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. 111-649/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touzi No. 272, Thana No. 9, Khata No. 363, Plot No. 893, 900 to 903, situated at Mouza Sadikpur Yogi, P.O., Kankerbagh, Dist. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Brij Nandan Singh, Self and Natural Guardian of his minor daughter Kumari Namita, R/o Bahadurpur, P.S. Sultanganj Dist. Patna.
- (Transferor)
 (2) Shri Daroga Tiwari, President, Purbi Ashok Nagar Sahakari Grih Nirman Samity Ltd., At Purbi Ashok Nagar, P.O. Kanberbagh, Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 18 decimal situated at mouza Sadikpur Yogi, P.O. Kankerbagh, Dist. Patna and morefully described in deed No. I-3963 dt. 11-5-82 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Blhar, Patna.

Date: 13-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. III-651/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 272 Thana No. 9, Khanta No. 363, Plot No. 893, 900 to 903, situated at Vllage Sadikpur Yogi, P.O. Kankarbagh, District Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Muktamani Devi natural guardian and mother of Namita Kumar of Bahadurpur, P.S. Sultangani, District Patna.
- (Transferor)
 (2) Shri Purbi Ashoknagar Sahakari Grih Nirman Samity through Daroga Tiwari At Purbi Ashoknagar, P.O. Kankarbagh, Dist. Patna.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 18 decimal which is situated at Sadikpur Yogi P.O. Kankarbagh, District, Patna and more fully described in deed No. I-3960 dt. 11-5-82 and registered which registrar of Assurance, Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-1-83.

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th January 1983

Ref. No. III-648/Acq.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Tauri No. 272 Khata No. 363, Thana No. 9, Plot No. 893, 900 to 903 situated at Village Sadipur Yogi, P.O. Kankarbagh. District Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Brijnandan Singh Village—Bahadurpur, P.S. Sultangani, Distt. Patna

(Transferor)

(2) Shii Puibi Ashoknagar Sahakari Grih Nirman Samity Through Daroga Tiwari, President at Purbi Ashoknagar, P.O. Kankarbagh, District Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Open land measuring 17 decimal which is located at Sadikpur Yogi P.O. Kankaibagh, District-Patna and more fully described in deed No. T-3964 dated 11-5-82 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME:TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. III-646/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing Tauzi No. 272 Khata No. 363, Thana No. 9, Plot No. 893, 900 to 903, situated at Sadikpur Yogi, P.O. Kankarbagh, District Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Muktamani Devi Mother and Guardian of her minor daughter Namita Kumari of Bahadurpur P.S. Sultanganj, District, Patna.

(Transferor

(2) Purbi Ashoknagar Grih Nirman Samity, through Daroga Tiwari, President, At Purbi Ashoknagar, P.O. Kankarbagh, District Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land measuring 163 decimal and which is situated at Sadikpur Yogi, P.O. Kankarbagh District Patna and more fully described in deed No. I-3962 dt. 11.5.82 registered which the Registrar of Assurances, Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-1-83.

(1) Smt. Mukta Muni Devi R/o Bahadurpur, P.S.-Sultangani, Dist. Patna

(Transferor)

(2) Shri Daroga Tiwari, President Purbi Ashok Nagar Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. At-Purabi Ashok Nagar, P.O. Kankerbagh, Dist. Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001.

Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. III-647/Acq/82-83—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 272, Thana No. 9, Khata No. 363, Plot No. 900 to 903, situated at Mouza Sadikpur Yogi, P.O. Kankerbagh, Dist. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 161 decimal situated at mouza Sadikpur Yogi, P.O.-Kankerbagh, Distt. Patna and morefully described in deed no. I-3959 dt. 11-5-82 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA-800001 Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. III-650/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Touzi No. 272, Thana No. 9, Khata No. 363, Plot No. 900 to 903 situated at Mouza Sadikpur Yogi, P.O.—Kankerbagh Dist.—Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Anita Singh R/o Bahadurpur, P.S.—Sultanganj, Distt.—Patna.

(Transferor)

(2) Shri Daroga Tiwari, President Purbi Ashok Nagar Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. At—Purbi Ashok Nagar, P.O.—Kankerbagh, Dist.—Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 18 decimal situated at mouza Sadikpur Yogi, P.O.—Kankerbagh, Dist.—Patna and morefully described in deed No. I-3965 dt. 11-5-82 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA-800001

Patna-800 001, the 15th January 1983

Ref. No. 111-654/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

M. S. Plot No. 1457 Ward No. VII B, Holding No. 627/C, Sub Plot No. 1457 C situated at Burdwan Compound, P.O./ Dist .-- Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect 'of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--55-456GI/82

(1) 1. Shri Ashwani Kumar Mukherjee

2. Sri Ram Krishna Mukherjee

3. Sri Gauri Shanker Mukherjec

4. Sri Gour Mukherjee

Smt. Shamli Mukherjee, for self and for (A) Sri Amitabh Mukherjee (B) Smt. Shyamli Mukherjee (C) Sonali Mukherjee, of Dhamyan, P. S.—Haripal, Dist.—Hoogly.

(Transferor)

(2) Shri Anup Kumar Sahu S/o Dr. R. P. Sahu R/o Burdwan Compound, P.O./Dist .--Ranchi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 8 Kathas 2 Chhatak duly bounded, situated at Burdwan Compound, P.O./Dist.—Ranchi and morefully described in deed No. 3972 dt. 11-5-82 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

> H. NARAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-1-83

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA-800001

Patna-800 001, the 13th January 1983

Ref. No. III-644/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 5123, Khata No. 334, Khesra No. 1218 situated at Mouza-Mainpura, P.S.—Patliputra, Dist.—Patna Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 17-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sunderpati Devi W/o Sri Shiv Narain Singh, R/o Village—Mainpura, P.S.—Patliputra, Dist.—Patna At present residing at Village—Nizampur. P.O.— Sorajpur, Dist.—Patna.
 (Transferor)
- Shri Rajiv Ranjan Singh S/o Late Rom Pyare Singh,
 R/o Village—Belari,
 P.S.—Daudnagar,
 Dist.—Aurangabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 331 Decimal situated at Mouza Mainpura, P.S.—Patliputra, Dist.—Patna and morefully described in deed No. 4698 dt. 17-5-82 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th January 1983

Ref. No. 145/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House and Ground situated at No. 121, Pophamas Broadway,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (North) (Doc. No. 1591/82) on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 K. S. Prasanna Chidambaram, Katuputhur Village, Musiri Taluk, Tiruchirapalli Dist.

(Transferor)

(2) M/o Vivek Agencies, No. 133, Royapettah, High Road, Mylapore Madras-4 represented by its partners M/s B. A. Vasanthalakshmi, B. K. Nalini Jayanthi and B. C. Padmavathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(House and Ground at No. 121, Pophamas Broadway Madras-1 Doc. No. 1591/82).

R. P. PILI Al
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/c, Madras-600 006

Date: 11-1-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Kurshid Begum @ Begum Khan, Door No. 182, Chinnakadai St. Salem-1, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) R. Paramasivam, Door No. 199, II, Agraharam, Salem-1. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th January 1983

Ref. No. 64/May/82—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at door No. C. 1, Greenways Road, Fairlands, Salem-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salem (Doc. No. 2513/82) on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(House property at door No. C. 1, Greenways Road, Fairlands, Salem-4. (Doc. No. 2513/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/c, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref No 11/May/82—Whereas, I, R P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No 241 Govindappa Naicken situated at Street Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

North Madras (Document No 1671/82) on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Arumugam
 Shri V. A. Jagadish Minor
 Shri V. A. Ganesh Minor
 Shri V. A. Magesh Minor
 Shri V. A. Rajesh Minor
 Shri V. A. Arulmozhi Minor
 36 Subramanian Mudali Street,
 Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. S. Indermal Mr. Nagaraj Mr. Ashok Kumar Mr. Dilip Kumar 437 Mint Street, Madi as-1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 241 Govindappa Naicken Street, Madras 1 (Document No. 1671/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/c, Madras-600 006

Date: 13-1-1983

0

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 13th January 1982

Ref. No. 37/May/82.—Wheteas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and building in R.S. situated at No. 7634 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Document No. 194/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri R. Sundararamayya No. 52 Nammalwar Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) (1) Mr, Uthamchand-P (2) Mr Kirtikumar P (3) Mr, Rameshkumar P (4) Ravindarkumar P (5) Mr, Sureshkumar P Audiappa Naichen Street,

Madras-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (d) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in R. S. No. 7634 (Document No. 194 ' 82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, 1/C Madras-600006

Date: 13-1-83.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. R. Sengamalathammal W/o Shii T. Rangachariar
 Mrs Namagiri Ammal W/o Sri P. A. Srinivasan
 6th Cross Street, Shenoynagar Madras-30

(Transferor)

(2) M1. N. J. George S/o Shri N. I. Joseph 425 Kilpauk Garden Road Madras-10

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1982

Ref. No. 28 'May/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the timmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and building No. 21 situated at Sixth Cross street, Shenoy Nagat, Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periyamet (Document No. 700/82) on May 82. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21 Sixth Cross Street, Shenoynagar, Madras-30 Document No. 700/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-83.

- Shri S. M. Rajamanickam
- (2) Shri M. Kandaswamy
- (3) Shri R. Thulasidoss
 (4) Shri G. Kalivu
 No. 312 Sastri Nagar, 5th Street, Vyasarpadi, Madras-39.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. S. Visalakshi No. 27 Ramanujam Nagar, Ayanavaram Madras-23.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-J,

Madras-600006, the 13th January 1982

Ref. No. 37/May/82.-Whereas, I, I.R.P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Land 2 grounds 1297 Sq. ft. situated at Jn 30 Selavayal Village, Manavari S. No. 105 Part,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred under the Registration Act, 1908 has been (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam (Document No. 2512/82) on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land extent 2 grounds 1297 Sq. It. in No. Selavayal village Manavari S. No. 105 Part. (Document No. 2512 /82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Date: 13-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 45/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agriculture land in S. No. 98/2 situated at Chickannam-patti Village, Omalur Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Omalur (Document No. 909/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-456GI/82

- (1) Shri P. Kuppuswami Gounder S/o Shri Pongiyanna Gounder
- (2) Shri Chenniappan S/o Shri Pongianna Gounder

(Transferor)

(3) Shri Minor Murgesan

(4) Minor Malarkodi Kuppur Kattuvalavu, Chicknampatti Village Omalur Taluk Salam Dist

Taluk, Salem Dist.

(2) Mrs. M. Nainamalai W/o Shri Muthu 157M Palaniappa Nagar, Thiruvakavandanur Salem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land 5 acres and 3 cents at S. No. 98/2 at Chickannampatti Village, Omalur Taluk, Salem Dist. (Document No. 909/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Date: 13-1-83.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 48/May/82.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 18 Agraharam Theru situated at 5th ward Kasba, Trichengode Village, Namakkal Tk. Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichengode (document No. 1004/82) on May 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Smt. R. Padmavathi W/o Sri K. V. Ramasubbu
- R. S. Puram, Kasha, Coimbatore

 (2) Smt. K. V. Umaparvathi

 W/o Shri K. V. Venkateswaran

 Door No. 19 Agraharam Theru, Tiruchengode Village and Tk.
- (3) Smt. Shiyamala Ramachandran W, o Shri K. V. Ramachandran Andra
- (4) Smt. Dharmambal W/o Shri Ramaswamy Iyer (5) Shri R. Ramani S/o Smt. Padmavathi
- R. S. Puram Kasba, Coimbatore

(Transferor)

(2) Shri A. Arumugam S/o Shri Appavoo Gounder Smt. Rajam W/o Shri Arumugam Shri A. Prakash S/o Shri A Arumugam Shrimathi Kalaiyarasi W/o Lingappan Shri M. Nadanasapapathi S/o Shri Muthu Gounder. No. 2 Kamarajapuram Theru, Trichengode Village

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land and building Door No. 18 Agraharam Theru, 5th ward, Kasba, Trichengode Village, Salem Dt. (Document No. 1004/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Date: 13-1-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 105/May/82.—Whereas, I, R. P. PII.LAI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 1399 and 1393 situated at tlanji Village Tenkasi Total 45 acres and 90 cents

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Tenkasi (Document No. 382/82) on may 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Power Agent Muthu Devadas
 Brigadier T. K. Theogaraj
 No. 8 St. Thomas Road, High Grounds
 Payayamkottai, Tirunelveli Tk. & Dist.
 (Transferor)
- (2) Gay Travels Privated Limited 15 C. Nungambakkam High Road, Madras-34

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in ILANJI village, Tenkasi S. No. 1399 and 1393 Total extent of land 45 acres and 90 cents (Document No. 382/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Date: 13-1-83.

Seul:

FORM BINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri S. Ramaswamy S/o Shri Chellappa Gounder Shri Manoharan S/o Shri . Ramaswamy Shri Thiyagarajan Minor Kannankurichi, Salem Taluk

(Transferor)

(2) Shri A. Palaniappan S/o Shri Tnanda Gounder Jagir Ammapalayam Salem Tk. & Dist.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 129/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. Land at Kannan Kurichi Village situated at S. No. 194/8,201/1 and 201/2

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Salem I (Document No. 2289/82) on May 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Land at Kannankurichi S. No. 194/8 Acre Cents
201/1 1 88½
201/2 0 95

with 5 H. P. Pump set Document No. 2289/82

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Date: 13-1-83.

3067

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 130/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Kannankurichi Village situated at S. No.194/8, 201/1 and 201/2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem I Document No. 2290/82 on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri S. Ramaswamy S/o Shri Chellappa Gounder
 Manoharan S/o Shri S. Ramaswamy
- Shri Thiyagarajan Minor
- (4) Kannankurichi, Salem Tk.

(Transferor)

(2) SHRI Palaniswamy Shri Vadivel Shri Venkatachalam Sons of Palaniappan Jagir Ammapalayam, Salem

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kannankurichi Village S. No. 194/8 Acres Cents (Documents No. 2290/82).

881 95

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Date: 13-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Usha Rajan D/o Dr. S. Govindan Gokulam Convent Road, Trivandrum

(Transferor)

(2) Shri F. Victor Olav Fernandez Kuviallur Kattathur Post Kanniyakumari Dist.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 132/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Land and building In S. No. 2917 situated at Kulapram Village Vilavan Code Taluk-Land 1 acre and 5 cents.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Kollangode Document No. 822/82 on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1959);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 2917 in Kulapram Village Vilavan code T.K., extent of land 1 acre and 5 cents. (Document No. 822/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, I/C Madray-600006.

Date: 13-1-83.

FORM ITNS----

(1) Hajee Mohammed Sulaiman Saheb 44 Mariadoss Mudali Street, Madras-13

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yousuff K. Usman Shri K. A. Azcez No. 45 Mariadoss Mudali Street, Madras-13

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 13th January 1983

Ref. No. 144/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 44 Mariyadoss Mudali situated at Street, Madras-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North III (Document No. 1397/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are dfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 44 Mariadoss Mudali Street. Madras-13 (Document No. 1397/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, I/C Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1983

Ref. No. 8/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, Building and Machineries situated at Kothari Village, Karaikudi Taluk, Ramnad District. (Doc. No. 1512/82)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (North) on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) The Jawahar Mills Limited, 4. Nehur Nagaram, Salem-636 005.

(Transferor)

(2) Sri Nachammai Cotton Mills Pvt. Ltd. 27, Vasantham Buildings, Suramangalam Main Road, Salem-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Building and Machineries at Kothari Village Karaikudi, Ramnad District. (Doc No. 1512/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (I/c)
MADRAS-600 006

Date : 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th January 1983

Ref. No.99/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2497/3-1, 2497/4-1 and 42 Nagercoil situated at Nagercoil (Doc. No. 890/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-57—456GI/82

(1) Dr. Neenakumari, D/o Victor, Asari Pallam Road, Nagercoil.

(Transferor)

(2) Dr. James Duthie, Lalitha Duthie, Marayan Kudiyiruppu, Kottar P.O. Nagercoil.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 2s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2497/3-1, 2497/41 and 42, Nagercoil (Doc. No. 890/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
MADRAS-600 006

Date: 10-1-83.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1983

Ref No. 30/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25, Sami Chetty Street, situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet. (Doc No. 782/82) on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Sri Sahly Hameed,
 Sami Chetty St. Komaleeswaranpet,
 Pudupet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri Mohideen Peerali 33, Sami Chetty St. Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at No. 25, Sami Chetty Street, Madras-2. (Doc. No. 782/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
MADRAS-600 00

Date: 10-1-83.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Pistha Bai, 31, Egmore High Road, Egmore, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. R. Jothi, Kolathur, Mutur, Salem Dist.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1983

Ref. No. 25/May/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44, Harionton Road, situated at Chetpet, Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet. (Doc. No. 673/82). on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 44, Harionton Road, Chetpet, Madras (Doc. No. 673/82).

R. P. PILIAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (1/c)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-83.

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1983

Ref. No. 26/May/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 44, Harinton Road, situated at Chetpet, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc No. 674/82) on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Chainraj, 31, Egmore High Road, Egmore, Madras-8.

(2) Smt. R. Jothi, Kolathur, Mutur, Salem Dist. (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at 44, Harinton Road, Chetpet, Madras-3 (Doc. No. 674/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, I/c
MADRAS-600 006

Date: 10-1-83. Seal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1983

Ref. No. 27/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Present door No. 13, Old No. 6, situated at Muthu Gramani St. Periamet, Madras-3. (Doc No. 682/82).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) A. S. Rahmathulla, 23, Kattur Sadaiyappan St. Periamet, Madras-2.

(Transferor)

(2) U. Sharbunisha, No. 15, Wuthucattan St. Periamet, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall' have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at Present door No. 13, Old No. 6, Muthu Gramani St. Periamet, Madras-3. (Doc. No. 682/ 82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/c) MADRAS-600 006

Date: 10-1-83. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Jayakrishna Naidu, S/o Sri Ramaswamy Naidu, Vinnamangalam Village & Post Vaniampadi Taluk

(Transferor)

(2) Sri E. Sampath, Managing Partner, Bharath Rubber Co, Balur Vill Gudiyatham Taluk, NA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 5th January 1983

Ref No 39/May/82—Whereas, I, R. P PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No

No situated at Ambur, Vınnamangalam Village & Post, Vanıampadi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambur (Doc No 914/82) on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Ambur, Vinnamangalam Village & Poet, Vaniampadi Taluk (Doc No 914/82)

R. P PILI AJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
MADRAS 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 5-1-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITIO NRANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 5th January 1983

Ref. No. 2/May/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 69, Nattu Pillaiar Koll St. situated at G.T. Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 212/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1, S. Dwalkanath
 - 2. Harendranath
 - C. Samanthakamıni, 19, Ranganathan Avenue, Kilpau, Madras-10.

(Transferor)

- (2) 1. Leelavathi
 - 2. Nemichand
 - 3. Gautam Kumar
 - 4. P. Jain and 4. Bidami Bai
 - 47, Narayana Mudali St. Madras-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 69, Nattu Pillaiar Koli Street, Madres. (Doc. No. 212/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITIO NRANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th January 1983

Ref. No. 17270.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11. Ramaswamy St. Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 17280/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. D. Chandra Bai 9, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

 P. D. Narayanaswamy Reddiar, 15, Pudupet St., Alandur, Madras-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Ramaswamy St., Madras-17. (Doc. 1720/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-U,
Madras-600006

Date: 12-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITIO NRANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th January 1983

Ref. No. 17287.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

45, Ranganathan St., situated at Madras 17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1025/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
58—456GI/82

(1) R. Lakshmi 15, Cathedral Road,

(Transferor)

(2) S. Yogarathinam
S. Rajarathinam
S. Navarathinam
S. Selvarathinam
14, Ranganathan St.,
M'adras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 45, Rangathan St., Madras-17. (Doc. 1025/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 12-1-1983

Scal:

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 17260 —Whereas, I. R. P. PHILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

S No. 1639/1, situated at Mowbray, Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Mylapore (Doc. No. 1002/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri D. Ranganwamy.
 Mrs. Lakehmi Rangaswamy
 Bishop Wallers Avenue CIT Colony.
 Madras-4

(Tausferor)

(2) Mrs. Usha Sridharan, 7, VI Cross St., CIT Colony, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1639/1, Mowbrays Road, Madras-18, (Doc. 100/82)

R. P. PHLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Asquisition Range-11
Madras-600 006

Date : 12-1-83

Ser

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No 17260.---Whereus, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1639/1, situated at Mowbrays Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1003/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Rangaswamy, Mrs, Lakshmi Rangaswamy 4, Bishop Wallers Avenue, CIT Colony, Madras-4.

(Tansferor)

(2) Shii N. Venkatraman, 284, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1639/1, Mowbrays Rond, Madras-18. (Doc. 100/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Asquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 12-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 17260.—Whereas. I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No 1639/1, situated at Mowbrays Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1002/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. Rangaswamy, Mrs. Lakshmi Rangaswamy
 Bishop Wallers Avenue, CIT Colony, Madras-4.

(Tansferor)

(2) M/s. Thirumalai Engineers (P) Ltd., 283, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitnon of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1639/1, Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. 100/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Asquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 12-1-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 17260.—Whereas, I, R. P. PILLAJ

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1639/1, situated at Mowbrays Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1002/82) on May 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri D. Rangaswamy, Mrs. Lakshmi Rangaswamy
 Bishop Wallers Avenue, CIT Colony, Madras-4.
 M/s. Thirtymalai Constructions (P) Ltd

 M/s. Thirumalai Constructions (P) Ltd., 283, Mowbrays Road, Mudras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1639/1, Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. 100/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Asquisition Range-11
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 12-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACJUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 17260.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S No. 1639/1, situated at Mowbrays Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malapore (Doc. 1006/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of : --

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not be n or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. Rangaswamy
 Mrs. Lakshmi Rangaswamy

 Bishop Wallers Avenue,
 Madras-4.

(Transferor)

 M. Kanakammal Mrs. Jayalakshmi Sarangapani
 6th Cross St., CIT Colony Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1639/1. Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. 1006/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-1-1983

(1) G. Mahalakshmi 21, Ramanathan St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. R. Padmanabhan G. R. Radhakrishnan Rep. by G. Rajendran, 29, Ramanathan St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACJUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 17288.—Whereas, I, P. R. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 103 situated at Usman Raod Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1031/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 103, Usman Road, Madtas-17 (Doc. 1031/82)

R. P. PILLAI Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 000

Date: 12-1-1983

Scal

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Manickam 129, Nachimuthu Gr. St., Pollachi.

(Transferor)

(2) ATSC Paramasivam 13, Ramalingam St. Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACJUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref No. 12094.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS No 58/3, situated at Pollachi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pollachi (Doc. 1421/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS No. 58/3, Pollachi. (Doc 1421/82)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madras-600 00

Date: 12-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TH9 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX ACJUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 12085.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

27/48, Mettupalayam situated at Thadagam Extension, Combatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 2080/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—456GI/82

 S. Narayanan, & Sharma 48, Sir Shanmugham Chettiar Road, RS puram. Coimbatore.

(Transferor)

(2) RP Kandaswamy Chettiar 107, Sukrawarpet St., Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27/48, Mettupalayam Thadagam Extension, Coimbatore. (Doc. 2080/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-1-1983

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITIO NRANGE-I, MADRAS-600 006

Madra -600006 the 12th January 1983

Ref No. 12110—Whereas, I, R. P PILIAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 9/428P and situated at 8/1418/2P, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2228/82) on May 1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Velayudhan & C. Premakumari 10/67, Mariyappa Konar St., Kattoor, Coimbatore.

(Transferor)

 C. Janakiraman, 67, Sathyamurthy Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovoble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS No. 9/428P and 8/1418/2P Coimbatore (Doc. 2228/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kalapakam Krishnan, 8, Venkatesan St., Madras-17.

(Transferor)

(2) G. Ramachadran, 8, Venkatesan St, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th January 1983

Ref. No. 17282.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8, Venkatesan St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1108/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date on the publication of this notice in the Official Gazette.
- TAPIANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and and building at No. 8, Venkatesan St., Madras-17. (Doc. 1108/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1983

Scal:

Devika Rani
 13/1, Balaji Avenue, North Gangaimman
 Koil S.t, Vadapalani, Madras-26
 K. Shanthakumr,
 AP Road Hnd Lane, Choolai, Madras-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Sornam 24, Ramanujam Chetty St. Madras-600 034,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006 dated 12th January 1983

Ref. No. 17291.—Whereas, I. R. S. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Ramanujam situated at Chetty St., Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1107/82) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Jater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the esaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and and building at 9, Ramanujam Chetty St., Madras-34, (Doc. 1107/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1983

Scal

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006 dated 12th January 1983

Ref. No. 17290.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 76, Bazullah Road, situated at Madras-17 at T. Nagar (Doc. 1076/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Kum. Anitha Sribari Kum, Preethi Srihari 17, College Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) M. Arjumaj 8, I Et., Wallace Garden Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land building at 76, Bazullah Road, Madras-17. (Doc. 1076/82)

> R. P. PILLAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17207—Whereas, J. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a foir market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Plot No. B2 situated at 4, Raghaviah Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras South (Doc. 1638/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) J. Ratnalu, 9, Sambasiyam St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. K. A. Marjan Begam, 22, Dhandapani, St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No B2, 4, Raghaviah Road, Madras-17. (Doc. 1638/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-1-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION: R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madray-600 006, the 12th January 1983

Ref No. 12114.-Whereas, I, R P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. GS. No. 384/1, situated at Telungupalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2111/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, increloic, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. Rangaswamy Naicker R. Muniappan, Thirumalamaickempalayam, Telungupalayam, Coimbatore Tk. (Transferor)

(2) A. Janaki A. Viswanathan, 7, Ramalinganagur I ay out, Coimbatore-11

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at GS. No. 384/1, Telungupalayam. (Doc. 2111/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006 dated 12th January 1983

Ref. No. 12114.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 384/1, situated at Telungupalayam, Coimbatore at Mouza Khanda Babakerpur P.O., Danapur, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2110/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

(2) R. Ananthanarayanan
 Site 5, Bhunaveswari Nagar Layout,
 Thadagam Road, Coimbatore
 P. R. Ramakrishnan
 P. R. Balasubramanian
 58, Shastri Road, Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 384/1, Telungupalayam, Coimbatore (Doc. 2110/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-1-1983

FORM LT.N.S.-

 P. D. Jose, 15/10-2A, Bharathi Park Road, Coimbatore-11.

(Transferor)

(2) Bombay Saint Paul Society Rep. by Bro. Augustine Pullokaran, 23rd Road, TPS III Bandra, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th January 1983

Rcf. No. 12111.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing GS. No. 350/2, 351/2 situated at Sanganur, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2192/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at GS. No. 350/2, 351/2, Sanganur, Coimbatore.

(Doc. 2192/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—456GI/82.

Date: 12-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1983

Ref. No. 17283.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. 15A, Boag Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed ereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at T. Nagar (Do. 1267/82) on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Viswanath Jajodia, Kasinath Jajodiah, M/s. Associated Pharmaceutical Industries (P). Ltd.. 15, Boag Road, Madras-17.
 (Transferor)
- (2) M. N. Rajaraman,
 N. Boralingiah,
 A. S. Vasan,
 N. G. George,
 S. C. M. Jamaldeen
 S. M. Kabeer,
 No. 6, Vidyodaya 1st Cross Road,
 Madras-600 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 15A, Boag Road, Madras-17. (Doc. 1267/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madray-600 006

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Povanambal,
 P. Veerapandia Nadar,
 127, Palace Road, Santhome, Madras-4.

(Transferor)

(2) M. Chinnaswamy, 146, Luz Church Road, Madras-600 004.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1983

Ref. No. 17252.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ---- situated at Madias

(and more fully descr.bed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 871/82) on May 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have meason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Madras (1 ground and 424 Sq. ft.). (Doc. 871/82)

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) T. Sundaravadivelu, 14A, Saravana Mudali St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. K. C. Anuradha Srinivasan, 4/12, Sambasiyan St., Madias-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias, the 13th January 1983

Ref. No. 17199.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 14A. situated at Saravana Mudalı St., Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at T. Nagar (Doc. 951/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and building at Flat 14A, Saravana Mudali St., Madras-17. (Doc. 951/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S.----

(1) Mrs. Chandrakala Gulecha, 39, Sarojini St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) T. Sundaravadivelu, 14A, Saravana Mudali St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1983

Ref. No. 17200,—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat B5 (New No. 17) situated at First floor, 37A, Motilal St., Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 963/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at Flat B5 (New No. 1E) 37A, Motilal St., Madras-17. (Doc. 963/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-1-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1983

Ref. No. 17203.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 4, Habibullah Road I St., situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 974/82) on May 1982

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Nagamma Vasudevan,
 Vasudevan,
 Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mis. V. Leela, 34, Prakasam Road, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Habibullah Road I St., Madras-17. (Doc. 974/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1983

Ref. No. 17426.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Block

No. 16, Fourth St., situated at Subbaraya Nagar, Madrus-24 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1824/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. S. K. Murthy, 2, Pattabirama Iyer St., Madras-600 001.

(Transferor)

M. A. Abdul Rahman,
 S/o A. K. M. Allapichai Ambalam,
 Kannup'llai St., Karaikudi, Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lund and building at 16. Fourth St., Subbaraya Nagur, Madras-24. (Doc. 1824/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-1-1983

Scál:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th January 1983

Ref. No. 9801—Whereas, I.R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 29 and 29/1, Jawaharlal situated at Nehru St., Karaikkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikkal (Doc. 258/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Maria Rojalin Louisiya,
 Nehru St., Karaikkal.

(Transferor)

(2) Hajce Mohd. Abdul Khader Maraikayar, (Alias) Kappal Vappa, 158, Kamaraj Road, Karaikkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 29, 29/1, Jawaharlal Nehru St., Karaikkal.
(Doc. 258/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th January 1983

Ref. No. 9805.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Venkatanagar, Saram situated at Ozhukkarai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukkarai (Doc. 569 and 570/82) on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—456GI/82

 Mary Suguna Josephin, Gnanasundaram,
 Ranga Pillai St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Arul Devadoss Gandhi,
S/o Chellanathan Aarmel,
St. Rosario St., Muthiyalpet, Pondy,
S. Aroularmel S/o Chellanathan,
51, Rungapillal St., Pondy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Venkatanagar, Saram, Ozhukkarai, (Doc. 569, 570/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Madras-600 006

Date: 12-1-1983

FORM TINS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th January 1983

Ref. No. 9799,—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. No. 135, situated at 16, Door No. 2A, 10, Colony Main Road, Thillainagar, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Worniyur (Doc. 1127, 1138, 1142, 1175, 1176, 1177/82) on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 VRKRL Lakshmanan Chettlar, S/o Karuppannan Chettlar, Thillainagar, Trichy.

(Transferor)

A. Narayanaswamy, Rajeswati,
 N. Koneswati, Mohanraj, Krishnaraj,
 N. Maheswati,
 Colony Main Road, Thillainagar,
 Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 135, 16, 2A, 10, Colony Main Road, Thillainagar, Trichy.

Doc. Nos. 1127, 1138, 1142, 1175, 1176, 1177/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-1-1983

3105

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17280.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Valmini St., situated at

Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at T. Nagar (Doc 1150/82) in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S Guha Roy 7, Valmiki St., Madras-17.

(Transferor)

(2) P. Shanmughanathanby mother and guardian S. Vallammai6, Sait Colony II St., Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 8, Valmiki St., Madias-17. (Doc. 1150/82).

R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17292.—Whereas I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Valmiki St., situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at T. Nagar (Doc. 1149/82) in May 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Guha Ray 7, Valmikhi St., Madras-17.

(Transferor)

(2) P. Shanmughanathan
 Rep. by mother & Guardian
 S. Valliammal,
 6, Sair Colony, II St., Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Valmikhi St., Madras-17. (Doc. 1149/82).

R. P. PILLAI, Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17264.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. 4, Venus Colony I St., situated at Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 971, 972, 983/82) in May 82 for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent—consideration therefor—by—more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said—instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. S. Ambhujam
 MS. Raghunathan
 M. S. Ananth,
 Venus Colony, Madras-18.

(Transferoi)

(2) D. Sakku Bai, 1, Sami Chetty St., Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Venus Colony Madras-18, (Doc. 971, 972, 973/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17276.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Babu Rajendra Prasad situated at St., Madras-33.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1210/82)

in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

C. M. Natarajan,
 C. N. Sankaran,
 S. Sateesh, C. N. Sckar, S. Pravcen,
 C. N. U. Maheswaran, M. Aswin, C. N. Navin,
 C. N. Raghuraman

C. N. Ravi, R. Manoj

5, Babu Rajendra Prasad St., Madras-600 033. (Transferoi)

(2) S.* Appaswamy, Usha Janakiraman,

3, Mangesh St., Madras-600 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Babu Rajendra Prasad St., Madras-33. (Doc. 1210/82)

R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17201.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No. 2, Gandhi St., Madras-17 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 965/82) in May 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. Swaminatha Mudaliar S/o Thiagaraja Mudaliar, Kumaran East St., Maniakollaj, Tanjore Dt.

(Transferor)

(2) G. Nagarajan, Flat No. 101, 20, Rameswaram Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Gandhi St., Madras-17, (Doc. 965/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madra 5-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17266.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1, 2, 3, 4, 5, 5A, 6, 7, 8, 9, 10, 11, situated at 11A and 11A1, Thiruchinankuppam Road, Thiruvotriyur, Madias

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Thiruvotriyur (Doc. 1295/82) in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kuppulakshmi
 Thiruchinankuppam Road
 Madras-19.

(Transferor)

(2) Metal Components 57A, Sullivans Garden Road Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, 2, 3, 4, 5, 5A, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 11A and 11A1, Thiruchinankuppam Road, Madras-19. (Doc. 1295/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras 600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17210.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 69, Poes Gardens, situated at Madras-600 086

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1706/82) on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely :-- 62-456GI/82

(1) Anitha Srihari 19, College Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) M. S. Kandaswamy, K. Savithri, K. Shanmugho Velayutham 9, Soit Colony II St., Madras-8

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land and building at 69, Poes Gardens, Madras-86. (Doc. 1706/82).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras600 006.

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICF OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17286.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, Bazullah Road, situated at bearing No. 43, Bazullah Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at T. Nagar (Doc. 962/82) in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the evict of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Narayanan

N. Ramani,

43, Bazullah Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) M1. Parameswari Natarajan, 41, Chamiers Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 43, Bazullah Road Madras-17, (Doc. 962/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madray600 006,

Date: 13-1-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17281.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No. 14, II St., Dr. Thirumurthy situated at Nagar, Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at T. Nagar (Doc. 1140/82) in May 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) D. Janaki 13, II St., Dr. Thirumurthy Nagar, Madras-34.

(Transferor)

(2) Mirza Mohammed Jawad Namazi 40, New Tank St., Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14, II St., Dr. Thirumurthy Nagar, Madras-34. (Doc. 1140/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17274.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 20, Haddows Road situated at Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Madras South (Doc. 1768/82) in May 82 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Homi F. Kapadia Radabe H. Kapadia Faredun H. Kapadia 18, Haddows Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Arjundas TanwaniM/s. Mulchandani Enterprises42, Elgin Road, Calcutta-700 020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 20, Haddows Road, Madras-6. (Doc. 1768/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 13th January 1983

Ref. No. 17278.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 30, Arcot Mudaliar St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at T. Nagai (Doc. 1185/82) in May 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

P. Krishnamachari,
 K. S. Raghavan
 Arcot Mudaliar St.,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) K. S. Ananthanarayanan, 24, Hensmen Road, Madius-17.

(Transf 'rce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J'NPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 30, Arcot Mudaliar St., Madias-17. (Doc. 1185/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1 1983

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1983

No. F 13/4/82-EI(B)

New Delhi, the 12th February 1983

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLA-HABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITA-MAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRI-VANDRUM commencing on the 24th July, 1983 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 12th February, 1983.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE LXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF HEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUM STANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See ABNEXURE I, PARA 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi-10011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in ge case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST BERVICE EXAMINATION, 1983 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1983 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. A candidate should indicate in Col. 25 of the Application Form the order of preferences for State/Joint Cadres of

the Service to which he would like to be considered for allotment.

No request for alteration in the order of preferences for the State/Joint Cadres indicated in the Application Form would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the publication of the result of the written examination in the Employment News. No communication either from the Commission or from the Government of India would be sent to the candidates asking them to indicate their revised preferences, if any, for various State/Joint Cadres after they have submitted their applications.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholper House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 4th April, 1983 (18th April, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkin, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District of Humacoal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshauweep and for candidates residing abroad from a date prior to 4th April, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District of Himschal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshalweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evid cace to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Alunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date priod to 4th April, 1983.

Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalays, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rupees fortyeight) [Rs. 12.00 (Rupees twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application,

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW

- 7. The Commission may at the discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight) in the case of candidates belonging to Scheduled Caster and Scheduled Tribes] will be made to candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examinaton or selection.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9 If any candidate who took the Indian Forest Service Framination held in 1982 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 examination his candidature for the 1983 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1982 examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE APTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question paper in General Knowledge as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see it they are elipible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BFFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 24th June, 1983, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card, must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

Candidates should further note that under no circumstances will they be allowed a change in any of the subjects they have indicated in their application form for the Examination

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certifled copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 \times 27.5 cms.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (iv) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A AZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE PERSONALITY THE ON THE EXAMINATION WILL BE FOURED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE OFFICE OF SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CRITICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATES OF SANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION

NOTE (ii) Candidates are further required to sign the rested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (1) to (iv) shave are given below and in para 6 and those of items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(1) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed

Each Postal Order should invariably be crossed and com-

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will 100 not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing of Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK Draft for the prescribed fee-

Pank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of it dia. Main Branch, New Delhi and should be duly cressed.

In no case will Bank Drafts draws on any other Bank has accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School I caving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Flighter Secondary Examination or an equivalent examination page when it an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No exter document relating to age like boroscopes. Midsvive with extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The corression Matriculation/Higher Secondary Franciscotion creditate in this part of the instruction includes the afteruntive certificates mentioned above.

Semetiones the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the app by completed years or completed years and mountain such cases, a condidate must send in addition to be attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Condidates are warned that unless complete proof of seasons left down in these instructions is sent with an application. The application will be rejected.

- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING FORTES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
 AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON
 THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
 FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
 OR GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD AISO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN C'I AIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AW FXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSPOUPNTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Education Qualification:—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualification prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate if the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one of more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidate who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination,

(iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3 (iv) above without a reasonable explanation for its absence baving been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the mirrors of his own education.

The form of centificate ig be produced by Society of Caster and Scheduled Tribes sundifficity and Island in posts under the Government of India.

Number and Design idio Thistons tour Cortest that Shri/Shrimati/Kumari -—son/daughter of _____in District/Division of village/ District/Division*town* the Constitution (Scheduled Castes), Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) (Inion Territor)

2 He is due for release fred rement we find the Complete his recent in the

ias amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Fastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tilbes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Tribes, Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*____

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Coa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Ordes, 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari*..... his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*..... of the State/Union Territory*of.

Signature.....

**Designation.....

"Please delete the words which are not applicable.

syad likii is an uspartate sin and in origin. Then harma claiming age enquances and connected and in the spartate of the connected and spartated and the connected and connect

Collector/Deputy Commissioner/Additional good puty Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendialy Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner

yzsibnegijā zsajandratatelalishtised smiltvotied the Africane. Services

claiming age concession under Ruk shibakskii) or 4(h) | r)

should produce an attested/certified copy of a certificate in
should produce an attested/certified copy of a certificate in
the form prescribed below from the Director General Resettla
test the complete of the complete of the certificate of the certified the complete of the certificate of the cert while in the interpretation of the state of with any foreign country or in a disturbed area and crienced

יד ע כסתאפטוורדוכא לה יי

- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concessions under Rule 4 (h)(ii) or 4(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to shouth that he is a bona fide displaced persons from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1981:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director ((Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4 ((b)(iv) or 4(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964
- (ili) A repatrlate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4 (b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may he resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate

Signature
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

- (v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 4(b)(x) or 4(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bonu fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(b)(xil) or 4(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 4(b)(xiv) or 4(b)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
- (A) Applicable for Released/Rettred Personnel.

It is certified that No.	- Rank			
Name ——— whose	date of	birt	h is –	
has rendered service from			- 	
to in Army/Navy/Air Fo	irce and	he	fulfils	ONE
of the following conditions:-				

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

(B) Applicable for serving personnel,

It is certified that No Rank -	
Name ——— whose date of birth ————	is
serving in the Army/Navy/Air Force from	-

2. He is due for release/retirement w.e.f. _____ and is likely to complete his assignment of five years by ____

3. No disciplinary case is pending against him.

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:

(a) In the case of Commissioned Officers including ECOs/SSCOs

Army—Directorate of Personnel Services, Army Hars. New Delbi.

Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hqrs. New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs. New Delhi.

(b) In the case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force Air Force Records, New Delhi.

- (viii) A dsplaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 4(b) (xvi) or 4(b) (xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - Camp Commandant of the Tran(sit Centres or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii), (iii) and (viii) above, and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Office or a Gazetted Officer or Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms).
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particular that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or after or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied or a certain date will not be accepted as an excuse for the lat submission of an application. The supply of an application from does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examnaton.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications; Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofusel towns.

- 13, Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE. SHAHIAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL. NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE—II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General knowledge paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as reponses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Mannual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ..., etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, rectangular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the rectangle, containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manne, as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes afterthe commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After tinishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET. OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously, If any entry in the Answer Sheet is ambiguous, you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certincate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-boad on which nothing should be written. you are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination shall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your sent in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet, on recient of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note -- *denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers, because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the emergepheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyma)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the mea-

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃VO₄ is

- (a)VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V₂O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage andmarginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the vecolicity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3 (d) C/9
- 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax-b
- (b) Y = ax

- (c) y == ae + be
- *(d) y== aex--a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a bionimal variate is 5. The variance can be.

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -- 5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burnes.
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- "(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical sistem in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cūrvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā. Cārvāka.

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) Indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state

- (c) instrumental learning.
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weeker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived ctasses
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to sorve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.